



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 366]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 9, 2016/अग्रहायण 18, 1938

No. 366]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 9, 2016/AGRAHAYANA 18, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 2016

अंतिम जाँच परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाइल्स ऑफ ऑयरन, अलॉय या गैर-अलॉय स्टील (कॉस्ट आयरन और स्टैनलैस स्टील से भिन्न) चाहे वे हॉट फिनिश हों या कोल्ड ड्रान या 355.6 एमएम या 14 सीडी" ओडी से अनधिक वाह्य व्यास के हों, के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच।

सं. 14/02/2015-डीजीएडी.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः मेसर्ज आईएसमटी लिमिटेड और मेसर्ज महाराष्ट्र सीमलैस लिमिटेड (जिन्हें आगे 'आवेदक' या 'घरेलू उद्योग' कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार "चीन जनवादी गणराज्य (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाइल्स ऑफ ऑयरन, अलॉय या गैर-अलॉय स्टील (कॉस्ट आयरन और स्टैनलैस स्टील से भिन्न) चाहे वे हॉट फिनिश हों या कोल्ड ड्रान या 355.6 एमएम या 14 सीडी" ओडी से अनधिक वाह्य व्यास के हों (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तुएं भी कहा गया है), के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच की शुरूआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्होंने पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति का आरोप लगाया गया है और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

3. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये गये पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 8 जुलाई, 2015 की अधिसूचना सं. 14/2/2015-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसमें पाटनरोधी नियमावली के उप नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच की शुरूआत की गई ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है:-
- (1) निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपरोक्त नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योगों की ओर से आवेदन से लिखित आवेदनपत्र प्राप्त हुआ है जिसमें उन्होंने "चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाईल्स ऑफ ऑयरन, अलॉय या गैर-अलॉय स्टील का पाटन होने का आरोप लगाया गया है।
 - (2) आवेदन-पत्र की प्रारंभिक जांच करने से उसमें कुछ कमियों का पता चला था जिन्हें बाद में आवेदक द्वारा दूर आशोधित कर दिया गया था। इसलिए आवेदन-पत्र को उपयुक्त दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किया गया मान गया है।
 - (3) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन-रोधी संबंधी आवेदन-पत्र की प्राप्ति के बारे में भारत में स्थित संबद्ध देश के दूतावास को सूचित कर दिया है।
 - (4) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच शुरू करने के बारे में भारत के राजपत्र में दिनांक 6 जुलाई, 2016 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की है।
 - (5) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति संबद्ध देश के भारत में स्थित सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात उत्पादकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग के साथ-साथ अन्य घरेलू उत्पादकों को आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए उनके पतों के अनुसार प्रेषित की गई थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि वे जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने लिखित विचारों से अवगत करा दें।
 - (6) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में संबद्ध देश के दूतावास को आवेदन-पत्र के अगोपनीय वृतान्त की एक प्रति प्रदान की है।
 - (7) भारत में संबद्ध देश के दूतावास से यह भी अनुरोध किया गया था कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत कर दें। निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली के साथ चीन जनवादी गणराज्य से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पतों की प्रति भी उन्हें भेजी गई है।
 - (8) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार ज्ञात निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों से संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावलियां भेजी हैं:-
 - (क) हेवेल होंगलिंग सीमलैस स्टील पाईप्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ख) जिआंगसू हुआचेंग इंडस्ट्री ग्रुप कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ग) पंगांग ग्रुप चेंगडु ऑयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (घ) सुझोऊ सीमलैस स्टील ट्यूब वर्क्स, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ङ) टिआन्जिन पाईप (ग्रुप) कार्पोरेशन, चीन जनवादी गणराज्य
 - (च) वुक्सी डेक्सिन स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (छ) वुक्सी डोन्गबु पाईप इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ज) क्सिगांग सीमलैस स्टील पाईप कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (झ) झांगजिगांग वाईयांग पाईप प्रोड्यूसिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ञ) यान्टल लुबाओ स्टील पाईप कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ट) पंगांग ग्रुप चेंगडु स्टील एंड वेनेडियम कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ठ) इनर मोंगोलिया बाओटाऊ स्टील यूनियन कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ड) यांगझाऊ लोनट्रीन स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ढ) जिआंगसू चांगबाओ प्रिसिजन स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य

- (ग) शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पेट्रोलियम स्टील पाईप कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (द) जिआंगसू चेंगले स्ट्रीट ट्यूब शेयर कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (घ) अनहुई टिओंडा ऑयल पाईप कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (ज) चांगवाड स्ट्रीट ट्यूब जुआंगसू चांगवाओ स्ट्रीट ट्यूब कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (क) मरटेक्स यूके लिमिटेड, यूके
- (क) कीर्तनला इंटरनेशनल, दुबई
- (9) संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-
- (क) टिआन्जिन पाईप मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (ख) टिआन्जिन पाईप इंटरनेशनल इकोनोमिक एंड ट्रेडिंग कार्पोरेशन, चीन जनवादी गणराज्य
- (ग) हुवेर्इ क्रिसनयेगांग स्टील कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (घ) यांगझाऊ चेंगडे स्टील पाईप कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (ङ) जिआंगसू चेंगले स्ट्रीट ट्यूब शेयर कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (च) हेंगयांग वेलिन स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (छ) हेंगयांग वेलिन एमपीएम कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (ज) हेंगयांग स्टील ट्यूब ग्रंप इंटरनेशनल ट्रेडिंग इंक लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (झ) जिआंगसू वेलिन-क्रिसआंग स्पेशल स्टील कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (च) जिआंगसू चांगवाओ स्टील ट्यूबलर्स कार्पोरेशन, चीन जनवादी गणराज्य
- (ट) जिआंगसू चांगवाओ स्टील ट्यूब लिमिटेड कंपनी, चीन जनवादी गणराज्य
- (ठ) चांगझाऊ चांगवाओ प्रिसिजन एंड स्पेशल स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (ड) जिआंगसू चांगवाओ प्रिसिजन स्टील ट्यूब एनर्जी कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (च) यांगझाऊ लोनट्रिन स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (ण) शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पेट्रोलियम स्टील पाईप कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (त) पंगांग ग्रुप चेंगडु स्टील एंड वेनेडियम कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (थ) इनर मोंगोलिया बाओटाऊ स्टील यूनियन कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (द) मर्टेक्स यूके लिमिटेड, यूके
- (10) चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में गैर-वाजार अर्थव्यवस्था के निरूपण का खंडन करते हुए वाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) का कोई दावा नहीं किया है।
- (11) प्राधिकारी ने नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित जात आयातकों/निर्यातकों के आयातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं।
- (क) समीर मेटल एंड ट्यूब्स, मुंबई
- (ख) मेटेलिक मेटल इंडिया, मुंबई
- (ग) नार्दन स्टील ट्रेडर्स प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली
- (घ) गांधी स्पेशल ट्यूब्स लिमिटेड, मुंबई
- (ङ) भारत अर्थ मूर्वर्स लिमिटेड, कोलर, कर्नाटक
- (च) मरठवाडा ऑटो कोम्पो प्राईवेट लिमिटेड, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
- (छ) जी. बी. इंजीनियरिंग इंटरप्राईजिज प्राईवेट लिमिटेड, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
- (ज) एंड्यूरेस टेक्नालॉजीस प्राईवेट लिमिटेड, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
- (झ) किशोर वाडला प्राईवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- (च) भारत इंटरप्राईजिज, मुंबई
- (ट) सितसोन इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, थाणे, मुंबई
- (ठ) विप्रो लिमिटेड, थुमकुंटाहिन्दुपुर, आंध्र प्रदेश

- (३) इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (रिफाईनरी डिवीजन), मथुरा, उत्तर प्रदेश
 (४) रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जामनगर, गुजरात
 (५) श्री श्याम ट्रेडिंग कंपनी, कोलकाता
 (६) एस. एस. इंजीनियर्स, पुणे, महाराष्ट्र
 (७) हेमेल, भटिंडा, पंजाब
 (८) विनायक ट्यूब्स, पुणे, महाराष्ट्र
 (९) आरएसबी ट्रांसमिशन्स (इं.) लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र
 (१०) हाई-टेक इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन इंडिया प्राईवेट लिमिटेड (इंडिया), पुणे, महाराष्ट्र
 (११) एल्स्टॉम प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल
 (१२) भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, अम्बालमुगल, केरल
 (१३) सुप्रीम स्टील्स, वडोडरा, गुजरात
 (१४) इंडस्ट्रियल मेटल कॉर्पोरेशन, मुंबई
 (१५) राने (मद्रास) लिमिटेड, चैन्नई
 (१६) प्रवीण इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
 (१७) इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड हॉलिदया, पश्चिम बंगाल
 (१८) फेग वियरिंग्स इंडिया लिमिटेड, नववडोडरा, गुजरात
 (१९) टेक्नोट्रेक, अहमदनगर, महाराष्ट्र
 (२०) रायगढ प्लास्टिक्स प्राईवेट लिमिटेड, रायगढ, महाराष्ट्र
 (२१) जे. आर. सीमलैस प्राईवेट लिमिटेड, सिकन्दराबाद
 (२२) मुरुगन स्टील्स एंड ट्यूब्स, चैन्नई
 (२३) महा फिटिंग्स प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली
 (२४)(२५) स्ट्यूब्स इंडिया, मुंबई
 (२६)(२७) विभोर स्टील ट्यूब्स प्राईवेट लिमिटेड, रायगढ, महाराष्ट्र
 (२८)(२९) गंजानन ट्यूब्स, मुंबई
- (१२) निम्नलिखित द्वारा आयातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए गए हैं:-
- (क) माईक्रो इंडस्ट्रियल मार्ट, रोहतक, हरियाणा
 (ख) माइक्रो टर्नर्स, हरिद्वार
 (ग) एसकेएफ इंडिया लिमिटेड, पुणे
 (घ) फेग वियरिंग्स इंडिया लिमिटेड, मुंबई
 (ङ) नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कोलकाता
 (च) रामा सिलिंडर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
 (छ) एक्वरेस्ट कंटो सिलिंडर लिमिटेड, मुंबई
 (ज) केयरन इंडिया लिमिटेड, गुडगांव, हरियाणा
- (१३) निम्नलिखित अन्य घरेलू उत्पादकों को जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना भेजी गई थी:-
- (क) जिंदल सॉलिमिटेड, नासिक
 (ख) सीमलैस लिमिटेड, मुंबई
 (ग) रेमी मेटल गुजरात लिमिटेड, भડौच, गुजरात
 (घ) भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, तिरुचिरापल्ली, तमिल नाडु
- (१४) इस जांच के दौरान प्रतिवादी निर्यातकों, आयातकों, घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों के अतिरिक्त निम्नलिखित पक्षकारों से भी निवेदन प्राप्त हुए हैं:-
- (क) मरटेक्स यूके लिमिटेड, यूके

- (ख) फेग वियरिंग्स इंडिया लिमिटेड, मुंबई
- (ग) नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कोलकाता
- (घ) केरन इंडिया लिमिटेड, गुडगांव, हरियाणा
- (ङ) एसकेएफ इंडिया लिमिटेड, पुणे
- (च) माईक्रो टर्नर, हरिद्वार
- (छ) माईक्रो इंडस्ट्रियल मार्ट, रोहतक, हरियाणा
- (ज) रामा सिलिंडर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुंबई
- (झ) एवरेस्ट कॉटो सिलिंडर लिमिटेड, मुंबई
- (ञ) जिआन्गसु चेंगडे स्टील ट्यूब्स पाईप कंपनी लिमिडि, चीन जनवादी गणराज्य
- (ट) जांगज्ञाऊ चेंगडे स्टील पाईप कंपनी लिमिडि, चीन जनवादी गणराज्य
- (ठ) सीमलैस ट्यूब्स मेन्युफ्क्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया
- (ड) भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
- (ढ) हैवी मेटल एंड ट्यूब्स लिमिटेड
- (15) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तान्त, हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए एक सार्वजनिक फाईल के रूप में खुले उपलब्ध करा दिए हैं।
- (16) आवेदक ने वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महा निदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) स्रोत से प्राप्त किए गए कारोबार-वार आयात के आंकडे प्रस्तुत किए हैं और प्राधिकारी ने जांच शुरू करने के लिए प्रदम दृष्ट्या उन पर विश्वास किया है। जांच शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने विगत तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महा निदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से भी कारोबार-वार आयात के आंकडे प्राप्त किए हैं और इस जांच परिणाम के लिए उन पर विश्वास किया है।
- (17) सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और संबद्ध वस्तुओं के निर्माण व विक्री की लागत के आधार पर गैर-क्षतिकारी कीमत (एतदपश्चात इसे "एनआईपी" कहा गया है) की गणना की गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। तदनुसार निम्नलिखित "पीसीएन" के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत निर्धारित की गई है:-

| पीसीएन | | विचाराधीन उत्पाद का विवरण |
|--------|--|---|
| ए-1-1 | | सीमलैस ट्यूबिंग किस्म, जिसका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग करने में किया जाता है, कार्बन/गैर-अलॉय/अलॉय, हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोल्ड, जिनका व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक नहीं है। |
| ए-1-2 | | सीमलैस केसिंग, जिसका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग करने में किया जाता है, कार्बन/गैर-अलॉय/अलॉय, हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोल्ड, जिनका व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक नहीं है। |
| ए-1-3 | | सीमलैस मदर होलोज, जिनका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग करने में किया जाता है, कार्बन/गैर-अलॉय/अलॉय, हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोल्ड जिनका व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक नहीं है। |
| ए-1-4 | | सीमलैस ड्रिल पाईप्स, जिनका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग करने में किया जाता है, कार्बन/गैर-अलॉय हॉट फिनिश, जिनका व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक नहीं है। |
| ए-1-5 | | कार्बन/गैर-अलॉय स्टील के लाईन पाईप्स सहित सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाईल्स जिनका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग करने में किया जाता है, हॉट फिनिश, जिनका व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक नहीं है। |
| ए-1-6 | | कार्बन/गैर-अलॉय स्टील के लाईन पाईप्स सहित सर्कुलर क्रोस सेक्शन के सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाईल्स, जिनका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग करने में किया जाता है, हॉट फिनिश, |

| | |
|-------|---|
| | जिनका व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक नहीं है। |
| ए-1-7 | लाईन पाईप्स और अलॉय स्टील की बियरिंग स्ट्रॉबस सहित सर्कुलर क्रोस सेक्शन के सीमलैस स्ट्रॉबस, पाईप्स और होलो प्रोफार्डल्स, जिनका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग करने में किया जाता है, हॉट फिनिश, जिनका व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक नहीं है। |
| ए-1-8 | लाईन पाईप्स और अलॉय स्टील की बियरिंग स्ट्रॉबस सहित सर्कुलर क्रोस सेक्शन के सीमलैस स्ट्रॉबस, पाईप्स और होलो प्रोफार्डल्स, जिनका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग करने में किया जाता है, कोल्ड ड्रान या कोल्ड रोल्ड या कोल्ड रिडयूस्ड, जिनका व्यास 355.6 एमएम या 14" ओडी से अधिक नहीं है। |

- (18) प्राधिकारी द्वारा जितना आवश्यक समझा गया है, आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच की गई है। वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ जहां कहीं भी लागू होता है वहां, केवल उसी सत्यापित सूचना पर विश्वास किया गया है।
- (19) मौजूदा जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि, 1 जनवरी, 2014 से 31 दिसंबर, 2014 तक (12 महीनों की) है। तथापि, क्षति का विश्लेषण करने के प्रयोजनार्थ वर्ष 2011-12, 2012-13, 2013-14 और जांच की अवधि (पीओआई) शामिल है।
- (20) इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को, जहां कहीं भी प्रासंगिक पाया गया है, प्राधिकारी द्वारा उनका निदान इस परिणाम में कर दिया गया है।
- (21) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की प्राधिकारी द्वारा उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक समझा है, संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है तथा उसे गोपनीय सूचना माना है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय वृतान्त प्रदान करें।
- (22) जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना सुलभ करने से इंकार किया है अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में रुकावट उत्पन्न की है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- (23) इस अधिसूचना में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का परिचायक है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय माना गया है।
- (24) प्राधिकारी द्वारा इस जांच के लिए अपनाई गई औसत विनियम दर, 1 अमरीकी डालर = 61.59 रुपए है।
- (25) प्राधिकारी ने अधिनियम और पाटन-रोधी नियमावली को ध्यान में रखते हुए दिनांक 31 मार्च, 2016 की अधिसूचना संख्या 14/2/2015-डीजीएडी के अंतर्गत अपने प्रारंभिक जांच परिणाम द्वारा चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमलैस पाईप्स और ट्र्यूब्स के संबंधित आयातों पर अनन्तिम पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई सिफारिशों को वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकार किया गया था और दिनांक 17 मई, 2016 की अधिसूचना संख्या 18/2016-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा अंतरिम शुल्क लगाए गए थे।
- (26) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम की एक प्रति, ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को इस अनुरोध के साथ प्रेषित की थी कि वे प्रारंभिक जांच परिणाम पर अपने विचार प्रस्तुत करें।
- (27) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम की एक प्रति, नई दिल्ली में स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ प्रेषित की थी कि वह निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दें कि वे प्रारंभिक जांच परिणाम पर अपने विचार प्रस्तुत करें।
- (28) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (6) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने मौखिक विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए 16 जून, 2016 को एक सार्वजनिक सुनवाई की थी। इस मौखिक सुनवाई में उपस्थित सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को 23 जून, 2016 तक लिखित रूप में भी प्रस्तुत कर दें। सभी हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दी गई थी कि वे प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त कर लें तथा साथ ही उन्हें यह भी सलाह दी गई थी कि वे उन पर अपने खंडन भी प्रस्तुत करें। अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने इस सुनवाई में भाग लिया था।

(29) प्राधिकारी ने नए निर्दिष्ट प्राधिकारी को ध्यान में रखते हुए सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने मौखिक विचार व्यक्त करने का पुनः अवसर प्रदान करने के लिए 02 नवंबर, 2016 को एक सार्वजनिक सुनवाई की थी। इस मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को 7 नवंबर, 2016 तक लिखित रूप में भी प्रस्तुत कर दें। सभी हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दी गई थी कि वे प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त कर लें तथा साथ ही उन्हें यह भी सलाह दी गई थी कि वे उन पर अपने खंडन 11 नवंबर, 2016 तक प्रस्तुत कर दें। अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने इस सुनवाई में भाग लिया था।

(30) हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हुए लिखित विवरणों/प्रत्युत्तरों पर उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार विचार किया गया है और इन परिणामों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार को दिनांक 25 नवंबर, 2016 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों की जानकारी के लिए उनके समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर दिनांक 02 दिसंबर, 2012 को प्राप्त हुई टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों ने प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं और उन पर इस निर्धारण में उचित रूप से विचार किया गया है।

स्थ. विचाराधीन उत्पाद का कार्य-क्षेत्र और "समान वस्तु"

घरेलू उद्योग के निवेदन

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद, सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाईल्स ऑफ ऑयरन, अल्वॉय या गैर-अल्वॉय स्टील (कॉस्ट आयरन और स्टैनलैस स्टील से भिन्न) चाहे वे हॉट फिनिश हों या कोल्ड ड्रान या 355.6 एमएम या 14 सीडी" ओडी से अनधिक बाह्य व्यास के हों, हैं। विचाराधीन उत्पाद में हाईड्रोजन उद्योग में प्रयुक्त किए जाने वाले ब्यॉलर पाईप्स या लाईन पाईप्स और तेल या गैस का पता लगाने के लिए ड्रिलिंग में प्रयुक्त की जाने वाली केसिंग और छूटिंग शामिल हैं। तथापि, आवेदकों द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार प्राधिकारी ने जांच शुरू किए जाने के चरण में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में से निम्नलिखित उत्पादों को बाहर निकाल दिया है:-

- (1) एएसटीएम ए 213/एएसएमई एसए 213 और एएसटीएम ए 335/एएसएमई एसए 335 अथवा समकक्ष बीआईएस/डीआईएन/बीएस/ईएन अथवा अन्य समकक्ष विनिर्देशनों के सीमलैस अल्वॉय-स्टील पाईप्स, ट्यूब्स और होलो प्रोफाईल्स।
- (2) नॉन-एपीआई और प्रीमियम ज्वार्ड्ट्स/प्रीमियम कनेक्शन्स/ प्रीमियम श्रेडिड ट्यूब्स और पाईप्स।
- (3) सभी 13 क्रोमियम (13 सीआर) ग्रेड की ट्यूब्स और पाईप्स।
- (4) ड्रिल कोलर्स।

6. सीमलैस ट्यूब्स का उपयोग वहां होता है जहां माईक्रोस्ट्रक्चर और उत्पाद की कार्य-क्षमता के लिए उसकी सुदृढता, जंग लगाने की प्रतिकारी क्षमता वहुत महत्व रखती है। केसिंग/छूटिंग का उपयोग समुद्र के साथ-साथ जमीन से अपरिष्कृत तेल और गैस निकालने के लिए किया जाता है। लाईन पाईप्स का उपयोग हाईड्रोकार्बन और प्रसंस्करण उद्योग द्वारा किया जाता है। ब्यॉलर्स पाईप्स का उपयोग ब्यॉलर्स, हीट एक्वर्चेंजर्स, सुपर हीटर्स और कंडेसर्स के साथ-साथ मेकेनिकल, स्ट्रक्चरल और सामान्य इंजीनियरिंग उद्योग और रेलवे आदि में किया जाता है।

7. सीमलैस पाईप्स और ट्यूब्स को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 73 के सीमा-शुल्क उप-शीर्ष संख्या 73.04 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा-शुल्क का ऐसा वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक मात्र है और यह वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

8. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुओं के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद को "सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाईल्स ऑफ ऑयरन, अल्वॉय या गैर-अल्वॉय स्टील (कॉस्ट आयरन और स्टैनलैस स्टील से भिन्न) चाहे वे हॉट फिनिश हों या कोल्ड ड्रान या 355.6 एमएम या 14 ओडी से अनधिक बाह्य व्यास के हों" के रूप में परिभाषित किया गया है। विचाराधीन उत्पाद में हाईड्रोजन उद्योग में प्रयुक्त किए जाने वाले ब्यॉलर पाईप्स या लाईन पाईप्स और तेल या गैस का पता लगाने के लिए ड्रिलिंग में प्रयुक्त की जाने वाली केसिंग और छूटिंग शामिल हैं।
- (2) आवेदकों द्वारा निम्नलिखित उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है:-

- (क) एएसटीएम ए 213/एएसएमई एसए 213 और एएसटीएम ए 335/एएसएमई एसए 335 अथवा समकक्ष बीआईएस/डीआईएन/बीएस/ईएन अथवा अन्य समकक्ष विनिर्देशनों के सीमलैस अल्वॉय-स्टील पाईप्स, ट्यूब्स और होलो प्रोफाइल्स।
- (ख) नॉन-एपीआई और प्रीमियम ज्वार्ड्स/प्रीमियम कनेक्शन्स/ प्रीमियम ब्रेडिड ट्यूब्स और पाईप्स।
- (ग) सभी 13 क्रोमियम (13 सीआर) ग्रेड की ट्यूब्स और पाईप्स।
- (घ) ड्रिल कोलर्स।
- (3) सीमलैस ट्यूब्स का उपयोग वहां होता है जहां माईक्रोस्ट्रक्चर और उत्पाद की कार्य-क्षमता के लिए उसकी सुदृढ़ता, जंग लगने की प्रतिकारी क्षमता बहुत महत्व रखती है। केसिंग/ट्यूबिंग का उपयोग समुद्र के साथ-साथ जमीन से अपरिष्कृत तेल और गैस निकालने के लिए किया जाता है। लाईन पाईप्स का उपयोग हाईड्रोकार्बन और प्रसंस्करण उद्योग द्वारा किया जाता है। ब्यॉलर्स पाईप्स का उपयोग ब्यॉलर्स, हीट एक्वर्चेजर्स, सुपर हीटर्स और कंडेसर्स के साथ-साथ मेकेनिकल, स्ट्रक्चरल और सामान्य इंजीनियरिंग उद्योग और रेलवे आदि में किया जाता है।
- (4) सीमलैस पाईप्स और ट्यूब्स को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 73 के सीमा-शुल्क उप-शीर्ष संख्या 73.04 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा-शुल्क का ऐसा वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक मात्र है और यह वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर वाध्यकारी नहीं है।
- (5) विनिर्देशन के अनुसार सीमलैस पाईप्स की प्रत्येक किस्म के उत्पाद की भिन्न आवश्यकताएं होती हैं और याचिकादाता सभी प्रकार के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने में सक्षम हैं।
- (6) हाल ही की सुरक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र की संपुष्टि करने के साथ-साथ उसमें शामिल किया गया कार्य-क्षेत्र, आकार शृंखला को छोड़ कर, वही है, जैसा कि इस याचिका में है।
- (7) ऑयल कंट्री ट्यूबलर वस्तुएं (केसिंग, ट्यूबिंग आदि) भारत को चीन जनवादी गणराज्य से सीमलैस पाईप्स और ट्यूब्स के कुल आयातों के 26% की परिचायक हैं। इसलिए ओसीटीजी को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जा सकता है। सुरक्षा महानिदेशालय ने सुरक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद के भाग के रूप में ओसीटीजी को शामिल किया है। घरेलू उद्योग मुख्यतया इसलिए आहत है क्योंकि भारत में ओसीटीजी के प्रमुख प्रयोक्ता, ओएनजीसी और ओआईएल जिनकी अनुमानित मांग लगभग 200000 मी.टन है, द्वारा निकाली गई समस्त निविदाएं जांच जनवादी गणराज्य के पक्ष में चली गई हैं।
- (8) एसपीटी और केसिंग के बीच वास्तविक गुणक्षमताओं में कोई अंतर नहीं है। चाहे एसपीटी है या केसिंग, जैसी भी स्थिति हो, इस तथ्य पर ध्यान दिए बिना उनकी रासायनिक और मेकेनिकल मेटलर्जी की विशेषताएं भिन्न होंगी क्योंकि वे विनिर्देशन की आवश्यकताओं द्वारा निर्दिष्ट होती हैं।
- (9) प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को उत्पादन प्रक्रिया, अंत प्रयोक्ता और अन्य तकनीकी प्राचलों के आधार पर विभिन्न पीसीएन में सही वर्गीकृत किया गया है।
- (10) एमएसएल ने सी-90, आर-95, पी-10 और क्यू-125 का पहले से ही उत्पादन और उनकी आपूर्ति की है तथा इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद के अधिकार-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए, जैसा कि कुछ हितवद्ध पक्षकारों ने मांग की है। एमएसएल ने ड्रिल पाईप्स और 14" के बराबर विचाराधीन उत्पाद का पहले से ही उत्पादन और आपूर्ति की है। वास्तव में एमएसलएल और आईएसएमटी दोनों ने जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में वर्णित विचाराधीन उत्पाद की समस्त शृंखला का एक साथ विनिर्माण किया है।
- (11) एमएसलएल और आईएसएमटी दोनों को यदि एक साथ लिया जाए, तो वे वियरिंग ग्रेड सहित विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किए गए सभी ग्रेडों और किस्मों के उत्पादों का विनिर्माण करने में सक्षम हैं।
- (12) केयरन इंडिया लिमिटेड ने पाटन-रोधी शुल्क के कार्य-क्षेत्र से पेटेंट की गई वस्तुओं को बाहर रखने का मुद्दा उठाया है। केयरन इंडिया लिमिटेड नॉन-एपीआई और प्रीमियम ज्वार्ड्स/प्रीमियम कनेक्शन्स/प्रीमियम ब्रेडिड ट्यूब्स और पाईप्स के आयात करती है जिन्हें स्पष्ट रूप से जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है।
- (13) एनईए का यह दावा कि आयातित वियरिंग ट्यूब्स समान उत्पाद नहीं है, पूर्णतया गलत है। वियरिंग ट्यूब्स को पीसीएन ए-1-1-8 के अंतर्गत पृथक रूप से वर्गीकृत किया गया है।
- (14) आईएसएमटी और जिन्दल सॉनियमिट रूप से वियरिंग ग्रेड और एमएसल का उत्पादन और आपूर्ति कर रही हैं तथा एमएसल के पास वियरिंग ग्रेड का उत्पादन करने की क्षमता विद्यमान है। तथापि, वह वाणिज्यिक कारणवश उत्पादन नहीं कर रही है। एमएसएल ने जांच के दौरान यह दर्शाया है कि कंपनी ने विगत में वियरिंग ग्रेड के सीमलैस पाईप का उत्पादन किया है और उनकी विक्री की है।

- (15) सुनवाई पश्चात निवेदनों में घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए सीमलैस पाईप का उत्पादन विभिन्न ग्रेडों और विनिर्देशनों में किया जाता है, जैसेकि एपीआई 5सीटी, एपीआई 5एल, एएसटीएमए, एएसएमई, डीआईएन, बीआईएस आदि। सीमलैस पाईप्स और ट्यूब्स के सभी ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के भीतर आते हैं।
- (16) पुराने, खराब, जंग लगे हुए और प्रयुक्त पाईपों को बाहर रखे जाने का कोई औचित्य नहीं है और वे सभी समान वस्तुएं हैं।
- (17) इसके अतिरिक्त वियरिंग ट्यूब्स को इसलिए बाहर नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि एक घरेलू उत्पादक कंपनी होने के नाते एमएसएल उनका विनिर्माण नहीं करती है। आईएसएमटी वियरिंग ट्यूब्स का विनिर्माण करती है और वह उद्योग की मांग को पूरा कर सकती है।
- (18) बाहर निकाली गई पेटेंट वस्तुओं के ग्रेडों को उचित रूप से वर्णित किया जाना चाहिए।
- (19) हाई प्रेशर गैस सिलिंडर को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए। यदि एक बार उन्हें विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाता है, तो हाई प्रेशर गैस सिलिंडर के पाठन की कभी भी रोकथाम नहीं हो पाएगी तथा घरेलू उद्योग, इस उत्पाद का वाणिज्यिक रूप से उत्पादन करने में कभी भी सक्षम नहीं होगा। बेहतर होगा कि जब तक घरेलू उद्योग गैस सिलिंडर की आपूर्ति करने के लिए संबंधित सरकारी विभाग से लाईसेंस प्राप्त नहीं कर लेता तब तक इस उत्पाद से शुल्क को आस्थगित किया जा सकता है।
- (20) बर्निश्ड ट्यूब कुछ नहीं लेकिन डीआईएन 2391 एसटी 52 बीकेटी के अनुसार ये कोल्ड ड्रान सीमलैस ट्यूब्स हैं, जिनमें ट्यूब के अंदर कोटिंग होती है। चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा डीआईएन 2391 एसटी 52 बीकेटी के अनुसार कोल्ड ड्रान सीमलैस ट्यूब्स का उत्पादन किया जा रहा है, इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जा सकता है।

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

9. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) सीमलैस ड्रिल पाईप को उसके दोनों तरफ टूल ज्वाईट्स से सीमलैस पाईप की फिक्शन वैल्डिंग द्वारा बनाया जाता है। उसके बाद उसमें आंतरिक रूप से प्लास्टिक लगाई जाती है। इस प्रकार ड्रिल पाईप सामान्य सीमलैस पाईप से भिन्न होता है।
- (2) ऑयल कंट्री ट्यूबलर गुड्स उत्पादों की भौतिक और तकनीकी गुणक्षमताएं सीमलैस पाईप और ट्यूब्स से स्पष्ट रूप से भिन्न होती हैं। ऑयल कंट्री ट्यूबलर गुड्स उत्पादों और साथ ही अन्य किस्मों के सीमलैस पाईप्स और ट्यूब्स के लिए उत्पादन शृंखला एक समान नहीं होती है और ये एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त नहीं होते हैं।
- (3) याचिकादाता सभी उच्चतर ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है, जिनकी आवश्यकता ओएनजीसी को होती है। याचिकादाताओं द्वारा उत्पादन नहीं किए जा सकने वाले ऐसे उच्चतर ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद सी-90, आर-95, पी-110 और क्यू-125 हैं।
- (4) 13-3/8 आकार के लिए केवल एमएसएल ही योग्यता प्राप्त उत्पादक है। किसी अन्य भारतीय कंपनी ने इस आकार के लिए योग्यता प्राप्त नहीं की है। विगत 2 पाठन-रोधी प्रारंभिक जांच में जो कि वर्ष 2000 और 2010 में की गई थी, उसी विचाराधीन उत्पाद से इस आकार को छूट दी गई थी तथा साथ ही इसे विचाराधीन उत्पाद के लिए की गई सुरक्षा जांच में भी इसे छूट दी गई थी।
- (5) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह सही पाया है कि घरेलू उद्योग के पास उच्च दबाव वाले गैस सिलिंडरों के लिए सीमलैस ट्यूब्स और पाईप्स का निर्माण करने के लिए मुख्य नियंत्रक, विस्कोटक पेट्रोलियम और विस्कोटक सुरक्षा संगठन से अनिवार्य प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं है। इसके अतिरिक्त यदि घरेलू उद्योग उपरोक्त उत्पाद का विनिर्माण करना शुरू करता है, तो भी इसका तात्पर्य यह नहीं है कि ऐसे नए उत्पादों को वर्तमान जांच में उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में जोड़ा जा सकता है। जांच के किसी भी चरण के साथ-साथ बाद के किसी भी चरण में उत्पाद के कार्य-क्षेत्र को बढ़ाया नहीं जा सकता है।
- (6) जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पेटेंट किए गए प्रीमियम ज्वाईन्ट्स/प्रीमियम कनेक्शन्स/प्रीमियम श्रेड्स को उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा हुआ है, यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसे उत्पादों के किन ग्रेडों अथवा विनिर्देशनों को बाहर रखा गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को पेटेंट किए गए उत्पादों के ऐसे ग्रेडों को स्पष्ट करना चाहिए जिन्हें को उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है।
- (7) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वियरिंग स्टील ट्यूब्स पीसीएन ए-1-7 और ए-1-8 में रखा है, जिनमें वियरिंग स्टील ट्यूब्स को लाईन पाईप्स के साथ सम्मिलित कर दिया गया है। तथापि, लाईन पाईप्स और वियरिंग स्टील ट्यूब्स पूर्णतया भिन्न उत्पाद हैं और वे किसी भी तरह से उन्हें एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त नहीं किया जा सकता है। लाईन पाईप्स का उपयोग, ऑयल और गैस के परिवहन करने में किया जाता है, जबकि वियरिंग स्टील ट्यूब्स का उपयोग वाल वियरिंग का विनिर्माण करने के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त लाईन पाईप्स और वियरिंग स्टील ट्यूब्स की मेटल्लर्जी पूर्णतया भिन्न होती है। इसलिए पीसीए में संशोधन किया जाना चाहिए और क्षति के लिए वियरिंग स्टील ट्यूब्स की पृथक रूप से जांच की जानी चाहिए।

- (8) वियरिंग स्टील ट्यूब्स के आयात की मात्रा, जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से मांग और आयातों में बहुत कम है। जांच अवधि के दौरान वियरिंग स्टील ट्यूब्स के आयात, चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में 2.49% मात्र हैं। इसके अतिरिक्त जांच अवधि के दौरान वियरिंग स्टील ट्यूब्स के आयात, मांग का 1.00% मात्र हैं। एसएई 52100, 100 सीआर 6, ईएन 31 के समनुरूप वियरिंग स्टील ग्रेडों को अथवा अन्य समकक्ष ग्रेड जैसे कि जीसीआर 15, जीसीआर 15 एसके, जीसीआर 17 जैसे उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (9) वियरिंग ट्यूब्स और अन्य मदों, जो कि विचाराधीन उत्पाद का भाग हैं, के कीमत निर्धारण में व्यापक अंतर है। वियरिंग स्टील ट्यूब्स को उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में सम्मिलित नहीं जा सकता है क्योंकि घरेलू उद्योग यह प्रदर्शित करने में विफल रहा है कि उसे बाजार के इस खंड में क्षति हो रही है। घरेलू उद्योग ने कभी भी ऐसा उल्लेख नहीं किया है कि वियरिंग स्टील ट्यूब्स के आयातों के कारण उसको क्षति हो रही है।
- (10) याचिकादाताओं में से केवल मेसर्ज आईएसएमटी लिमिटेड ही वियरिंग स्टील ट्यूब्स का विनिर्माण करती है। इसके अतिरिक्त समर्थक, मेसर्ज जिन्दल सॉलिमिटेड भी वियरिंग स्टील ट्यूब्स का विनिर्माण और उनकी आपूर्ति करती है। वियरिंग स्टील ट्यूब्स के लिए मेसर्ज जिन्दल सॉलिमिटेड द्वारा पेशकश की जा रही कीमतें, मेसर्ज आईएसएमटी लिमिटेड की कीमतों से काफी कम हैं। इसलिए मेसर्ज जिन्दल सॉलिमिटेड, मेसर्ज आईएसएमटी लिमिटेड को क्षति पहुंचा रही है। घरेलू उद्योग उच्च दबाव वाले गैस सिलिंडरों के लिए सीमलैस ट्यूब्स और पाईप्स तथा कुछ प्रीमियम पेटेंट किए गए ज्वाइन्ट्स/प्रीमियम कनेक्शन्स/प्रीमियम थ्रेड्स का विनिर्माण करने में अक्षम है। इसलिए उच्च दबाव वाले गैस सिलिंडरों के लिए सीमलैस ट्यूब्स और पाईप्स तथा कुछ प्रीमियम पेटेंट किए गए ज्वाइन्ट्स/प्रीमियम कनेक्शन्स/प्रीमियम थ्रेड्स का विनिर्माण करने के लिए घरेलू उद्योग का पाठन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अंतर्गत आवश्यक आधार नहीं है।
- (11) ओसीटीजी उत्पादों की भौतिक और तकनीकी गुणक्षमताएं एसपीटी की अन्य किस्मों से स्पष्टतया भिन्न हैं। ओसीटीजी उत्पादों और साथ ही एसपीटी की अन्य किस्मों की उत्पादन शृंखलाएं एक समान नहीं हैं और वे एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त नहीं हो सकते हैं। याचिकादाता ऐसे समस्त उच्चतर ग्रेडों के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने में भी सक्षम नहीं हैं, जिनकी आवश्यकता ओएनजीसी को होती है। याचिकादाता जिन उच्चतर ग्रेडों के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने में भी सक्षम नहीं हैं, वे निम्नानुसार हैं:-
- ❖ सी-90
 - ❖ आर-95
 - ❖ क्यू-125
 - ❖ 13-3/8" के आकार के लिए एमएसएल एक मात्र योग्यता प्राप्त उत्पादक है। किसी भी अन्य भारतीय कंपनी को इस आकार के लिए अहर्ता प्राप्त नहीं है। विचाराधीन उत्पाद में से इस आकार को विगत 2 पाठन-रोधी जांच में जो कि वर्ष 2000 और 2010 में की गई थी, छूट दी गई थी तथा साथ ही विचाराधीन उत्पाद के लिए की गई सुरक्षा जांच में भी इसे ऐसी छूट दी गई थी।
- (12) ओसीटीजी उत्पादों की भौतिक और तकनीकी गुणक्षमताएं एसपीटी की अन्य किस्मों से स्पष्टतया भिन्न हैं। उत्पादन शृंखलाएं भी एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त नहीं हो सकती हैं। याचिकादाता समस्त उच्चतर ग्रेडों नामतः सी-90, आर-95 और पी-110 के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने में भी सक्षम नहीं हैं। ओसीटीजी उत्पादों की बाजार कीमतें, अन्य किस्मोंके एसपीटी से बहुत भिन्न हैं। लाईन पाईप्स, मेकेनिकल पाईप्स और ब्यॉलर पाईप्स की यदि तुलना करें, तो ओसीटीजी के उत्पादों की कीमतें, अन्य से 50% तक अधिक हैं। इसलिए ओसीटीजी के उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के अधिकार-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (13) विचाराधीन उत्पाद अस्पष्ट और अत्यधिक व्यापक हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं किए जाने वाले निम्नलिखित ग्रेडों को बाहर रखना चाहिए।
- ग्रेड्स एसएई 8720 और सी-95
 - ब्यॉलर पाईप्स - टी 91/पी 91, टी 5/पी 5, टी 9/पी 9 और ऐसे ब्यॉलर पाईप्स जिनकी मोटाई 40 एमएम से अधिक है।
 - प्रोसेस पाईप्स - ग्रेड पी 5 और पी 9।
 - मदर पाईप्स (बोखले) - कोल्ड ड्राईंग के लिए।

➤ ओसीटीजी उत्पाद

(क) ओसीटीजी प्रीमियम कनेक्शन्स बनाने के निमित्त है।

(ख) उच्च ग्रेड जैसे कि क्यू 125 ।

(ग) ड्रिल पाईप्स।

(घ) लाईन पाईप्स - ग्रेड x65, x70 ।

(ङ) अकात्य अनुप्रयोगों के लिए लाईन पाईप्स, जैसे कि पनडुब्बी सेवा जिसकी अनुपूरक तकनीकी आवश्यकताएं कुल मिला कर एपीआई मानक की अपेक्षाओं से अधिक होती हैं।

(14) वेल्डिंग स्टूब्स और सीमलैस स्टूब्स को एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त किया जा सकता है, इसलिए वेल्डिंग पाईप्स को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए। इसने घरेलू उद्योग का आधार प्रभावित किया है।

(15) आयात के आंकड़ों से ऐसा पता चलता है कि पुराने पाईप्स, खराब, जंग लगे हुए और प्रयुक्त किए गए पाईप्स के आयात किए गए हैं, जिन्हें विचाराधीन उत्पाद के आयात के आंकड़ों की जांच करते समय बाहर रखा जाना चाहिए।

10. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में हुई मौखिक सुनवाई के बाद घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अतिरिक्त निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(1) प्राधिकारी ने पेटेंट किए गए प्रीमियम/ज्वाईन्टस कनेक्शन्स/प्रीमियम श्रेडस की कुछ श्रेणियों को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर निकाल दिया है, जिनके लिए कृपया निम्नोक्त विवरणों पर विचार किया जा सकता है:

"वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्रीमियम/ज्वाईन्टस कनेक्शन्स/प्रीमियम श्रेडस और प्रस्तावित उपायों का तात्पर्य ओसीटीजी अनुप्रयोग के लिए नॉन-एपीआई और प्रीमियम/ज्वाईन्टस कनेक्शन्स/प्रीमियम श्रेडिंग स्टूब्स से है और हार्ड्ड्रोकार्बन्स महानिदेशालय (डीजीएच) द्वारा यह प्रमाणित किया गया है कि इन प्रीमियम/ज्वाईन्टस कनेक्शन्स/प्रीमियम श्रेडिंग स्टूब्स की आवश्यकता, तेल और गैस का पता लगाने के लिए पेट्रोलियम प्रचालनों के लिए होती है, जैसा कि सीमा-शुल्क की की दिनांक 17 मार्च, 2012 की अधिसूचना संख्या 12/12012 के क्रमांक 356 में निर्धारित किया गया है।"

(2) विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से विशेषकर कुछ उत्पादों को निकाला जाता है। ऐसे वहिकरण में पुराने पाईप्स, खराब, जंग लगे और प्रयुक्त किए गए पाईप्स के आयात शामिल नहीं होते हैं। न ही पुराने पाईप्स, खराब, जंग लगे और प्रयुक्त किए गए पाईप्स को भिन्न वस्तुएं माना जा सकता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विगत अनेक मामलों में न केवल पुराने पाईप्स, खराब, जंग लगे और प्रयुक्त किए गए पाईप्स को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के भीतर शामिल किया है, बल्कि यह भी निर्णय दिया है कि पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उत्पादन की लागत के बारे में इसके लिए ऐसे विभेदीकरण का दावा किया जा सकता है। घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में से ऐसे किसी भी वहिकरण पर आपत्ति करता है।

(3) हाई प्रेशर गैर सिलिंडर पाईप को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं क्योंकि घरेलू उद्योग वाणिज्यिक मात्राओं में इस उत्पाद को बेचने के लिए आवश्यक सांविधिक अनुमोदन प्राप्त करने का अनुरोध करने की कार्रवाई कर रहा है। तथापि, इस तथ्य को समझते हुए कि घरेलू उद्योग को इस समय सांविधिक अनुमोदनों के कारण वाणिज्यिक मात्राओं में विक्री करने की अनुमति नहीं है, इस किस्म के उत्पाद को पाटन-रोधी शुल्क के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है। यदि इस उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाता है, तो इससे सामान्यतया यह स्पष्ट होगा कि घरेलू उद्योग को इस ग्रेड की वाणिज्यिक मात्राओं में विक्री से नहीं रोका जाएगा।

11. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में हुई मौखिक सुनवाई के बाद प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा किए गए अतिरिक्त निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(1) घरेलू उद्योग एसएई 52100, 100 सीआर 6, ईएन-31 अश्वा जीसीआर 15, जीसीआर 15 एसके, जीसीआर 15 जेएन जैसे अन्य समकक्ष ग्रेडों के समनुरूप वियरिंग ग्रेड स्टील स्टूब्स की आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है। उद्योग से निरंतर अनुरोध किए जाने के बावजूद वह उनका उत्पादन करने में विफल रहा है। इनको विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।

(2) यदि वियरिंग स्टूब्स को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जाता है, तो इनकी पृथक पीसीएन के अंतर्गत पृथक रूप से जांच की जानी चाहिए तथा इनके लिए पाटन मार्जिन पृथक रूप से निर्धारित किया जाना चाहिए।

(3) विचाराधीन अन्य उत्पाद की तुलना में वियरिंग स्टूब्स की आयात कीमत अत्यधिक है। साथ ही इनके आयात भी बहुत कम हैं।

(4) अन्य देश की जांच में वियरिंग स्टूब्स को विशेष रूप से विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है।

- (5) प्रारंभिक जांच परिणाम के समय मेसर्ज एमएसल ने प्राधिकारी को भ्रमित किया था कि उसके पास वियरिंग ट्यूब्स का विनिर्माण करने की क्षमता विद्यमान है।
- (6) सीमलैस स्टील ट्यूब्स बर्निशड ट्यूब्स और सीमलैस स्टील पील्ड ट्यूब्स दोनों को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (7) ये विशेष रूप से डिजायन की गई ट्यूब्स होती हैं जिन्हें आईडी और सीमलैस पील्ड ट्यूब्स से बर्निशड किया जाता है। इन स्टील ट्यूब्स का उपयोग केवल हाईड्रोलिक मिलिंडर का विनिर्माण करने के लिए किया जाता है।
- (8) वियरिंग ट्यूब्स को ए-1-8 के साथ सम्मिलित नहीं किया जा सकता है क्योंकि लाईन पाईप्स और वियरिंग ट्यूब्स भिन्न वस्तुएँ हैं।
- (9) अनेक पेनल रिपोर्टों में ऐसा सुझाव दिया गया है कि रसायनिक या भौतिक विशेषताओं और कीमत की तुलना करने में सादृश्यता होनी चाहिए। वर्तमान मामले में सेव और संतरे के बीच तुलना की गई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

12. विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच की गई है तथा उनका निदान निम्नानुसार किया गया है:-

- (1) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाईल्स ऑफ ऑयरन, अल्वॉय या गैर-अल्वॉय स्टील (कॉस्ट आयरन और स्टैनलैस स्टील से भिन्न)" चाहे वे हॉट फिनिशड हों या कोल्ड ड्रान या 355.6 एमएम या 14 ओडी से अनधिक बाह्य व्यास के हों, है। विचाराधीन उत्पाद में हाईड्रोजन उद्योग में प्रयुक्त किए जाने वाले ब्यॉलर पाईप्स या लाईन पाईप्स और तेल या गैस का पता लगाने के लिए ड्रिलिंग में प्रयुक्त की जाने वाली केसिंग और ट्यूबिंग शामिल हैं। तथापि, निम्नलिखित उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है:-
- (क) एएसटीएम ए 213/एएसएमई एसए 213 और एएसटीएम ए 335/एएसएमई एसए 335 अथवा समकक्ष बीआईएस/डीआईएन/बीएस/ईएन अथवा अन्य समकक्ष विनिर्देशनों के सीमलैस अल्वॉय-स्टील पाईप्स, ट्यूब्स और होलो प्रोफाईल्स।
 - (ख) नॉन-एपीआई और प्रीमियम ज्वाईट्स/प्रीमियम कनेक्शन्स/ प्रीमियम ब्रेडिड ट्यूब्स और पाईप्स।
 - (ग) सभी 13 क्रोमियम (13 सीआर) ग्रेड की ट्यूब्स और पाईप्स।
 - (घ) ड्रिल कोलर्स।

(2) पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में समान वस्तु के संबंध में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

"समान वस्तु" से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जो कि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएँ रखती हैं;

- (3) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम में पहले से ही इसका संपूष्टि कर दी है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएँ और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुएँ समान हैं और दोनों ही भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रोद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त किए जाने योग्य हैं। उपभोक्ता इन दोनों को एक दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाते हैं। विचाराधीन उत्पाद का आयात करने वाले उपभोक्ताओं ने इन्हीं वस्तुओं को घरेलू उद्योग से भी खरीदा है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग द्वारा खरीदी गई संबद्ध वस्तुओं को नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान ही माना जा रहा है।
- (4) इस तर्क के सबध में कि विचाराधीन उत्पाद अत्यधिक व्यापक और अस्पष्ट है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को संबद्ध देशों से आयातों और घरेलू उद्योग के उत्पादन और आपूर्ति की स्थिति को ध्यान में रखते हुए समुचित रूप से परिभाषित किया गया है।

- (5) कुछ हितबद्ध पक्षकारों के इस निवेदन के संबंध में कि व्यापक किस्म के पाईप्स और ट्यूब्स को इस आधार पर विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए कि या तो घरेलू उद्योग इनका विनिर्माण नहीं करता है या ए घरेलू उद्योग के पास इनका विनिर्माण करने की क्षमता विद्यमान नहीं है या वह गुणवत्ता युक्त उत्पादों का विनिर्माण नहीं करता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास विचाराधीन उत्पाद की सभी किस्मों का विनिर्माण करने के लिए संयंत्र और मशीनरी विद्यमान है। इसलिए विचाराधीन उत्पाद के अधिकार-क्षेत्र से विशेष रूप से बाहर रखे गए उत्पादों को छोड़ कर, विचाराधीन उत्पाद के अधिकार-क्षेत्र से विचाराधीन उत्पाद की किसी भी किस्म को बाहर रखना उचित नहीं हो सकता है।

- (6) घरेलू उद्योग ने इस आशय के सहायक प्रमाण प्रस्तुत किए हैं, जिनसे पता चलता है कि उनके पास एसटीएम ए-335 ग्रेड और पी-91 जैसे ग्रेड का विनिर्माण और आपूर्ति करने की प्रोद्योगिकी विद्यमान है, जो कि एसएई 8720, सी-95, ब्यॉलर पाईप्स - टी 91/पी 91, टी 5/पी 5, टी 9/पी 9 और 40 एमएम से अधिक मोटाई के ब्यॉलर पाईप्स, प्रोसेस पाईप्स - पी 5 और पी 9, कोल्ड

- द्राईंग के लिए मदर पार्ट्स (होलो) ग्रेडों से उच्चतर हैं और जिनको विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखे जाने की मांग की गई है। प्राधिकारी ने यह उचित नहीं पाया है कि इनको विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाए।
- (7) घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित ओसीटीजी उत्पादों का विनिर्माण और आपूर्ति करने के भी प्रमाण प्रस्तुत किए हैं:-
- (क) ओसीटीजी प्रीमियम कनेक्शन्स बनाने के निमित्त है।
 - (ख) उच्च ग्रेड जैसे कि क्यू 125 ।
 - (ग) ड्रिल पार्ट्स।
 - (घ) लाईन पार्ट्स - ग्रेड x65, x70 ।
- (8) सब्त अनुप्रयोगों के लिए लाईन पार्ट्स जैसे कि पनडुब्बी सेवा जिसके लिए एपीआई मानक अपेक्षाओं से ऊपर अनुपूरक तकनीकी अपेक्षाएं होती हैं।
- (9) तथापि, घरेलू उद्योग हाई प्रेशर गैस सिलिंडरों के लिए सीमलैस ट्यूब्स और पार्ट्स का उत्पादन और आपूर्ति करने के दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका है। डीजीएडी के अधिकारियों की जांच के दौरान प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों से पता चला है कि उत्पाद को संबंधित राज्य सरकार द्वारा अधिप्रमाणन के लिए भेजा गय है। हालांकि घरेलू उद्योग के पास हाई प्रेशर गैस सिलिंडरों के लिए सीमलैस ट्यूब्स और पार्ट्स का विनिर्माण करने की क्षमता विद्यमान है और उसने प्रोटोटाईप्स के लिए उनकी आपूर्ति की है, उसके पास उनका विनिर्माण और आपूर्ति करने का अनिवार्य अधिप्रमाण पत्र नहीं है।
- (10) चूंकि घरेलू उद्योग हाई प्रेशर गैस सिलिंडरों के लिए सीमलैस ट्यूब्स के संबंध में अधिप्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करके अपनी क्षमता को अधिप्रमाणित नहीं कर सका है, इसलिए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से इस उत्पाद को बाहर रखना उचित समझा है।
- (11) इस तर्क के संबंध में कि विचाराधीन उत्पाद के आयात के आंकड़ों की जांच करते समय आयात संबंधी रिपोर्टों में निहित पुराने पार्ट्स, खराब, जंग लगे और प्रयुक्त किए गए पार्ट्स के आयातों को बाहर रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के ही भाग हैं और इन्हें विश्वास किए गए आयात आंकड़ों की जांच करते समय बाहर नहीं रखा जा सकता है।
- (12) इस तर्क के संबंध में कि पाटन-रोधी/सब्सिडी जांच का कार्य-क्षेत्र और प्रयोजन सुरक्षा जांच से भिन्न होता है और इसलिए सुरक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र को पाटन-रोधी जांच के लिए अपनाया नहीं जा सकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी और सुरक्षा जांच का उद्देश्य और कार्य-क्षेत्र, मोटे तौर पर एक समान होता है अर्थात् आयातित वस्तुओं के आमने-सामने घरेलू उद्योग को समान कार्य क्षेत्र प्रदान करना होता है। सुरक्षा शुल्क ऐसी वस्तुओं पर लगाया जाता है, जो बड़ी मात्रा में प्रवेश करती हैं तथा समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्द्धी वस्तुओं का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुंचाने का कारण बनती हैं या उसे खतरे में डालती हैं। पाटन-रोधी शुल्क पाटित आयातित वस्तुओं पर लगाया जाता है तथा पाटन तभी होता है, जब किसी देश से अन्य देश को उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर वस्तुओं के निर्यात किए जाते हैं।
- (13) इस तर्क के संबंध में कि पेटेंट की गई वस्तुएं और अन्य उप-श्रेणी को सुरक्षा महानिदेशक द्वारा विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है, इसलिए वर्तमान जांच में भी इनको बाहर रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पेटेंट की गई वस्तुएं और अन्य उप-श्रेणी को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से तब तक बाहर नहीं रखा जा सकता है जब तक कि वे तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से घरेलू वस्तुओं के समान हैं और ऐसे किसी भी वहिष्करण के फलस्वरूप प्रवंचना होगी। तथापि, जैसा कि सीमा-शुल्क की की दिनांक 17 मार्च, 2012 की अधिसूचना संख्या 12/12012 के क्रमांक 356 में निर्धारित किया गया है, प्रीमियम/ज्वाईन्टस कनेक्शन्स/प्रीमियम श्रेडिंग ट्यूब्स जैसी पेटेंट की गई कुछ श्रेणियों को पहले से ही विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है।
- वियरिंग ट्यूब्स के संबंध में हितवद्ध पक्षकार ने यह भी निवेदन किया है कि केवल मेसर्ज आईएसएमटी और मेसर्ज जिन्दल सॉन्स वियरिंग ट्यूब्स का विनिर्माण करती हैं। इस प्रकार वियरिंग ट्यूब्स को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा इनका उत्पादन नहीं किया जाता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी नियमावली ऐसा निर्धारण नहीं करती है कि घरेलू उद्योग के सभी संघटकों द्वारा समस्त ग्रेड/किस्मों का उत्पादन किया जाए।
- (1) प्राधिकारी ने केवल उन किस्मों के उत्पादों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है, जिनकी समान वस्तुओं की पेशकश घरेलू उद्योग द्वारा की गई है। वास्तव में प्राधिकारी ने ऐसी अनेक किस्मों के उत्पादों को बाहर रखने का प्रस्ताव किया है, जो कि विचाराधीन उत्पाद का भाग नहीं है।
 - (2) प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक विशेष किस्म के उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन की मात्रा, विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र का निर्णय लेने में प्रासंगिक नहीं है। तथापि, प्राधिकारी ऐसी किस्म के उत्पाद को बाहर रखने पर

विचार कर सकते हैं, जिसका घरेलू उद्योग न तो उत्पादन करता है और न ही उसने विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति की है और जो कि समान वस्तु भी नहीं है।

- (3) अनेक पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद में पुराने उत्पादों को शामिल करने के अपने निवेदनों को दोहराया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के प्रारंभिक चरण में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में स्पष्ट रूप से पुराने और खराब उत्पादों के आयातों से संबंधित आयात के कारोबार को शामिल किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका में स्पष्ट रूप से पुराने और खराब उत्पादों के आयातों से विचाराधीन उत्पाद का भाग नहीं बनते हैं। महज इस कारण से कि उत्पाद को पुराने अथवा खराब उत्पाद के रूप में बेचा गया है, यह स्पष्ट नहीं हो जाता है कि ऐसे उत्पाद विचाराधीन उत्पाद का भाग नहीं बनते हैं। साथ ही इस संबंध में यह भी नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने निरंतर ऐसा सुसंगत निर्णय दिया है कि उत्पाद की गुणवत्ता में अंतर होना, विचाराधीन उत्पाद के बारे में निर्णय लेने के लिए मायने नहीं रखता है। साथ ही यह भी नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई भी कारण नहीं बताया है कि पुराने/खराब उत्पाद के आयातों को क्यों विचाराधीन उत्पाद के रूप में नहीं माना जाए और उन्हें विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाए।

(4) पीसीएन-4 के संबंध में जहां प्राधिकारी ने "एनए" उल्लिखित किया गया है, ऐसा दावा किया गया है कि जांच अवधि के दौरान ऐसे विशेष किस्म के उत्पाद का कोई आयात नहीं हुआ है। चूंकि ए-1-4 ऐसी किस्म के "सीमलैस ड्रिल पाईप्स" होते हैं जिनका उपयोग तेल या गैस के लिए ड्रिलिंग में किया जाता है। कार्बन/नॉन एल्वाय, 355.6 एमएम से अनधिक अथवा 14" ओडी के बाहरी व्यास वाले हॉट फिनिशड हैं इसलिए ये स्पष्ट रूप से विचाराधीन उत्पादों की किस्मों में से एक किस्म के उत्पाद बनते हैं। सीमलैस ड्रिल पाईप्स सीमलैस ठूब्स, पाईप्स और ऑयरन, एल्वाय या नॉन एल्वाय स्टील की होलो प्रोफाईल्स होती हैं। इसके अतिरिक्त क्षति अवधि के दौरान इस विशेष किस्म के उत्पाद के आयात हुए हैं और घरेलू उद्योग द्वारा इस विशेष किस्म के उत्पादन किया गया है और उसकी आपूर्ति की गई है। प्राधिकारी इस संबंध में नोट करते हैं कि केवल उन्हीं किस्मों के उत्पाद को, जिनके आयात जांच अवधि के दौरान किए गए हैं और जिनके समान वस्तुओं की पेशकश घरेलू उद्योग द्वारा नहीं की गई है, विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है। ऐसी किस्मों के उत्पाद को जिनके आयात जांच अवधि के दौरान नहीं किए गए हैं, बाहर रखनेपर विचार नहीं किया जा सकता है। जांच अवधि के दौरान ए-1-4 का आयात नहीं किया गया है और इसलिए इसे बाहर नहीं रखा जा सकता है।

(5) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि प्रारंभिक जांच परिणाम के चरण में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में परिवर्तन किया गया है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि प्रारंभिक जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र को प्रतिवंधित/घटा दिया गया है। जांच शुरू करने के बाद विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र को बढ़ाया नहीं गया है। किसी भी स्थिति में प्रारंभिक जांच परिणाम के चरण में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र को प्रतिवंधित किए जाने से किसी हितबद्ध पक्षकार को निर्धारित रूप और तरीके से संबद्ध सूचना प्रदान करने से रोका नहीं जाता है। यदि किसी पक्षकार ने प्राधिकारी को समस्त सूचना प्रदान कर दी होती, तो यह कुछ किस्मों के उत्पाद के आयातों बाहर रखे जाने का प्रश्न मात्र होता, जिन्हें प्रारंभिक जांच परिणाम के चरण में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है। घरेलू उद्योग ने हाई प्रेशर गैस सिलिंडरों को शामिल किए जाने के संबंध में अपने लिखित निवेदनों को दोहराया है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी किस्म के उत्पाद को बाहर रखे जाने की सुसंगत प्रथा है, यदि यह प्रमाणित हो जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा किसी विशेष प्रकार के उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति नहीं की गई है। इसलिए प्राधिकारी ऐसी किस्म के उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में शामिल करना उपयुक्त नहीं समझते हैं और उसे प्रस्तावित उपायों के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखते हैं।

(6)

ग. घरेलू उद्योग का कार्य क्षेत्र और उसका आधार

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

13. जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य क्षेत्र और उसके आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक समझे गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (2) जबकि मेसर्ज क्वालिटी ग्रुप, स्टेनलैस स्टील सीमलैस पाईप्स की विनिर्माता कंपनी है, जिसे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है, अन्य सीमलैस पाईप्स की प्रसंस्करण कंपनियां हैं और इस प्रकार वे सीमलैस पाईप्स की उत्पादक नहीं हैं। वे तैयार सीमलैस पाईप्स की अधिप्राप्ति करती हैं और उन पर कार्य करती हैं।
- (3) मेसर्ज ऑयल कंट्री ट्यूबलर्स को छोड़ कर किसी भी कथित घरेलू उत्पादक को विचाराधीन उत्पाद के लिए मेसर्ज ओएनजीसी और मेसर्ज ओआईएल की निविदाओं में पात्र बोलीदाता नहीं माना गया है। इससे पता चलता है कि ये उत्पादक कंपनियां भारत में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं करती हैं।
- (4) भारत में संबद्ध वस्तुओं की अन्य 10 कथित घरेलू उत्पादक कंपनियां निम्नानुसार हैं:-

| क्रमांक | कंपनी का नाम | स्थिति |
|---------|---|---|
| 1. | सेनसेट ट्यूब्स प्राईवेट लिमिटेड | ये केवल कोल्ड रोलिंग/कोल्ड रिड्युसिंग की संसाधक हैं और न कि सीमलैस पाईप की विनिर्माता। इनकी मुख्य इनपुट कच्चा माल हॉट फिनिश सीमलैस मदर होलो/पाईप्स हैं, जो कि विचाराधीन उत्पाद हैं और इसलिए इन्हें भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक नहीं माना जा सकता है। |
| 2. | महालक्ष्मी सीमलैस लिमिटेड | |
| 3. | पटेल्स एयरफ्लो लिमिटेड | |
| 4. | क्वालिटी ग्रुप | क्वालिटी ग्रुप स्टेनलैस स्टील सीमलैस पाईप (जिसे विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा गया है) की विनिर्माता है। |
| 5. | ऑयल कंट्री ट्यूबलर लिमिटेड | ऑयल कंट्री ट्यूबलर लिमिटेड सीमलैस पाईप्स की संसाधक है और न कि सीमलैस पाईप्स की विनिर्माता। इनकी मुख्य इनपुट हॉट फिनिश सीमलैस मदर होलो/पाईप्स हैं, जो कि विचाराधीन उत्पाद हैं और जिनको यह आगे संसाधित करके उन्हें परिष्कृत सीमलैस पाईप बनाती है। इसलिए इन्हें भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक नहीं माना जा सकता है। |
| 6. | भारतीय स्टील ट्यूब्स | भारतीय स्टील ट्यूब्स सीमलैस पाईप्स की कोल्ड रोलिंग के लिए नगण्य क्षमता के साथ ईआरडब्ल्यू की विनिर्माता है। इनकी मुख्य इनपुट हॉट फिनिश सीमलैस मदर होलो/पाईप्स हैं, जो कि विचाराधीन उत्पाद हैं और जिनको यह आगे संसाधित करके उन्हें कोल्ड रिड्युस्ड/कोल्ड फिनिश सीमलैस पाईप बनाती है। इसलिए इन्हें भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक नहीं माना जा सकता है। |
| 7. | सुवहलक्ष्मी मेटल्स एंड ट्यूब्स प्राईवेट लिमिटेड | सुवहलक्ष्मी मेटल्स एंड ट्यूब्स प्राईवेट लिमिटेड स्टेनलैस स्टील सीमलैस पाईप्स की विनिर्माता है। इस उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है। |
| 8. | श्री साई ट्यूब्स प्राईवेट लिमिटेड | श्री साई ट्यूब्स प्राईवेट लिमिटेड ईआरडब्ल्यू ट्यूब्स, कोल्ड ड्रान वेल्डिंग (सीडीडब्ल्यू) ट्यूब्स, प्री-गाल्वेनाईज्ड ट्यूब्स, हीट एक्सचेंजर, केंडेसर और ब्यॉलर ट्यूब्स और कोल्ड रोल्ड ऑपन प्राफाईल्स के व्यापार में लगी हुई है। इन उत्पादों को जांच अधीन उत्पाद में शामिल नहीं किया जाता है। इसलिए इन्हें भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक नहीं माना जा सकता है। |
| 9. | हैवी मेटल एंड ट्यूब्स लिमिटेड | हैवी मेटल एंड ट्यूब्स लिमिटेड मुख्यतया एल्वॉय स्टील विनिर्देशनों में कोल्ड ड्रान सीमलैस पाईप्स का उत्पादन करती है, जो कि एएसटीएम/एएसएमई ए/एसए-213 और एएसटीएम/एएसएमई ए/एसए 335 हैं। इनको विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा गया है। |
| 10. | रत्नामणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड | रत्नामणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड ईआरडब्ल्यू, एसएडब्ल्यू और स्टेनलैस स्टील पाईप्स का उत्पादन करती है। इन उत्पादों को जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है। इसलिए इनको भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक नहीं माना जा सकता है। |

[

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

14. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और आधार के संबंध में जांच की कार्रवाई के दौरान उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) याचिकादाताओं की वर्तमान याचिका दायर करने की कोई अधिकारिता नहीं है। याचिकादाता, पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ब) में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार "संपूर्ण उपभोक्ता" माने जाने के योग्य नहीं हैं क्योंकि नीचे दी गई सूची के अनुसार लगभग सभी दस अन्य उत्पादक, विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण कर रहे हैं, लेकिन उन्हें घरेलू उद्योग के अधिकार-क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है:-

| क्रमांक | कंपनी का नाम |
|---------|--|
| 1. | सेनसेट स्टूब्स प्राइवेट लिमिटेड |
| 2. | महालक्ष्मी सीमलैस लिमिटेड |
| 3. | पटेल्स एयरफ्लो लिमिटेड |
| 4. | क्वालिटी ग्रुप |
| 5. | ऑयल कंट्री स्टूब्लर लिमिटेड |
| 6. | भारतीय स्टील स्टूब्स |
| 7. | सुवह्लक्ष्मी मेटल्स एंड स्टूब्स प्राइवेट लिमिटेड |
| 8. | श्री साई स्टूब्स प्राइवेट लिमिटेड |
| 9. | हैवी मेटल एंड स्टूब्स लिमिटेड |
| 10. | रत्नामणि मेटल्स एंड स्टूब्स लिमिटेड |

- (2) याचिकादाताओं ने प्राधिकारी से वास्तविक तथ्यों को छिपाया है और वर्तमान जांच की शुरूआत, गलत और झूठी सूचना तथा याचिकादाताओं द्वारा प्रस्तुत किए प्रमाण की परिशुद्धता और पर्याप्तता के संबंध में नियमावली के नियम 5 (3) के प्रावधानों के अंतर्गत उनका उचित निर्धारण किए बिना की गई है।
- (3) सुनवाई पश्चात किए गए निवेदनों में यह निवेदन किया गया था कि मेसर्ज एमएसएल, न तो ग्राहक की दृष्टि से और न ही उत्पादक की दृष्टि से वियरिंग स्टूब्स की उत्पादक नहीं है।
- (4) आवेदक, घरेलू उद्योग के "प्रमुख भाग" के प्रतिनिधिक की आवश्यकता को पूरा नहीं करते हैं और इसलिए घरेलू उद्योग के रूप में उनका कोई आधार नहीं है।
15. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा आयोजित दूसरी सुनवाई के पश्चात किए गए निवेदन इस प्रकार हैं:-
- (1) मेसर्ज आईएसएमटी और मेसर्ज एमएसएल दोनों ने पर्याप्त मात्राओं में कच्चे माल के आयात किए हैं, इसलिए उन्हें घरेलू उद्योग नहीं माना जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और आधार के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदनों की जांच और समाधान किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-
- (1) प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 2 (ब) में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-
- "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाठित वस्तु के नियर्यतकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।
- (2) आवेदन-पत्र घरेलू उद्योग की ओर से मेसर्ज महाराष्ट्र सीमलैस लिमिटेड और मेसर्ज आईएसएमटी लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया है। मेसर्ज जिन्दल सॉलिमिटेड ने आवेदन-पत्र का समर्थन किया है। मेसर्ज भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड

(वीएचईएल) और मेसर्ज रेमी मेटल्स लिमिटेड, भारत में संबद्ध वस्तुओं की अन्य ज्ञात उत्पादक हैं। अकेले आवेदक, कुल घरेलू उत्पादन का 62% उत्पादन करते हैं और मेसर्ज जिन्दल सॉलिमिटेड के साथ उनका उत्पादन, कुल घरेलू उत्पादन का 92% भाग बनता है।

- (3) पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को इसकी जांच करनी अपेक्षित होती है कि क्या (1) आवेदन-पत्र का समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का उत्पादन, घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन का 25% भाग बनता है, और (ख) आवेदन-पत्र का समर्थन उन घरेलू उत्पादकों द्वारा किया गया है, जिनका सामूहिक उत्पादन, समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50% से भी अधिक बनता है, जो कि आवेदन-पत्र को समर्थन करते हैं अथवा विरोध करते हैं। आवेदकों का स्वयं उत्पादन, कुल घरेलू उत्पादन का 62% भाग बनता है और इसलिए किसी भी अन्य पात्र घरेलू उत्पादक का उनका समर्थन अथवा विरोध किया जाना, वर्तमान जांच के लिए कोई महत्व नहीं रखता है।
- (4) आवेदकों ने यह भी घोषित किया है कि जांच अवधि के दौरान उन्होंने न तो उन्होंने विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात किया है और न ही भारत में उनसे संबंधित किसी पक्षकार ने ऐसे उत्पाद का कोई आयात किया है। इसके अतिरिक्त यह भी घोषित किया है कि आवेदक, भारत में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक अथवा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के किसी भी निर्यातिक से संबंधित नहीं हैं।
- (5) जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा बताया गया है, अन्य कोई भी कथित घरेलू उत्पादक कंपनी, संबद्ध वस्तुओं की संसाधक नहीं है अथवा स्टैनलैस स्टील सीमलैस पाईप्स और स्ट्रॉबस की उत्पादक है, जो कि वर्तमान जांच के अधिकार-क्षेत्र से बाहर है।
- (6) ऐसी कोई अपेक्षा नहीं है कि घरेलू उद्योग के प्रत्येक संघटक को ऐसे प्रत्येक किस्म के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करना चाहिए जिसके पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाना प्रार्थित है। वास्तव में ऐसी सामान्य स्थिति है जिसमें उत्पाद में बड़ी संख्या में विभिन्न किस्मों के उत्पाद शामिल हैं, विभिन्न उत्पादक विभिन्न किस्मों के उत्पाद का उत्पादन करते हैं और ऐसी स्थिति नहीं हो सकती है, जिसमें सभी उत्पादक सभी किस्मों के उत्पादों का उत्पादन करें। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज आईएसएमटी और मेसर्ज जिन्दल सॉलिमिटेड के लिए विशेषज्ञ उत्पादन करती हैं, जिन पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाना प्रार्थित है।
- (7) आईएसएमटी के एपीआई प्रमाण-पत्र को रद्द करने के संबंध में यह निवेदन है कि यह मुद्दा वर्तमान प्रयोजनार्थ प्राधिकारी के लिए प्रासंगिक है क्योंकि अन्य याचिकादाता कंपनी ने उत्पाद का उत्पादन किया है और उसकी आपूर्ति की है तथा ऐसा कोई दावा नहीं है कि उनके एपीआई प्रमाण-पत्र को भी अस्वीकृत कर दिया गया है। यह प्रमाणित नहीं हुआ है कि अन्य याचिकादाता कंपनी (एमएसलाइल) का उत्पाद अभीष्ट आवेदन-पत्र के लिए स्वीकार्य है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी स्थिति में जिसमें घरेलू उद्योग में एक से अधिक उत्पादक शामिल होते हैं, यह आवश्यक नहीं है कि घरेलू उद्योग के प्रत्येक भागीदार को प्रत्येक किस्म के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति करनी चाहिए। वास्तव में ऐसी स्थिति में जिसमें अनेक उत्पादक, विभिन्न प्रकार के अनेक उत्पादों का उत्पादन और आपूर्ति करते हैं, वहां यह स्वभाविक है कि विभिन्न उत्पादक, उत्पाद की विभिन्न किस्मों का उत्पादन करने में संकेन्द्रित होते हैं।
- (8) ऊपर की गई विस्तृत जांच के आलोक में प्राधिकारी का यह मानना है कि मेसर्ज महाराष्ट्र सीमलैस लिमिटेड और मेसर्ज आईएसएमटी लिमिटेड का उत्पादन, जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन में प्रमुख भाग बनता है और वे नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनते हैं तथा पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 (3) के अनुसार घरेलू उद्योग के आधार के मानदंड को पूरा करते हैं।

घ. गोपनीयता

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

17. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक समझे गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

 - (1) याचिकादाता ने केवल ऐसी सूचना की गोपनीयता का ही दावा किया है, जिसकी गोपनीयता की अनुमति नियमावली में दी गई है और जो प्राधिकारी की सुसंगत पद्धति के अनुसार है।
 - (2) याचिकादाता ने आवेदन-पत्र के पर्याप्त अगोपनीय वृतान्त प्रदान किए हैं। कोई भी हितबद्ध पक्षकार सूचना की ऐसी किसी भी विशेष घटना का उल्लेख नहीं कर सका है, जिसके लिए गोपनीयता का दावा किया गया है और जिसकी गोपनीयता, नियमावली के अंतर्गत यथोचित नहीं है।
 - (3) भारत को निर्यातों की सकल मात्रा, घरेलू बाजार में विक्रियों की सकल मात्रा, उत्पादन, विक्रियां, भारत को निर्यात की औसत कीमत जैसी सूचना की गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है।
 - (4) अधिकतर निर्यातकों ने सूचीबद्ध सूचना प्रदान नहीं की है, जब कि ऐसी सूचना का संक्षिप्त विवरण सूचीबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

- (5) सुनवाई पश्चात किए गए निवेदनों में ऐसा निवेदन किया गया है कि सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखी गई है और उन्होंने ऐसी अधिकांश सूचना को गोपनीय माना है, जो कि सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है।

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

18. गोपनीयता के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक समझे गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) आवेदक ने निवल विक्री कीमत, कीमत में कटौती, उत्पादन की मात्रा, घरेलू विक्रियों की मात्रा, निर्यात विक्रियों की मात्रा आदि से संबंधित मुख्य सूचना के सार्थक अगोपनीय वृत्तान्त को प्रस्तुत किए बिना अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- (2) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादों की श्रृंखला का विनिर्माण किए जाने के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों को सार्वजनिक फाईल में उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- (3) प्रतिवादियों को आयातों के अपरिष्कृत और परिष्कृत आंकड़े प्रदान नहीं किए गए हैं। प्राधिकारी को एमएस एक्सिल प्रपत्र में अपरिष्कृत और परिष्कृत आंकड़े प्रदान करने चाहिए ताकि प्रतिवादियों सहित सभी हितबद्ध पक्षकार आयातों के आंकड़ों की परिशुद्धता की जांच कर सकें। इसके अतिरिक्त यह भी स्पष्ट नहीं है कि याचिकादाताओं ने संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा निर्धारित करने के लिए आयात के अपरिष्कृत आंकड़े कैसे प्राप्त किए हैं। इसके अलावा याचिकादाताओं को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने प्रत्येक कारोबार के लिए संबद्ध वस्तुओं की मोटाई का कैसे निर्धारण किया है और आयात की मात्रा निर्धारित की है।
- (4) निर्दिष्ट प्राधिकारी को पीसीएन-वार पहुंच मूल्य प्रकट करना चाहिए क्योंकि इसे गोपनीय नहीं रखा जा सकता है।
- (5) उत्पादक/निर्यातक के उत्तरों को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आयात के आंकड़ों के आधार पर अस्वीकृत कर दिया गया है, लेकिन उक्त आयात आंकड़ों को गोपनीय माना गया है और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। आईबीआईएस के बतौर निजी स्रोत से प्राप्ति की गई सूचना संबंधी आंकड़ों को गोपनीय नहीं माना जा सकता है।
- (6) हमें प्रदान किया गया याचिका के अगोपनीय वृत्तान्त से यह स्पष्ट नहीं होता है कि कैसे/सूचना को विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) और गैर-विचाराधीन उत्पाद (नॉन-पीयूसी) में वर्गीकृत किया गया है और ऐसे कौन से उत्पाद हैं, जिन्हें अपरिष्कृत आंकड़ों से बाहर रखा गया है, ताकि विचाराधीन उत्पाद का निर्धारण और विभिन्न पीसीएन में उनका वर्गीकरण किया जा सके।
- (7) घरेलू उद्योग को डीजीसीआईएंडएस स्रोत से प्राप्त किए गए आयात आंकड़ों को अपरिष्कृत रूप में प्रदान किया जाना चाहिए और यह स्पष्ट करना चाहिए कि घरेलू उद्योग ने अपरिष्कृत आंकड़ों में से पीयूसी और नॉन-पीयूसी से संबंधित आंकड़ों को कैसे पृथक किया है।
- (8) वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान प्रतिवादियों द्वारा प्रदान की गई अगोपनीय सूचना में पर्याप्त रूप से ऐसे व्यौरे दिए गए हैं जिनसे उनके द्वारा प्रस्तुत की गई गोपनीय सूचना को समझा जा सकता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अब तक प्रतिवादियों को ऐसा कोई भी पत्र जारी नहीं किया है जिसमें ऐसा उल्लेख हो कि प्रतिवादियों द्वारा प्रस्तुत की गई अगोपनीय सूचना कानूनी अपेक्षा को पूरा नहीं करती है। इस प्रकार घरेलू उद्योग की प्रतिवादियों द्वारा प्रदान की गई सूचना के अगोपनीय वृत्तान्त की अपर्याप्तता के प्रश्न उठाने की कोई अधिकारिता नहीं है।
- (9) गोपनीय सूचना को ऐसी सूचना के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसके प्रकटन से उसके प्रदाता अथवा ऐसी सूचना के स्रोत पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना होती है। इस परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि ऐसी कोई भी सूचना गोपनीय नहीं होगी, जो कि सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है। यह नोट किया जाना चाहिए कि सूचना को उसके प्रदाता अथवा उसके स्रोत पर पड़ने वाले प्रभाव के संदर्भ में ही गोपनीय परिभाषित किया गया है और न कि अन्य पक्षकारों को उसकी उपयोगिता के संदर्भ में।
- (10) याचिकादाताओं ने अनेक प्राचलों पर अगोपनीय प्रपत्र में सूचना प्रदान नहीं करके अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखी हुई है। साथ ही निवल निर्यात कीमत में समायोजन के लिए कोई समर्थक साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (11) याचिकादाताओं ने स्वयं को सुविधाजनक लगने वाली कार्यप्रणाली अपनाई है और उन्होंने वस्तुतः हितबद्ध पक्षकारों को आरोपित क्षति/संभावना के संबंध में वास्तविक स्थिति का अनुमान लगाने से प्रतिवंशित किया है।
- (12) याचिकादाताओं ने लागत संबंधी सूचना का दावा "ऐसी व्यवसायिक स्वामित्वाधीन सूचना, जिसका संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है" के रूप में किया है तथा कोई संबंधित सूचना प्रदान नहीं की है। घरेलू उद्योग द्वारा यथा प्रदत्त लागत निर्धारण और कीमत संबंधी सूचना को विचाराधीन उत्पाद की व्यापक श्रृंखला के कारण उचित रूप से समझा नहीं जा सकता है, जो कि लागत और कीमत की दृष्टि से अत्यधिक भिन्न हैं।
- (13) सुनवाई पश्चात किए गए निवेदनों में यह निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग ने ऐसे मामले की गोपनीयता का भी दाव किया है जो कि व्यवसाय के प्रति संबद्धेशील नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन रोधी नियमावली के नियम 7 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

गोपनीय सूचना : (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

20. गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक समझे गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका निदान तदनुसार किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त भी पस्तुत करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध कराई गई किसी भी सूचना को गोपनीय नहीं माना जा सकता है।

21. गोपनीयता के दावे के संबंध में निवेदन है कि प्राधिकारी द्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की गई थी। प्राधिकारी ने केवल ऐसी सूचना को ही गोपनीय माना है जो कि नियमावली के अंतर्गत प्रासंगिक है और जिसकी प्राधिकारी द्वारा सामान्य रूप से अनुसरण की जा रही प्रथा के अनुसार गोपनीय सूचना के रूप में माने जाने की अनुमति दी जाती है।

छ. विविध निवेदन

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

22. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक समझे गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड की यह टिप्पणियां कि आवेदकों द्वारा आवश्यक सूचना निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं की गई है, वास्तव में गलत है। प्राधिकारी द्वारा जब कभी भी सूचना मांगी गई है, आवेदकों ने पूरी सूचना निर्धारित प्रपत्र में और उचित तरीके से प्रस्तुत की है।
- (2) सुरक्षा महानिदेशक, भारत सरकार द्वारा विस्तृत जांच करने के बाद ही सुरक्षा शुल्क लागू होने के बाद चीन के निर्यातकों ने अपनी निर्यात कीमत को इस सीमा तक कम कर दिया है, जिससे चीन के निर्यातकों द्वारा प्रभारित निर्यात कीमत से कच्चे माल की लागत भी पूरी नहीं होती है। इसलिए याचिकादाताओं के लिए सरकार से यह अनुरोध करना आवश्यक हो गया था कि वह चीन के निर्यातकों द्वारा पाठन किए जाने की अनुचित प्रथा के प्रतिकूल प्रभाव को दूर करे।
- (3) विनिर्माता के रूप में मेसर्ज आईएसएमटी, अपनी व्यवसायिक रणनीति विशिष्ट अवधारणाओं के आधार पर जैसा भी चाहे बोलियां लगा सकती है तथा उसे "अक्षमता" नहीं माना जा सकता है और ऐसा नहीं माना जाना चाहिए।
- (4) मर्टेक्स और चीन के आपूर्तिकर्ताओं ने वर्ष दर वर्ष ओएनजीसी को पाटित कीमतों पर आपूर्ति करने की रणनीति अपनाई हुई है और वे यह सुनिश्चित करते हैं कि घरेलू आपूर्तिकर्ता बोली देने के लिए योग्य नहीं हो पाएं। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ओएनजीसी द्वारा निकाली गई निविदाओं में बोली देने में विफल हुए हैं। यह व्यंग्यपूर्ण है कि विगत में अत्यधिक मात्रा में आपूर्ति करने वाली आईएसएमटी योग्य नहीं बन पाई है और अनुभव की कमी के कारण मर्टेक्स इसका दावा करती है।
- (5) पर्याप्त मात्रा में आर्डर गैर-पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन लाईसेंस/खनन के पट्टे के क्षेत्र में आपूर्तियां करने के थे जिनमें मर्टेक्स को पूर्ण सीमा-शुल्क (लगभग 25%) के साथ मूल्यांकित किया जाना था। सीमाशुल्क विभाग के शुल्क के कारण मर्टेक्स आर्डर प्राप्त करने में सफल नहीं हुई थी। उसके बजाय एमएसएल ने इन आर्डरों को प्राप्त कर लिया है, जिससे उसने दूसरे ढंग से पी-110 और सी-95 केसिंग्स की आपूर्ति करने की अपनी क्षमता को सिद्ध नहीं कर दिया है। एमएसएल संयुक्त याचिकादाता ने मर्टेक्स द्वारा अपने प्रत्युत्तर में निर्दिष्ट सभी निविदाओं में सभी मदों के लिए अहर्ता प्राप्त कर ली है। घरेलू उद्योग ग्राहकों की तकनीकी बोलियों के लिए अहर्ता प्राप्त कर रहा है।
- (6) चीन मंदी की स्थिति का सामना कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप उसके पास अत्यधिक बेशी क्षमताएं हो गई है। यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय यूनियन और कनाडा आदि जैसे देशों ने अपने घरेलू उद्योग के

हितों की रक्षा करने के लिए चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातों के संबंध में पहले से ही पाटन-रोधी शुल्क लगाया हुआ है और अन्य उपाय किए जाएं हैं।

- (7) सुनवाई पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन में यह उल्लेख किया गया है कि डीजीसीआईएंडएस स्रोत से प्राप्त किए गए अपरिष्कृत आयात आंकड़े वास्तव में गोपनीय सूचना है। डीजीसीआईएंडएस प्रवेश-वार आयात आंकड़ों का बिल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराता है। डीजीसीआईएंडएस केवल 8 डिजीटल स्तर पर मास-वार देश-वार आयात आंकड़ों के रूप में परिभाषित किया गया है। तथापि, इन्हें प्रवेश-वार आयात आंकड़ों का बिल नहीं माना जा सकता है, जबकि डीजीएडी द्वारा मुख्यतया इन्हें कारोबार स्तर के आंकड़ों के रूप में परिभाषित किया गया है। तथापि, इन्हें प्रवेश-वार आयात आंकड़ों का बिल नहीं माना जाता है। मास-वार देश-वार आयात आंकड़े और प्रवेश-वार आंकड़े का बिल, दो प्रकार की सूचना है जो कि एक दूसरे से अत्यधिक भिन्न है। घरेलू उद्योग ने प्रवेश-वार आंकड़े का बिल पहले से ही उपलब्ध कराया है।

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

23. जांच की प्रक्रिया के दौरान विविध मुद्दों के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक समझे गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका में अनेक कमियां हैं। याचिका पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 (3) के अंतर्गत पर्याप्तता और परिशुद्धता के मानकों को पूरा नहीं करती है।
- (2) आवेदक का इरादा अनुचित ढंग से आयातों को रोकना और घरेलू बाजार पर एकाधिकार स्थापित करना है।
- (3) आवेदक घटिया उत्पाद विनिर्मित कर रहे हैं, जो कि ओएनजीसी और अन्य की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते हैं। ओएनजीसी और अन्य द्वारा निकाली गई निविदाओं के लिए बोली देते समय आवेदक कुछ समय तक अयोग्य पाए गए हैं।
- (4) जांच अवधि के दौरान मर्टेक्स ने भारत को सभी निर्यात कारोबार, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धी बोली देने की प्रक्रिया (आईसीबी) के माध्यम में जारी की गई निविदा बोली संविदा के माध्यम से किए हैं। बोली देने की प्रक्रिया से विक्रियों के परिणाम से प्रत्यक्ष रूप से ऐसा पता चलता है कि अधिकतर प्रतिस्पर्द्धी कीमतों का चयन किया गया है और इसलिए ऐसी कीमतों को पाटन नहीं माना जा सकता है।
- (5) ऐसे किसी भी उत्पाद जिसके लिए निविदाएं/पेशकश अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धी बोली देने की प्रक्रिया (आईसीबी) के माध्यम से की गई है, कीमत का निर्धारण, मुहरबंद निविदाओं द्वारा आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रतिस्पर्द्धी कीमत की तर्कसंगत प्रक्रिया से किया जाता है। संभावित आपूर्तिकर्ता अपनी निजी लागत और उचित मार्जिन के आधार पर कीमत से संबंधित बोली देते हैं और निविदाएं आमंत्रित करने वाले प्राधिकारी, निम्नतम कीमत (जिसे "एल 1 कीमत" कहा जाता है) को स्वीकार करते हैं। यह एक ऐसी कार्य-प्रणाली है, जिसे बोलीदाताओं को अन्य बोलीदाताओं की कीमतों को जाने विना अपनी कीमतों को निम्नतर करके निम्नतम बोली देने के लिए प्रेरित करने के लिए बनाया गया है।
- (6) इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धी बोली देने की प्रक्रिया (आईसीबी) क्रेता के हित को पूरा करती है और "क्रेता का बाजार" स्थापित करती है, जिसमें ओएनजीसी जैसे क्रेता अपना एकाधिकार स्थापित कर लेता है, जो कि संभावित बोलीदाताओं से निम्नतर/बेहतर कीमत प्राप्त करने में सक्षम होता है। इस प्रकार ओएनजीसी बेहतर कीमत प्राप्त करने के लिए आईसीबी का प्रयोग करता है और सफल बोलीदाता वह होता है, जो कि ऐसे बाजार में प्रतिस्पर्द्धी कीमत बोलियों में से निम्नतर कीमत की पेशकश करता है। ऐसे बाजार में बोलीदाता निम्नतर कीमत की पेशकश करने के लिए क्रेता द्वारा संचालित होते हैं। ओएनजीसी जैसे उपभोक्ताओं के लिए विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति और निर्यात तथा उनकी मात्राएं केवल ओएनजीसी द्वारा संबद्ध वस्तुओं की मांग द्वारा संचालित होती है। भारतीय बाजार में कीमत चलन और आचरण का विश्लेषण करते समय बोली संविदा कीमत के उपयोग को कथित कीमत भिन्नता के आधार के रूप में ध्यान में रखा जाए।
- (7) विदेशी आपूर्तिकर्ता और घरेलू उत्पादक वास्तव में खुली बाजार प्रतिस्पर्द्धी प्रणाली में अपनी कीमतें निर्धारित करने के लिए किसी विशेषाधिकार से लाभान्वित नहीं होते हैं, लेकिन उन्हें मुख्यतया क्रेता द्वारा मुक्त बाजार में आपूर्तिकर्ताओं द्वारा अनुसरण की जा रही कीमत निर्धारण संबंधी किसी भी नीति को स्वतंत्र रूप से अपना कर अपनी निम्न कीमतें पेशकश करने के लिए उत्साहित किया जाता है। इसका अभिप्राय यह है कि आईसीबी प्रक्रिया की तरकीब ऐसे बाजार में वस्तुओं का पाटन करने के लिए आमंत्रित करती है, जिसमें ओएनजीसी और ऐसे एकाधिकारी अंत-प्रयोक्ता अपने लाभार्थी कार्य करते हैं। इसलिए ओएनजीसी जैसे उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति और निर्यात उत्पाद तथा मात्राएं, केवल ओएनजीसी द्वारा संबद्ध वस्तुओं की मांग द्वारा ही संचालित होती है।
- (8) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने संदर्भ कीमत के आधार पर अनन्तिम पाटन-रोधी शुल्क की अनुचित रूप से सिफारिश की है और केन्द्रीय सरकार द्वारा उसे लगाया गया है, जब कि संबद्ध वस्तुओं के लिए कच्चे माल की कीमतें अस्थिर होती हैं। इसलिए यह निवेदन है कि संदर्भ कीमत केवल उन्हीं मामलों में लगाई जानी उचित होती है, जिनमें कच्चे माल की कीमतें स्थिर होती हैं अथवा कच्चे माल की कीमतें अस्थिर तरीके से घटती-बढ़ती नहीं हैं।

- (10) निर्दिष्ट प्राधिकारी पहुंच मूल्य में 20% सुरक्षा शुल्क को शामिल करने में विफल रहे हैं, जिसे वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 13 अगस्त, 2014 की अधिसूचना संख्या 02/2014-सीमाशुल्क (एसजी) द्वारा लगाया गया था। यदि सुरक्षा शुल्क को शामिल को शामिल कर लिया जाता है, तो कीमत कटौती लगभग शून्य हो जाएगी और कम कीमत पर बिक्री, प्रारंभिक जांच परिणाम में उल्लिखित स्तर से काफी कम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त सुरक्षा शुल्क लगे होने की स्थिति में संदर्भ कीमत लागू किए जाने के कारण घरेलू उद्योग के संरक्षण की राशि दुगुनी हो जाती है।
- (11) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सुरक्षा शुल्क का समायोजन करने की अनदेखी की है, जो कि संस्तुत संदर्भ कीमत शुल्क में संबद्ध वस्तुओं पर लगा हुआ है। इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को दुगुना संरक्षण मिल रहा है।
- (12) सुरक्षा शुल्क के पहले से ही लागू होने की स्थिति में अब घरेलू उद्योग की निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष आने तथा पाटन-रोधी शुल्क लगाने का अनुरोध करने की कोई अधिकारिता नहीं है। घरेलू उद्योग को यह अधिप्रमाणित करना चाहिए कि सभी स्रोतों से आयातों पर सुरक्षा शुल्क लागू होने के बावजूद चीन जनवादी गणराज्य से आरोपित पाटित आयातों के कारण उसे अभी भी कैसे क्षति हो रही है।
- (13) इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि प्राधिकारी ने कुछ उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर निकाल दिया है, संबद्ध देश से आयात की मात्राओं से संबंधित जिन आंकड़ों पर प्रारंभिक जांच परिणाम में विश्वास किया गया है, वे घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन-पत्र में यथा उल्लिखित आयात आंकड़ों से कम होने चाहिए। तथापि, 2 आंकडे एक समान प्रतीत होते हैं और प्राधिकारी ने (बहिष्करण के बावजूद) घरेलू उद्योग के आवेदन-पत्र में उल्लिखित आंकड़ों को प्रयुक्त किया है। इसलिए प्रारंभिक जांच परिणाम में दिए गए आंकडे उस हृद तक गलत हैं और तदनुसार प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है और उसमें संशोधन किए जाने की आवश्यकता है।
- (14) देश की अर्थव्यवस्था के विकास के लिए पॉवर जेनरेशन की लागत को कम करने के लिए समग्र विद्युत उपस्कर विनिर्माताओं को राहत दिए जाने पर विचार किया जाए।
- (15) जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन का कोई इतिहास नहीं है।
- (16) पीसीएन प्रणाली उचित ढंग से नहीं बनाई गई है क्योंकि वियरिंग स्टील ट्यूब्स को गलती से पीसीएन ए-1-7 और ए-1-8 में लाईन पाईप्स के साथ सम्मिलित किया गया है। सार्वजनिक सुनवाई के दौरान घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है कि वियरिंग स्टील ट्यूब्स और लाईन पाईप्स तुलनीय मद्दें नहीं हैं। इसको ध्यान में रखते हुए पीसीएल प्रणाली को संशोधित किया जाना चाहिए।
- (17) यह स्पष्ट नहीं है कि याचिकादाताओं ने आयात की मात्रा का कैसे निर्धारण किया है। हालांकि याचिकादाताओं ने यह स्पष्ट किया है कि उन्होंने मद के विवरण में दिए गए वाह्य व्यास को प्रयुक्त किया है, लेकिन याचिकादाताओं ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या मद के उसी विवरण में मोटाई का उल्लेख है या नहीं। याचिकादाताओं को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने प्रत्येक कारोबार के लिए संबद्ध वस्तुओं की मोटाई का कैसे निर्धारण किया है और आयात की मात्रा कैसे निर्धारित की है।
- (18) निर्दिष्ट प्राधिकारी को पुराने पाईप्स, खराब, जंग लगे हुए और प्रयुक्त पाईप्स को बाहर निकालने के बाद आयात की मात्राओं को कम कर देना चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विशेष रूप से विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से हाई प्रेशर गैस सिलिंडरों को बाहर निकाले जाने के बाद आयात की मात्रा और भी कम हो जानी चाहिए। ऐसा किया गया है, यह प्रारंभिक जांच परिणाम से प्रतीत नहीं होता है। इसके अतिरिक्त पीसीएन ए-1-5 के अंतर्गत गैर-पाटित आयातों को बाहर रखे जाने के बाद आयात की मात्रा और भी कम हो जाएगी।
- (19) संबद्ध वस्तुओं पर सम मूल्य पर सुरक्षा शुल्क लागू होने की स्थिति में पाटन-रोधी शुल्क के रूप में संदर्भ कीमत लागू करने में आने वाली अंतर्रभूत कठिनाईयों के कारण प्रारंभिक जांच परिणाम में शुल्क के रूप में परिवर्तन कर दिया जाना चाहिए। यह उपयुक्त होगा कि इस मामले में पाटन-रोधी शुल्क को सम मूल्य पर परिवर्तित कर दिया जाए चूंकि संबद्ध वस्तुओं पर सुरक्षा शुल्क भी सम मूल्य पर ही लगा हुआ है। इसके अतिरिक्त निर्दिष्ट प्राधिकारी को बहुताधिक पाटन-रोधी शुल्क लगाने के बजाय संबद्ध वस्तुओं पर एक संकलित शुल्क लागू करने की सिफारिश करनी चाहिए। यदि ऐसा किया जाता है, तो सुरक्षा शुल्क को सुगमता से पाटन-रोधी शुल्क में समायोजित किया जा सकता है तथा इस प्रकार से वसूल किए गए शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए उपयुक्त होगा बल्कि इससे घरेलू उद्योग को अत्यधिक संरक्षण देने से भी बचाव होगा।
- (20) याचिका पर्याप्तता और परिशुद्धता के मानदंडों को पूरा नहीं करती है। याचिकादाताओं ने या तो अनेक प्राचलों पर कोई सूचना प्रदान नहीं की है अथवा उन्होंने याचिका में दी गई सूचना की संपूर्ण विश्वसनीय साक्ष्य से नहीं की है।
- (21) आयात के आंकड़ों की छेटाई करने के लिए याचिकादाताओं द्वारा अपनाई गई कार्य-प्रणाली स्पष्ट नहीं है। याचिकादाताओं को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने प्रत्येक कारोबार के लिए संबद्ध वस्तुओं की मोटाई का कैसे निर्धारण किया है और आयात की मात्रा कैसे निर्धारित की है।
- (22) याचिकादाताओं ने याचिका के साथ केवल डीजीसीआईएंडएस के परिष्कृत आयात आंकडे प्रस्तुत किए हैं और वे भी हार्ड कॉपी में। इन आंकड़ों की प्रमाणिकता स्थापित करने के लिए यह अनुरोध है कि याचिकादाताओं को निर्देश दिया जाए कि वे अपरिष्कृत और परिष्कृत आंकडे एमएस एक्सिल फोरमेट में प्रस्तुत करें। घरेलू उद्योग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसने विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद से संबंधित आंकड़ों को कैसे पृथक किया है।

- (23) गोपनीयता का दावा करते हुए निर्यातकों को आयात के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। लेकिन उनको गोपनीय नहीं माना जा सकता है क्योंकि ऐसी किसी भी सूचना को गोपनीय नहीं माना जा सकता है, जो कि सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है अथवा जिसे आवश्यक शुल्क अदा करके प्राप्त किया जा सकता है।
- (24) घरेलू उद्योग पहले से ही 12 फरवरी, 2017 तक सुरक्षित है। लागू सुरक्षा शुल्क पर विचार नहीं किया गया है।
- (25) साथ ही पाटन-रोधी शुल्क लागू करने का अनुरोध करने की घरेलू उद्योग की कोई अधिकारिता नहीं है। घरेलू उद्योग को यह अधिप्रमाणित करना चाहिए कि सभी स्रोतों से आयातों पर सुरक्षा शुल्क लागू होने के बावजूद चीन जनवादी गणराज्य से आरोपित पाठित आयातों के कारण उसे अभी भी कैसे क्षति हो रही है।
- (26) संबद्ध वस्तुओं का भारतीय बाजार भिन्न है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धी बोली देने की प्रक्रिया के कारण भारत को निर्यात हो रहे हैं। बोली देने की प्रक्रिया के दौरान उद्धृत कीमतें गोपनीय होती हैं और उन्हें अन्य भागीदारों के समक्ष प्रकट नहीं किया जाता है। ओएनजीसी जैसे उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति और निर्यात उत्पाद और उनकी मात्राएं केवल ओएनजीसी द्वारा संबद्ध वस्तुओं की मांग द्वारा संचालित होती है।
- (27) विचाराधीन उत्पाद पर पाटन-रोधी शुल्क लागू करने के विशिष्ट उद्देश्य पेट्रोलियम प्रचालनों के लिए उनका प्रयोग किया जाना है, जिन्हें ऑयलफील्ड्स (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1949 के साथ पठित पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1950 के अंतर्गत विशेष रूप से बाहर रखा गया है। पाटन-रोधी शुल्क लागू करना उपरोक्त अधिनियम और नियम का उल्लंघन करना है।
- (28) पेट्रोल की गई वस्तुएं पाटन-रोधी शुल्क की पात्र नहीं हैं और वे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर हैं।
- (29) ओएनजीसी की निविदाओं में आईएसएमटी ने उत्पादों की समग्र शृंखला में न तो पूरी तरह से सहभागिता की है और न ही वे गुणवत्ता के आधार पर योग्य थी।
- (30) संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से उनकी कीमतों पर अत्यधिक प्रभाव पड़ेगा और उससे निचले स्तर के उद्योग पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- (31) सार्वजनिक सुनवाई पश्चात किए गए निवेदनों में हितबद्ध पक्षकारों ने यह निवेदन किया है कि आयातकों और प्रयोक्ताओं के बीच कोई स्पष्ट भिन्नता नहीं है। इन दोनों को एक समान ही माना गया है।
- (32) संदर्भ कीमत पर शुल्क लगाना इसलिए सही नहीं है क्योंकि कच्चे माल की कीमत में उतार-चढ़ाव होता रहता है।
- (33) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत किए गए आयात के आंकड़ों के आधार पर निर्यातक की निर्यातक प्रश्नावली को खारिज कर दिया जाए।
- (34) वर्ष 1999 में प्रथम मामले में एसएसआर में शुल्क को जारी नहीं रखा गया था और चीन पर शीर्षस्थ शुल्क नहीं लगाया गया था। वर्ष 2000 में दूसरे मामला भी उन्हीं पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया था जिन्होंने इस समय प्राधिकारी के समक्ष मामला प्रस्तुत किया है। इस मामले को भी प्राधिकारी द्वारा यह उल्लेख करते हुए समाप्त कर दिया गया था कि घरेलू उद्योग विभिन्न प्राचलों पर सूचना प्रस्तुत करने में विफल रहा है।
- (35) सुरक्षा जांच पर विश्वास करना अप्रासंगिक है क्योंकि वह तुरत, तेजी से और हाल ही के अत्यधिक आयात की रोकथाम करने के लिए होती है। वर्तमान मामला उस प्रकृति का नहीं है। घरेलू उद्योग पहले से ही ऐसे अत्यधिक सुरक्षा शुल्क से सुरक्षित है। इस लिए वर्तमान मामले में विगत मामलों का इतिहास प्रासंगिक नहीं है।
- (36) याचिका पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 और 6 का उल्लंघन है।
- (37) ओएनजीसी और ओआईएल की अधिप्राप्ति कीमत का उल्लेख किया गया है। घरेलू उद्योग को इसके स्रोत का प्रकटन करना चाहिए, अन्यथा यह संदेहात्मक सूचना होगी।
- (38) यदि प्रयोक्ता-वार तुलना की जाती है, तो घरेलू उद्योग को यह सिद्ध करना चाहिए कि भारत में प्रत्येक प्रयोक्ता के संबंध में चीन जनवादी गणराज्य से आयातों और घरेलू उद्योग की विक्रियों के बीच कैसे तुलना की जा सकती है।
- (39) पीसीएन ए-1-5 पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

24. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विविध मामलों के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोधों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए विभिन्न अनुरोधों की जांच की गई है और उनका इस प्रकार से निपटान किया गया है: (1)
- (1) घरेलू उद्योग को कथित पाटन और क्षति के संबंध में सूचना तथा कथित पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में अच्छी तरह से प्रलेखित आवेदन के आधार पर और इस संबंध में सूचना की प्रथम दृष्टया पर्याप्ता और सटीकता के संबंध में संतुष्ट होने के बाद ही जांच आरंभ की गई थी।
 - (2) इस अनुरोध के संबंध में कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उनकी कीमतों पर स्फीतिकारी प्रभाव पड़ेगा और डाउनस्ट्रीम उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य अनुचित व्यापार प्रक्रिया को रोकना और घरेलू उद्योगों को एक समान अवसर प्रदान करते हुए उन पर इसके क्षतिकारी प्रभाव को दूर करना है। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क लगाने से न तो आयात सीमित होते हैं और न ही रुक सकते हैं।

- (3) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के तर्क से घरेलू उद्योग को अनुचित लाभ होगा, ऐसा तर्क अनुमान के आधार पर और समय पूर्व है। पाटनरोधी जांच पाटन की मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसके परिणामस्वरूप पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करने और आकलन करने के लिए तथा घरेलू उद्योग को एक उचित और समान अवसर प्रदान करने और पाटन के लिए समुचित तथा पर्याप्त पाटनरोधी उपायों की सिफारिश करने के लिए तथ्यों और कानून पर आधारित है।
- (4) जहां तक याचिकार्का द्वारा आयात संबंधी आंकड़ों को ठीक करने की कार्यप्रणाली का संबंध है, सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध कराई गई अगोपनीय याचिका स्वतः स्पष्ट है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार के लिए किसी विशिष्ट रूप अथवा ढंग से सूचना के लिए मांग करने का कोई स्थान नहीं है। संगत कानून के तहत महत्वपूर्ण यह है कि क्या प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय सूचना उपलब्ध कराई गई है या नहीं।
- (5) यह तर्क कि विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का विशेष उद्देश्य पैट्रोलियम कार्बों में प्रयोग करने के लिए तेल क्षेत्र (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 1948 के साथ पठित पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियमावली, 1959 के तहत विशेष तौर पर वर्जित किया गया है, सही नहीं है। पाटनरोधी शुल्क का तात्पर्य अनुचित व्यापार को रोकना है और पाटन की सुविधा के लिए ऐसा कोई नियम नहीं हो सकता।
- (6) किसी वस्तु को पेटेंट करने से वह वस्तु विचाराधीन उत्पाद से भिन्न नहीं हो सकती। यदि किसी वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है और पेटेंट वाली वस्तु पाटनरोधी शुल्क वाली वस्तु के साथ तकनीकी और वाणिज्यिक तौर पर प्रतिस्थापनीय है, तो ऐसी पेटेंट प्राप्त वस्तु को पाटनरोधी शुल्क के क्षेत्र से बाहर नहीं किया जा सकता। तथापि, तकनीकी रूप से उपयुक्तता, वाणिज्यिक उपलब्धता और प्रतिस्थापनीयता को ध्यान में रखते हुए कतिपय प्रीमियम श्रेड ज्वाइंट को जांच शुरू करने की अवस्था में ही विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर किया गया है।
- (7) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि ओएनजीसी आदि द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धी बोली प्रक्रिया के प्रत्युत्तर में भारत में आयात किए जा रहे हैं और इसीलिए इन्हें पाटित नहीं कहा जा सकता, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटन तब होता है जब वस्तुएं उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात की जाती है और यह कीमत को ठीक करने का एक उपाय है।
- (8) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को क्षति का निर्धारण सुरक्षा संबंधी शुल्क को शामिल किए बिना किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि घरेलू उद्योग को क्षति कारणात्मक संबंध और पाटनरोधी शुल्क की मात्रा मौजूद होने पर सुरक्षात्मक शुल्क के प्रभाव के संदर्भ में जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि सुरक्षात्मक शुल्क और पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन विक्लुल अलग है, चाहे दोनों के कारण से आयातित उत्पाद की लागत में वृद्धि की एक समान स्थिति रही है। यद्यपि, सुरक्षा संबंधी शुल्क सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 8 ख के तहत लगाया जाता है, यदि केंद्र सरकार सुरक्षा महानिदेशक द्वारा की गई जांच के बाद संतुष्ट है कि उस वस्तु का भारत में आयात इतनी वर्धित मात्रा में और ऐसी स्थिति के तहत किया गया है जिससे कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति अथवा क्षति की संभावना हो, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 के तहत पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है, जहां किसी देश अथवा प्रदेश से किसी निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा भारत में वस्तु का निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है और ऐसे पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। यद्यपि, सभी स्रोतों से आयातों पर एक समान दरों पर सुरक्षा शुल्क लगाया गया है, पाटनरोधी शुल्क दर आपूर्तिकर्ता के लिए भी अलग-अलग हो सकती है। इसके अलावा, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 ख में प्रतिबंध लगाने के बारे में निर्दिष्ट किया गया है और यह प्रावधान किया गया है कि किसी भी वस्तु पर पाटन अथवा निर्यात समिसडाइजेशन की एक सी स्थिति के लिए क्षतिपूर्ति के लिए प्रतिकारी शुल्क और पाटनरोधी शुल्क, दोनों नहीं लगाए जाएंगे। धारा 8 के बाद धारा 9 ख आती है और इसीलिए केंद्र सरकार ने प्रतिकारी शुल्क और पाटनरोधी शुल्क दोनों को एक साथ लगाने पर प्रतिबंध लगाया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने भी सुरक्षा शुल्क और पाटनरोधी शुल्क, दोनों को एक साथ लगाने पर प्रतिबंध विनिर्दिष्ट नहीं किए हैं। इस प्रकार, यह नहीं कहा जा सकता है कि केंद्र सरकार पाटनरोधी शुल्क नहीं लगा सकती क्योंकि उत्पाद के लिए सुरक्षा शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। जहां तक घरेलू उद्योग को क्षति का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन कीमत हास वाली महत्वपूर्ण अप्रयुक्त क्षमताओं, लाभप्रदता में गिरावट, शामिल पूँजी पर प्रतिफल, नकदी लाभ जैसे मानदंडों के संबंध में गिरावट को दर्शाता है। शामिल पूँजी पर लाभ, प्रतिफल और नकदी लाभ से जांच की अवधि में नकारात्मक विकास दर्शाया गया है। अधिकांश मानदंडों जैसे उत्पादन, विक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, नकदी लाभ, शामिल पूँजी पर प्रतिफल, बाजार अंश एवं वस्तु-सूची इत्यादि ने घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव दर्शाया है। यह भी देखा गया है कि चीन को आयातों की सीआईएफ कीमत में तीव्रता से गिरावट आई है और चीन से आयातों के बाजार अंश में वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग में गिरावट आई है। जांच की अवधि में भारित औसतन क्षति मार्जिन सुरक्षा शुल्क जोड़ने के बाद भी सकारात्मक है। इस प्रकार से यह स्पष्ट है कि सुरक्षा शुल्क की मात्रा घरेलू उद्योग के समक्ष आ रही क्षति का सामना करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। यह भी नोट किया जाता है कि सुरक्षा शुल्क लगाना विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) करार के अनुच्छेद 3.5 अथवा अनुबंध- I के पैरा (v) के तहत "अन्य कारक" की श्रेणी में नहीं आ सकता।

- (9) इस बात पर विचार किए जाने के बावजूद कि किसी भी तरह से निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह केंद्र सरकार से पाठन के मार्जिन के समान अथवा कम पाठनरोधी शुल्क की मात्रा की सिफारिश करे, जो यदि लगाया जाता है तो इन नियमों के अनुबंध-II में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करेगा, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी पाठनरोधी शुल्कों की मात्रा की सिफारिश करते समय सुरक्षा शुल्क पर समुचित रूप से विचार करेगा। इस प्रकार से, यद्यपि, निर्दिष्ट प्राधिकारी पाठनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करने का निर्णय लेते हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी यह सिफारिश कर सकते हैं कि एकत्र किए जाने वाले पाठनरोधी शुल्क की मात्रा आयातों पर प्रभारित सुरक्षा शुल्क की मात्रा के लिए समायोजित की जाएगी।
- (10) हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग देश में उत्पाद की मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद की मांग-आपूर्ति के अंतर को, उस सीमा तक पारित कीमत पर उत्पाद के निर्यात के लिए यथोचित नहीं माना जा सकता है, जिसके कारण भारत में घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।
- (11) यह तर्क दिया गया है कि पाठन-रोधी शुल्क लागू करना जनहित में नहीं होगा। तथापि, यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने उसके परिमाण के बारे में नहीं बताया है कि कैसे प्रस्तावित शुल्क को लागू करना जनहित में नहीं होगा। इसके अतिरिक्त पाठन-रोधी शुल्क लगाए जाने से पारित आयातों से प्राप्त होने वाले अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घेरलू उद्योग में हो रही गिरावट की रोकथाम होगी और यह संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक चयन करने की उपलब्धता बनाए रखने में सहायक होंगे, जिससे घरेलू बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा स्थापित होगी।

पाठन मार्जिन

बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाठन मार्जिन

25. यद्यपि घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि चीन को एक बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में विचार करते हुए, चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ सहित इनका समायोजन करके, और उचित लाभ को भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए। लेकिन किसी भी निर्यातक, आयातक, उपयोक्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में कोई संगत अनुरोध नहीं किया है। चीन के किसी भी प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली प्रत्युत्तर दाखिल नहीं किए हैं और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है।

छ. सामान्य मूल्य का निर्धारण

सामान्य मूल्य

26. धारा 9क (1) (ग) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से तात्पर्य-
- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातक देश या भू-भाग में खपत के लिए नियत हो, अथवा
 - (ii) जब निर्यातक देश या भू-भाग के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या भू-भाग की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या भू-भाग से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत; बशर्ते यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम के देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु का निर्यात के देश से होकर केवल यानान्तरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम के देश में उसकी कीमत के संबंध में किया जाएगा।

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के देशों के संबंध में प्रावधान

27. पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-I में यह उल्लेख है कि:

7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं हैं या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबंद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबंद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहाँ उचित हों, समय सीमा क भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलम्ब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विदेश में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।

8. (1) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं कि विक्रियां उप पैरा

(3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।

(2) यह कहना पूर्वनुसार लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्लूटीओ के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश है।

तथापि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या :-

(क) ऐसे देश में कई समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, विक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विनिर्दिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुछ्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थ व्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तयों के मूलयहास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती हैं जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गांरटी देता है:-

(घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं:-

तथापि, जहाँ इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसे अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

28. पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- I. पूर्व मामलों में प्राधिकारी द्वारा और अन्य देशों में जांच प्राधिकारी द्वारा स्थिति के अनुसार चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाए। चीन के उत्पादकों की लागत और कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता।
- II. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि निम्नलिखित शर्तें पूरी न हो जाएः-
 - i. राज्य का हस्तक्षेप पूरी तरह से हटाया जाए।
 - ii. प्रमुख निविष्टियों की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार के मूल्यों को दर्शानी चाहिए।
 - iii. लेखा वहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों (आईएएस) के अनुसार की जानी चाहिए।
 - iv. सभी अपेक्षित मानदंड बाजार की अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने के लिए पूरे किए जाएं।

- V. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा स्थापित करने का उत्तरदायित्व/जवाबदेही चीन के प्रतिवादी निर्यातकों पर है न कि निर्दिष्ट प्राधिकारी पर।
- vi. प्रतिवादी कंपनी और उसका समूह मिलकर दावा करे।
- vii. ऐसी स्थिति में, जहां वर्तमान शेयरधारकों ने अपनी उत्पादन सुविधाएं स्वयं स्थापित नहीं की हैं लेकिन किसी अन्य पक्षकार से उसे अर्जित किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता, जब तक कि दस्तावेजी साक्ष्य के माध्यम से परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी तरह से स्थापित न हो।
- III. इन नियमों के अनुसार, चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी भी आधार पर किया जा सकता है :
- i. बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत
 - ii. किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य
 - iii. किसी ऐसे तीसरे देश से भारत सहित किसी अन्य देश की कीमत
 - iv. भारत में वास्तव में भुगतान की गई कीमत, जो एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए समायोजित की गई हो।
 - v. एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए समायोजित की गई भारत में वास्तव में भुगतान की जाने वाली कीमत।
- IV. याचिकार्ता ने यह अनुरोध किया है कि धारा 9 क (1) (g) के अनुसार निम्नलिखित के आधार पर निर्यातिक देश में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सकता है :
- i. सामान्य व्यापार के दौरान निर्यातिक देश के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमत,
 - ii. समान वस्तु, जब निर्यातिक देश अथवा प्रदेश अथवा किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात होती है तो उसकी तुलनात्मक प्रतिनिधि कीमत,
 - iii. मूलता के देश में कथित वस्तु के उत्पादन की लागत के साथ-साथ उसमें प्रशासनिक, विक्री और सामान्य लागत तथा लाभों के लिए तर्कसंगत वृद्धि।
- V. यदि उपरोक्त विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए समायोजित किए गए समान वस्तु के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं।
29. सुनवाई के बाद घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अतिरिक्त अनुरोध किए :
- I. पाटन मार्जिन का निर्धारण केवल एक ही पीसीएन के लिए नहीं किया जा सकता। यदि किसी पीसीएन का पाटन मार्जिन नकारात्मक है, जिसे पाटन मार्जिन की गणना से अलग नहीं किया जा सकता।
 - II. यहां तक कि जब निर्यातिक के अन्य पीसीएन का निर्यात नहीं किया है, तो भी शुल्क सभी पीसीएन के लिए लगाया जाना चाहिए।
 - III. निर्यातिक से विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निर्धारित रूप में और निर्धारित तरीके से सूचना प्रदान करना अपेक्षित है। प्राधिकारी ने कतिपय उत्पाद के प्रकारों को हटाने के अलावा विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई संशोधन नहीं किया है, जिसके लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा हटाने की मांग की गई थी। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं किया है जिससे कि निर्यातिक के लिए बाधा उत्पन्न न हो। स्पष्ट रूप से यह प्रतीत होता है कि पक्षकार याचिका के अनुसार प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने के इच्छुक हैं, जिसका तात्पर्य यह है कि निर्यातिक निर्धारित रूप में और निर्धारित तरीके से अपनी सूचना दाखिल करना नहीं चाहते, लेकिन याचिका में निहित सूचना के आधार पर फेरबदल करना चाहते हैं।
 - IV. विचाराधीन सभी उत्पाद सौदे आंकड़ों में शामिल कर लिए गए हैं और अन्य उत्पादों के सौदों को शामिल नहीं किया गया है। निर्यातिक का तर्क दुर्भावनापूर्ण है।
 - V. उत्पाद की आपूर्ति के लिए आईएसएमटी की पात्रता जारी है। प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, एमएसएल भी एक याचिकाकर्ता है और वह उत्पाद के उत्पादन और आपूर्ति के लिए पात्र है।
 - VI. निर्यातिकों द्वारा दी गई सूचना का उपयोग न करने के कारणों को पहले ही पर्याप्त रूप से स्पष्ट किया जा चुका है। जब तक कि निर्यातिक द्वारा पर्याप्त रूप से उत्तर और सभी सूचना प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रूप में और निर्धारित तरीके से प्रदान नहीं की जाएगी, निर्यातिक यह दावा नहीं कर सकते कि प्राधिकारी को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करना चाहिए।
 - VII. जब तक कि कोई निर्यातिक पाटन के व्यक्तिगत मार्जिन के लिए अपना मामला स्थापित न कर सके, प्राधिकारी व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए बाध्य नहीं है। पाटन मार्जिन सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच का अंतर है और जब तक सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत, दोनों के संबंध में पूर्ण सूचना उपलब्ध न हो, प्राधिकारी व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए बाध्य नहीं है।

निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

30. निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- किसी उत्पादक अथवा निर्यातक के कारण आयातों, जिनके लिए पाटन के न्यून अथवा नकारात्मक मार्जिन की गणना को पाटित आयातों के रूप में नहीं माना गया है अथवा उन्हें अपाटित आयातों के रूप में माना जाए। ऐसे अपाटित आयातों को संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग को हड्डि क्षति की जांच के लिए पाटित आयातों की मात्रा में शामिल नहीं किया गया है। यदि यह पाया जाता है कि किसी स्रोत से आयात अपाटित हैं तो ऐसे आयातों की निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटित आयातों से क्षति और कारणात्मक संबंधों के निर्धारण के लिए मात्रा और कीमत संबंधी प्रभावों के लिए जांच नहीं की जाती। इस संबंध में, पीसीएन ए-1-5 के तहत चीन जन. गण. से कठिपय सहयोगी निर्यातकों के निर्यात न तो पाटित हैं और न ही घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं। इसके अलावा, निर्दिष्ट प्राधिकारी के स्वयं के प्रारंभिक जांच परिणामों के अनुसार, पीसीएन ए-1-5 के लिए चीन जन. गण. से इन सहयोगी निर्यातकों के निर्यातों के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, दोनों ही नकारात्मक हैं। अतः यह कहा जाता है कि पीसीएन ए-1-5 के तहत इन निर्यातकों के अपाटित आयातों की ऐसी मात्रा को क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए चीन जन गण से आयात की मात्रा से बाहर किया जाना चाहिए।
 - हेंगयांग ग्रुप और जिन्येगांग संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक/निर्यातक हैं। कथित कंपनियों, यद्यपि संगत कंपनियां हैं, हेंगयांग ग्रुप का जिन्येगांग के साथ अथवा जिन्येगांग का हेंगयांग ग्रुप के साथ कोई हस्तक्षेप/भागीदारी नहीं है। हेंगयांग ग्रुप और जिन्येगांग स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं और ये अलग-अलग विधिक संस्थाएं हैं। यद्यपि, अलग-अलग संस्थाएं मानने का अनुरोध किया जा चुका है, लेकिन प्राधिकारी ने गलती से उन्हें एक ही संस्था मान लिया है। प्राधिकारी हेंगयांग ग्रुप और जिन्येगांग द्वारा दिए गए आंकड़ों को अनावश्यक रूप से और मनमाने ढंग से अस्वीकार किया है।
 - जहां तक प्राधिकारी की इस टिप्पणी का संबंध है कि जिन्येगांग के प्रमुख निर्यात दुवर्ई, शारजहां आदि में स्थित व्यापार संस्थाओं के माध्यम से किए गए हैं। जिन्येयांग का कथित असंबद्ध यूएई वितरकों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कोई नियंत्रण नहीं है और इसीलिए उन्हें निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अतः जिन्येयांग को, यदि असंबद्ध वितरक भाग नहीं लेते हैं अथवा एक सीमित उत्तर दाखिल नहीं करते हैं तो उन्हें दंड नहीं दिया जा सकता।
 - प्राधिकारी द्वारा हेंगयांग ग्रुप द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में कोई आपत्ति नहीं की गई है और अभी प्राधिकारी बिना किसी उचित कारण के अपने आंकड़ों को निरस्त करते हुए गैर-मौजूद माना है। हेंगयांग ग्रुप और जिन्येगांग से संबंधित किसी भी संस्था ने जांच की अवधि के दौरान भाग को संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन/निर्यात नहीं किया है।
 - प्राधिकारी ने एक व्यापारी बाओटोऊ इंटरनेशनल से उत्तर मांगा है, जो जांच की अवधि के एक हिस्से के लिए केवल एक प्रकटित एजेंट मात्र रहा था और जांच की अवधि में बाओटोऊ के विचाराधीन उत्पाद का स्वयं ही एक व्यापारी निर्यातक नहीं था। केवल एक एजेंट के रूप में कार्य करते हुए न कि एक निर्यातक के रूप में, बाओटोऊ इंटरनेशनल से एक अलग उत्तर की आवश्यकता नहीं थी। कथित (एजेंट) प्रत्युत्तर न होने मात्र से ही बाओटोऊ का समग्र उत्तर प्राधिकारी द्वारा गैर-कानूनी तरीके से निरस्त कर दिया गया और उसे गैर-कानूनी तरीके से असहयोगी माना गया।
31. निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दूसरी सुनवाई से पूर्व निम्नलिखित अतिरिक्त अनुरोध किए गए हैं:
- प्रश्नावली उत्तर गलत तरीके से अस्वीकार किया गया था। घरेलू उद्योग द्वारा जांच की शुरूआत के समय प्रदान किए गए आंकड़े अलग थे और उन्हें हितबद्ध पक्षकारों को बताए बिना बदल दिया गया था।
 - उच्च कीमत पर निर्यातित वस्तुएं अधिक पाटन मार्जिन का दावा करने के लिए सूची से हटा दी गई।
 - निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई सूचना का पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए प्रयोग नहीं किया गया है।
 - किसी असंबद्ध संस्था की सूचना उपलब्ध होने अथवा उपलब्ध न होने से प्रतिवादी निर्यातक के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन पर एक हानिकारक प्रभाव नहीं हो सकता।
 - यहां तक कि निर्यातकों ने पूरी भागीदारी की है लेकिन उन्हें व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया गया है।
 - पाटनरोधी शुल्क पाटन के मार्जिन/क्षति के मार्जिन से अधिक नहीं लगाया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

32. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में चीन जन. गण. को भारत और अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है, वशर्ते कि निर्यातक देश अथवा व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा नियमों के अनुसार इस अवधारणा का खंडन न किया जाए। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में चीन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था का खंडन करते हुए प्रश्नावली दाखिल नहीं की है। अतः चीन जन. गण. से सभी प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत प्रचालनीय माना गया है।

33. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए घेरेलू विक्रियों अथवा तीसरे देश की निर्यात विक्रियों व उत्पादन की लागत के संबंध में पूर्ण और विस्तृत आंकड़े तथा तीसरे देश में ऐसे उत्पादकों के सहयोग की अपेक्षा है। इन बाजारों में प्रचलित कीमतों और लागतों के संबंध में ऐसी कोई सूचना न तो आवेदक अथवा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदान की और न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोई सूचना प्राप्त की जा सकती, न ही प्रतिवादी चीनी कंपनियों ने इस अवस्था में एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था बाले तीसरे देश के संबंध में कोई दावा किया गया है। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य निर्मित करने के लिए कार्रवाई करते हैं।

34. प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुके तहत उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्रवाई करते हैं। तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद के पहले के कार्यों के सामान्य मूल्य को, विक्री, सामान्य व प्रशासनिक लागतों और लाभों को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित करते हुए उत्पादन की निर्मित लागतों के आधार पर निर्धारित किया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन सारणी में यथा उल्लिखित अनुसार विचाराधीन उत्पाद के लिए पीसीएन-वार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

35. अनेक निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा उनके प्रश्नावली के उत्तरों का अस्वीकृत कर दिए जाने के संबंध में प्रकटन विवरण में अपने निवेदनों को दोहराया है। प्राधिकारी ने इन निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और उनके द्वारा किए गए दावों की जांच की है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पृथक विशिष्ट पाटन मार्जिन का तब तक निर्धारण नहीं किया जा सकता है जब तक कि निर्यात कीमत को उचित, पर्याप्त और सही तरीके से प्रमाणित नहीं कर दिया जाता है।

36. जब कि एक पीसीएन के लिए पाटन और क्षति मार्जिन नकारात्मक है, समग्र विचाराधीन उत्पाद के लिए पाटन और क्षति मार्जिन सकारात्मक है। यह वास्तविक रूप से गलत है कि वाईसीएस/जेसीएस के लिए समग्र पाटन और क्षति मार्जिन नकारात्मक है। वास्तव में समग्र पाटन और क्षति मार्जिन वाईसीएस/जेसीएस के लिए सकारात्मक है। प्राधिकारी का यह विचार है कि केवल विचाराधीन उत्पाद के लिए पाटन मार्जिन ही वर्तमान प्रयोजनार्थ प्रासंगिक है। अनुच्छेद 9 (क) के अंतर्गत पाटन के मार्जिन को एक "वस्तु" के संबंध में पाटन के मार्जिन के रूप में परिभाषित किया गया है। जांच अधीन वस्तु "सीमलैस ट्यूब्स, पाईप्स और होलो प्रोफाईल्स ऑफ ऑयरन, अलॉय या गैर-अलॉय स्टील (कॉस्ट आयरन और स्टैनलैस स्टील से भिन्न) चाहे वे हॉट फिनिशेड हों या कोल्ड ड्रान या 355.6 एमएम या 14 सीडी" ओडी से अनधिक बाह्य व्यास के हों" है। पीसीएन के रूप में अभिज्ञात किस्म के उत्पाद, वर्तमानी जांच में अभिज्ञात की गई विभिन्न प्रकार की वस्तु मात्र है। विचाराधीन उत्पाद को अनेक किस्मों के उत्पादों में केवल पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने तथा सामान्य मूल्य की उचित तुलना, निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य के कीमत के साथ सुनिश्चित करने के लिए श्रेणीबद्ध किया गया था। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि विश्व व्यापार संगठन के निर्णय से यह स्पष्ट होता है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए पाटन का अभिप्राय पाटन मार्जिन से है और न कि पृथक विशिष्ट किस्मों के उत्पादों के लिए पाटन मार्जिन से। साथ ही प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि किसी विशेष किस्म के उत्पाद में नकारात्मक पाटन मार्जिन अथवा क्षति मार्जिन का प्रश्न, पहले विगत में प्राधिकारी द्वारा की गई अन्य जांच में उठा था। प्राधिकारी ने यह निर्णय दिया है कि किसी विशेष मामले में नकारात्मक मार्जिन से किसी विशेष प्रकार के उत्पाद को बाहर करना तब तक यथोचित नहीं होता है, जब तक कि समग्र विचाराधीन उत्पाद के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक होता है।

37. कुछ हितबद्ध पवक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दी गई अकेली सूचना को ही सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए आवश्यक सूचना नहीं माना जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन की एक कंपनी में मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण, अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर किए जाने की आवश्यकता है, क्योंकि कंपनी स्थापित बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जा प्राप्त करने में समर्थ नहीं है। किसी कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जा तभी स्वीकृत किया जा सकता है, यदि वह अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार आवश्यक सूचना प्रदान करती है। मौजूदा मामले में चीन की किसी भी कंपनी ने अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जा देने के अपने दावे को प्रमाणित नहीं किया है। इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण, अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया गया है, जिसमें ऐसा प्रावधान है कि "गैर - बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकलित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी।" पृथक विशिष्ट पाटन मार्जिन के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पृथक विशिष्ट पाटन मार्जिन तभी निर्धारित किया जा सकता है, यदि कंपनी निर्यात कीमत के बारे में पर्याप्त सूचना प्रदान करती है। जैसा कि ऊपर विस्तार से वर्णित किया गया है, चीन की किसी भी कंपनी ने उस कीमत को उचित रूप से और पर्याप्त रूप से प्रमाणित नहीं किया है, जिस कीमत पर उन्होंने वस्तुओं के निर्यात भारत को किए हैं। प्राधिकारी प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण करने में असमर्थ हैं। चूंकि विशिष्ट पाटन मार्जिन नहीं निर्धारित नहीं किया जा सकता था, इसलिए प्राधिकारी, जिआंगसु चेंगडे स्टील ट्यूब शेयर कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और यांगज्ञाऊ चेंगडे स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड को छोड़ कर, प्रतिवादी निर्यातकों के लिए विशिष्ट पाटन मार्जिन निर्धारित करने में असमर्थ हैं।

38. पाटन, आधार, क्षति और कारणात्मक संबंध की समस्त जांच और निर्धारण, विचाराधीन उत्पाद के संदर्भ में किया गया है। तुलनीय किस्मों के उत्पाद के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा बनाए गए विभिन्न पीसीएन पर विचार किया गया है। विभिन्न पीसीएन विभिन्न प्रकार के उत्पाद के भाग बनते हैं और ये विभिन्न वस्तुएं नहीं बनती हैं।

निर्यात कीमत

39. वर्तमान जांच में निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं:

- i. यांगझोऊ चेंगड़ा स्टील पाइप कं. लि., चीन जन. गण.
- ii. जियांगसू चेंगड़ा स्टील ट्यूब शेयर कं. लि., चीन जन. गण.
- iii. शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि., चीन जन. गण.
- iv. इनर मंगोलिया वाओटाओ स्टील यूनियन कं. लि., चीन जन. गण.
- v. हुबेई जिन्येगांग स्टील कं. लि., चीन जन. गण.
- vi. हुबेई जिन्येगांग स्पेशल ट्यूब कं. लि.
- vii. तियांजिन पाइप मैन्युफैक्चरिंग कं. लि., चीन जन. गण.
- viii. तियांजिन पाइप इंटरनेशनल इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग कारपोरेशन, चीन जन. गण.
- ix. जियांगसू वालिन जियांग स्पेशल स्टील कं. लि., चीन जन. गण.
- x. हेंगयांग वालिन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.
- xi. हेंगयांग वालिन एमपीएम कं. लि., चीन जन. गण.
- xii. हेंगयांग स्टील ट्यूब ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेडिंग इंक कं. लि., चीन जन. गण.
- xiii. जियांगसू चांगबाओ स्टील ट्यूबलर्स कारपोरेशन, चीन जन. गण.
- xiv. जियांगसू चांगबाओ स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.
- xv. जांगझोऊ चांगबाओ प्रेसीजन एंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.
- xvi. जियांगसू चांगबाओ प्रेसीजन स्टील ट्यूब एनर्जी कं. लि., चीन जन. गण.
- xvii. जियांगसू चांगबाओ स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.
- xviii. यांगझोऊ लोन्ट्रीन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.
- xix. पागांग ग्रुप चेंगड़ा स्टील एंड वनाडियम कं. लि., चीन जन. गण.
- xx. मर्टेक्स यू. के. लि., यू. के

जियांगसू चेंगड़ा स्टील ट्यूब शेयर कं. लि., चीन जन. गण. (जेसीएस)

40. निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर के अनुसार, जियांगसू चेंगड़े स्टील ट्यूब शेयर कं. लि., चीन जन. गण., जो संबद्ध वस्तुओं का एक निर्यातिक/उत्पादक है, की मूल रूप से एक साझा उद्यम के रूप में वर्ष 1988 में स्थापना की गई थी। जैसा कि निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर में उल्लेख किया गया है, जेसीएस की दो संगत कंपनियां हैं, जो संबद्ध वस्तुओं में शामिल हैं – (i) यांगझोऊ चेंगड़े स्टील ट्यूब कं. लि. ने भी जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है और वर्तमान जांच में प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है, और (ii) ताइझोऊ चेंगड़े स्टील ट्यूब कं. लि., जो संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक है, लेकिन उसने जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात नहीं किया है और इसीलिए वर्तमान जांच में निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है।

41. जैसा कि प्रश्नावली उत्तर में उल्लेख किया गया है, जांच की अवधि के दौरान जेसीएस ने संबद्ध वस्तुएं घरेलू बाजार और भारतीय बाजार में सीधे बेची हैं। जांच की अवधि के दौरान, जेसीएस ने भारत को *** यूएस डॉलर के सकल मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।

यांगझोऊ चेंगड़े स्टील ट्यूब कं. लि. (वाईसीएस)

42. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के अनुसार, यांगझोऊ चेंगडे स्टील लूब कं. लि. (वाईसीएस), जो संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है, जियांगसू चेंगडे स्टील लूब शेयर कं. लि., चीन जन. गण. की एक संगत कंपनी है। जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में कहा गया है, वाईसीएस की स्थापना दिनांक 11 अक्टूबर, 2006 को एक साइनो-विदेशी संयुक्त सीमित देयता कंपनी के रूप में की गई थी।

43. जैसा कि प्रश्नावली उत्तर में उल्लेख किया गया है, जांच की अवधि के दौरान जेसीएस ने संबद्ध वस्तुएं घरेलू बाजार और भारतीय बाजार में सीधे बेची हैं। जांच की अवधि के दौरान, जेसीएस ने भारत को *** यूएस डॉलर के सकल मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।

44. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जियांगसू चेंगडे स्टील लूब शेयर कं. लि., चीन जन. गण. और यांगझोऊ चेंगडे स्टील लूब कं. लि., जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक और निर्यातक संगत पक्षकार हैं। इसे देखते हुए प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन सारणी में यथा उल्लिखित दोनों संगत पक्षकारों के लिए पीसीएन-वार औसतन निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि., चीन जन. गण.

45. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के अनुसार, शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक/निर्यातक है। ऐसा बताया गया है कि चीन में केवल एक ही उत्पादन सुविधा है। इसकी एक संगत कंपनी अर्थात् शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम इक्विपमेंट कं. लि. भी संबद्ध वस्तुओं में शामिल है और शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. से इसकी खरीद करती है।

46. जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में कहा गया है, जांच की अवधि के दौरान, शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. ने दो माध्यमों से घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की विक्री की, जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

माध्यम-1: फ्रीट स्टील पाइप - घरेलू व्यापार कं. के – घरेलू अथवा अंतर्राष्ट्रीय उपयोक्ता

माध्यम-2: फ्रीट स्टील पाइप – घरेलू अथवा अंतर्राष्ट्रीय उपयोक्ता

47. भारतीय बाजार में जांच की अवधि के दौरान शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. ने किसी व्यापार संस्था को शामिल किए विना सीधे संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है। कमी के पत्र के उत्तर में शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. ने यह उत्तर दिया है कि घरेलू विक्रियों में शामिल व्यापार कंपनियों ने जांच की अवधि के दौरान भारत के संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया था। उसने यह भी उत्तर दिया कि शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम इक्विपमेंट कं. लि., जो उससे संबद्ध वस्तुओं की खरीद करता है, ने जांच की अवधि के दौरान भारत को कथित वस्तुओं का नहीं किया था।

48. शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. द्वारा दाखिल किए गए निर्यातक प्रश्नावली उत्तर की जांच करते समय प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा उसकी उत्पादन प्रक्रिया में प्रयुक्त प्रमुख कड़ी सामग्री ग्रीन पाइप हैं न कि इनगोट्स अथवा विलेट हैं। उन्हें स्थिति स्पष्ट करने के लिए पृष्ठा गया था। कमियों के संबंध में पत्र के उत्तर में कंपनी ने यह उत्तर दिया कि वह निरीक्षण, कटिंग, श्रेडिंग, मशीनिंग इत्यादि द्वारा ग्रीन पाइपों को प्रसंस्कृत करती है। ऐसी प्रसंस्करण प्रक्रियाओं से निर्यातों में महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि होती है, जो ग्रीन पाइपों से अधिक महंगे होते हैं। शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. ने यह सूचित किया है कि चूंकि यह चीन के कानून के तहत ग्रीन पाइप के आपूर्तिकर्ताओं से संबद्ध नहीं है, इसलिए वे जांच में सहयोग करने के लिए उन पर बल प्रयोग करने में समर्थ नहीं हैं और उसने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया कि उसे असली व्यापार कंपनी की बजाए संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक माने।

49. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. ने भारत को *** यूएस डॉलर के सकल मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। तथापि, कंपनी के उपरोक्त स्पष्टीकरण से यह स्पष्ट है कि वे सीमलेस पाइपों के उत्पादक नहीं हैं बल्कि ऐसे अन्य उत्पादकों से खरीदे गए सीमलेस पाइपों का एक प्रसंस्करणकर्ता है, जिसने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है। इसके अलावा, निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि. ने विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों का निर्यात किया है और उसके विभाजित ब्यौरे प्रदान नहीं किए। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी को यह उचित नहीं लगा कि शेंगली ऑयल फील्ड फ्रीट पैट्रोलियम स्टील पाइप कं. लि., चीन जन. गण. के लिए व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति दी जाए।

इनर मंगोलिया बाओटोऊ स्टील यूनिट कं. लि., चीन जन. गण.

50. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के अनुसार, इनर मंगोलिया बाओटोऊ स्टील यूनियन कं. लि., चीन जन. गण. (स्टील यूनियन) संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक है। कंपनी की स्थापना 1999 में की गई थी। स्टील यूनियन का मूल शेयरधारक बाओटोऊ आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कं. लि. है। जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उल्लेख किया गया है, बाओटोऊ स्टील इंटरनेशनल इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग कं. लि. (बाओटोऊ स्टील इंटरनेशनल), स्टील यूनियन की एक संगत कंपनी स्टील यूनियन द्वारा उत्पादित उत्पादों के भारत सहित विश्व बाजारों को निर्यात के लिए एक विक्री एजेंट के रूप में कार्य करती है। लेकिन बाओटोऊ स्टील इंटरनेशनल स्टील यूनियन से संबंधित उत्पादों की खरीद में शामिल नहीं हैं। जांच की अवधि के दौरान, विक्री संविदा की निवांधन एवं शर्तों के अनुसार, संबंधित उत्पाद स्टील यूनियन से भारत में गन्तव्य बंदरगाह के लिए वास्तविक तौर पर भेजे गए थे। बाओटोऊ स्टील इंटरनेशनल सामान्यतः निर्यातों के लिए सीमाशुल्क

औपचारिकताओं के प्रयोजन के लिए कार्य करती है। निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर के तहत जांच की अवधि के दौरान स्टील यूनियन ने असंबद्ध व्यापारियों के माध्यम से भारत को निर्यात किए थे। निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर के तहत जांच की अवधि के दौरान, स्टील यूनियन ने मर्टेक्स यू. के, लि., यू. के के माध्यम से भारत को *** यूएस डॉलर के सकल इनवॉर्यस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।

51. मर्टेक्स यू. के, लि., ने भी वर्तमान में जांच में निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है और पांगांग ग्रुप चेंगडू स्टील एंड वानाडियन कं. लि., चीन जन. गण. के अलावा इनर मंगोलिया बाओटोऊ स्टील यूनियन कं. लि., चीन जन. गण. द्वारा निर्मित और आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किए जाने का दावा किया है।

52. इनर मंगोलिया बाओटोऊ स्टील यूनियन कं. लि., चीन जन. गण. (स्टील यूनियन) और मर्टेक्स यू. के, लि., यू. के द्वारा दाखिल किए गए निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यात सौदों में विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों शामिल हैं। अनुरोध के बावजूद, संबंधित पक्षकारों ने मी. टन के अनुसार वितरित व्यौरे प्रस्तुत नहीं किए। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी ने इनर मंगोलिया बाओटोऊ स्टील यूनियन कं. लि., चीन जन. गण. और मर्टेक्स यू. के, लि., यू. के को व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं करते।

हुबेई जिन्येयांग स्टील कं. लि., चीन जन. गण.

53. निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर के तहत हुबेई जिन्येयांग स्टील कं. लि., संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातिक है। यद्यपि, जिन्येयांग का 2014 से मौजूदगी का लम्बा इतिहास है, इसलिए इस एक साइनो-विदेशी इफ्फिटी संयुक्त उद्यम के रूप में शामिल किया गया गया है। जांच की अवधि के दौरान, जिन्येयांग ने पूरी तरह से चीन में असंबद्ध व्यापार कंपनियों के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। घरेलू बाजार में जिन्येयांग ने सीधे और साथ ही व्यापारियों के माध्यम से भी संबद्ध वस्तुओं की विक्री है।

54. निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर में, जिन्येयांग ने असंबद्ध व्यापारियों के माध्यम से समग्र जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किए जाने के बारे में दावा किया है। निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर के परिशिष्ट-II में दी गई सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन और जापान की संस्थाओं के नामों का भारतीय क्रेताओं के रूप में उल्लेख किया गया था। प्राधिकारी द्वारा कमियों के संबंध में जारी किए गए पत्र के उत्तर में जिन्येयांग ने उत्तर दिया कि जापान और चीन में क्रेता व्यापारी हैं और उनके द्वारा खरीदी गई वस्तुएं ही जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात की गई थी। जिन्येयांग ने यह भी स्पष्ट किया कि ये क्रेता असंबद्ध हैं और इस प्रकार निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने के लिए उन्हें राजी करना संभव नहीं है।

55. जैसा कि निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर में भी कहा गया है कि जिन्येयांग की चीन में एक संबद्ध कंपनी अर्थात् हुबेई जिन्येयांग स्पेशल ट्यूब कं. लि. (स्पेशल ट्यूब कंपनी) है, जो संबंधित उत्पाद के उत्पादन भी शामिल हैं, लेकिन जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का भारत को सीधे निर्यात नहीं किया था। जैसा कि जिन्येयांग द्वारा स्पष्ट किया गया है, स्पेशल ट्यूब कंपनी इसकी फैक्ट्री के रूप में कार्य करती है और अपने सभी उत्पादों की पहले जिन्येयांग को विक्री करती है, जो उन उत्पादों को घरेलू और विदेशी, दोनों बाजारों में पुनः विक्री करती है। स्पेशल ट्यूब द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद की बहुत ही सीमित मात्रा जांच की अवधि के दौरान जिन्येयांग के माध्यम से भारत को निर्यात की गई।

56. यद्यपि, जिन्येयांग ने जांच की अवधि के दौरान व्यापारियों के माध्यम से भारत को समग्र निर्यातों का निर्यात किए जाने का दावा किया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी भी व्यापारी कंपनी ने वर्तमान जांच में निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी हुबेई जिन्येयांग स्टील कं. लि. को व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं करते।

हुबेई जिन्येयांग स्पेशल ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.

57. हुबेई जिन्येयांग स्पेशल ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. हुबेई जिन्येयांग स्टील कं. लि., जो जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक/निर्यातिक है, की एक संगत उत्पादक है। हुबेई जिन्येयांग स्पेशल ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. ने अगोपनीय अंश प्रस्तुत किए विना निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। जैसा कि निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर में कहा गया है, हुबेई जिन्येयांग स्पेशल ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का सीधे निर्यात नहीं किया है। इसके अलावा, यह भी कहा गया है कि हुबेई जिन्येयांग स्टील कं. लि. की फैक्ट्री के रूप में कार्य किया है और जांच की अवधि के दौरान इसकी संगत कंपनी के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं की एक छोटी मात्रा का निर्यात किया है। भारत को निर्यात के माध्यम के तहत, जैसा कि निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर में कहा गया है, कंपनी ने अपनी चीनी कंपनी अर्थात् हुबेई जिन्येयांग स्टील कं. लि. के माध्यम से निर्यात की समग्र मात्रा का निर्यात किए जाने का दावा किया है, जिसने चीन के असंबद्ध व्यापार कंपनियों के माध्यम से निर्यात किया है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसी किसी भी व्यापारी कंपनियों ने वर्तमान जांच में निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि दी गई सूचना से कुछ भी स्पष्ट नहीं है कि हुबेई जिन्येयांग स्पेशल ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को वास्तव में निर्यात किया है। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी हुबेई जिन्येयांग स्पेशल ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. को व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं करते।

तियांजिन पाइप मैन्युफैक्चरिंग कं. लि., चीन जन. गण. और तियांजिन पाइप इंटरनेशनल इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग कारपोरेशन, चीन जन. गण.

58. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत तियांजिन पाइप में मैन्युफैक्चरिंग कं. लि., चीन जन. गण., जो तियांजिन पाइप इंटरनेशनल इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग कारपोरेशन, चीन जन. गण. की 100% स्वामित्व कंपनी है, संबद्ध वस्तुओं का निर्यात और प्रसंस्करणकर्ता है। तियांजिन पाइप इंटरनेशनल इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग कारपोरेशन, चीन जन. गण. (टीपीआईएनटीएल) टीपीएम की एक संगत व्यापारी कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान टीपीएम ने टीपीआईएनटीएल के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। टीपीआईएनटीएल की स्थापना 15 जनवरी, 1999 को की गई थी और टीपीएम की स्थापना 10 दिसंबर, 2010 को की गई थी। जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में कहा गया है, टीपीएम और टीपीआईएनटीएल, दोनों ही चीन की पूर्ण रूप से सीमित देयता कंपनियां हैं।

59. जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में कहा गया है, टीपीएम और टीपीआईएनटीएल की चार संगत कंपनियां हैं, जो संबद्ध उत्पाद में शामिल तो हैं लेकिन जांच की अवधि के दौरान इन्होंने भारत को कोई निर्यात नहीं किया:

- i. तियांजिन पाइप (ग्रुप) कारपोरेशन (टीपीसीओ)
- ii. तियांजिन पाइप स्पेशल स्टील कं. लि. (टीपीएसएस)
- iii. तियांजिन टीपीसीओ स्टील डेवलेपमेंट कं. लि. (टीपीएसडी)
- iv. तियांजिन पाइप आयरन मैन्युफैक्चरिंग कं. लि. (टीपीआईएम)

60. कमियों संबंधी पत्र जारी किए जाने के बावजूद, टीपीएम ने परिशिष्ट-2 में भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की। परिणामस्वरूप टीपीआईएनटीएल को की गई घरेलू विक्रियों तथा परवर्ती द्वारा भारत को किए गए निर्यातों के बीच संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, टीपीएम और टीपीआईएनटीएल द्वारा प्रस्तुत निर्यात फ्लो चार्ट के तहत टीपीआईएनटीएल द्वारा और व्यापारियों के माध्यम से भारत में निर्यात किए जाने का दावा किया गया है। तथापि, टीपीआईएनटीएल द्वारा परिशिष्ट-2 में दिए गए अपने उत्तर में प्रस्तुत सूचना में उपयोक्ताओं का ब्यौरा नहीं दिया है और न ही टीपीएम अथवा टीपीआईएनटीएल ने भारत के लिए अपने निर्यात सौदों में शामिल व्यापारी कंपनियों के नामों की घोषणा की है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि टीपीआईएनटीएल के माध्यम से टीपीएम के निर्यात सौदों में शामिल किसी भी व्यापारी ने वर्तमान पहुँच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। इसके अलावा, प्रतिवादी कंपनियों ने जांच की अवधि के दौरान भारत को उनके द्वारा किए गए विचाराधीन उत्पादों और गैर-विचाराधीन उत्पादों का सौदे-वार वितरित ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया है। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी तियांजिन पाइप मैन्युफैक्चरिंग कं. लि., चीन जन. गण. और तियांजिन पाइप इंटरनेशनल इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग कारपोरेशन, चीन जन. गण. को व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति नहीं देते।

जियांग्सू वालिन-जियागांग स्पेशल स्टील कं. लि., चीन जन. गण.

हेंगयांग वालिन स्टील ट्यूब कं. लि.

हेंगयांग वालिन एमपीएम कं. लि.

हेंगयांग स्टील ट्यूब ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेडिंग इंक. लि.

61. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के अनुसार, चीन को उपरोक्त सभी कंपनियां संबद्ध हैं। जियांग्सू वालिन-जियागांग स्पेशल स्टील कं. लि., चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में कहा गया है, अन्य तीन संगत कंपनियां अर्थात् हेंगयांग वालिन स्टील ट्यूब कं. लि. ("एचवीएसटी"), हेंगयांग वालिन एमपीएल कं. लि. ("एमपीएल") तथा हेंगयांग स्टील ट्यूब ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेडिंग इंक लि. ("इंटरनेशनल") भी जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और विक्री में शामिल रही है। यद्यपि, निर्यातकों ने यह तर्क किया कि वे अप्रत्यक्ष रूप से संबद्ध हैं और प्राधिकारी से यह अनुरोध किया कि उन्हें एक अलग कंपनी माना जाए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उनमें से सभी एक ही समूह कंपनी से संबंधित हैं (सभी मिलकर एक समूह के रूप में हैं) और इसीलिए अलग कंपनी नहीं माना जा सकता।

62. यद्यपि, विक्रियों का माध्यम निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में प्रदान नहीं किया गया है, परिशिष्ट-2 में प्रस्तुत की गई निर्यात सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जियांग्सू वालिन-जियागांग स्पेशल स्टील कं. लि. ने दुबई, शारजहां आदि में स्थित व्यापार संस्थाओं के माध्यम से भारत को अधिकांश संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, जिन्होंने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गए कुल *** मी. टन के निर्यातों में से *** मी. टन निर्यात आईटीईसीओ ऑयल फील्ड सप्लाई ग्रुप, यूएई, *** मी. टन ट्यूबलर इंटरनेशनल, एफजेडई, यूएई तथा *** मी. टन एमएएसएफ स्पेशियलिटी ट्यूबस एफजेडसी के माध्यम से किया गया है। कमियों के संबंध में पत्र जारी किए जाने के बावजूद संबंधित निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया। इसके अलावा, संगत कंपनियों ने जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों का निर्यात किया है। लेकिन वितरित सौदे-वार ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए।

63. उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी जियांग्सू वालिन-जियागांग स्पेशल स्टील कं. लि., चीन जन. गण. और उसकी उपरोक्त संगत कंपनियों के लिए अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं करते।

जियांग्सु चंगबाओ स्टील ट्यूबलर्स कारपोरेशन, चीन जन. गण.**जियांग्सु चंगबाओ स्टील ट्यूब लि. कं., चीन जन. गण.****चांगझाओ चंगबाओ प्रेसिजन एंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.****जियांग्सु चंगबाओ प्रेसिजन स्टील ट्यूब एनर्जी कं. लि., चीन जन. गण.****जियांग्सु चंगबाओ प्रेसिजन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.**

64. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के अनुसार, उपरोक्त कंपनियां संगत हैं और चंगबाओ ग्रुप से संबंधित हैं। उनके द्वारा दाखिल निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत प्रतिवादी कंपनियों का ब्यौरे इस प्रकार है:

जियांग्सु चंगबाओ स्टील ट्यूब लि. कं., चीन जन. गण.

65. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत, जियांग्सु चंगबाओ स्टील ट्यूब लि. कं., चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक और निर्यातक है। जांच की अवधि के दौरान कंपनी संबद्ध और गैर-संबद्ध कंपनियों, दोनों की घरेलू विक्री की है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के तहत कंपनी ने *** मी. टन की विक्री और जांच की अवधि के दौरान असंबद्ध पक्षकारों को *** मी. टन की विक्री की है। यद्यपि, असंबद्ध पक्षकारों की विक्री में अपने उत्पादों और साथ ही अन्यों से खरीदी गई संबद्ध वस्तुओं, दोनों को शामिल किया गया है।

66. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के तहत जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने भारत को *** यूएस डॉलर के सकल इनवॉयस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। निर्यात की यूएई में स्थित एक व्यापार कंपनी मैसर्स ट्यूबलर इंटरनेशनल एफेडई के माध्यम से समग्र मात्रा में निर्यात किया गया था।

चांगझाओ चंगबाओ प्रेसिजन एंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.

67. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत चांगझोऊ चंगबाओ प्रेसिजन एंड स्पेशल स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक और निर्यातक है। जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने संबद्ध और असंबद्ध, दोनों पक्षकारों को घरेलू विक्रियां की हैं। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के तहत कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान *** मी. टन की विक्री की है और *** मी. टन की विक्री असंबद्ध पक्षकारों को की है। यद्यपि संबद्ध पक्षकारों से विक्री उनके अपने निर्मित संबद्ध उत्पादकों से हैं, असंबद्ध पक्षकारों को विक्रियां में उनके अपने उत्पाद और अन्यों से खरीदी गई संबद्ध वस्तुएं भी शामिल हैं।

68. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के तहत जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने भारत को *** यूएस डॉलर के सकल इनवॉयस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इसमें से कंपनी द्वारा *** मी. टन का निर्यात भारत को सीधे और *** मी. टन का निर्यात मैसर्स वाबाकोक एंड विलकोक्स कं., यूएसए के माध्यम से किया गया है, जिसमें कंपनी द्वारा किए गए कुल निर्यात का 37.06% शामिल है।

जियांग्सु चंगबाओ स्टील ट्यूबलर्स कारपोरेशन, चीन जन. गण.

69. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के अनुसार, जियांग्सु चंगबाओ स्टील ट्यूबलर्स कारपोरेशन, चीन जन. गण चंगबाओ ग्रुप के तहत एक व्यापार कंपनी है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के तहत जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने *** यूएस डॉलर के सकल इनवॉयस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है। जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने भारत को सीधे और व्यापारियों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है। जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने भारत को तीन संबद्ध उत्पादकों नामतः जियांग्सु चंगबाओ स्टील ट्यूब लि. कं., चीन जन. गण. (*** मी. टन), जियांग्सु चंगबाओ प्रेसिजन स्टील ट्यूब एनर्जी कं. लि., चीन जन. गण. (*** मी. टन) और जियांग्सु चंगबाओ प्रेसिजन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. (*** मी. टन) से खरीद करके *** यूएस डॉलर के सकल इनवॉयस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की सीधे विक्री की है।

जियांग्सु चंगबाओ प्रेसिजन स्टील ट्यूब एनर्जी कं. लि., चीन जन. गण.

70. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत जियांग्सु चंगबाओ प्रेसिजन स्टील ट्यूब एनर्जी कं. लि., चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक है। जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने घरेलू वाजार में *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है जिसमें से *** मी. टन की विक्री संबद्ध पक्षकारों को और *** मी. टन की विक्री असंबद्ध पक्षकारों को की गई थी। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत जियांग्सु चंगबाओ प्रेसिजन स्टील ट्यूब एनर्जी कं. लि., चीन जन. गण. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। तथापि, जियांग्सु चंगबाओ स्टील ट्यूबलर्स कारपोरेशन, चीन जन. गण., इसकी संबद्ध व्यापार कंपनी द्वारा दाखिल किए गए निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत परवर्ती ने जियांग्सु चंगबाओ प्रेसिजन स्टील ट्यूब कं. लि. से *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की खरीद की और भारत को निर्यात की थी।

चांगझोऊ लोन्ट्रीन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.

71. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत चांगझोऊ लोन्ट्रीन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत जांच की अवधि के दौरान, कंपनी ने घरेलू बाजार में केवल गैर-संबद्ध पक्षकारों को ही संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है। जहां तक भारत को निर्यातों का संबंध है, चांगझोऊ लोन्ट्रीन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को *** यूएस डॉलर के सकल इनवॉयस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के तहत, कंपनी द्वारा दुर्वई की दो कंपनियों नामतः *** और *** के माध्यम से भारत को समग्र निर्यात किया गया है, जिनमें दोनों ने ही वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों का निर्यात किया है लेकिन वितरित सौदे-वार ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी चांगझोऊ लोन्ट्रीन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. के लिए व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं करते।

72. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन की उपरोक्त सभी कंपनियां संगत हैं और एक ही ग्रुप से संबंध रखती हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इन संगत कंपनियों द्वारा निर्यात की गई संबद्ध वस्तुओं की महत्वपूर्ण मात्रा, जो मुख्य रूप से दुर्वई और यूएसए में स्थित व्यापार कंपनियों के माध्यम से है, निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल करके प्राधिकारी के समक्ष नहीं लाई गई है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संगत कंपनियों ने जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों का निर्यात किया है लेकिन वितरित सौदे-वार ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी चीन की उपरोक्त संगत कंपनियों के लिए व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं करते।

चांगझोऊ लोन्ट्रीन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण.

73. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत चांगझोऊ लोन्ट्रीन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत जांच की अवधि के दौरान, कंपनी ने घरेलू बाजार में केवल गैर-संबद्ध पक्षकारों को ही संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है। जहां तक भारत को निर्यातों का संबंध है, चांगझोऊ लोन्ट्रीन स्टील ट्यूब कं. लि., चीन जन. गण. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को *** यूएस डॉलर के सकल इनवॉयस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के तहत, कंपनी द्वारा दुर्वई की दो कंपनियों नामतः *** और *** के माध्यम से भारत को समग्र निर्यात किया गया है, जिनमें दोनों ने ही वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों का निर्यात किया है लेकिन वितरित सौदे-वार ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी चीन की उपरोक्त संगत कंपनियों के लिए व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं करते।

पागांग ग्रुप चेंगझू स्टील एंड वेनेडियन कं. लि., चीन जन. गण.

74. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत, पागांग ग्रुप चेंगझू स्टील एंड वेनेडियन कं. लि. चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। जैसा कि, निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उल्लेख किया गया है, जांच की अवधि के दौरान पागांग ग्रुप के घरेलू बाजार में सीधे और वितरकों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है। तथापि, कंपनी ने भारत को संबद्ध वस्तुओं का केवल वितरकों के माध्यम से निर्यात किया है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के तहत जांच की अवधि के दौरान पागांग ग्रुप ने भारत को मर्टेक्स यू.के. लि., यूके के माध्यम से *** यूएस डॉलर सकल मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।

75. मर्टेक्स यू.के. लि. ने भी वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है और पागांग ग्रुप चेंगझू स्टील एंड वेनेडियन कं. लि., चीन जन. गण. द्वारा निर्मित और आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने का दावा किया है। मर्टेक्स ने भी इसके प्रत्युत्तर में चीन की एक अन्य कंपनी नामतः सीमलेस ट्यूब मिल ऑफ वाओटोऊ स्टील यूनियन कं. लि. द्वारा निर्मित और आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किए जाने का दावा किया है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इन कंपनियों ने जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पादन, दोनों का निर्यात किया है, लेकिन मीट्रिक टन के अनुसार वितरित सौदे-वार ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी पागांग ग्रुप चेंगझू स्टील एंड वेनेडियन कं. लि., चीन जन. गण. तथा मर्टेक्स यू.के. लि., यूके के लिए व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं करते।

चीन जन. गण. से सभी अन्य उत्पादक/निर्यातक

76. चीन जन. गण. से सभी अन्य निर्यातकों के संबंध में, जिन्हें असहयोगी माना गया है, प्राधिकारी ने पाठन मार्जिन सारणी में यथा उल्लिखित नियमावली के नियम 6 (8) के तहत उपलब्ध तथ्यों के तहत पीसीएन वार निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

77. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों की तुलना करते हुए जियांग्सू चेंगड़े स्टील स्टूब शेयर कं. लि., चीन जन. गण. और चांगज़ोऊ चेंगड़े स्टील स्टूब कं. लि. के लिए प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है, जो इस प्रकार है:

| विवरण | इकाई | ए-1-5 | ए-1-6 | कुल |
|-----------------------|------------------|-------------|-------|-------|
| निर्मित सामान्य मूल्य | यूएस डॉलर/मी. टन | *** | *** | *** |
| निवल निर्यात कीमत | यूएस डॉलर/मी. टन | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन | यूएस डॉलर/मी. टन | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन | % | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन | % रेंज | (नकारात्मक) | 20-30 | 20-30 |

78. चीन जन. गण. से अन्य सभी निर्यातिकों के संबंध में, जिन्हें असह्योगी माना गया है, प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण इस प्रकार किया है:

| विवरण | इकाई | ए-1-1 | ए-1-2 | ए-1-3 | ए-1-4 | ए-1-5 | ए-1-6 | ए-1-7 | ए-1-8 | कुल |
|-----------------------|-----------------|-------|-------|-------|-------------|-------|-------|-------|-------|-------|
| निर्मित सामान्य मूल्य | यूएस डॉलर/मी.टन | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| निवल निर्यात कीमत | यूएस डॉलर/मी.टन | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन | यूएस डॉलर/मी.टन | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन | % | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन | रेंज | 20-30 | 15-25 | 40-50 | उपलब्ध नहीं | 20-30 | 15-25 | 50-60 | 45-55 | 20-30 |

च. क्षति और कारणात्मक संबंध

घरेलू उद्योग के द्वारा किए गए निवेदन

79. क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में घरेलू उद्योग के द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं और प्राधिकारी के द्वारा इन्हें प्रासंगिक माना गया है।

- (i) मांग में गिरावट होने के बावजूद क्षति की अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से आयातों की मात्रा में सापेक्ष संदर्भों में बहुत अधिक बढ़ोत्तरी हुई है। इसके अलावा, प्रस्तावित क्षति अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से आयातों में बढ़ोत्तरी सबसे अधिक सार्थक और विशिष्ट है। घरेलू विक्री और खपत के संदर्भ में आयातों में बढ़ोत्तरी होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयी है। साथ ही, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आयी है। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 12 प्रतिशत तक कम हो गया है, जबकि आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से आयातों का बाजार हिस्सा 13 प्रतिशत तक बढ़ गया है। चीन के उत्पादक घरेलू उद्योग और अन्य देशों के पर्याप्त बाजार हिस्से को जकड़ने में समर्थ हुए हैं।
- (ii) जांच की अवधि के दौरान आयातों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है, जिसकी वजह से घरेलू उद्योग का उत्पादन आधार वर्ष की तुलना में 39 प्रतिशत तक कम हो गया।
- (iii) चीन मंदी का सामना कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक मात्रा में अधिशेष क्षमताएं हो गई हैं। अमरीका, ई.यू; और कनाडा आदि जैसे देशों ने अपने-अपने घरेलू उद्योग के हितों की अभिरक्षा करने के लिए चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातों के बारे में पाटनरोधी एवं अन्य उपाय पहले से ही लगा दिए हैं। भारत में कोई पाटनरोधी शुल्क न होने की स्थिति में चीन जनवादी गणराज्य से पाटित आयातों का भारत में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और पाटन के जारी रहने से निकट भविष्य में सैंकड़ों कार्यों (जॉब्स) पर प्रभाव पड़ सकता है।
- (iv) चीन भारतीय बाजार में कम कीमत की वस्तुओं का पाटन कर रहा है, जिससे स्थिर बाजार मांग में घरेलू उद्योग की विक्री कम हो रही है। इससे क्रमशः उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आयी है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भी तेजी से गिरावट आयी है।

- (v) संयंत्र को चालू रखने के लिए याचिकाकर्ताओं के द्वारा समस्त प्रयास करने के बावजूद यह देखा जा सकता है कि जांच की अवधि के दौरान इसके क्षमता उपयोग में काफी कमी हुई और विक्रियों और उपयोगों में कमी होने के कारण याचिकाकर्ताओं को अत्यधिक हानियां हुईं।
- (vi) विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों और तेल अन्वेषण कंपनियों द्वारा प्रवर्तित किए गए केवल (8 प्रतिशत) टेंडरों को ही भारतीय उत्पादक प्राप्त कर सके थे। भारत में कम कीमत के आयातों के पाठन से चीन के निर्यातकों ने टेंडर की गई मात्राओं का (92 प्रतिशत) मात्रा प्राप्त की। हाल ही की अवधियों में चीन के निर्यातकों के द्वारा बी पी सी एल, औ एन जी सी और ऑफल इंडिया लिओ आदि जैसे देश के बड़े-बड़े तेल के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के द्वारा प्रवर्तित किए गए टेंडरों में 100 प्रतिशत टेंडर मात्रा को चीन के निर्यातकों के द्वारा बहुत कम ऐसी कीमत उद्धरित करके जकड़ लिया गया है जिसमें प्रचालित अंतर्राष्ट्रीय इस्पात कीमतों के अनुसार बुनियादी कच्चे माल की भी वसूली नहीं होती है।
- (vii) क्षति अवधि के दौरान वर्तमान कीमतों की प्रवृत्ति स्पष्ट तौर पर यह दर्शाती है कि भारत सरकार के द्वारा लगाए गए वर्तमान पाठनरोधी शुल्कों के प्रभाव को समाविष्ट करने के लिए चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों ने अपनी निर्यात कीमतों को और भी कम कर दिया है। बढ़ते हुए पाठन से घरेलू उद्योग को काफी क्षति हुई है।
- (viii) चीन जनवादी गणराज्य से आयातों का पहुंच मूल्य विक्रय मूल्य से काफी कम है और इस प्रकार घरेलू उद्योग की कीमतें काफी कम हो रही हैं। इस बजह से याचिकाकर्ता अपनी कीमतों में बढ़ोतारी नहीं कर सके और चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों के द्वारा प्रदान की गई कीमतों के अनुरूप वे अपनी कीमतों को कम करने के लिए बाध्य हुए ताकि घरेलू विक्री की मात्रा को बनाए रखा जा सके।
- (ix) संबद्ध उत्पादकों के लिए चीन जनवादी गणराज्य में बहुत अधिक अप्रयुक्त क्षमताएं हैं। संबद्ध देश में उत्पादकों के पास बहुत अधिक निपटान योग्य क्षमताओं के साथ-साथ काफी कीमतों में कटौती और कम कीमत पर विक्री इस बात से स्पष्ट है कि इन पाठित आयातों से घरेलू उद्योग के लिए क्षति का खतरा होने का प्रमाण होते हैं।
- (x) अमरीकी डालर की वास्तविक स्थिति के आधार पर चीन से सीआईएफ कीमतों को आधार वर्ष से तीव्रता से तब कम किया गया है जब पूरे विश्व भर की कीमतें संगत अवधि में अधिक हो गई हैं।
- (xi) बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को आयातों के द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है और संबद्ध वस्तुओं के इन पाठित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल एवं विशिष्ट प्रभाव पड़ रहा है।
- (xii) घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग ने तेजी से गिरावट दिखाई है। वर्ष 2011-12 में घरेलू उद्योग 53.50 प्रतिशत पर कार्य कर रहा था, उसमें जांच की अवधि के दौरान 32.76 प्रतिशत की गिरावट हुई। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में 21 प्रतिशत तक गिरावट हुई। शेष क्षमताएं अप्रयुक्त हैं और अधिक अप्रयुक्त क्षमताओं की वजह से याचिकाकर्ता अत्यधिक वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।
- (xiii) घरेलू उद्योग की विक्रियों में तेजी से गिरावट हुई है। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा, जो घरेलू मांग में 37.30 प्रतिशत का योगदान दे रहा था, उसमें जांच अवधि के दौरान 32.86 प्रतिशत की गिरावट हुई है।
- (xiv) चीन के निर्यातकों द्वारा अत्यधिक पाठन करने की वजह से जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई है। वर्ष 2011-12 के दौरान घरेलू उद्योग लाभ अर्जित कर रहा था, लेकिन अगले वर्ष के दौरान लाभों में तेजी से गिरावट देखी गई। पाठित आयातों की वजह से बाद के वर्षों में भारी मात्रा में हानियां हुई हैं और अत्यधिक पाठन की वजह से घरेलू उद्योग को हानियों में कई गुना वृद्धि हुई है।
- (xv) वर्ष 2011-12 के दौरान नियोजित पूंजी पर लाभ और नकद लाभों की स्थिति सकारात्मक थी। लेकिन अत्यधिक पाठन की वजह से अगले वर्षों में यह नकारात्मक हो गई।
- (xvi) घरेलू उद्योग की माल-सूची में पूर्णतः तथा घरेलू उद्योग की घरेलू विक्री के संदर्भ में बढ़ोतारी हुई है।
- (xvii) वर्ष 2011-12 से घरेलू उद्योग में रोजगार में 10 प्रतिशत तक गिरावट हुई है जो सुस्पष्ट चुनौतीपूर्ण गिरावट की प्रवृत्ति है।
- (xviii) घरेलू उद्योग का निष्पादन, उत्पादन, क्षमता उपयोग घरेलू विक्रय मूल्यों और मात्रा, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह, मालसूचियों और बाजार हिस्से के संदर्भ में वास्तव में विकृत हो गया है। यह देखा जाएगा कि सामूहिक रूप से और संचयी तौर पर सभी मापदंड यह सुनिश्चित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वस्तुतः क्षति हुई है।
- (xix) चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं की व्यापक क्षमताओं पर विचार करते हुए यह स्पष्ट हुआ कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों में तेजी से वृद्धि होना जारी रहेगा। इससे न केवल स्पष्ट तौर पर वस्तुतः क्षति होने का खतरा है, अपितु भारत में घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होने का भी खतरा है। अतः भारत में घरेलू उद्योग के लिए गंभीर क्षति होने का खतरा सुनिश्चित हो गया है।
- (xx) आयातों और घरेलू उद्योग की विक्रियों के बीच के मूल्य में अंतर काफी अधिक है और इसके बढ़ने की संभावना है। अतः चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के लाभप्रद रहने की संभावना है।

- (xxi) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता हाल ही की अवधि में बढ़ते हुए आयातों की वजह से अत्यधिक विकृत हो गई है और सस्ते आयातों की जारी उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में और अधिक गिरावट होने की भी संभावना है।
- (xxii) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर चीन जनवादी गणराज्य के बढ़ते हुए आयातों ने कठा कर लिया है। संबद्ध वस्तुओं के अक्षुण्ण अयातों के संदर्भ में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में और अधिक गिरावट होने की संभावना है।
- (xxiii) चीन जनवादी गणराज्य से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क के रूप में घरेलू उद्योग की तत्काल सुरक्षा न होने की स्थिति में घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति में बहु-आयामी बढ़ोत्तरी होने की संभावना है तथा इससे भारतीय घरेलू उद्योग के बंद होने का स्पष्ट खतरा हो सकता है।
- (xxiv) जिन्दल साँ को क्षति नहीं हो रही है, यह बात अप्रासंगिक है क्योंकि अकेला आवेदक ही घरेलू उद्योग है। साथ ही, यह कहने का कोई आधार नहीं है कि जिन्दल सा को क्षति नहीं हो रही है।
- (xxv) एम एस एल को कोई क्षति नहीं हो रही है। इसका कोई आधार नहीं है। क्षति की गणना विक्री, उत्पादन/आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित कमी, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रभाव, मालसूचियों, रोजगार, वेतन, विकास, पूंजीगत निवेशों को जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों के अनुसार की जाती है।
- (xxvi) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता आई एन आर 80 कोर्स तक विकृत हो गई है। मांग में कमी होने से लाभों, नकद लाभों और निवेश पर आय जैसे मापदंडों के बारे में घरेलू उद्योग प्रभावित नहीं होंगे।
- (xxvii) यद्यपि, क्षति अवधि में संबद्ध देश से आयातों में कमी हुई, परंतु इसके हिस्सों में आधार वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत और वर्ष 2012-13 की तुलना में 7 प्रतिशत तक पर्याप्त वृद्धि हुई। जबकि आधार वर्ष में चीन के आयातों का बाजार हिस्सा और घरेलू उद्योग काफी तुलनीय थे, क्षति अवधि तक यह अंतर (2 प्रतिशत अंतर से 12 प्रतिशत अंतर) बहुत अधिक बढ़ गया है।
- (xxviii) कीमत मापदंडों के संदर्भ में घरेलू उद्योग को वस्तुगत क्षति हुई। कीमतों में इस अवधि में 69 प्रतिशत तक गिरावट आयी है।
- (xxix) उत्पादन में गिरावट होने के अनुरूप आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि के दौरान प्रतिदिन की उत्पादकता और प्रति व्यक्ति उत्पादन के आधार पर मापी गई घरेलू उद्योग की उत्पादकता में काफी गिरावट आयी। उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू विक्री, लाभ/हानि, नकद लाभ, बाजार हिस्सा, निवेश पर आय आदि के संबंध में घरेलू उद्योग का विकास नकारात्मक था।
- (xxx) घरेलू उद्योग की क्षति के लिए कोई अन्य कारक जिम्मेदार नहीं है। अन्य देशों के अयातों से क्षति नहीं हो रही है। वे या तो न्यूनतम सीमा से कम हैं अथवा अधिक कीमत पर हैं। नवीन अन्वेषण कार्यकलापों में कमी होने के कारण मांग में कमी होने के बावजूद आयात के हिस्सों में वृद्धि हुई है। प्रौद्योगिकी में विकास होने की वजह से घरेलू उद्योग का निष्पादन विकृत नहीं हुआ है।
- (xxxi) दिल्ली उच्च न्यायालय का निर्णय पूर्णतः अलग मुद्रे का समाधान करने के लिए था। मामले में उठे मुद्रों तथा विशेष मामले के तथ्यों के संदर्भ में हर निर्णय को देखना होगा।

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

80. निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के बारे में निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं और प्राधिकारी ने उन्हें प्रासंगिक माना है:-
- याचिकाकर्ताओं के आर्थिक मापदंड कथित पाटित आयातों के कारण क्षति का होना नहीं दर्शते हैं। साथ ही, कथित पाटित आयातों की अपेक्षा अन्य जात कारक हैं जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं। इस मामले में क्षति और कथित पाटित आयातों के बीच में कोई क्षति तथा कारणात्मक संबंध नहीं हैं।
 - आधार वर्ष 2011-12 से क्षति अवधि तक संबद्ध वस्तुओं की मांग भारत में निरंतर कम हुई है। क्षति की विश्लेषण अवधि के दौरान मांग में गिरावट होने के अनुरूप चीन जनवादी गणराज्य से आयातों में भी निरंतर कमी आयी है। अतः घरेलू उद्योग के द्वारा कथित क्षति का वास्तविक कारण संबद्ध वस्तुओं की मांग में कमी आना है।
 - इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं और समर्थक की वार्षिक रिपोर्टें यह सुनिश्चित करती हैं कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने का कारण संबद्ध वस्तुओं की मांग में कमी आयी थी। यह एक मुख्य कारक था, जिसकी वजह से क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान अन्वेषण और ड्रिलिंग कार्यकलापों में कमी आयी, जिससे संबद्ध वस्तुओं की मांग में तेजी से गिरावट आयी। अतः संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में गिरावट के कारण हुई किसी क्षति को संबद्ध वस्तुओं के अयातों के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।
 - घरेलू उद्योग की क्षमता भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग से काफी अधिक है। तथापि, मांग में गिरावट को ध्यान में रखते हुए अधिक घरेलू क्षमता, उत्पादन और विक्री में आनुपातिक बढ़ोत्तरी करने में असमर्थ रही। मांग में गिरावट के बावजूद घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता में बढ़ोत्तरी करने से स्थिति और खराब हो गई। इससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई। साथ ही इसकी वजह से घरेलू उद्योग के निर्यात वर्ष में वर्ष 2011-12 में 121,324 एम.टी थे जो घटकर क्षति अवधि के दौरान 78,667 एमटी हो गया। इस कारण भी क्षति हो रही है।
 - यद्यपि वर्ष 2011-12 से क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 5 प्रतिशत की गिरावट आयी, परंतु अन्य भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा इसी अवधि के दौरान 5 प्रतिशत तक बढ़ा। यद्यपि यह प्रतीत होता है कि इसी अवधि के

- दौरान चीन जनवादी गणराज्य से आयातों का बाजार हिस्सा भी बढ़ा है, यह देखा जा सकता है कि मांग में बढ़ोत्तरी के अनुरूप क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य के वास्तविक आयातों में निरंतर कमी आयी थी। दूसरी ओर मांग में अन्य भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा वर्ष 2011-12 में 9 प्रतिशत से बढ़कर क्षति अवधि के दौरान 14 प्रतिशत हो गया। अतः जब संबद्ध वस्तुओं की मांग में गिरावट आयी थी, तब क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान अन्य भारतीय उत्पादकों ने अपनी विक्री बढ़ाकर अपने बाजार हिस्से में बढ़ोत्तरी की। यह घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों के बीच में अंतः परस्पर कीमत प्रतिस्पर्धा की उद्यमशील प्रकृति को दर्शाता है।
- (vi) घरेलू उद्योग के स्वयं अपने आंकड़े अधिक व्याज लागत की मात्रा को दर्शाते हैं, जिससे वे दबे हए हैं। यह घरेलू उद्योग की क्षति का एक मुख्य कारण है। साथ ही, मै0 आई एस एम टी लि�0 की वार्षिक रिपोर्ट क्षति विश्लेषण अवधि के द्वारा कंपनी के द्वारा व्यय की जा रही बहुत भारी वित्त लागतों को भी दर्शाती हैं। घरेलू उद्योग को अधिक नियत लागतों, मूल्यहास लागतों और वित्त लागतों जैसे कुछ मूलभूत कारकों की वजह से क्षति हो रही है। महाराष्ट्र सीमलैस लि�0 और जिन्दल सॉलिउशंस लि�0 दोनों क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान लाभ कमा रही हैं। दूसरी ओर, आई एस एम टी लि�0 हानि उठा रही है। इसका कारण यह है कि आई एस एम टी लि�0 की वर्ष 2010-11 में अपनी क्षमताओं में पर्याप्त बढ़ोत्तरी होने के कारण वह अधिक वित्त लागत, नियत लागतों और मूल्यहास लागत संबंधी व्यय कर रही है।
- (vii) यद्यपि, घरेलू उद्योग के रोजगार में क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान गिरावट आयी, परंतु रोचक बात यह है कि घरेलू उद्योग के द्वारा दिए गए वेतन इस अवधि में बढ़े हैं। इसके अलावा, मै0 आई एस एम टी लि�0 की वार्षिक रिपोर्ट 2014-15 के अनुसार, अपने प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों को भुगतान की गई परिलिंग्वियों की वजह से उनकी हानियां 29.77 प्रतिशत बढ़ गईं। घरेलू उद्योग के लिए क्षति होने का यह भी एक मुख्य कारक है।
- (viii) संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में गिरावट होने के एक प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जब संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग सबसे अधिक थी, उस समय वर्ष 2011-12 के दौरान घरेलू उद्योग लाभ कमा रहा था। वर्ष 2011-12 के दौरान संबद्ध वस्तुओं का आयात भी अधिकतम था। तथापि, वर्ष 2011-12 के बाद त्रूटिकि मांग में गिरावट आयी, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता भी प्रभावित हुई थी। अतः घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और संबद्ध वस्तुओं के आयातों के बीच में कोई परस्पर संबंध नहीं है।
- (ix) घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान बढ़ी हुई प्रतीत होती है क्योंकि घरेलू उद्योग की नियत लागतों में पर्याप्त क्षमता विस्तार होने के कारण अत्यधिक बढ़ोत्तरी हुई थी। घरेलू उद्योग के पास अधिक अधिक विश्लेषण क्षमताओं से नियत लागतों में बढ़ोत्तरी हुई है और इसके परिणामस्वरूप उत्पादन की लागत में बढ़ोत्तरी हुई है। यह स्पष्ट है कि क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में निरंतर बढ़ोत्तरी हुई है, किंतु भी घरेलू उद्योग ऐसी अधिक लागतों की वसूली करने में असमर्थ होगा। फिर भी, वर्ष 2012-13 से संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य में बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे परिवृद्धि में आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने का कारक नहीं हो सकता है।
- (x) आवेदकों के पास घरेलू बाजार की मांग से अधिक प्रतिष्ठापित क्षमता है और इस तरह से यह स्वाभाविक ही है कि मालसूचियों का संचय नहीं होगा।
- (xi) संबद्ध वस्तुओं के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें न तो नियंत्रित हो रही हैं और न ही प्रभावित हो रही हैं। घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य वर्ष 2011-12 की तुलना में वर्ष 2012-13 में 105 सूचकांक तक बढ़ गया। यद्यपि, इस अवधि के दौरान पहुंच मूल्य में हल्की सी गिरावट आयी। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में वर्ष 2013-14 में 99 सूचकांक तक गिरावट आयी, जब इसी अवधि में पहुंच मूल्य में बढ़ोत्तरी हुई। उसके बाद जब संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य में बढ़ोत्तरी हुई, तब घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में क्षति अवधि के दौरान 108 सूचकांक की पर्याप्त बढ़ोत्तरी हुई। अतः घरेलू उद्योग की कीमतों और संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य के बीच में कोई स्पष्ट संबंध नहीं है। घरेलू उद्योग की कीमतों ने संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य को स्वतंत्र रूप से प्रभावित किया है।
- (xii) महाराष्ट्र सीमलैस लि�0, एक याचिकाकर्ता कंपनी और जिन्दल सॉलिउशंस लि�0, इस याचिका की एक सहयोगी कंपनी ने क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान अत्यधिक अच्छे ढंग से निष्पादन किया है, जो उनकी वार्षिक रिपोर्टों से स्पष्ट होता है। यह स्पष्ट नहीं है कि दूसरी याचिकाकर्ता आई एस एम टी लि�0 अच्छी तरह से निष्पादन क्यों नहीं कर सकी है।
- (xiii) याचिकाकर्ताओं के द्वारा कथित क्षति स्वयं ही की गई है। यद्यपि, आवेदकों की विक्री वर्ष 2011-12 में 303,737 मी.ट. से घटकर क्षति अवधि अर्थात जनवरी 2014 से दिसंबर 2014 के दौरान 179,798 मी.ट. हो गई है, साथ ही भारत में अन्य उत्पादकों के द्वारा विचाराधीन उत्पाद की विक्री वर्ष 2011-12 के दौरान 71,227 मी.ट. से बढ़ाकर क्षति अवधि के दौरान 74,816 मी.ट. की है और इन अन्य उत्पादकों का बाजार हिस्सा वर्ष 2011-12 में 8.75 प्रतिशत था जो क्षति अवधि के दौरान बढ़कर 13.67 प्रतिशत हो गया। अतः आवेदकों द्वारा विचाराधीन उत्पाद की विक्री में गिरावट उनकी अपनी अकुशलता की वजह से है और आवेदकों को हुई क्षति एवं चीन जनवादी गणराज्य से विचाराधीन उत्पाद के आयात के बीच में कोई कारणात्मक संपर्क नहीं है।
- (xiv) रक्षोपाय शुल्क लगाने के बावजूद यह समझना कठिन है कि घरेलू उद्योग को अभी भी क्यों क्षति हो रही है जब रक्षोपाय शुल्क लगाने का एकमात्र प्रयोजन विचाराधीन उत्पाद का घरेलू उत्पाद बढ़ाना है और बाजार में मुकाबला करने के लिए घरेलू उत्पादकों को अवसर प्रदान करना है।

- (xv) आवेदकों को कुछ ऐसे ग्रेडों के मामले में भी पाटन की वजह से कथित क्षति हुई है जिनका बाजार में आवेदकों के द्वारा उत्पादन/आपूर्ति नहीं की जाती है।
- (xvi) निविदा बोली प्रक्रिया के दौरान आवेदकों ने सामान्यतः चीन की कंपनियों से कम कीमतें दी हैं। इसलिए, आवेदक चीन के निर्यातकों के विरुद्ध पाटन और क्षति का आरोप नहीं लगा सकते हैं।
- (xvii) पाटित न किए गए आयातों से पाटित वस्तुओं की मात्रा बढ़ी है, उससे संपूर्ण जांच दोषपूर्ण हो रही है। प्रेशर गैस मिलैंडरों को उत्पाद क्षेत्र से विशेष रूप से बाहर रखा गया है, उनके आयातों को क्षति विश्लेषण के प्रयोजन हेतु बाहर रखना चाहिए। साथ ही, दूसरे दर्जे के पाइपों, दोषपूर्ण, जंग वाले, प्रयोग में लाए गए पाइपों और स्टॉक लॉट के पाइपों के आयातों को आयात की मात्रा से बाहर रखना चाहिए।
- (xviii) घरेलू उद्योग ने अपनी प्रतिष्ठापित क्षमताओं के बारे में गलत और भ्रामक दावे दायर किए हैं। एम एस एल और आई एस एम टी दोनों ने ही क्षति अवधि के दौरान अपनी-अपनी क्षमताओं में बढ़ोतरी की है और देश में मांग से अधिक इन क्षमताओं के बढ़ाने से ही, वस्तुतः घरेलू उद्योग का निष्पादन विकृत हुआ है। क्षमता की अनुचित बढ़ोतरी घरेलू उद्योग की क्षति का एकमात्र कारण है और न कि चीन जनवादी गणराज्य से आयातों अथवा सब कुछ में बढ़ोतरी, जैसा कि याचिका में आरोप लगाया है।
- (xix) संबंधित कंपनियों की वार्षिक रिपोर्टों और अन्यथा से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को क्षति कथित पाटित आयातों की वजह से नहीं है, अपितु, पाटित आयातों के अलावा ज्ञात कारणों की वजह से है। ये ज्ञात कारण हैं- “संबद्ध वस्तुओं की मांग में बदलाव,” और संबद्ध वस्तुओं की खपत की पद्धति में बदलाव”, अधिक नियम लागत, वित्त लागत और मूल्यहास लागत।
- (xx) संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में गिरावट होने की वजह से ही घरेलू उद्योग अपने बाजार हिस्से में बढ़ोतरी नहीं कर सका था। इसके अलावा, अन्य भारतीय उत्पादकों ने उसी मार्जिन से अपने बाजार हिस्से में बढ़ोतरी की और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान गिरावट आयी थी। यह मशक्त अंतः परस्पर प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है जो घरेलू उद्योग के लिए क्षति का एक अन्य कारण है।
- (xxi) मांग में गिरावट होने के बावजूद, महाराष्ट्र सीमलैस लिओ और जिन्दल सॉलिड लिओ क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान लाभ की स्थिति में रही हैं। दूसरी ओर आई एस एम टी लिओ के लिए क्षति का कारण अधिक वित्त लागत, अधिक मूल्यहास लागत और अधिक नियत लागत है जो क्षमताओं में पर्याप्त विस्तार करने के लिए व्यापार के खराब निर्णय की वजह है और उनसे संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में गिरावट होने की वजह से उत्पादन और बिक्री बढ़ नहीं पायी थी।
- (xxii) कथित पाटन और क्षति के बीच में कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग तेल और गैस क्षेत्र में ड्रिलिंग और अन्वेषण कार्यकलापों से सीधे जुड़ी होती है। ड्रिलिंग और अन्वेषण कार्यकलापों में गिरावट आने के कारण क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में गिरावट आयी। इस परिदृश्य में, घरेलू उद्योग ने सशक्त घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मांग का अनुमान लगाकर अपनी क्षमताओं का विस्तार करने के लिए व्यापार संबंधी खराब निर्णय लिया। तथापि, क्षमताओं में बढ़ोतरी करने से घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में बढ़ोतरी नहीं हुई थी। संबद्ध वस्तुओं के लिए कमजोर मांग के संदर्भ में घरेलू उद्योग के पास अधिक अधिक्षेष क्षमताएं हो गई थीं।
- (xxiii) इस मामले में कोई कीमत संबंधी प्रतिबंध अथवा कीमत संबंधी दबाव नहीं है। घरेलू उद्योग की कीमतों ने संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य को स्वतंत्र रूप से प्रभावित किया है। पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की कीमतें दोनों में ही क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान बढ़ोतरी हुई थी।
- (xxiv) घरेलू उद्योग की अप्रयुक्त क्षमताएं संबद्ध वस्तुओं की मांग में गिरावट का प्रत्यक्ष परिमाण है। यद्यपि, घरेलू उद्योग ने सशक्त घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुमान के अनुसार अपनी क्षमताओं में बढ़ोतरी की थी, परंतु यह कदम व्यापार संबंधी एक खराब निर्णय था, क्योंकि घरेलू उद्योग के द्वारा अपनी क्षमता में बढ़ोतरी करने के तत्काल बाद में संबद्ध वस्तुओं की मांग में गिरावट आ गई। इससे घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूँजी पर आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
- (xxv) संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग तेल और गैस क्षेत्र में ड्रिलिंग और अन्वेषण कार्यकलापों से सीधे जुड़ी होती है। ड्रिलिंग और अन्वेषण कार्यकलापों में गिरावट आने के कारण क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में गिरावट आयी। इस परिदृश्य में, घरेलू उद्योग ने सशक्त घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मांग का अनुमान लगाकर अपनी क्षमताओं का विस्तार करने के लिए व्यापार संबंधी खराब निर्णय लिया। तथापि, क्षमताओं में बढ़ोतरी करने से घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में बढ़ोतरी नहीं हुई थी। संबद्ध वस्तुओं के लिए कमजोर मांग के संदर्भ में घरेलू उद्योग के पास अधिक अधिक्षेष क्षमताएं हो गई थीं।
- (xxvi) घरेलू उद्योग की कीमतों ने संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य को स्वतंत्र रूप से प्रभावित किया है। चीन जनवादी गणराज्य से आयातों के द्वारा घरेलू उद्योग को उसकी कीमतों में बढ़ोतरी करने से नहीं रोक रहा है जो मौजूदा तथ्यों से स्पष्ट है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग भारी स्थिर लागत, मूल्यहास लागतों एवं वित्त लागतों से संबंधित व्यय कर रहा है, जो घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को बढ़ा रहे हैं।
- (xxvii) घरेलू उद्योग भारी अधिक्षेष क्षमताओं का सामना करती है और यदि वे पूर्ण क्षमता पर कार्य करते हैं, तो वे भारत में अपने संपूर्ण उत्पादन की बिक्री नहीं कर पाएंगे क्योंकि घरेलू उद्योग की क्षमता भारतीय मांग से किसी हद तक अधिक है।

- (xxviii) निविदा बोली प्रक्रिया के दौरान आवेदकों ने चीनी कंपनियों के मुकाबले में कम कीमतें दी थीं। कई ग्रेडों के लिए मरटैक्स यू.के. द्वारा दी गई कीमतें एमएसएल के द्वारा दी गई कीमतों से अधिक थीं। इसलिए आवेदक चीन के निर्यातकों के विरुद्ध पाटन और क्षति का आरोप नहीं लगा सकते हैं।
- (xxix) ओएनजीसी के द्वारा आमंत्रित की गई निविदाओं के लिए बोली लगाने समय भी आवेदक निविदाकार के द्वारा यथा निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ रहने के कारण कई बार अयोग्य हो गए थे। आवेदकों के द्वारा मालसूचियों का संचयन इसवजह से हुआ है कि विकासात्मक आर्डर दिए जा रहे हैं और आवेदक ऐसे मानक उत्पादों का विनिर्माण कर रहे हैं जो ओएनजीसी जैसे निविदाकारों की अपेक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, आवेदकों की प्रतिष्ठापित क्षमता घरेलू बाजार की मांग से अधिक है और इस प्रकार यह स्वाभाविक ही है कि माल सूचियों का संचयन होगा।
- (xxx) प्रपत्र IV के में यथा उपलब्ध क्षति संबंधी सूचना से यह सुझाव दिया गया है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों के पाटित अयातों की वजह से कोई क्षति नहीं हुई है। विचाराधीन उत्पाद पर रक्षोपाय शुल्क लगाने से लेकर वर्षों बीत जाने के बाद भी घरेलू उद्योग ने क्षमता निर्माण की दिशा में कदम नहीं उठाए हैं। विचाराधीन उत्पाद में कुछ हाई-एंड उपस्कर शामिल होते हैं जिनका उत्पादन करने के लिए आवेदक के पास क्षमता नहीं होती है। आवेदक को पाटनराधी शुल्क लगाने से सुरक्षा लेने की अनुमति तब नहीं दी जा सकती है, जब आवेदक को कथित क्षति स्वयं ही पहुंचायी जाती है और यह क्षति आवेदक की अकुशलता की वजह से होती है।
- (xxxi) आवेदकों को हुई क्षति ओएनजीसी कंपनियों के द्वारा आमंत्रित विभिन्न निविदाओं के लिए बोली लगाने के दौरान घरेलू उद्योग के घटकों के बीच में आंतरिक कीमत युद्ध की वजह से हुई है। लगाए गए आरोप पर्याप्त नहीं हैं कि विदेशी निर्माताओं/निर्यातकों के द्वारा दी कीमत को आवेदक पूरा नहीं करते हैं और यह प्रवृत्ति रही है कि जिन्दल सॉन्स ने एमएसएल अथवा आईएसएमटी द्वारा उद्धरित कीमत के अनुरूप कीमत को प्रायः कम कर दिया है और विलोमतः कम कर दिया है। इसके अलावा, यह नोट करना रोचक है कि निविदा बोली प्रक्रिया के दौरान अधिकांशतः यह पाया गया था कि आवेदकों और घरेलू उद्योग ने अधिकांश विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों से कम कीमतें दी थीं, जो क्षति के दावे का खंडन करता है। इसलिए यह स्पष्ट ही है कि क्षति स्वयं ही की गई है।
- (xxxii) चीन से कथित पाटित आयातों का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं हुआ है। भारतीय उद्योग के सामने आयी कोई कठिनाइयां और लाभ मार्जिनों में किसी प्रकार के परिणामी अंतर अन्य कारणों की वजह से हैं जिनमें चीन के अलावा बहुत से अन्य देशों से कठिन प्रतिस्पर्धा शामिल है। इसके अलावा, आवेदकों की प्रतिष्ठापित क्षमता घरेलू बाजार की मांग से अधिक है और इस प्रकार यह स्वाभाविक ही है कि माल सूचियों का संचयन होगा। चीन के अयातों और भारतीय घरेलू उद्योग की स्थिति के बीच कारणात्मक संबंध का स्पष्टतः अभाव है।

81. विरोधी हितबद्ध पक्षों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये हैं:

- समीक्षाधीन वर्षों में से अधिकांश में चीन से आयातों के स्तर में 2011-12 की तुलना में जॉन्च अवधि में गिरावट आई है।
- याचिकाकर्ताओं के स्वयं के आकड़े दर्शाते हैं कि आयातों का पंहुंच मूल्य समीक्षाधीन वर्षों के दौरान निरंतर बना रहा है और पहले वर्ष (2013-14) और पूर्ववर्ती वर्ष (2012-13) में की तुलना में अद्यतन वर्ष (पीओआई) में यह उच्चतर रहा है। याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में प्रदत्त चार्टों से यह अस्पष्ट है कि क्या ये आकड़े समस्त आयातों या केवल चीन के आयातों या सभी देशों के कुल आयातों से संबंधित हैं।
- यद्यपि मालसूची का स्तर और मालसूची में दिनों की संख्या में समग्ररूप से वृद्धि हुई है, तथापि इन संकेतकों के रूझान निरंतर नहीं है। तुलन पत्र की तारीख को मालसूची और क्रृणधारकों का स्तर पिछले वर्ष की संगत अवधि की तुलना में काफी अधिक बढ़ गया है। आईएसएमटी के निवल लाभ मार्जिन में जॉन्च अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है जबकि उसी अवधि के दौरान मालसूची में गिरावट आई है। मालसूची का संग्रह इस तथ्य की वजह से है कि वे घटिया उत्पादों का विनिर्माण कर रहे हैं जो अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते हैं।
- याचिकाकर्ताओं ने घरेलू उद्योग की मांग से अधिक क्षमता स्थापित की है। घरेलू उद्योग की क्षमता भारत में संबद्ध वस्तु की मांग से काफी अधिक है।
- वर्ष 2011-12 और पीओआई के बीच मजदूरी में समग्र रूप से वृद्धि हुई है जो क्षति के किसी दावे को नकारती है। पीओआई के दौरान आईएनआर प्रति एमटी में व्यक्त मजदूरी आधार वर्ष 2011-12 की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। मै. आईएसएमटी लि. की वार्षिक रिपोर्ट 2014-15 के अनुसार, उनके प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों को प्रदत्त पारिश्रमिक के कारण उनके घाटों में 29.77 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक प्रमुख कारक है।
- याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि भारतीय घरेलू उद्योग ने 2013-14 और पीओआई में अपनी कीमतों को कम किया है, दूसरी ओर पीओआई के दौरान आयातों के पंहुंच मूल्य में वृद्धि हुई है।
- इस बात की जॉन्च करते समय कि क्या घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तव में घाटा हो रहा है, का एक प्रमुख कारक विधि के अनुसार क्षति संबंधी अन्य कारकों पर परिणामी प्रभाव की जॉन्च के अलावा पाटित आयातों द्वारा कीमत, मात्रा और लाभप्रदता पर डाले गए प्रभाव का विश्लेषण करना है।

- viii. पीयूसी के आयात बोली के उत्तर में अनिवार्य रूप से किए गए हैं। यह नोट करना रोचक है कि निविदा बोली प्रक्रिया के दौरान अधिकांशतः यह पाया गया था कि याचिकाकर्ताओं ने चीन की कपनियों से कम कीमत की पेशकश की थी। याचिकाकर्ता विहित अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाने के कारण ओएनजीसी द्वारा अनेक बार अयोग्य ठहराये गये थे।
- ix. भारतीय उद्योग द्वारा अनुभव की गई कोई कठिनाई और लाभ मार्जिन में कोई परिणामी अंतर चीन से इतर अनेक देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा सहित अन्य कारकों के कारण है।
- x. उक्त तत्वों के अनुसार किसी कथित क्षति और चीन से कथित पाटित आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध सिद्ध नहीं हो सकता है।
- xi. मै. आईएसएमटी लि. उच्च वित्त लागतों के बोझ से दबा हुआ है। उसकी वित्तीय स्थिति कम मांग के कारण काफी खराब है, जिसके परिणामस्वरूप अप्रयुक्त क्षमता है।
- xii. आईएसएमटी की विद्युत लागत में बिजली की दर में 24 प्रतिशत तक प्रति इकाई की गिरावट के बावजूद 2014-15 के दौरान 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- xiii. मै. महाराष्ट्र सीमलैस लि. कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के लिए उत्खनन कार्यकलापों में गिरावट और उत्पादन कंपनियों के ड्रिलिंग में कमी और भारत में संबद्ध वस्तु के लिए मांग में कमी के लिए अवसंरचना क्षेत्र में गिरावट को जिम्मेदार ठहराता है।
- xiv. एक समर्थक मै. जिंदल सॉलिसिटीज लि. ने भी भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट के लिए उक्त एमएसएल के रूप में उन्हीं कारकों की ओर ध्यान दिलाया है।
- xv. घरेलू उद्योग को कथित पाटित आयातों के कारण क्षति हो रही है जबकि क्षति का वास्तविक कारण संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट है। संबद्ध वस्तु की मांग में ड्रिलिंग और उत्खनन कार्यकलापों में गिरावट के कारण कमी आई है।
- xvi. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में उतनी ही गिरावट आई है जितना अन्य भारतीय उत्पादकों का हिस्सा बढ़ा है।
- xvii. पीओआई के दौरान आईएनआर प्रति एमटी में व्यक्त मजदूरी आधार वर्ष 2011-12 की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। मै. आईएसएमटी लि. की वार्षिक रिपोर्ट 2014-15 के अनुसार, उनके प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों को प्रदत्त पारिश्रमिक के कारण उनके घाटों में 29.77 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक प्रमुख कारक है।
- xviii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। घरेलू उद्योग को अन्य कारकों से हुए क्षति को अलग करने को कहा जाना चाहिए और क्षति विश्लेषण के लिए उसे अलग किया जाना चाहिए।
- xix. घरेलू उद्योग ने पीओआई में उच्चतम कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री की गणना की है जबकि पंहुचमूल्य पूर्ववर्ती दो वर्षों से काफी उच्च रहा है। डीए ने केवल पीसीएन वार कम कीमत पर बिक्री का प्रकटन किया है परंतु पीसीएन वार पंहुच मूल्य की गणना नहीं की है।
- xx. डीआई द्वारा उठायी गई क्षति अन्य ज्ञात कारकों जैसे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव और उत्खनन के स्तर में कमी की वजह से हुई है। अनेक अन्य अंतर्निहित कारक घरेलू उद्योग को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं, इस प्रकार घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं। दोनों याचिकाकर्ताओं और एक समर्थक की वार्षिक रिपोर्ट इस पहलू को दर्शाते हैं। घरेलू उद्योग के स्वयं के आकड़े उनके ऋण के बोझ की उच्च व्याज लागत की मात्रा को दर्शाते हैं।
- xxi. सुनवाई के बाद के अनुरोधों में निर्यातकों, प्रयोक्ताओं, आयातकों और हितबद्ध पक्षों द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि प्रारंभिक जाँच परिणाम में क्षति संबंधी विश्लेषण प्रथम दृष्टया गलत है।
- xxii. पीसीएन ए-1-5 अपाटित है और उसे आयात मात्रा से बाहर रखा जाना चाहिए। इन सभी के शामिल होने से पाटित वस्तुओं की आयात मात्रा बढ़ गई है।
- xxiii. आयातित वियरिंग ट्यूबों की पंहुच लागत आईएसएमटी से प्राप्त वस्तु से अधिक है। इसके कारण, पाटन का आरोप नहीं लगाया जा सकता है। चीन की वियरिंग ट्यूबों की आयात कीमत अन्य देशों की वियरिंग ट्यूबों से तुलनीय है। वियरिंग उत्पादकों की सख्त चयन प्रक्रिया है और रातोंरात ऐसा बदलाव संभव नहीं है, चूंकि इसमें 2 वर्षों की जरूरत है। चूंकि रक्षोपाय शुल्क के लागू होने के बाद वियरिंग ट्यूबों की निर्यात कीमत में कोई कटौती नहीं हुई है इसलिए डीए के निष्कर्ष वस्तुतः त्रुटिपूर्ण हैं।
- xxiv. डीआई के बाजार हिस्से में क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान गिरावट आई है परंतु इसी के साथ अन्य उत्पादकों के हिस्से में वृद्धि हुई है। इससे डीआई और अन्य भारतीय उत्पादकों के बीच परस्पर कीमत प्रतिस्पर्धा की आक्रामक प्रकृति का पता चलता है।
- xxv. इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि बिक्री में मासूली गिरावट के कारण लाभप्रदता में भारी गिरावट कैसे हुई है।
- xxvi. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान डीआई और समर्थकों की आय स्थिर रही है या उसमें सुधार हुआ है।

- xxvii. शुल्क संदर्भ कीमत पर लगाया गया है। इसलिए इससे डीआई को दोहरा संरक्षण मिल रहा है क्योंकि संबद्ध देश के संबंध में संबद्ध वस्तु के विरुद्ध रक्षोपाय शुल्क पहले से लागू है।
- xxviii. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान डीआई की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, क्योंकि स्थिर लागत में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है।

82. दूसरी सुनवाई के बाद विरोधी हितबद्ध पक्षों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अतिरिक्त अनुरोध किए गए हैं।

- i. जिंदल सॉ द्वारा प्रदत्त कीमत आईएसएमटी से कम है।
- ii. संदर्भ कीमत पर लगाया गया शुल्क काफी अधिक है। संदर्भ कीमत शुल्क पीओआई के दौरान स्थिति पर आधारित है।
- iii. इस्पात की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में विशेष रूप से इस्पात विलेट्स में 2014 के बाद से तेजी से गिरावट आई है।
- iv. लगभग 40 प्रतिशत मूल्य वर्धन संबद्ध वस्तु के विनिर्माण के लिए विलेट स्तर से किया जाता है। मूल्यवर्धन पर विचार करते हुए संबद्ध वस्तु की उचित कीमत 510 अम.डा./एमटी से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- v. इस स्थिति में डीआई को क्षति नहीं होनी चाहिए। ऐसा अत्यधिक संरक्षण संबद्ध वस्तु के आयातों पर वास्तविक प्रतिबंध के अलावा कुछ नहीं है।
- vi. वियरिंग ट्यूबों को ए-1-8 में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है क्योंकि लाइन पाइप और वियरिंग ट्यूब अलग-अलग वस्तुएँ हैं।
- vii. घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। क्षमता विस्तार बाजार में वृद्धि के अनुरूप नहीं था। विस्तार के कारण उच्च वित्त लागत, मूल्यहास लागत और ऊर्जा लागत हुई हैं।
- viii. वियरिंग ट्यूबों के लिए कोई आकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।
- ix. उपलब्ध आकड़ों के अनुसार आयातों में कोई वृद्धि या वियरिंग ट्यूब की कीमत में कोई गिरावट नहीं हुई है।
- x. कच्ची सामग्री की कीमत में कमी आई इसलिए निर्यात कीमत में कमी आई।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

83. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा जाँच की प्रक्रिया के दौरान किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों की निम्नानुसार जाँच और विचार किया गया है।

84. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह प्रावधान है कि किसी क्षति के निर्धारण में उन कारकों की जांच शामिल है जो घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाते हों "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जाँच करने के लिए उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, विक्री मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल विक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन, आदि पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध। के अनुसार विचार किया गया है।

छ. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव

मांग और बाजार हिस्सा

85. प्राधिकारी ने वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थी भारत में मांग या उत्पाद की वास्तविक खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू विक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार आकलित मांग जिसमें गिरावट का रूझान है तथा संबद्ध देश और अन्य देशों से आयातों को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|--------------------|-----------|----------|----------|----------|----------------------|
| मांग | एमटी | 7,95,915 | 6,73,141 | 6,26,818 | 5,35,264 |
| सूचीबद्ध | प्रवृत्ति | 100 | 85 | 79 | 67 |
| संबद्ध देश से आयात | एमटी | 3,02,452 | 2,52,802 | 2,81,931 | 2,30,850 |
| सूचीबद्ध | प्रवृत्ति | 100 | 84 | 93 | 76 |
| अन्य देशों से आयात | एमटी | 1,13,544 | 1,15,823 | 61,802 | 45,416 |

मांग में बाजार हिस्सा

86. विभिन्न स्रोतों से आयातों और घरेलू उद्योग की विक्री पर विचार करते हुए भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से की जँच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है तथापि संबद्ध देश से आयातों के बाजार हिस्से में उसी अवधिके दौरान वृद्धि हुई है।

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|--------------------------|------|---------|---------|---------|----------------------|
| संबद्ध देश से आयात | % | 38 | 38 | 45 | 43 |
| अन्य देशों से आयात | % | 14 | 17 | 10 | 8 |
| घरेलू उद्योग की विक्री | % | 39 | 34 | 34 | 34 |
| अन्य उत्पादकों की विक्री | % | 9 | 11 | 11 | 14 |

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

87. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा निम्नानुसार है:

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|------------------------|------------|---------|----------|----------|----------------------|
| मात्रा | संबद्ध देश | एमटी | 3,02,452 | 2,52,802 | 2,81,931 |
| | अन्य देश | एमटी | 1,13,544 | 1,15,823 | 61,802 |
| | कुल आयात | एमटी | 4,15,996 | 3,68,626 | 3,43,733 |
| आयातों का बाजार हिस्सा | संबद्ध देश | % | 73 | 69 | 82 |
| | अन्य देश | % | 27 | 31 | 18 |

88. उक्त तालिका से यह देखा गया है कि यद्यपि संबद्ध देश से आयातों में पीओआई के दौरान आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है तथापि उसके बाजार हिस्से में काफी वृद्धि हुई है।

उत्पादन के संबंध में आयातों का हिस्सा

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयातों में घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नांकित तालिका से स्पष्ट है:

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|----------------------------------|------|----------|----------|----------|----------------------|
| संबद्ध देश से आयात | एमटी | 3,02,452 | 2,52,802 | 2,81,931 | 2,30,850 |
| डीआई का उत्पादन | एमटी | 4,36,046 | 3,08,992 | 2,68,756 | 2,66,992 |
| डीआई के उत्पादन के संबंधमें आयात | % | 69.36 | 81.82 | 104.90 | 86.46 |

90. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग नीचे तालिका में दिया गया है:-

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|--------------|------|----------|----------|----------|----------------------|
| क्षमता | एमटी | 8,15,000 | 8,15,000 | 8,15,000 | 8,15,000 |
| उत्पादन | एमटी | 4,36,046 | 3,08,992 | 2,68,756 | 2,66,992 |
| क्षमता उपयोग | % | 53.50 | 37.91 | 32.98 | 32.76 |

91. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में पूरी क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है और आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान उसमें पर्याप्त गिरावट आई है।

बिक्री मात्रा

92. घरेलू उद्योग की बिक्रीमात्रा नीचे तालिका में दी गई है:

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|-------------------------------|----------|----------|----------|----------|----------------------|
| घरेलू विक्रियां | एमटी | 3,08,692 | 2,30,365 | 2,11,924 | 1,84,182 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 75 | 69 | 60 |
| मांग | एमटी | 7,95,915 | 6,73,141 | 6,26,818 | 5,35,264 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 85 | 79 | 67 |
| मांग में डीआई का बाजार हिस्सा | % | 38.78 | 34.22 | 33.81 | 34.41 |

93. उक्त तालिका से यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में तेजी से गिरावट आई है।

ज. घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों का कीमत प्रभाव

94. कीमत प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाठित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत बिक्री लागत (सीओएस), भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और भारित औसत धनिरहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की भारित औसत पंहुच लागत के साथ की गई है।

कीमत कटौती

95. निवल बिक्री प्राप्ति को बाहरी मालभाड़े और करों को घटाने के बाद ज्ञात किया गया है। आयातों के पंहुच मूल्य को 1 प्रतिशत संभार प्रभार और संबद्ध आयातों के सीआईएफ मूल्य के लिए लागू उपकरण सहित मूल सीमाशुल्क को जोड़कर ज्ञात किया गया है। आयातों के पंहुच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई है और यह पाया गया है कि जॉन्च अवधि के दौरान संबद्ध देश से कीमत कटौती सकारात्मक है। प्राधिकारी ने पत्तन के बाहर स्तर पर संबद्ध वस्तु के पंहुच मूल्य को निर्धारित किया है और कारखाना द्वारा पर घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति को उनकी सुस्थापित प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित किया है।

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|-----------------------------|-----------|----------|----------|----------|----------------------|
| आयात मात्रा मी. टन में | एमटी | 3,02,452 | 2,52,802 | 2,81,931 | 2,30,850 |
| आयात मूल्य आकलन योग्य मूल्य | करोड़ रु. | 1,743.66 | 1,430.34 | 1,594.93 | 1,298.41 |
| आकलन योग्य मूल्य | रु./मी.टन | 58,227 | 57,145 | 57,138 | 56,807 |
| सीमाशुल्क (%) | % | 4.73% | 4.05% | 4.60% | 6.80% |
| सीमाशुल्क की राशि | रु./मी.टन | 2,753 | 2,314 | 2,629 | 3,860 |
| शिक्षा उपकर | 1% | 82.59 | 69.41 | 78.88 | 115.81 |
| पंहुच मूल्य | रु./मी.टन | 61,063 | 59,528 | 59,846 | 60,783 |
| घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत | रु./मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | रु./मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | (%) | *** | *** | *** | *** |
| रेंज | | 0-10 | 5-15 | 0-10 | 10-20 |

96. उक्त तालिका स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि चीन जन. गण. से आयातों का पंहुच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है और इसलिए घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहा है।

कम कीमत पर बिक्री

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। क्षतिरहित कीमत ज्ञात की गई है और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा ज्ञात करने के लिए उसकी तुलना पंहुच मूल्य के साथ की गई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 111 के अनुसार जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करके क्षतिरहित कीमत निर्धारित की गई है। भारित औसत एनआर्इपी और भारित औसत पंहुच मूल्य ज्ञात किया गया है और उनकी तुलना की गई है। विश्लेषण से पता चलता है कि पीओआई के दौरान संबद्ध आयातों का पंहुच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम है जैसा कि नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है जिसमें सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री प्रभाव दर्शाया गया है।

| विवरण | इकाई | ए-1-1 | ए-1-2 | ए-1-3 | ए-1-4 | ए-1-5 | ए-1-6 | ए-1-7 | ए-1-8 | कुल |
|-------------------|-------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|------|
| क्षतिरहित कीमत | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| पंहुच मूल्य | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| कम कीमत पर बिक्री | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| कम कीमत पर बिक्री | % | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| कम कीमत पर बिक्री | % रेज | 15-25 | 5-15 | 85-95 | - | 0-10 | 0-10 | 25-35 | 10-20 | 5-15 |

कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

98. प्राधिकारी ने इस बात की जाँच की कि क्या पाटित आयात भारत में समान वस्तु की कीमतों को कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा बढ़ गई होती।

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|--------------------------|-----------|---------|---------|---------|----------------------|
| बिक्री लागत | रु./एमटी | *** | *** | *** | *** |
| सूचीबद्ध | प्रवृत्ति | 100 | 111 | 116 | 130 |
| बिक्री कीमत | रु./एमटी | *** | *** | *** | *** |
| सूचीबद्ध | प्रवृत्ति | 100 | 105 | 99 | 108 |
| संबद्ध देश की पंहुच कीमत | रु./एमटी | 61,063 | 59,528 | 59,846 | 60,783 |
| सूचीबद्ध | प्रवृत्ति | 100.00 | 97.49 | 98.01 | 99.54 |

99. उक्त तालिका से देखा जा सकता है कि यद्यपि 2011-12 से पीओआई तक घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में 100 से 130 की वृद्धि हुई है तथापि उसी अवधि के दौरान उनकी बिक्री कीमत में केवल 100 से 108 की वृद्धि हुई है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग की कीमतें पाटित आयातों के कारण कम हुई हैं क्योंकि घरेलू उद्योग अपनी लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि नहीं कर पाया है।

घरेलू उद्योग के लाभ/हानि के आर्थिक मापदंड

100. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता निम्नांकित तालिका में दी गई है:

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|-----------|-----------|---------|---------|---------|----------------------|
| लाभ/हानि | करोड़ रु. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | (2) | (156) | (187) |
| लाभ/हानि | रु./एमटी | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | (2) | (227) | (313) |

| | | | | | |
|---------------------|-----------|-----|-----|------|------|
| नियोजित पूँजी पर आय | % | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 11 | (4) | (18) |
| नकद लाभ | करोड़ रु. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 36 | (54) | (78) |

101. उक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान भारी गिरावट आई है।

नकद प्रवाह

102. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की प्रवाह की स्थिति पर पाठन के प्रभाव की जाँच करने के लिए नकद लाभ की प्रवृत्ति की जाँच की है। घरेलू उद्योग की नकद लाभ संबंधी सूचना निम्नांकित तालिका में दर्शाई गई है।

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|-----------|-----------|---------|---------|---------|----------------------|
| नकद लाभ | करोड़ रु. | *** | *** | (***) | (***) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 36 | (54) | (78) |

103. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के नकद लाभ में 2012-13 से गिरावट आई है।

मालसूची

104. घरेलू उद्योग की मालसूची की गतिविधि निम्नानुसार रही है:

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|---------------------------------------|----------|---------|---------|---------|----------------------|
| औसत स्टाक | एमटी | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 107 | 99 | 107 |
| विक्री दिवसों की सं. के रूप में स्टाक | सं. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 148 | 156 | 175 |

105.. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में वृद्धि हुई है।

उत्पादकता

106. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता, प्रति दिवस और प्रति कर्मचारी उत्पादकता में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान भारी गिरावट आई है।

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|--------------------------|----------|---------|---------|---------|----------------------|
| प्रति दिवस उत्पादकता | एमटी | *** | *** | *** | *** |
| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 78 | 76 | 72 |
| प्रति कर्मचारी उत्पादकता | एमटी | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 75 | 68 | 70 |

रोजगार और मजदूरी

107. नीचे तालिका से यह देखा जाता है कि रोजगार के स्तर में पीओआई के दौरान आधार वर्ष की तुलना में मामूली कमी हुई है।

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|-----------------------|-----------|---------|---------|---------|----------------------------|
| रोजगार | सं. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 97 | 93 | 90 |
| मजदूरी (करोड़ रु.) | करोड़ रु. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 117 | 134 | 147 |

पाठन की मात्रा

108. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण के रूप में पाठित आयातों की मात्रा के संकेतक के रूप में पाठन की मात्रा दर्शाती है कि संबद्ध देश के संबंध में निर्धारित पाठन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।

वृद्धि

109. प्राधिकारी नीचे तालिका से नोट करते हैं कि उत्पादन, घरेलू विक्री, लाभ/हानि, निवेश पर आय आदि के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि आधार वर्ष में प्राप्त वृद्धि की तुलना में पीओआई के दौरान कम हुई है।

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | पीओआई (जन-दिस. 2014) |
|------------------------|------|---------|---------|----------|-------------------------|
| उत्पादन | % | - | -29% | -13% | -1% |
| घरेलू विक्री की मात्रा | % | - | -25% | -8% | -13% |
| विक्री लागत | % | - | 11% | 5% | 12% |
| विक्री कीमत | % | - | 5% | -6% | 9% |
| प्रति इकाई लाभ/हानि | % | - | -102% | -11333% | -37% |
| नियोजित पूँजी पर आय | % | - | -1.02% | -113.33% | -2.37% |

पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता

110. यह नोट किया जाता है कि देश में संबद्ध वस्तु की भारी मांग के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन क्षमता को ईष्टतम नहीं कर पाया है। इसके अलावा, आवेदक को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाठन के परिणामस्वरूप भारी वित्तीय घाटा उठाना पड़ रहा है। मौजूदा स्थिति में, घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तु के उत्पादन और विक्री के लिए आगे निवेश करना संभव नहीं होगा।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

111. संबद्ध देश और अन्य देशों से आयात कीमतों की जॉन्च, लागत संरचना में बदलाव, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाठित आयातों से इतर कारक जिनसे घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हो सकती है आदि सकारात्मक कीमत कटौती और कम कीमत पर विक्री के प्रभाव दर्शाते हैं। इसके अलावा, संबद्ध वस्तु की मांग में यद्यपि गिरावट की प्रवृत्ति है तथापि वह अब भी भारतीय बाजार में काफी अधिक बनी हुई है। अतः, यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने का कारण नहीं हो सकता है। इस प्रकार, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाठित आयातों का पंहुच सूल्य है।

वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

112. उक्त क्षति विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती और कम कीमत पर विक्री हो रही है। इसके अलावा, यद्यपि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत में वृद्धि होती रही, विक्री कीमत भी बढ़ी परंतु विक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में ही है वृद्धि के अनुपात में नहीं थी। इस प्रकार आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर रहे हैं और ऐसी कीमत वृद्धि को रोक रहे हैं जो अन्यथा पाटित आयातों की गैर मौजूदगी में बढ़ गई होती। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह पाया गया है कि उत्पाद की मांग अब भी भारतीय बाजार में अधिक बनी हुई है परंतु घरेलू उद्योग ईष्टतम स्तर पर कार्य नहीं कर रहा है क्योंकि पाटित आयात मौजूद हैं। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग क्षमता और मांग में वृद्धि के बावजूद अपने बाजार हिस्से को नहीं बढ़ा पाया है जिससे कार्यनिष्पादन संबंधी अन्य मापदंडों पर भी प्रभाव पड़ा है। घरेलू उद्योग को ऐसी स्थिति में अप्रयुक्त क्षमता का सामना करना पड़ा है जब बाजार में उत्पाद की मांग काफी अधिक है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है। नियोजित पूँजी पर आय और नकद लाभ भी लाभ के रूपान के अनुक्रम में रहे हैं। नियोजित पूँजी पर आय और नकद लाभ में पीओआई में नकारात्मक वृद्धि हुई है। उत्पादन, विक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, नकद लाभ, नियोजित पूँजी पर आय, बाजार हिस्से और मालसूची आदि जैसे अधिकांश मापदंडों में वृद्धि घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाती है। उक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

113. वास्तविक क्षति, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी ने कम कीमत पर विक्री, अधोविक्रयण और कीमत निग्रहण एवं अवमंदन प्रभाव, भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक पैरामीटरों की जांच यह देखने के लिए कि क्या पाटित आयातों के अलावा कोई अन्य कारक है जिसने घरेलू उद्योग की क्षति में अपना योगदान दिया हो। तदनुसार, निम्नलिखित मापदंडों की जाँच की है:

- i. **संबद्ध देश से इतर देशों से आयातों की मात्रा और मूल्य** – चीन जन. गण. से इतर देशों से आयात या तो न्यूनतम हैं या उच्चतर कीमत पर हैं। तीसरे देशों से आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है।
- ii. **मांग में संकुचन और खपत के प्रवृत्ति में परिवर्तन** – प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में घटती हुई परंतु भारी मांग के बावजूद, घरेलू उद्योग अप्रयुक्त क्षमता से पीड़ित है। तथापि, बाजार में खपत की प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं दिखा है। अतः मांग और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है।
- iii. **प्रौद्योगिकी में विकास-** किसी भी हितबद्ध पक्ष ने प्रौद्योगिकी में हुए ऐसे किसी बदलाव जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो, का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।
- iv. **व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विभिन्न स्रोतों से आपूर्ति के बीच प्रतिस्पर्धा** – प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु पर भारत में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं लागू नहीं की गई हैं। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धा जो किसी बाजार अर्थव्यवस्था के लिए स्वाभाविक है को छोड़कर, कोई पारस्परिक प्रतिस्पर्धा या विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से आपूर्ति के बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई प्रभाव नहीं है जिससे घरेलू उद्योग के लिए क्षतिकारी माना जाए।
- v. **निर्यात कार्य निष्पादन** - घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन को घरेलू और निर्यात बाजार के लिए पृथक किया गया है। इसलिए, निर्यात कार्यनिष्पादन में कोई संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।

114. पूर्वोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी जाँच परिणाम की पुष्टि करते हैं और उनका निष्कर्ष है कि अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति होने का कोई साक्ष्य नहीं है।

कारणात्मक संबंध सिद्ध करने वाले कारक:-

115. ऊपर बताए गए सभी मापदंड स्पष्ट रूप से सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति अन्य कारकों की वजह से नहीं हुई है। ऐसी स्थिति में, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि निम्नलिखित मापदंड सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों की वजह से हुई है।

- i. चीन से आयात घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग से कम कीमत पर पाटित किये जा रहे हैं।
- ii. विक्री मात्रा में गिरावट से उत्पादन में कमी आई है और परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग कम हुआ है।
- iii. चीन से आयात घरेलू कीमतों में कटौती और कम कीमत पर विक्री कर रहे हैं। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में कीमतों में वृद्धि करने से रोका गया है।

- iv. लागत के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने में घरेलू उद्योग की अक्षमता से लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- v. कीमत कटौती/कम कीमत पर बिक्री के परिणामस्वरूप लाभ में कमी के कारण निवेश पर आय और नकद लाभों में इतनी गिरावट आई है कि ये दोनों जॉच अवधि में ऋणात्मक हो गये हैं। इन मापदंडों में गिरावट चीन जन. गण. से पाटन के कारण आई है।
- vi. आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है। पाटन के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- vii. घरेलू उद्योग की वृद्धि ऋणात्मक हो गई है और घरेलू उद्योग भारी पाटन के कारण बंद होने की कगार पर है। घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

116. इस प्रकार, पूर्वोक्त तथ्यों और विश्लेषण से प्राधिकारी वर्तमान जॉच परिणाम के लिए नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है।

ड. क्षति और क्षति मार्जिन की मात्रा

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए पीसीएन वार क्षतिरहित कीमत को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ।।। के अधीन निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार निर्धारित किया गया है। इस प्रकार निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना जियांगसु चेंगडे स्टील स्टूब शेयर कं. लि., चीन जन. गण. और यांगझू चेंगडे स्टील स्टूब कं. लि. के आयातों के पीसीएन वार पंहुच मूल्य के साथ भारित औसत क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए तुलना की गई है जो निम्नानुसार है:

| विवरण | इकाई | ए-1-5 | ए-1-6 | कुल |
|---------------|-------------|------------|-------|------|
| एनआईपी | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** |
| पंहुच मूल्य | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** |
| क्षति मार्जिन | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** |
| विवरण | इकाई | ए-1-5 | ए-1-6 | कुल |
| क्षति मार्जिन | % | *** | *** | *** |
| क्षति मार्जिन | % रेंज | (ऋणात्मक) | 5-15 | 5-15 |

118. चीन जन. गण. से सभी अन्य निर्यातकों, जिन्हें असहयोगी माना गया है, के संबंध में प्राधिकारी ने निम्नानुसार क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है:

| विवरण | इकाई | ए-1-1 | ए-1-2 | ए-1-3 | ए-1-4 | ए-1-5 | ए-1-6 | ए-1-7 | ए-1-8 | कुल |
|---------------|-------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|------|
| एनआईपी | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| पंहुच मूल्य | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| क्षति मार्जिन | अम.डा./एमटी | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| क्षति मार्जिन | % | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| क्षति मार्जिन | % रेंज | 15-25 | 5-15 | 85-95 | एनए | 0-10 | 0-10 | 25-35 | 10-20 | 5-15 |

ड. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत प्रकटन के बाद का विवरण

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

119. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

- क. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "सीमलेस ट्यूब, लौह, अलॉय अथवा गैर-अलॉय इस्पात (कास्ट आयरन और स्टेनलेस स्टील को छोड़कर) के पाइप व होलो प्रोफाइल, चाहे होट फिनिशड अथवा कोल्ड ड्रान अथवा कोल्ड रोल्ड, जिसका 355.6 मि. मी. या 14" ओडी से अनधिक का एक बाहरी व्यास हो।
- ख. विचाराधीन उत्पाद में हाइड्रो कार्बन उद्योग में प्रयोग होने वाले बॉयलर पाइप अथवा लाइन पाइप और ऑयल एवं गैस अन्वेषण के लिए ड्रिलिंग में प्रयुक्त एक प्रकार की कासिंग और ट्यूबिंग शामिल है। प्राधिकारी द्वारा आरभिक अवस्था में विचाराधीन उत्पाद के दायरे से निम्नलिखित उत्पादों को बाहर किया गया है:
- i. सीमलेस अलॉय स्टील पाइप, ट्यूब और होलो प्रोफाइल, जिसका एएसटीएम ए213/एएसएमई एसए 213 और एएसटीएम ए335/एएसएमई एसए 335 अथवा समान बीआईएस/डीआईएन/बीएस/ईएन अथवा कोई अन्य समान विनिर्देशन हो।
 - ii. गैर-एपीआई और प्रीमियम ज्वाइंट/प्रीमियम कनेक्शन प्रीमियम थ्रेडेड ट्यूब एवं पाइप।
 - iii. सभी 13 क्रोमियम (13 सीआर) ग्रेड ट्यूब एवं पाइप, और
 - iv. ड्रिल कोलर।
- ग. द्वितीयक, दोषपरक, जंगयुक्त और प्रयोग में लाए गए पाइप, एएसटीएम ए335 थ्रेड तथा पी-9 में आयात की मात्रा से बाहर नहीं किया जा सकता क्योंकि वे विचाराधीन उत्पादन के दायरे में आते हैं।
- घ. उच्च दाव के गैस सिलेंडर को निकालना उचित है। इस उत्पाद के लिए वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ हो जाने के बाद इस संबंध में एक नया आवेदन दाखिल करने के लिए घरेलू उद्योग बाध्य हो जाएगा।
- इ. मैसर्स महाराष्ट्र सीमलेस लि. और मैसर्स आईएसएमटी लि. का संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा शामिल है और नियम 2(ख) की अपेक्षा को पूरा करता है।
- च. भारत को सकल मात्रा में निर्यात, घरेलू बाजार में सकल मात्रा में विक्रियों, तथा भारत को निर्यातों के लिए औसतन कीमत जैसी सूचना को गोपनीय होने का दावा नहीं किया गया है। जबकि निर्यातकों/आयातकों द्वारा आधिक्य गोपनीयता का दावा किया गया है लेकिन सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध सूचना को गोपनीय माना गया है।
- छ. पाटनरोधी शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा बल्कि उन्हें इससे एक समान स्तर उपलब्ध होगा।
- ज. हितबद्ध पक्षकारों को एक विशेष रूप में कोई दस्तावेज मांगने की जरूरत नहीं है।
- झ. पेटेन्ट वाले उत्पाद किसी भी तरीके से बिना पेटेन्ट वाले उत्पादों से भिन्न नहीं हैं। पेटेन्ट वाले उत्पाद वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से अदला-बदली किए जा सकते हैं।
- ञ. याचिकाकर्ताओं ने वर्तमान सुरक्षा शुल्क के विस्तार की मांग करने के लिए सुरक्षा प्राधिकारी के समक्ष कोई याचिका नहीं दी है।
- ट. मर्टेक्स और चीन के अन्य निर्यातक वर्ष दर वर्ष बाद पाटित कीमतों में ओएनजीसी को वस्तुओं की आपूर्ति कर रहे हैं जिससे घरेलू उत्पादक ओएनजीसी के लिए आपूर्तिकर्ताओं की सूची से बाहर हो गए हैं।
- ठ. एमएसएल ने अपने प्रत्युत्तर में मर्टेक्स द्वारा विनिर्दिष्ट निविदा की सभी मदों के लिए अर्हता प्राप्त की है। वास्तव में मर्टेक्स सीमा शुल्क के प्रभाव के कारण पर्याप्त मात्रा में आदेशों की आपूर्ति करने में विफल रहा और उन्हें एमएसएल ने ले लिया।
- ड. चीन के पास आधिक्य क्षमता है क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ कनाडा इत्यादि ने पहले ही चीन पर शुल्क लगा दिया है।
- ढ. डीजीसीआई एंड एस से लिए गए आयात संबंधी डेटा वास्तव में गोपनीय सूचना है और ये सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।
- ण. शुल्क को पूर्वव्यापी प्रभाव से लगाया जाना चाहिए। पहले यह अनुरोध घरेलू उद्योग द्वारा किया गया था और यही जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना में किया गया है। प्रतिवादी पक्षकारों ने उसके खिलाफ कोई तर्क नहीं दिए हैं।
- त. मध्यवर्ती अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए। उसे निटको टाइल्स लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी [2006(193) ईएलटी 17 (ट्राई डेल.)] मामले में वैध पाया गया है। विधि एवं न्याय मंत्रालय का भी इस संबंध में वही आधार है। तथापि, माननीय उच्चतम न्यायालय ने सीमा शुल्क आयुक्त, बंगलुरु बनाम जी. एम. एक्सपोर्ट्स एवं अन्य के मामले में इसे विपरीत पाया और यह राय थी कि अन्य हस्ताक्षरकर्ता देशों ने वही दृष्टिकोण लिया कि अंतराल की अवधि के दौरान कोई शुल्क एकत्र नहीं किया जा सका। शीर्ष अदालत, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह पाया कि इस तथ्य पर विचार किए बिना कि भारत में 5 वर्ष की समय अवधि अनंतिम शुल्क लगाने की तारीख से गिनी जाती है।
- थ. चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए।
- द. पाटन मार्जिन की गणना समग्र उत्पाद के लिए की गई है कि न कि किसी विशेष उत्पाद के लिए। पीसीएन ए-1-5 नकारात्मक है, जिसे उस आधार पर बाहर नहीं किया जा सकता। विभिन्न पीसीएन मात्रा एक ही उत्पाद के अलग-अलग प्रकार हैं। याचिकाकर्ताओं का आधार और क्षति विश्वेषण समग्र विचाराधीन उत्पाद के लिए किया गया है। क्षति

विश्वेषण अलग-अलग प्रकार के उत्पादों के लिए नहीं किया गया है। इसकी भारत से यूरोपीय समुदाय कॉटन टाइप बेडन लिनेन के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क के मामले में डब्ल्यूटीए अपील निकाय द्वारा अभिपुष्टि की गई है।

- ध. अध्याय 98 के तहत आयात किए गए हैं, जिनमें कि देय सीमा शुल्क शून्य है। अनेक निर्यातकों ने अध्याय 98 के तहत सामग्री की आपूर्ति की है। एकमात्र निर्यातक, जिसे व्यक्तिगत पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन प्रदान किया गया है, ने भी अध्याय 98 के तहत सामग्री की आपूर्ति की है, तदनुसार, आयात की पहुँच कीमत का निर्धारण सीमा शुल्क को शामिल किए बिना किया जाना अपेक्षित है। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा कठिपय उत्प्रेरकों के मामले में इसी प्रकार की दृष्टिकोण लिया गया था।
- न. उच्चतम न्यायालय ने, जहां यह पाया कि यदि विचाराधीन उत्पाद विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरणों के तहत वर्गीकृत हैं, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रचलित सीमा शुल्कों पर विचार करने के बाद क्षति मार्जिन का निर्धारण करेगा। यदि अध्याय 98 में सीमा शुल्क प्रचलित है, तो सभी क्षति मार्जिन सकारात्मक रहेंगे।
- प. घरेलू उद्योग ने पाटन के परिणाम से सामग्री क्षति का सामना किया है, घरेलू उद्योग की मांग, बाजार अंश, उत्पादन और उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है। अन्य सभी आर्थिक मापदंड क्षति को दर्शाते हैं।
- फ. वर्तमान एनआईपी कानून भी अनुचित पाटित आयातों के खिलाफ संरक्षण चाहने के लिए घरेलू उद्योग के मूलभूत अधिकार के खिलाफ है। गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण काफी अनुपयुक्त है और इससे घरेलू उद्योग को कम संरक्षण मिल रहा है। प्राधिकारी को वास्तविक कञ्च माल और उपयोगी खपत पर विचार करना चाहिए। वास्तविक उत्पादन को नजर अंदाज करना और गैर-क्षतिकारी कीमत के निर्धारण के लिए कोई अन्य उत्पादन आधार अपनाना उपयुक्त नहीं होगा।
- ब. इस प्रकार के शुल्क से वह प्रयोजन सिद्ध होगा जिसके लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है और शुल्क को इस तरह से लगाया जाना चाहिए जहां पर कि वह व्यर्थ न हो सके। वर्तमान मामले में अनंतिम शुल्क वैचमार्क शुल्क के आधार पर लगाया गया था और अंतिम शुल्क लगाते समय उसे अपनाया जाना चाहिए।
- भ. पाटनरोधी के संबंध में डब्ल्यूटीओ के अनुरूप पाटनरोधी कानून बनाया गया है, जिसने अनुरोध किए गए तौर-तरीके से पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए प्राधिकारियों को स्पष्ट अनुमति प्रदान की है।
- म. सूचना प्रदान की गई है, जिसमें यह स्पष्ट तौर पर यह दर्शाया गया है कि कञ्च माल की कीमतों में वृद्धि हुई है (300% तक पकाने के कोयले, 100% तक लौह अयस्क, 30-35% तक इस्पात की कीमतों में वृद्धि) तथा भविष्य में अधिक रहने की संभावना है।
- य. इस प्रकार, यह ऐसा मामला नहीं है, जहां पर कि उत्पादन की लागत में जांच की अवधि के बाद गिरावट आई है, बल्कि कञ्च माल की लागत में हाल ही के समय में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो चीन से कञ्च माल के आपूर्तिकर्ताओं से अपने आप ही स्पष्ट है, जो ऐसी लक्षित कीमतों को काफी अधिक दर्शाते हैं जो जांच की अवधि में थी।
- कक. शुल्क को डॉलर के रूप में लगाया जाना चाहिए ताकि विभिन्न दर में परिवर्तन होने के कारण संरक्षण की मात्रा में वृद्धि से बचा जा सके।
- ख. विचाराधीन उत्पाद इन सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत में निर्यात किए जाने जारी हैं जिनके कारण संबद्ध देश से पाटन हो रहा है।
- गग. वर्तमान जांच की अवधि में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, दोनों महत्वपूर्ण और संबद्ध देश से सकारात्मक हैं।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

- क. उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह किसी भी स्थानीय निर्यातकों द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित नहीं है।
- ख. भारी मात्रा में आयात ऐसी किस्मों के लिए है (12" से कम के व्यास) जो कंपनी की मांग (12.75" व्यास) से भिन्न है।
- ग. दो याचिकाकर्ता, अर्थात महाराष्ट्र सीमेलस लि. और आईएसएमटी लि. इस स्थिति में नहीं हैं कि निगम की घरेलू मांग को पूरा कर सके।
- घ. शुल्क लगाया जाना जनहित के खिलाफ है।
- इ. मर्टेक्स यूके लि. द्वारा निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में प्रस्तुत की गई सूचना को अस्वीकार करना एक त्रुटि थी और सूचना को इस आधार पर अस्वीकार न किया जाए कि मर्टेक्स यूके ने भी निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है और संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने का दावा किया है। निर्यात सौदों में विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों शामिल हैं। संबंधित पक्षकारों ने अभी भी भीटन में वितरित ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए। प्राधिकारी ने पांगेंग ग्रुप पीआरसी और मर्टेक्स यूके को व्यक्तिगत निर्यात कीमत और मार्जिन की अनुमति प्रदान नहीं की है।
- च. यह उचित नहीं है कि प्रस्तुत देश को इस आधार पर अस्वीकार किया जाए। बाद की अवस्था में घरेलू उद्योग द्वारा डीजीएडी को प्रस्तुत किए गए विचाराधीन उत्पाद से संशोधित आयात देश में द्वितीयक और दोषपरक कई संस्थाएं शामिल हैं, जिन्हें विचाराधीन उत्पाद के आयात डेटा से बाहर किया जाना चाहिए।

- छ. ऐसे उत्पादों की एक सूची, जो आयात डेटा में आवेदकों द्वारा शामिल की गई थी, निर्यातकों द्वारा लिखित विवरण दाखिल करने के साथ संलग्न की गई थी। प्राधिकारी को इस आधार पर आवेदन को अस्वीकार कर देना चाहिए था।
- ज. घरेलू उद्योग भ्रम फैलाने और पूर्वाग्रह दर्शने का प्रयास कर रहा है। आवेदकों को सही डेटा में सूचना प्रदान करनी चाहिए थी। निर्यातक प्रश्नावली के साथ प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा स्वीकार करना चाहिए, जिसे व्यक्तिगत पाटन मार्जिन की गणना के लिए प्रयोग में लाया जाना है।
- झ. भरोसेमंद आयात संबंधी आंकड़ों की जांच करते समय द्वितीयक, दोषपरक और जंगयुक्त पाइपों का आयात अलग नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी द्वारा यह विवरण आश्वर्यजनक और निराशाजनक है।
- ञ. प्राधिकारी को आयात संबंधी आंकड़ों और कार्यप्रणाली की सटीकता के बारे में अपने आधार को स्पष्ट करना चाहिए। केवल ऊंची कीमत वाले उत्पादों को ही गैर-विचाराधीन उत्पाद के रूप में पात्र आयात संबंधी आंकड़ों से बाहर किया गया था। घरेलू उद्योग द्वारा संशोधित आयात संबंधी आंकड़े प्रस्तुत करते और आयात संबंधी आंकड़ों से कतिपय संस्थाओं को बाहर करने के लिए कोई कारण प्रदान नहीं किए गए।
- ट. आईएसएमटी के एपीआई प्रमाण-पत्र को निरस्त किया गया है और यह ओएनजीसी द्वारा आमंत्रित निविदाओं में भाग नहीं ले सकता।
- ठ. प्राधिकारी यह विचार करने में विफल रहे हैं कि आवेदकों ने ओएनजीसी द्वारा आमंत्रित की गई निविदाओं में मर्टेंक्स सहित निर्यातकों से कम कीमतों पर बोलियां प्रस्तुत की हैं।
- ड. प्रकटीकरण विवरण के पृष्ठ सं. 6 पर पैरा XIV में और अंतिम जांच परिणाम में अनुरूपी पैरा में हितवद्ध पक्षकारों के नाम का उल्लेख किया जाना चाहिए।
- ढ. निर्यात छूट की ऐसी स्थिति के लिए अतिपूर्ति हेतु प्रतिकारी शुल्क और पाटनरोधी शुल्क लगाने पर प्रतिबंध है। यह कहना गलत होगा कि ऐसे समय में प्रकटीकरण के अनुसार प्रतिकारी शुल्क और पाटनरोधी शुल्क लगाने पर प्रतिबंध है।
- ण. इस मामले में पाटनरोधी नियमावली के नियम 13 और 18 के अनुसार संदर्भ कीमत शुल्क उपयुक्त नहीं होगा, पाटनरोधी शुल्क, पाटन के मार्जिन से अधिक नहीं हो सकता जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के नियम 17 और अधिनियम की धारा 9 के अनुसार निर्धारित किया गया है।
- त. भारत कम शुल्क नियम का अनुसरण करता है और पाटनरोधी शुल्क अपेक्षा से अधिक बसूला गया है। संकलित पाटनरोधी शुल्क की मात्रा किसी निर्यातक के लिए गणना किए गए पाटन मार्जिन से अधिक नहीं हो सकती, क्योंकि पाटन का मार्जिन संकलित किए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क की कुल मात्रा के लिए अधिकतम सीमा के रूप में कार्य करता है। संयुक्त राज्य – शून्यीकरण और निर्णायक समीक्षा से संबंधित उपाय डब्ल्यूटी/डीएम332/एवी/आर द्वारा समर्थित।
- थ. संदर्भ कीमत शुल्क उपयुक्त नहीं है और प्राधिकारी द्वारा विगत पांच वर्षों में ऐसे कई कारणों से अपनाया नहीं गया कि कीमतें निर्मित की जा सकती हैं ताकि पहुँच मूल्य संदर्भ कीमत से अधिक गिरे क्योंकि इसका कारण यही है कि एक नीति के रूप में सरकार संदर्भ कीमत नहीं लगाती क्योंकि इससे राजस्व अर्जित नहीं होता, कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि होती है, पहुँच मूल्य संदर्भ कीमत से अधिक होता है, लेकिन पाटन अभी भी जारी है, यदि कच्चे माल की कीमतें गिरती हैं तो पहुँच मूल्य संदर्भ कीमत से नीचे गिरता है लेकिन संदर्भ कीमत शुल्क चाहे पाटन हो रहा हो, अभी भी लागू रहेगा। संदर्भ कीमत शुल्क केवल ऐसे मामलों में उपयुक्त है, जहां पर कच्चे माल की कीमतें स्थिर हैं।
- द. निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पर कोई विश्वेषण प्रदान करने में और यह सुनिश्चित करने में विफल रहे कि क्यों संदर्भ कीमत शुल्क इस मामले में पर्याप्त था और लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मात्रा अधिकतम सीमा से अधिक न हो।
- ध. निर्दिष्ट प्राधिकारी अधिकतम सीमा प्रदान करे जिससे अधिक पाटनरोधी शुल्क संदर्भ कीमत व्यवस्था में बसूला नहीं जा सकता।
- न. घरेलू उद्योग को अधिक संरक्षण प्रदान करने से बचने के लिए संदर्भ कीमत में सुरक्षा शुल्क को समायोजित किया जाना चाहिए। प्रतिवादी यह प्रस्तुत करते हैं कि संदर्भ कीमत शुल्क ऐसे मामलों में उपयुक्त हैं जहां पर कच्चे माल की कीमतें स्थिर हैं अथवा कच्चे माल की कीमतों में अस्थिर ढंग से परिवर्तित नहीं करती। कच्चे माल की कीमतों पर अस्थिरता भी संबद्ध वस्तुओं की कीमतों पर प्रभाव डालती है। यहां तक कि जब ऐसी वस्तुएं पाटित नहीं की जातीं, तो पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हो सकती हैं। निर्यातक संबद्ध वस्तुओं का अभी भी पाटन कर सकते हैं लेकिन वे उनकी कीमतें पाटनरोधी शुल्क से बचने के लिए संदर्भ कीमत से अधिक रख सकते हैं।
- प. प्रारंभिक जांच परिणामों और अंतिम सीमा शुल्क अधिसूचना के तहत संबद्ध वस्तुओं पर संदर्भ कीमत काफी अधिक है। संदर्भ कीमत जांच की अवधि के दौरान की स्थिति पर आधारित है।
- फ. घरेलू उद्योग को 510 यूएस डॉलर/मी. टन से लेकर 1600 यूएस डॉलर/मी. टन से अधिक संदर्भ कीमत रखकर दो से तीन गुना संरक्षण की पेशकश की गई है। इतना अधिक संरक्षण संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर रोक के अलावा कुछ नहीं है।
- ब. डीजीएडी ने यूएसवी फ्लैश ड्राइवर की जांच में आयात संबंधी आंकड़ों को गोपनीय माना था और अंतिम जांच परिणामों को अपील में चुनौती दी गई थी तथा दिल्ली उच्च न्यायालय ने अंतिम जांच परिणामों को रद्द कर दिया था।

- भ. इतनी ऊंची कीमतें प्रतिवादियों को हानि पहुँचा रही हैं। द्वितीयक, दोषपरक, जंगयुक्त और प्रयोग में लाए जा चुके पाइपों को उत्पाद के दायरे का भाग नहीं माना जा सकता। प्राधिकारी को इसके लिए कारण बताने चाहिए कि क्यों इन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं किया जाना चाहिए।
- म. घरेलू उद्योग ने प्रतिवादी के तर्क को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है और कहा है कि डीजीसीआईएंडएस प्रविष्टि-वार आयात संबंधी आंकड़ों के बिल उपलब्ध नहीं कराता।
- य. घरेलू उद्योग ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष गलत विवरण दिया है कि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े गोपनीय आंकड़े होते हैं, जबकि यह कहना तथ्यात्मक रूप से और कानूनी रूप से सही नहीं है। ऐसी सूचना प्रदान करने में विफलता प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन होगा और माननीय उच्चतम न्यायालय ने भारत संघ बनाम मेघमणि अँगूष्ठिक लि. एवं अन्य के मामले में स्पष्ट रूप से यह पाया है कि डीजीसीआईएंडएस के पास उपलब्ध आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं और सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत भी है।
- कक. इसके अलावा, डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के दावे के लिए उच्चतम न्यायालय ने उपरोक्त मामले में यह पाया है कि क्या डीजीसीआईएंडएस ने डीजीएडी को आंकड़े प्रदान करने के लिए गोपनीयता का दावा किया है, यदि हां तो इस संबंध में पत्राचार कहां है। यदि कोई पत्राचार किया गया है तो उसे हितवद्ध पक्षकारों के लिए सार्वजनिक फाइल में क्यों नहीं रखा गया।
- खख. डीजीसीआईएंडएस के पास आयात संबंधी आंकड़ों, कञ्चे और प्रसंस्कृत आंकड़ों तथा कार्यप्रणाली का दावा करने का कोई अधिकार नहीं है जिससे कि ऐसे आयात संबंधी आंकड़ों को गोपनीय बनाया जा सके।
- गग. यह स्पष्ट है कि डीजीसीआईएंडएस एक पाटनरोधी जांच में एक हितवद्ध पक्षकार है। इस सूचना का सूचना का अधिकार अधिनियम के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है। अतः ऐसा कोई कारण नहीं है कि डीजीसीआईएंडएस गोपनीयता का दावा क्यों करेगा और डीजीएडी को आंकड़े उपलब्ध नहीं कराएगा। यह गैर-तर्कसंगत है कि घरेलू उद्योग की याचिका डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के आधार पर है और यह हितवद्ध पक्षकारों के लिए गोपनीय है।
- घघ. घरेलू उद्योग ने प्रोफार्मा-IV ख, विनिर्माण वस्तुओं की प्रक्रिया, कञ्चे माल तथा पैकेजिंग सामग्री की खपत, फॉर्मेट ख, ग-1 और ग-11, घ, ड, आरओसीई, क्रय नीति, विक्री नीति, प्रक्रिया की गुणवत्ता जांच तथा जांच की अवधि के दौरान विनियम दर के स्रोत को प्रदान करने में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- डड. गणितीय तरीके से यह संभव नहीं है कि सुरक्षा शुल्क को जोड़ने के बाद क्षति मार्जिन सकारात्मक है, क्योंकि 20% सुरक्षा शुल्क 13 अगस्त, 2014 से 12 अगस्त, 2015 (दोनों दिन शामिल हैं) के बीच लागू था। जबकि जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन जांच की अवधि के लिए केवल 5-15% के बीच है। इसका अर्थ यह होता है कि सुरक्षा शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति का सामना करने के लिए पर्याप्त से अधिक था।
- चच. प्राधिकारी कृपया यह स्पष्ट करें कि एनए क्या है, जो पीसीएन के-1-4 के पाटन मार्जिन के सामने लिखा गया है। उसी पीसीएन की कम कीमत की बिक्री के लिए इसे खाली छोड़ा गया है। यदि इस पीसीएन का कोई आयात नहीं हुआ तो इसे विचाराधीन उत्पाद से बाहर किया जाना चाहिए।
- छछ. घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमतें निकालने में 22% आरओसीई प्रदान करना गैर-कानूनी है क्योंकि मानकों के अनुसार, इंडियन स्पिनर एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी 2004 (170) ईएलटी 144 (ट्राई डेल.) मामले को देखते हुए ऐतिहासिक प्रतिफल दर पर विचार करने के लिए हैं।
- जज. जांच के अनुबंध 3 में क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच से असहमत होकर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने न तो प्रतिवादी के अंशों को पूरी तरह से दर्ज किया और न ही प्रकटन विवरण के अनुबंध 3 में इन अंशों को स्वीकार किया।
- झझ. वाईसीएस पीसीएन ए-1-5 पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाए। भारत को पीसीएन ए-1-5 और पीसीएन ए-1-6 के तहत वाईसीएस के नियांतों के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी का निर्धारण किया है। वीसीएस के लिए समग्र पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन नकारात्मक है।
- जब. जेसीएस और वाईसीएस के लिए पीसीएन ए-1-6 के लिए 20-30% के बीच औसतन भारित पाटन मार्जिन है और चीन जन. गण. से असहयोगी नियांतों के लिए यह पीसीएन ए-1-6 के लिए 15-25% की रेंज में है जो कि जेसीएस और वाईसीएस के लिए औसतन भारित पाटन मार्जिन से कम है। यह एक त्रुटि प्रतीत होती है।
- टट. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जेसीएस और वाईसीएस के लिए एक साथ पीसीएन ए-1-6 के लिए 5-15% के बीच भारित औसतम क्षति मार्जिन की गणना करने में त्रुटि की है और चीन जन. गण. से असहयोगी नियांतों के लिए पीसीएन ए-1-6 के लिए 0-10% के बीच गणना की है जो कि जेसीएस और वाईसीएस के लिए भारित औसतन क्षति मार्जिन से कम है।
- ठठ. प्राधिकारी द्वारा बीयरिंग स्टील ट्यूब पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है जो कि पूरी तरह से अनुचित है। न तो घरेलू उद्योग और न ही समर्थक जीसीआर-15 ग्रेड और बीयरिंग स्टील ट्यूब के इसके समकक्ष ग्रेड का निर्माण कर सकते।

- डड. प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है तो किन निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई सूचना के आधार पर नहीं। पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजन के लिए केवल सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत, जो प्रतिवादी निर्यातक द्वारा रखी गई है, के बारे में सूचना ही आवश्यक सूचना की पूर्ति कर सकती है।
- ढढ. प्राधिकारी के पास पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए असंबद्ध संस्थाओं की सूचना का उपयोग करने का विवेकाधिकार है।
- ण. वालिन, एमपीएम, हेंगयांग और जियागांग ने पहले से ही प्राधिकारी को अपनी विक्रियों के माध्यम के बारे में जानकारी प्रदान कर दी है।
- तत. प्राधिकारी को यह पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि उन्हें निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई सूचना पर विचार करना चाहिए।
- थथ. प्राधिकारी यह विचार कर सकते हैं कि व्यापारियों द्वारा किए गए निर्यात में वालिन, एमपीएम, हेंगयांग और जियागांग के कुल निर्यातों का कुछ ही हिस्सा शामिल है।
- दद. प्रश्नावली उत्तर में सूचित किए गए सभी लेन-देन केवल विचाराधीन उत्पाद के लिए हैं।
- धध. निर्यातकों ने प्रश्नावली उत्तर में केवल विचाराधीन उत्पाद की पूरी सूचना प्रदान की थी, जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विशिष्ट प्रविष्टियों पर टिप्पणी न करके अनुचित माना गया था।
- नन. घरेलू उद्योग द्वारा दाखिल किए गए आयात संबंधी आंकड़ों के आधार पर निर्यातक का उत्तर दाखिल किया गया था और उसके लिए गोपनीय होने का दावा किया गया है, जो कि गैर-कानूनी है। प्रकटीकरण विवरण में विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद में वर्गीकृत सूचना और विभिन्न पीसीएन में उसके वर्गीकरण को स्पष्ट रूप से वर्गीकृत नहीं किया है।
- पप. द्वितीयक, दोषपरक, जंगयुक्त पाइपों को याचिका में प्रदान किए गए आयात संबंधी आंकड़ों में दर्शाया गया है। घरेलू उद्योग को डीजीसीआई एंड एस से कञ्चे आंकड़े/सूचना प्रदान करनी चाहिए और उसका समुचित विश्लेषण किया जाना चाहिए।
- फफ. घरेलू उद्योग को आयात संबंधी आंकड़े और इसका कञ्चा रूप प्रदान करना चाहिए और यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसने विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद के रूप में इन्हें कैसे इकट्ठा किया है। डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त किए गए कञ्चे आयात संबंधी आंकड़े कैसे गोपनीय माने गए हैं। इसमें हेरे फेर हो सकता है।
- बब. उच्च दाव गैस सिलेंडर को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण में वाहर किया गया है। लेकिन पाटन क्षति मार्जिन के निर्धारण, क्षति की जांच के लिए प्रयुक्त आयात संबंधी आंकड़ों में उच्च दाव गैस सिलेंडर के आयात शामिल हैं।
- भभ. निर्यातक प्रश्नावली को इस आधार पर अस्वीकार किया गया था कि इसमें विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों शामिल हैं, इसलिए इसी आधार पर याचिका को अस्वीकार किए जाने की जरूरत है।
- मम. घरेलू उद्योग ने संस्थागत क्षमताओं के संबंध में भ्रामक सूचना प्रदान की है। एमएसएल और आईएसएमटी में घरेलू मांग से अधिक अपनी संस्थागत क्षमताओं में वृद्धि की है और इससे घरेलू उद्योग के निष्पादन में कमी आई है।
- यय. याचिका के अगोपनीय अंश में आरोपों की एक तर्कसंगत जानकारी प्रदान नहीं की गई है। सूचना को समुचित रूप से सूचीबद्ध नहीं किया गया है। अन्य पक्षकार वचाव के लिए अपने अधिकार का प्रयोग नहीं करेगा।
- कक. घरेलू उद्योग के अनुचित रूप से क्षति के आरोप के संबंध में सूचना को रखकर उसमें फेरबदल किया है और जांच की अवधि और विगत तीन वर्षों की अवधि में फॉर्मेट के अनुसार उपयोगी सेवाओं की खपत का विवरण, मूल्यहास, वर्ष के दौरान अर्जित विविध आय का व्यौरा, जांच की अवधि से पूर्व और बाद में डब्ल्यूआईपी का व्यौरा, जिसमें सामग्री की लागतों का व्यौरा हो, तथा ओवरहैड, प्रतिफल लाभ के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। याचिकार्ता दस्तावेजों का सार और याचिका के अगोपनीय अंश में सूचीबद्ध आंकड़े प्रदान करें।
- खख. घरेलू उद्योग को आरओसी के संभावित 22% के लिए समुचित स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा गैर-क्षति कीमत अत्यधिक दिखाई गई है और यह वास्तविक स्थिति के आधार पर नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी एसी अवधि के दौरान, जबकि तर्कसंगत प्रतिफल की गणना के लिए आधार के रूप में पाटन का कोई आरोप नहीं था, घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित वास्तविक लाभ को स्वीकार किया जाए।
- गग. शामिल पूंजी के दोनों घटकों पर 22% की समरूपता को स्वीकार करके प्रतिफल की गणना पूरी तरह से गलत है और इसकी समीक्षा करने की जरूरत है।
- घघ. सेस्टेट (सीईएसटीएटी) की यह राय है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह अनिवार्य है कि पाटनरोधी मामले के उत्पादक/निर्यातक द्वारा उठाए गए वर्धित आरओसीई की जांच करे और अपने उचित जांच परिणाम दे कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार 22% तर्कसंगत है। हियोसंग कारपोरेशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी।
- डड. यूरोपीय संघ का यह विचार है कि क्षति जांच में सिद्धांततः जांच की अवधि से 3-4 वर्ष पूर्व की अवधि शामिल होनी चाहिए। तर्कसंगत प्रतिफल प्राप्त करने की लिए विचार किए जाने वाला लाभ मार्जिन लाभ के विश्लेषण के आधार पर होना चाहिए जब कोई पाटन नहीं था और काल्पनिक तौर पर 22% मार्जिन का एक समान उपयोग पूरी तरह से अतर्कसंगत और अनुचित है। ईएफएमए बनाम काउंसिल (1999) ईसीआर-II-3291
- चच. निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का व्यक्तिगत निर्धारण निर्यातक के लिए नहीं किया गया है।

| | |
|------|--|
| छछछ. | उसने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा नहीं किया था। प्राधिकारी को अपनी प्रक्रिया के अनुसार व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया क्योंकि एक एजेंट बाओटोऊ इंटरनेशनल ने उत्तर दाखिल नहीं किया था। |
| जजज. | प्राधिकारी को बाओटोऊ इंटरनेशनल के संबंध में कई स्पष्टीकरण दिए गए थे और प्राधिकारी को यह सूचित किया गया कि यह निर्यातक का केवल एक एजेंट है न कि किसी आयातक अथवा निर्यातक का। लेकिन प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद किसी स्पष्टीकरण की मांग नहीं की थी। |
| झझझ. | लेन-देन की पूरी शृंखला प्रस्तुत की गई है और रिकार्ड पर है। जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का न्यून आयात था और उसने भारत को गैर-विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया था। प्राधिकारी की कार्रवाई में यह निहित है कि समग्र लेन-देन की शृंखला रिकार्ड पर है। |
| जबज. | विचाराधीन उत्पाद का दायरा निर्यातक को सूचित किए विना प्रारंभिक जांच में परिवर्तित किया गया था, जो कि गैर-कानूनी और अनुचित है। विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद को पृथक करने का आधार विचाराधीन उत्पाद के पूर्व में परिभाषित दायरा था। |
| टटट. | बाओटोऊ के लिए अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि मूल जांच प्रारंभन में यथा परिभाषित अथवा प्रारंभिक जांच परिणाम में यथा परिभाषित विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में उनकी ओर से क्या कोई त्रुटि थी। यदि कोई त्रुटि थी तो उसे ठीक करने के लिए कोई अवसर प्रदान नहीं किया गया था। |
| ठठठ. | बाओटोऊ ने केवल एक माह के लिए निर्यात किया गया है और उस व्यक्तिगत निर्यात के लिए कीमत का समायोजना किया जाना है और उसे विना स्थल पुष्टि के किया जा सकता है। |
| डडड. | निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य का निर्धारण करने में कोई पारदर्शिता नहीं है। इसी प्रकार क्षति मार्जिन के लिए भी है। |
| ढढढ. | प्रत्येक पीसीएन के लिए समेकित न्यूनतम कीमतें बाजार मूल्य से काफी अधिक हैं। इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि उसकी गणना कैसे की गई है। |
| णणण. | प्राधिकारी यह स्पष्टीकरण प्रदान कर सकते हैं कि क्या निर्यातक द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के संबंध में कोई कमियां हैं। |
| ततत. | प्राधिकारी के लिए पूर्व प्रभाव से शुल्क लगाना अनुचित है। साथ ही प्राधिकारी इस माह में अंतिम जांच परिमाम प्रकाशित नहीं कर सकते, विशेषकर समग्र जांच पूरी किए विना। प्राधिकारी को बाओटोऊ के संबंध में भी जांच पूरी करनी चाहिए। |
| थथथ. | बाओटोऊ के लिए व्यक्तिगत निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं किया गया है क्योंकि उसने विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद में निर्यात का अल्प नहीं किया गया है लेकिन बाओटोऊ ने कई बार प्राधिकारी यह स्पष्ट किया है कि उसने भारत को गैर-विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। |
| ददद. | सहयोग यूके ट्रेडर ने गैर-विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया हो सकता है और हो सकता है कि उसे ठीक नहीं किया हो लेकिन बाओटोऊ को इसके लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। |
| धधध. | क्षति और कारणात्मक संबंध का विश्लेषण प्रकटन विवरण में इस कारण से ठीक ढंग से नहीं किया गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या उच्च दाव गैस मिलेंडर के आयातों को आयात की मात्रा, द्वितीयक पाइपों, दोषपरक, जंगयुक्त, उपयोग में लाए गए पाइपों के आयातों से बाहर किया गया है और स्टॉक लॉट को आयात की मात्रा से अलग नहीं किया गया है, पीसीएन ए-1-5 को आयात की मात्रा से बाहर नहीं किया गया है। यह स्पष्ट नहीं है कि भारत में मांग का कैसे निर्धारण किया गया है, क्योंकि समर्थक मैसर्स जिंदल सॉलि. और अन्य भारतीय उत्पादकों का उत्पादन और विनाई प्रकटीकरण विवरण में प्रदान नहीं किया गया है। |
| ननन. | प्रकटीकरण विवरण में यह उल्लेख किया गया था कि संबद्ध देश और अन्य देशों से आयात याचिका में और प्रारंभिक जांच परिणाम में कम हुए हैं। लेकिन मांग में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। यह गणना दोषपरक है और उसकी पुनः गणना किए जाने की जरूरत है। |
| पपप. | भारतीय नियम डब्ल्यूटीओ करार के अनुरूप बनाए गए हैं। नियमों के अनुसार, अपार्टिट आयातों की आयात की मात्रा से बाहर किया जाना चाहिए। |
| फफफ. | क्षति का वास्तविक कारण मांग में गिरावट, कच्चे तेल की निकासी में कमी, अधिक्य क्षमताएं और निर्यात में गिरावट का होना है। उद्योग में परस्पर प्रतिस्पर्धा उच्च व्याज लागत में है। |
| बबब. | घरेलू उद्योग को क्षति उपरोक्त कारकों के कारण से है। |
| भभभ. | संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य में 2012-13 से वृद्धि हो रही है। इसी प्रकार से, घरेलू उद्योग की विक्री कीमत भी उसी अवधि में बढ़ी है। संबद्ध वस्तुएं घरेलू उद्योग को उनकी कीमतों में वृद्धि होने से नहीं रोक रही है। |
| ममम. | केवल एक याचिकाकर्ता, आईएसएमटी को हानि का सामना करना पड़ रहा है। अन्य याचिकाकर्ता एमएसएल और समर्थक मैसर्स जिंदल सॉलि. जांच विश्लेषण की अवधि के दौरान लाभ में रहे हैं। |
| ययय. | यह उल्लेख किया जाना है कि आईएसएमटी और जिंदल सॉलि. लि. सुरक्षा संबंधी जांच में याचिकाकर्ता के, जहां पर कि महानिदेशक, सुरक्षा ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों में कथित वृद्धि से दोनों कंपनियों को कोई गहन क्षति नहीं पाई। तथापि, इस मामले में, याचिकाकर्ताओं ने स्थिति रोक दी है और जिंदल सॉलि. की बजाए एमएसएल को याचिकाकर्ता बनाया गया है ताकि सामग्री क्षति की एक बदली गई तस्वीर दिखाई जा सके। यदि जिंदल सॉलि. के आर्थिक मानदंडों |

को भी ध्यान में रखा जाए तो यह पाया जाएगा कि ये तीन उत्पादक संबद्ध वस्तुओं के आयातों से कोई भी क्षति का सामना नहीं कर रहे हैं।

प्राधिकारी की जांच

120. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अधिकांश अनुरोध दोहराए जा रहे हैं और उनका पहले ही प्रकटीकरण विवरण में समाधान कर लिया गया था। इसके अलावा, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध की निम्नलिखित अनुसार जांच की है:
- क. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि उच्च मूल्य के लेन-देन को आयात संबंधी आंकड़ों से बाहर किया गया है। तथापि, यह उल्लेख किया जाता है कि केवल वही लेन-देन, जिनमें विचाराधीन उत्पाद शामिल हैं, प्रकटीकरण विवरण और वर्तमान जांच परिणामों में शामिल किए गए हैं। केवल इस कारण से कि कुछ आयात संबंधी लेन-देन कम कीमत पर हैं क्योंकि उन्हें द्वितीयक अथवा दोषपरक के रूप में उल्लिखित किया गया है, इसका तात्पर्य नहीं है कि ये आयात सौदे विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर किए जाएं। वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का दायरा सीमलेस ट्यूब, पाइप व लौह, अलौंय या गैर-अलौंय स्टील के होलो प्रोफाइल तथा द्वितीयक/दोषपरक पाइप स्पष्ट रूप से सीमलेस ट्यूब, पाइप व लौह, अलौंय या गैर-अलौंय स्टील के होलो प्रोफाइल शामिल हैं। वास्तव में, निर्यातकों अथवा आयातकों के निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से यह नोट किया गया है कि यह दावा/प्रदर्शन नहीं किया गया है कि ये आयात विचाराधीन उत्पाद के लिए विनिर्दिष्ट आवेदकों के अलावा अन्य आवेदकों के लिए हैं। दूसरी ओर याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि द्वितीयक/दोषपरक आयात इसी प्रकार के प्रयोग के लिए किए गए हैं, जिसके लिए एक उपभोक्ता द्वारा सीमलेस पाइप और ट्यूब वस्तुएं खरीदी गई हैं। यह भी नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने कई जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में द्वितीयक/दोषपरक/डाउनग्रेड उत्पाद शामिल किए हैं।
- ख. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने कुछ निविदाओं में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से कम कीमत उद्धृत की है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का यह तर्क है कि 93% खरीद ऑयल इंडिया लि. द्वारा और 99% खरीद ओएनजीसी द्वारा आयातों से पूरी की गई थी और घरेलू उद्योग का यह तर्क निर्यातकों द्वारा काटा नहीं गया है। इसके अलावा, ऐसी स्थिति में, जहां कापी संख्या में उपभोक्ताओं द्वारा एक समय अवधि के दौरान निविदाएं भेजी हैं, यह विल्कुल संभव है कि घरेलू उद्योग ने चीन के उत्पादकों द्वारा पूर्व में दी गई कम कीमत को देखते हुए ऐसी कीमत का उल्लेख किया है। कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि संदर्भ कीमत प्रणाली वर्तमान मामले में उपयुक्त नहीं है और यह नियमों और डब्ल्यूटीओ निर्णयों का उल्लंघन है। इसके अलावा, यह तर्क दिया गया है कि संदर्भ कीमत विभिन्न तथ्यात्मक कारणों से उपयुक्त नहीं है। घरेलू उद्योग ने संदर्भ कीमत के रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाने का उल्लेख किया है। घरेलू उद्योग ने संदर्भ कीमत के रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि संदर्भ कीमत प्रणाली सुस्थापित है और जहां तक इसकी वैधता का संबंध है, यह शुल्क का स्वीकार्य रूप है। माननीय सेस्टेट (सीईएसटीएटी) ने भी फिमोल, पोलियोल आदि सहित अनेक निर्णयों में संदर्भ कीमत प्रणाली पर रोक लगाई है। जहां तक संदर्भ कीमत प्रणाली की उपयुक्तता के तर्क का ऐसी स्थिति में संबंध है, जहां पर कच्ची सामग्री की कीमतें स्थिर हैं, प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि संदर्भ कीमत पूर्व में भी लगाई गई हैं। जैसा कि, फिनोल पोलियो आदि के संबंध में पाटनरोधी मामलों में हुआ है, जहां पर कि कच्चे माल की कीमतें स्थिर हैं। जहां तक जांच की अवधि के वाद कच्चे माल की लागतों में वृद्धि अथवा कटौती की संभावना का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह मामला पूर्व के कई मामलों में सही तरीके से निपटाया जा चुका है। यदि उत्पादन की लागत जांच की अवधि के वाद बढ़ती अथवा घटती है, तो यह नियम 23 के तहत समीक्षा का मामला है। तथापि, जांच की अवधि के वाद कच्चे माल की लागतों में संभव वृद्धि/कमी को शुल्क के रूप पर निर्णय लेने के लिए संगत माना नहीं जा सकता। यह भी उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग ने पर्याप्त साक्ष्य प्रदान किए हैं, जिसमें यह दर्शाया गया है कि कच्चे माल की कीमतें, जो इस समय प्रचलित हैं, वास्तव में कच्ची सामग्री की कीमतों से अधिक हैं जो जांच की अवधि के दौरान प्रचलित थी और संगत साक्ष्य कच्चे माल की लागतों में भावी वृद्धि के सुझाव के रूप में है। उत्पाद की लागत में उस वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग ने संदर्भ कीमत प्रणाली के आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है जिसमें चीन के उत्पादकों द्वारा पाटन में तेजी और सुरक्षा शुल्क का विलय करने का तर्क दिया है। यह भी नोट किया गया है कि रिकार्ड में उपलब्ध यह सूचना क्षति अवधि के दौरान कीमतों में तीव्र गिरावट को दर्शाती है और विशेष रूप से सुरक्षा शुल्क लगाने के बाद। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संदर्भ कीमत प्रणाली की अनुपयुक्तता के संबंध में तर्कों में कोई दम नहीं है।
- घ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि डीजीसीआई एंड एस के सौदे-वार आंकड़ों के लिए गोपनीयता का दावा नहीं किया जाना चाहिए। तथापि, यह नोट किया जाता है कि डीजीसीआई एंड एस के सौदे-वार आंकड़े सार्वजनिक फाइल में रखने के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रदान किए गए हैं। याचिकाकर्ताओं ने केवल विचाराधीन उत्पाद के लिए और विचाराधीन उत्पाद व गैर-विचाराधीन दोनों के लिए पृथक आंकड़े प्रदान किए हैं। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं ने एकसम्म फाइल में सॉफ्ट कॉपी प्रदान की थी और वह सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराई गई थी। वास्तव में, एक हितबद्ध पक्षकार ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा द्वितीयक और दोषपरक उत्पादों की छंटनी की गई सूची की सॉफ्ट

कॉपी प्रदान की है। तथापि, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस सौदे-वार आंकड़े सार्वजनिक फाइल में रखे हैं और उन्हें हितबद्ध पक्षकारों को सार्वजनिक फाइल के माध्यम से उपलब्ध कराया।

- इ. जहां तक 22% आरओसीई प्रदान करने का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी की शामिल पूँजी पर 22% प्रतिफल प्रदान करने की प्रथा रही है। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि यह 22% प्रतिफल वास्तविक उत्पादन लागत नहीं है और यह प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उत्पादन की सामान्य लागत के आधार पर है। इस 22% आरओसीई में घरेलू उद्योग के उत्पादन की वास्तविक लागत के संदर्भ में काफी कम प्रतिशतता शामिल है। वास्तव में घरेलू उद्योग ने कई मामलों में अधिक आरओआई के लिए तर्क दिए हैं। तथापि, प्राधिकारी की निरंतर यह नीति रही है कि एनआईपी के निर्धारण के प्रयोजन से 22% आरओसीई की अनुमति दी जाए। इसके अलावा, यह स्थापित किया गया है कि किस प्रकार से यह आरओआई उपयुक्त नहीं है और ज्यादा नहीं है।
- इ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने अधिक गोपनीयता का दावा किया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने ये सभी सूचना प्रदान कर दी और वर्तमान जांच परिणाम में समुचित और पर्याप्त विचार किया गया है। चूंकि, इस सूचना में घरेलू उद्योग की कारोबार संबंधी संवेदनशील शामिल है, इसलिए उसकी गोपनीयता नियम 7 के तहत संरक्षित है, प्राधिकारी यह सूचना हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं कर सकते। यह उल्लेख किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा अनुमत्य प्रतिफल व्यास से पूर्व केवल *** उत्पादन लागत है और शामिल पूँजी का 22% है।
- इ. जहां तक यूरोपीय संघ द्वारा अपनाई गई प्रथा का संबंध है, प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि यह किसी भी मामले में भारतीय प्रथा से तुलनात्मक नहीं है। यह उल्लेख किया जाता है कि इसी वास्तविक उत्पादन की लागत पर विचार करने के बाद क्षति मार्जिन निर्धारित करते हैं जबकि प्राधिकारी कानून में विनिर्दिष्ट व्यापक एनआईपी कानून का अनुसरण करते हैं। यूरोपीय संघ द्वारा किसी मामले में प्रयुक्त प्रथा प्राधिकारी द्वारा अर्जित हाल के लाभ के निर्धारण के लिए संगत नहीं है। हर हाल में प्राधिकारी द्वारा उत्पादन की वास्तविक लागत पर अनुमत्य आरओआई केवल *** आती है।
- ज. जहां तक पाटनरोधी शुल्कों को पूर्वव्यापी प्रभाव से लगाए जाने का संबंध है, प्राधिकारी ने यह उपयुक्त समझा कि पूर्वव्यापी आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश न की जाए। जहां तक मध्यवर्ती अवधि का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस मामले पर केंद्र सरकार द्वारा निर्णय लिया जाना है। जहां तक निश्चित शुल्क लगाने की गणना करने का संबंध है, यह मामला केंद्र सरकार से संबंधित है।

इ. निष्कर्ष

121. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा मौखिक सुनवाई में व्यक्त विचार और उठाए गए मामलों की जांच के बाद और प्राधिकारी के समक्ष इस जांच परिणाम में दर्ज प्रस्तुत तथ्यों की जांच के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:
- विचाराधीन उत्पाद संबद्ध देश से भारत को सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ।
 - घरेलू उद्योग की संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण काफी क्षति का सामना करना पड़ा।
 - संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण सामग्री की क्षति हुई है।

त. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

122. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की गलत व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई हानि को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में स्वतंत्र और स्वच्छ प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। यह माना जाता है कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से डाउनस्ट्रीम उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्षिक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्धा को पाटनरोधी उपायों द्वारा विशेषकर पाटनरोधी शुल्क को घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति से बचाने के लिए एक आवश्यक राशि तक सीमित रखने पर कम नहीं किया जायेगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन प्रथाओं द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त करना दूर किया जायेगा, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में रुकावट को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक पसंद की उपलब्धता को बनाये रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसीभी तरह से वाधित नहीं होंगे और इसलिए इससे उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

थ. सिफारिश

123. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच प्रारंभ की गई तथा सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसकी सूचना दी गई और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के सभी पहलुओं पर सकारात्मक जानकारी प्रदान कराने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटनरोधी नियमावली में दिए गए उपबंधों के अनुरूप पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंधों की जांच प्रारंभ करके एवं आयोजित करके घरेलू उद्योग के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा इन पाटित आयातों के कारण हुई वास्तविक क्षति की

स्थापना करने के पश्चात प्राधिकारी का विचार है कि पाटन और परिणामी "क्षति" को दूर करने के लिए निर्णयिक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करना अपेक्षित है जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षति दूर हो सके। अतः प्राधिकारी नीचे विहित दण्ड और पद्धति से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं।

124. न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी (पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन से न्यूनतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क, जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षति दूर की जा सके का) निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने करने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर केंद्रीय सरकार द्वारा अनंतिम शुल्क लगाने की अधिसूचना की तारीख से संबद्ध वस्तु के पंहुच मूल्य और निम्नलिखित शुल्क तालिका के कालम 9 में उल्लिखित राशि के अंतर के रूप में देय रक्षोपाय शुल्क, यदि कोई हो, को घटाने/समायोजित करने के बाद, निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, वशर्ते कि पंहुच मूल्य कालम 9 में दर्शाए गए मूल्य से कम हो। इस प्रयोजन के लिए आयातों का पंहुच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1962 के तहत सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8व, 9 और 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्कों के अनुसार आकलनीय होगा।

| क्र.सं. | उप शीर्ष | विवरण | उद्भव का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | निर्यातक | पीसीएन | राशि | इकाई | मुद्रा |
|---------|----------|---|--------------|----------------|--|---|--------|---------|------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 1 | 7304 | लोहे, अलाय या गैर अलाय इस्पात के सीमलैस ठूब्स, पाइप और होलो प्रोफाइल(कास्ट आयरन और स्टेनलेस स्टील से इतर) चाहे 355.6 मिमी. या 14" ओडी* से कम के बाहरी व्यास के हाट फिनिश या कोल्ड ड्रान या कोल्ड रोल्ड हों। | चीन जन. गण. | चीन जन. गण. | जिआग्सू चेंगडे स्टील चेंगडे स्टील ठूब शेरर कं. लि., कं. लि., चीन जन. गण. | चेंगडे स्टील ठूब शेरर कं. लि., कं. लि., चीन जन. गण. | ए-1-1 | 1194.60 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-2 | 1075.28 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-3 | 1383.44 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-4 | 1178.73 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-6 | 1193.77 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-7 | 1462.00 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-8 | 1610.67 | एमटी | अम.डा. |
| 2 | -वही- | -वही- | चीन जन. गण. | चीन जन. गण. | यांगसू चेंगडे स्टील ठूब कं. लि., कं. लि., | यांगसू चेंगडे स्टील ठूब कं. लि., कं. लि., | ए-1-1 | 1194.60 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-2 | 1075.28 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-3 | 1383.44 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-4 | 1178.73 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-6 | 1193.77 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-7 | 1462.00 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-8 | 1610.67 | एमटी | अम.डा. |
| 3 | -वही- | -वही- | चीन जन. गण. | चीन जन. गण. | क्र. सं. 1 और 2 से इतर कोई अन्य संयोजन | क्र. सं. 1 और 2 से इतर कोई अन्य संयोजन | ए-1-1 | 1194.60 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-2 | 1075.28 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-3 | 1383.44 | एमटी | अम.डा. |

| | | | | | | | | | | |
|---|-------|-------|----------------------------|----------------------------|-----|-----|-------|---------|------|--------|
| | | | | | | | ए-1-4 | 1178.73 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-6 | 1193.77 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-7 | 1462.00 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-8 | 1610.67 | एमटी | अम.डा. |
| 4 | -वही- | -वही- | चीन जन. गण. से इतर कोई देश | चीन जन. गण. | कोई | कोई | ए-1-1 | 1194.60 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-2 | 1075.28 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-3 | 1383.44 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-4 | 1178.73 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-6 | 1193.77 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-7 | 1462.00 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-8 | 1610.67 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | | | | |
| 5 | -वही- | -वही- | चीन जन. गण. | चीन जन. गण. से इतर कोई देश | | | ए-1-1 | 1194.60 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-2 | 1075.28 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-3 | 1383.44 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-4 | 1178.73 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-5 | 961.33 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-6 | 1193.77 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-7 | 1462.00 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | ए-1-8 | 1610.67 | एमटी | अम.डा. |
| | | | | | | | | | | |

*वस्तुओं के विवरण में निम्नलिखित का आयात शामिल नहीं है:

- कास्ट आयरन और स्टेनलैस स्टील से निर्मित सीमलैस पाइप और घूब।
- एएसटीएम ए213/एएसएमई एसए 213 और एएसटीएम ए335/एएसएमई एसए 335 या समतुल्य बीआईएस/डीआईएन/बीएस/ईएन या किसी अन्य समतुल्य विनिर्देशन के सीमलैस अलाय स्टील पाइप, घूब और होलो प्रोफाइल।
- नॉन-एपीआई और प्रीमियम ज्वाईट्स/प्रीमियम कनेक्शन्स/ प्रीमियम श्रेडिड घूब्स और पाईप्स, जैसा कि सीमाशुल्क विभाग की दिनांक 17 मार्च, 2012 की अधिसूचना संख्या 12/12012 के अंतर्गत क्रमांक 356 में परिभाषित किया गया है।
- सभी 13 क्रोमियम (13 सीआर) ग्रेड घूब और पाइप

v. ड्रिल कालर

vi. मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित उत्पादकों द्वारा गैस सिलेंडरों के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त उच्च दाव सीमलैस स्टील पाइप/ट्यूब।

**

| पीसीएन | पीयूसी का विवरण |
|--------|--|
| ए-1-1 | तेल और गैस की ड्रिलिंग में प्रयुक्त किए जाने वाले कार्बन/गैर अलाय/अलाय के हाट फिनिश या कोल्ड ड्रान या कोल्ड रोल्ड सीमलैस ट्यूब्स जिनका वाहरी व्यास 355.6 मिमी. या 14" ओडी से कम के हों। |
| ए-1-2 | तेल और गैस की ड्रिलिंग में प्रयुक्त किए जाने वाले कार्बन/गैर अलाय/अलाय के हाट फिनिश या कोल्ड ड्रान या कोल्ड रोल्ड सीमलैस केसिंग जिनका वाहरी व्यास 355.6 मिमी. या 14" ओडी से कम के हों। |
| ए-1-3 | कार्बन/गैर अलाय/अलाय के हाट फिनिश या कोल्ड ड्रान या कोल्ड रोल्ड सीमलैस मदर होलोज, कपलिंग स्टाक, ब्लैंक्स/पप जोड़, जिनका वाहरी व्यास 355.6 मिमी. या 14" ओडी से कम के हों। |
| ए-1-4 | तेल और गैस की ड्रिलिंग में प्रयुक्त किए जाने वाले कार्बन/गैर अलाय के हाट फिनिश सीमलैस ड्रिल पाइप जिनका वाहरी व्यास 355.6 मिमी. या 14" ओडी से कम के हों। |
| ए-1-5 | कार्बन/गैर अलाय स्टील के लाइन पाइप सहित हाट फिनिश सीमलैस ट्यूब, पाइप और होलो प्रोफाइल जिनका वाहरी व्यास 355.6 मिमी. या 14" ओडी से कम के हों। |
| ए-1-6 | कार्बन/गैर अलाय स्टील के लाइन पाइप सहित सर्कुलर क्रास सेक्शन के कोल्ड ड्रान या कोल्ड रोल्ड या कोल्ड रिड्यूस्ड सीमलैस ट्यूब, पाइप और होलो प्रोफाइल जिनका वाहरी व्यास 355.6 मिमी. या 14" ओडी से कम के हों। |
| ए-1-7 | अलाय स्टील के लाइन पाइप और वियरिंग ट्यूब सहित सर्कुलर क्रास सेक्शन के हाट फिनिश सीमलैस ट्यूब, पाइप और होलो प्रोफाइल जिनका वाहरी व्यास 355.6 मिमी. या 14" ओडी से कम के हों। |
| ए-1-8 | अलाय स्टील के लाइन पाइप और वियरिंग ट्यूब सहित सर्कुलर क्रास सेक्शन के कोल्ड ड्रान या कोल्ड रोल्ड या कोल्ड रिड्यूस्ड सीमलैस ट्यूब, पाइप और होलो प्रोफाइल जिनका वाहरी व्यास 355.6 मिमी. या 14" ओडी से कम के हों। |

125. उक्त के अधीन, प्राधिकारी दिनांक 31 मार्च, 2016 के प्रारंभिक जॉन्च परिणामों की पुष्टि करते हैं।

126. केन्द्र सरकार द्वारा इस सिफारिश के आधार पर जारी किए जाने वाले आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

डॉ. इन्दर जीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th December, 2016

Final Findings

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD, originating in or exported from China PR.

No. 14/02/2015-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

2. Whereas M/s ISMT Ltd., and M/s Maharashtra Seamless Ltd., (hereinafter also referred to as the applicants or domestic industry) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the Rules, for initiation of Anti-dumping investigation concerning imports of "Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD" (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country), alleging dumping and consequent injury and requested for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject country.

3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted by the applicant issued a public notice vide Notification No. 14/2/2015-DGAD dated 8th July, 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the sub Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

4. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:

- i. The Designated Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicant on behalf of the domestic industries, alleging dumping of Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel originating in or exported from China PR.
- ii. Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
- iii. The Authority notified the embassy of the subject country in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
- iv. The Authority issued a public notice dated 8th July, 2015 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- v. The Authority sent a copy of the initiation notification to the embassy of the subject country in India, known producers/exporters from the subject country, known importers/users and the domestic industry as well as other domestic producers as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- vi. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
- vii. The embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from China PR.

- viii. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- a. HebeiHongling Seamless Steel Pipes Co., Ltd., China PR
 - b. Jiangsu Huacheng Industry Group Co., Ltd., China PR
 - c. Pangang Group Chengdu Iron And Steel Co. Ltd., China PR
 - d. Suzhou Seamless Steel Tube Works, China PR,
 - e. Tianjin Pipe (Group) Corporation, China PR,
 - f. Wuxi Dexin Steel Tube Co., Ltd., China PR,
 - g. Wuxi Dongwu Pipe Industry Co. Ltd., China PR,
 - h. Xigang Seamless Steel Pipe Company Limited., China PR,
 - i. ZhangjiagangYiyang Pipe Producing Co., Ltd., China PR,
 - j. YantaiLubao Steel Pipe Co., China PR,
 - k. Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Company Ltd., China PR
 - l. Inner Mongolia Baotou Steel Union Co Ltd., China PR,
 - m. Yangzhou Lontrin Steel Tube Co Ltd., China PR,
 - n. Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co.Ltd., China PR,
 - o. Shengli Oil Feld Freet Petroleum Steel Pipe Co Ltd., China PR
 - p. Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co Ltd., China PR,
 - q. Anhui Tioanda Oil Pipe Co Ltd., China PR,
 - r. Changbad Steel Tubes JuangsuChangbao Steel Tube Co Ltd., China PR,
 - s. Mertex UK Ltd, UK.
 - t. Kirtanlal International, Dubai
- ix. The following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire response in the prescribed format:
- a. Tianjin Pipe Manufacturing Co. Ltd., China PR
 - b. Tianjin Pipe International Economic and Trading Corporation, China PR
 - c. Hubei Xinyegang Steel Co., Ltd., China PR
 - d. Yangzhou Chengde Steel Pipe Co., Ltd., China PR,
 - e. Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Ltd., China PR,
 - f. Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd., China PR,
 - g. Hengyang Valin MPM Co. Ltd., China PR,
 - h. Hengyang Steel Tube Group Int'l Trading Inc. Ltd., China PR,
 - i. Jiangsu Valin-Xigang Special Steel Co. Ltd., China PR
 - j. Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR,
 - k. Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR,
 - l. Changzhou Changbao Precision & Special Steel Tube Co. Ltd., China PR,
 - m. Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Energy Co. Ltd., China PR,
 - n. Yangzhou Lontrin Steel Tube Co. Ltd., China PR,
 - o. Shengli Oilfield FREEt Petroleum Steel Pipe Co., Ltd., China PR,
 - p. Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Co., Ltd., China PR
 - q. Inner Mongolia Baotou Steel Union Co., Ltd, China PR
 - r. Mertex UK Limited, UK

- x. None of the producers/exporters from China PR has claimed Market Economy Treatment (MET) rebutting the non-market treatment in the present investigation.
- xi. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- a. Samir Metal & Tubes, Mumbai
 - b. Metallica Metal India, Mumbai
 - c. Northern Steel Traders Pvt. Ltd., Delhi
 - d. Gandhi Special Tubes Ltd, Mimbai
 - e. Bharat Earth Movers Ltd., Kolar, Karnataka
 - f. Marathwada Auto Compo Pvt. Ltd., Aurangabad, Maharashtra
 - g. G.B. Engineering Enterprises Pvt. Ltd., Tiruchirapalli, Tamilnadu
 - h. Endurance Technologies Pvt. Ltd., Aurangabad, Maharashtra
 - i. Kishore VadilalPvt. Ltd., Ahmedabad, Gujarat
 - j. Bharat Enterprises, Mumbai
 - k. Sitson India Pvt. Ltd., Thane, Maharashtra.
 - l. Wipro Ltd., Thumakuntahindupur, Andhra Pradesh.
 - m. Indian Oil Corpn. Ltd., (Refinery Divn.), Mathura, Uttar Pradesh.
 - n. Reliance Industries Limited., Jamnagar, Gujarat
 - o. Shree Shyam Trading Company, Kolkata.
 - p. S.S. Engineers, Pune, Maharashtra
 - q. Hmel, Bhantida, Punjab
 - r. Vinayak Tubes, Pune, Maharashtra.
 - s. RSB Transmissions (I) Ltd., Pune, Maharashtra
 - t. Hi-Tech Engg. Corp. India Pvt. Ltd.(India),Pune, Maharashtra,
 - u. Alstom Projects India Ltd., Durgapur, West Bengal.
 - v. Bharat Petroleum Corporation Ltd., Ambalamugal, Kerala.
 - w. Supreme Steels, Vodadara, Gujarat.
 - x. Industrial Metal Corporation, Mumbai
 - y. Rane (Madras) Ltd., Chhenai.
 - z. Parveen Industries Pvt. Ltd., Mumbai
 - aa. Indian Oil Corporation Ltd. Haldia, West Bengal.
 - bb. Fag Bearings India Ltd.,Navadodara, Gujarat.
 - cc. Technotrack, Ahmednagar, Maharastra
 - dd. Raigad Plastics Pvt Ltd, Raigad, Maharastra.
 - ee. JR Seamless Pvt Ltd, Secundatrabad.
 - ff. Madras Steels & Tubes, Chennai
 - gg. Murugan Steels & Tubes ‘Megh Synergy”, Chennai
 - hh. Maha Fitting Pvt Ltd, Delhi
 - ii. Tubes India, Mumbai
 - jj. Vibhor Steel Tubes, Pvt Ltd, Raigad, maharastra
 - kk. Gajanan Tubes, Mumbai
 - xii. Importer's questionnaire response have been filed by the following:

- a. Micro Industrial Mart, Rohtak, Haryana
 - b. Micro Turners, Haridwar.
 - c. SKF India Limited, Pune.
 - d. FAG Bearings India Limited, Mumbai
 - e. National Engineering Industries Limited, Kolkata
 - f. Rama Cylinders Pvt.Ltd., Mumbai
 - g. Everest Kanto Cylinder Limited, Mumbai
 - h. Cairn India Ltd, Gurgaon, Haryana
- xiii. Initiation notification was sent to the following other domestic producers:
- a. Jindal Saw Ltd, Nasik
 - b. Seamless Ltd, Mumbai
 - c. Remi Metal Gujarat Ltd, Bharuch, Gujarat.
 - d. Bharat Heavy Electricals Ltd, Tiruchirapalli, Tamil Nadu
- xiv. Apart from the respondent exporters, importers, domestic industry and other domestic producers, submissions have been received on behalf of the following parties during the course of this investigation:
- a. Mertex UK Limited
 - b. FAG Bearings India Limited, Mumbai
 - c. National Engineering Industries Limited, Kolkata
 - d. Cairn India Ltd, Gurgaoan, Haryana
 - e. SKF India Limited, Pune
 - f. Micro Turner, Haridwar
 - g. Micro Industrial Mart, Rohtak, Haryana
 - h. Rama Cylinders Pvt. Ltd., Mumbai
 - i. Everest Kanto Cylinder Limited, Mumbai
 - j. Jiangsu Chengde Steel Tubes Share Co Ltd, China PR
 - k. Yangzhou Chengde Steel Pipe Co., Ltd., China PR,
 - l. Seamless Tube Manufacturers Association of India
 - m. Bharat Heavy Electricals Limited
 - n. Heavy Metal & Tubes Ltd
- xv. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xvi. The applicant had furnished transaction-wise imports data from the DGCI&S source and the Authority had relied upon the same *prima facie* for initiating the investigation. Post initiation, the Authority also obtained transaction-wise imports data from the DGCI&S for the past three years, and the period of investigation, and relied upon the same in this finding.
- xvii. The Non-injurious Price (NIP) based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry. Accordingly, the NIP for the domestic industry has been determined as per the following PCNs:

| PCN | Description of PUC |
|------------|--|
| A-1-1 | Seamless Tubing, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non Alloy/ Alloy , hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-2 | Seamless Casing, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non Alloy/ Alloy , hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-3 | Seamless Mother Hollows, Coupling stock, blanks/ Pup Joints, Carbon/ Non Alloy/ Alloy , hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-4 | Seamless Drill Pipes, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non Alloy, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-5 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles including Line pipes of Carbon/Non alloy steel, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-6 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes of Carbon/Non alloy steel, cold drawn or cold rolled or cold reduced of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-7 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes and Bearing tubes of Alloy steel, hot finished, of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| PCN | Description of PUC |
| A-1-8 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes and Bearing tubes of Alloy steel, cold drawn or cold rolled or cold reduced, of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |

- xviii. Verification of the information provided by the applicant domestic industries, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present final findings.
- xix. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is from 1st January, 2014 to 31st December, 2014 (12 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from 2011-12, 2012-13, 2013-14 and the POI.
- xx. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this finding.
- xxi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xxii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xxiii. *** In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiv. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$= Rs 61.59
- xxv. The Authority, having regard to the Act and the AD Rules, recommended imposition of provisional Anti-Dumping duties concerning imports of Seamless Pipes and Tubes originating in or exported from China PR, vide its Preliminary findings Notification No. 14/2/2015-DGAD dated 31st March, 2016. The recommendations made by the Designated Authority were accepted by the Ministry of Finance and interim duties were levied vide notification no. 18/2016-Customs (ADD) dated 17th May, 2016.
- xxvi. The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings;

- xxvii. The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of China PR in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;
- xxviii. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held on 16th June, 2016. All the parties attending the oral hearing were requested to file written submissions by 23rd June 2016 of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals. A number of interested parties attended the hearing.
- xxix. The Authority has again provided opportunity to all interested parties in view of the new Designated Authority to present their views orally in a hearing held on 02nd November, 2016. All the parties attending the oral hearing were requested to file written submissions by 7th Nov 2016 of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals by 11th Nov 2016. A number of interested parties attended the hearing.
- xxx. The arguments made in the written submissions/rejoinders received from the interested parties have been considered. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on dated 25th November, 2016 and comments received on dated 02nd December, 2016, the same have been considered in Final Findings. The interested parties have commented to the disclosure statement and the same have been considered appropriately in this determination.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product under consideration in the present investigation has been defined as “Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14” OD”. The product under consideration includes boiler pipes or line pipes used in hydrocarbon industry and casing and tubing of a kind used in drilling for oil and gas exploration. However, as per the request made by the applicants, the following products have been excluded by the Authority from the scope of product under consideration at the initiation stage:

- i. Seamless alloy-steel pipes, tubes and hollow profiles of specifications of ASTM A213/ASME SA 213 and ASTM A335/ ASME SA 335 or equivalent BIS/DIN/BS/EN or any other equivalent specifications.
- ii. Non - API and Premium Joints / Premium Connections / Premium Threaded Tubes & Pipes.
- iii. All 13 Chromium (13CR) Grade Tubes and Pipes, and
- iv. Drill Collars.

6. Seamless tubes are used where strength, resistance to corrosion, microstructure and product life is very crucial. Casing/tubing are used in extraction of Crude Oil and Gas from sea as well as from earth. Line pipes are used in hydrocarbon and processing industry. Boiler pipes are used in Boilers, Heat Exchangers, Super Heaters and Condensers, and in mechanical, structural and general engineering industry, Railways etc.

7. Seamless Pipes and Tubes are classified under Customs sub-heading No. 73.04 of Chapter 73 of the Customs Tariff Act, 1975. The Customs classification is, however, indicative only and not binding on the scope of the present investigation.

Submissions made by the Domestic industry

8. The submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. The product under consideration in the present investigation has been defined as “Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14” OD”. The product under consideration includes boiler pipes or line pipes used in hydrocarbon industry and casing and tubing of a kind used in drilling for oil and gas exploration.
- ii. The following products have been up front excluded by the applicants from the scope of product under consideration:
 - (a) Seamless alloy-steel pipes, tubes and hollow profiles of specifications of ASTM A213/ASME SA 213 and ASTM A335/ ASME SA 335 or equivalent BIS/ DIN/ BS/EN or any other equivalent specifications. (b) Non - API and Premium Joints / Premium Connections / Premium Threaded Tubes & Pipes.
 - (b) All 13 Chromium (13CR) Grade Tubes and Pipes, and (d) Drill Collars.

- iii. Seamless tubes are used where strength, resistance to corrosion, microstructure and product life is very crucial. Casing/tubing are used in extraction of Crude Oil and Gas from sea as well as from earth. Line pipes are used in hydrocarbon and processing industry. Boiler pipes are used in Boilers, Heat Exchangers, Super Heaters and Condensers, and in mechanical, structural and general engineering industry, Railways etc.
- iv. Seamless Pipes and Tubes are classified under Customs sub-heading No. 73.04 of Chapter 73 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and is not binding on the scope of the present investigation.
- v. Each type of product of seamless pipes has different requirements as per the specification and the Petitioners are capable of producing all types of the PUC.
- vi. Scope of product under consideration has been upheld in the recent safeguards investigation as well as the scope covered there is the same as in this petition except for size range.
- vii. Oil Country Tubular Goods (Casing, Tubing etc.) represents 26% of the total import of seamless pipes & tubes from China PR to India. OCTG cannot be excluded from the scope of PUC. Directorate General of Safeguards has covered OCTG as part of PUC in safeguard investigation. Domestic industry is mainly hit as all tenders floated by ONGC and OIL, the primary users of OCTG in India with an estimated demand of about 200000 MT, have mainly gone in favour of China PR.
- viii. There is no difference in the physical characteristics between SPT and Casings. The chemical and mechanical properties, metallurgy will be different irrespective whether it is SPT or casing as the same are guided by the requirements of the specification.
- ix. The Authority has rightly split the PUC into different PCN based on production process, end use and other technical parameters.
- x. MSL has already produced and supplied PUC of grade C-90, R-95, P-110 and Q-125 and the same, therefore, should not be excluded from the purview of the PUC as demanded by some of the interested parties. MSL has already produced and supplied Drill Pipes and PUC equal to 14". In fact, MSL and ISMT both together manufactures all range of PUC defined in the Initiation Notification.
- xi. MSL & ISMT both taken together are capable of manufacturing all grades and types covered under the scope of PUC including Bearinggrade.
- xii. Cairn India Ltd. has raised an issue of exclusion of patented goods from the scope of anti-dumping duty. Cairn imports Non-API and Premium Joints/ Premium Connections/ Premium Threaded Tubes & Pipes, which are clearly excluded from the scope of investigation.
- xiii. Claims of NEI that imported bearing tubes are not like product is totally incorrect. Bearing Tubes have been separately classified under PCN A1.1.8.
- xiv. ISMT and Jindal Saw are regularly producing and supplying bearing grade and MSL has facility to produce bearing grade, however, not producing due to commercial reasons. MSL have shown during verification that the company in past have produced and sold bearing grade seamless pipe.
- xv. In the Post hearing submissions DI submitted that Seamless Pipes are produced in various grades and specifications like API 5CT, API 5L, ASTM, ASME, DIN, BIS etc for the varied applications. All the grades of seamless pipes and tubes are within the scope of the product under consideration
- xvi. There is no justification for their exclusion of secondary, defective, rusted and used pipes and they are like article.
- xvii. Also bearing tubes should not be excluded just because MSL doesn't manufacture it as one of the domestic producer, ISMT manufactures bearing tubes and can meet the demand of the industry.
- xviii. Grades of excluded patented goods should be described properly.
- xix. High pressure gas cylinder should not be excluded from the scope of PUC. Dumping of high pressure gas cylinder will never be checked if once excluded from the scope and the domestic industry would never be able to produce the product commercially. At best, duty on this product may be suspended till the domestic industry gets license from the concerned Government department to supply for Gas Cylinder.
- xx. Burnished tube is nothing but it is cold drawn seamless tubes as per DIN 2391 ST 52 BKT with coating inside tube. Cold drawn seamless tubes as per DIN 2391 ST 52 BKT is being produced by the industry hence cannot be excluded from the scope.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

9. The submissions made by the exporters, importers, users and other interested parties with regard to product under consideration and like article, and considered relevant by the Authority, are as follows:
 - i. A seamless drill pipe is formed by friction welding of seamless pipe with tool joints on either side. Then it is internally plastic coated. Thus drill pipe is different from the ordinary seam less pipe.
 - ii. The physical and technical characteristics of Oil Country Tubular Goods products are clearly different from other types of Seamless Pipe & Tubes. The production lines for Oil Country Tubular Goods products and that for other types of Seamless Pipe & Tubes are not the same and are not interchangeable.
 - iii. Petitioners are not capable of producing all the higher grades of PUC which are required by ONGC. These higher grades of PUC which are not produced by the Petitioners are C-90, R-95, P-110 and Q-125.

- iv. For size 13-3/8" MSL is the only qualified producer. No other Indian company has qualified for this size. This size was exempted in previous 2 antidumping initiations initiated against the same PUC in the years 2000 and 2010 and also the safeguard investigation conducted for PUC.
- v. The Designated Authority has correctly observed that the domestic industry does not have the mandatory certification from the Chief Controller of Explosives, Petroleum and Explosives Safety Organization to manufacture seamless tubes and pipes for High Pressure Gas Cylinders. Further, if the domestic industry starts manufacturing the aforesaid product that does not mean that such new products can be added to the product scope in the present investigation. At any stage of the investigation, as well as at any later stage, the product scope cannot be enhanced.
- vi. While the Designated Authority has excluded patented premium joints/premium connections/premium threads from the product scope, it is not clear what grades or specifications of such products have been excluded. The Designated Authority should clarify the grades of the patented products that have been excluded from the product scope.
- vii. Designated Authority has put bearing steel tubes in PCNs A-1-7 and A-1-8, where bearing steel tubes have been clubbed with line pipes. However, Line pipes and bearing steel tubes are completely different products and are not substitutable in any respect. Line pipes are used in transportation of oil and gas, while bearing steel tubes are used in manufacturing ball bearings. Further, the metallurgy of line pipes and bearing steel tubes is completely different. PCN should be revised and bearing steel tubes should be separately examined for dumping and injury.
- viii. Import volume of bearing steel tubes is minuscule in demand and imports from the subject country during the POI. Imports of bearing steel tubes during the POI comprise mere 2.49% in imports of the subject goods from China PR. Further, imports of bearing steel tubes during the POI comprise mere 1.09% in demand. Bearing steel grades conforming to SAE 52100, 100 Cr6, EN 31 or other equivalent grades like GCR 15, GCR 15 SK, GCR 15 JN should be excluded from the product scope.
- ix. There is huge variation in the pricing of bearing tubes and other items that are part of the product scope. Bearing steel tubes cannot be clubbed in the product scope as the domestic industry has failed to demonstrate that it is suffering injury in this market segment. The domestic industry never mentioned that imports of bearing steel tubes were causing them injury to them.
- x. Between Petitioners, only ISMT Ltd., manufactures bearing steel tubes. Further, Jindal Saw Ltd., the supporter, also manufactures and supplies bearing steel tubes. The prices offered by Jindal Saw Ltd. are much lower than ISMT Ltd. for bearing steel tubes. Therefore, Jindal Saw Ltd., is causing injury to ISMT Ltd. The domestic industry is unable to manufacture seamless tubes and pipes for high pressure gas cylinders and certain premium patented joints/premium connections/premium threads. Therefore, the domestic industry does not have the requisite standing under Rule 2(b) of the AD Rules to manufacture seamless tubes and pipes for high pressure gas cylinders and certain patented premium joints/premium connections/premium threads.
- xi. The physical and technical characteristics of OCTG products are clearly different from other types of SPT. The production lines for OCTG products and that for other types of SPT are not the same and are not interchangeable. The Petitioners are also not capable of producing all the higher grades of PUC which are required by ONGC. These higher grades of PUC which are not produced by the Petitioners are as follows:
- C-90
 - R-95
 - P-110
 - Q-125
- For size 13-3/8" MSL is the only qualified producer. No other Indian company has qualified for this size. This size was exempted in previous 2 antidumping initiations initiated against the same PUC in the years 2000 and 2010 and also the safeguard investigation conducted for PUC.
- xii. The physical and technical characteristics of OCTG products are different from other types of SPT. The production lines are also not interchangeable. Petitioners are also not capable of producing all the higher grades of PUC viz; C-90, R-95 and P-110. The market prices for OCTG products are very different from other types of SPT. Compared with line pipes, mechanical pipes and boiler pipes, the prices for OCTG products are up to 50% higher than the others. Therefore, OCTG products should be excluded from the purview of the PUC.
- xiii. Product under consideration is vague and too broad. Designated Authority should exclude the following grades which are not produced by the domestic industry:
- Grades SAE 8720 and C-95
 - Boiler Pipes – T91/P91, T5/P5, T9/P9 and boiler pipes having thickness greater than 40 mm
 - Process Pipes – Grade P5 and P9
 - Mother Pipes (Hollows) for cold drawing
 - OCTG products
- a. OCTG meant for making premium connections
- b. High grades like Q 125
- c. Drill pipes
- d. Line pipes grades X65, X70

- e. Line pipes for stringent applications like submarine service that have supplementary technical requirements over and above API standard requirements
- xiv. Welded tubes and seamless tube are interchangeable so welded pipe should not have been excluded from the scope of PUC. It has affected the standing of the DI.
- xv. The import statistics reports imports of secondary pipes, defective, rusted and used pipes which should be excluded while examining the import statistics of product under consideration.
- 10. Following additional submissions made by the domestic industry subsequent to oral hearing held with regard to product under consideration.
- i. Authority has excluded some categories of patented premium joints/ premium connections/ premium threads from the scope of PUC, following descriptions may kindly be considered for the purpose

"Premium joints/ premium connections/ premium threads for the purpose of the present investigations and proposed measures implies Non-API and Premium joints/ Premium Connections/ Premium Threaded Tubes for OCTG application and certified by the Directorate General of Hydrocarbons (DGH) that these Premium joints/ Premium Connections/ Premium Threaded Tubes are required for petroleum operations essential for oil and gas exploration as prescribed under customs notification no. 12/12012 dated 17th March 2012 at serial number 356."

- ii. The scope of the product under consideration specifically excludes some products. Such exclusion does not include imports of secondary pipes, defective, rusted and used pipes. Nor secondary pipes, defective, rusted and used pipes can be considered as different articles. The Designated Authority has in the past several cases not only included defectives, seconds or off grades within the scope of the product under consideration, but also held that no distinction can be claimed on this account in cost of production for the purpose of determination of dumping margin. Domestic industry objects to any such exclusion from the scope of the product under consideration.
- iii. High pressure gas cylinder pipe should not be excluded from the scope of the product under consideration, as the domestic industry is in the process of getting necessary statutory approvals for selling the product in commercial volumes. However, appreciating that the domestic industry is currently not allowed to sell commercial volumes because of statutory approvals, the product type can be excluded from the scope of anti-dumping duty. If this product type is excluded from the scope of product under consideration, it shall imply that the domestic industry would not be prevented from selling commercial volumes of this grade.
- 11. Following additional submissions made by the opposing parties subsequent to oral hearing held with regard to product under consideration.
- i. Domestic industry is not able to supply bearing grade steel tubes conforming to SAE 52100, 100 Cr6, EN 31 or other equivalent grades like GCR 15, GCR 15 SK, GCR 15 JN. They have failed to produce the same despite repeated request from the industry. These should be excluded from the PUC.
- ii. If bearing tubes are not excluded from the scope of PUC it should be examined separately under separate PCN and dumping margin should be determined separately.
- iii. Import price of bearing tube is highest as compare to other product under consideration. Also the import volume is minuscule.
- iv. In other country's investigation bearing tubes were specifically excluded from the scope of PUC.
- v. At the time of preliminary finding MSL misguided the Authority that it has capacity to manufacture bearing tubes
- vi. Seamless Steel Tubes burnished Tube and Seamless Steel Peeled Tubes, both should be excluded from the scope of PUC.
- vii. These are specially designed tubes which are burnished from ID and seamless peeled tubes. These steel tubes are meant only for manufacture of Hydraulic Cylinder.
- viii. Bearing tubes cannot be clubbed in A-1-8 because line pipes and bearing tubes are different goods

- ix. There are number of Panel reports suggest that there should be similarity in chemical or physical characteristics, price comparability. In the present case it is a comparison between apple and oranges. The products are of separate genus.

Examination by the Authority

12. The submissions made by the interested parties with regard to the scope of product under consideration and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- i. The product under consideration in the present investigation is “Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14” OD”. The product under consideration includes boiler pipes or line pipes used in hydrocarbon industry and casing and tubing of a kind used in drilling for oil and gas exploration. However the following products have been excluded from the scope of product under consideration:
- A. Seamless alloy-steel pipes, tubes and hollow profiles of specifications of ASTM A213/ASME SA 213 and ASTM A335/ ASME SA 335 or equivalent BIS/ DIN/ BS/ EN or any other equivalent specifications.
 - B. Non - API and Premium Joints / Premium Connections / Premium Threaded Tubes & Pipes as prescribed under customs notification no. 12/12012 dated 17th March 2012 at serial number 356.
 - C. All 13 Chromium (13CR) Grade Tubes and Pipes, and
 - D. Drill Collars.
- ii. With regard to like article, Rule2(d) of the Anti-dumping Rules provides as under: -
"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;
- iii. The Authority as already confirmed in the preliminary findings that the subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The consumers importing the product under consideration have also purchased the same from the domestic industry. In view of the same, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as domestic like article to the product under consideration imported from subject countries in terms of the Rules.
- iv. As regards the contention that the PUC is too broad and vague, the Authority notes that the PUC has been appropriately defined keeping in view the imports from the subject countries and production and supply position of the domestic industry. Exclusion of any product variety may not be appropriate.
- v. As regards, the submission of certain interested parties to exclude a wide variety of pipes and tubes from the purview of the PUC on the ground that either the domestic industry does not manufacture the same or does not have the capacity to manufacture the same or does not manufacture quality products, the Authority notes that the domestic industry has the required plant and machinery for manufacturing all the varieties of the PUC. Therefore, exclusion of any variety of PUC from the purview of the PUC, other than those which have specifically been excluded from the purview of the PUC, may not be appropriate.
- vi. Domestic industry has provided supportive evidence that they have technology to manufacture and supply such grades like ASTM A335 Gr. and P-91, which are higher than Grades SAE 8720, C-95, Boiler Pipes – T91/ P91/, T5/ P5, T9/ P9 and boiler pipes having thickness greater than 40mm, Process Pipes – Grade P5 and P9, Mother Pipes (Hollows) for cold drawing, being demanded for exclusion from the purview of the PUC. Thus Authority did not find appropriate to exclude from the scope of the product under consideration.
- vii. Domestic industry has also submitted evidence of manufacture and supply of the following OCTG products:
- a. OCTG meant for making premium connections
 - b. High grades like Q-125.
 - c. Drill Pipes
 - d. Line Pipes grades X65, X70.

- viii. Line pipes for stringent applications like submarine service that have supplementary technical requirements over and above API standard requirements.
- ix. However, the domestic industry could not demonstrate with documentary evidence production and supply of seamless tubes and pipes for High Pressure Gas Cylinders. During the verification of DGAD officials, the documents have been shown that the product has been sent for certification by the Concerned Government Department. Although the domestic industry have the capacity to manufacture seamless tubes and pipes for High Pressure Gas Cylinders and supplied the same for prototypes, they do not have the mandatory certification to manufacture and supply the same.
- x. Since the domestic industry could not substantiate with the copy of certification with regard to high pressure gas cylinder seamless tubes, Authority find appropriate to exclude this product from the scope of the product under consideration in this investigation.
- xi. As regards the contention that the import statistics reports imports of secondary pipes, defective, rusted and used pipes which should be excluded while examining the import statistics of product under consideration, the Authority notes that such products are the part of PUC and cannot be excluded while examining the relied upon imports data.
- xii. As regards the contention that the scope and purpose of anti-dumping / subsidy investigation is different to safeguard investigations and therefore the scope of PUC in safeguard investigation cannot be adopted in anti-dumping investigation, the Authority notes that the purpose and scope of anti-dumping and safeguard investigations are broadly the same i.e. to provide level playing field to the domestic industry vis-à-vis imported goods. Safeguard duty is imposed on goods which enter in increased quantities and cause or threaten to cause serious injury to domestic industry producing like or directly competitive goods. Antidumping duty is imposed on the dumped imported goods and dumping is said to occur when the goods are exported by a country to another country at a price lower than its normal value.
- xiii. As regards the contention that the patented goods and other subcategory excluded from the scope of PUC by DG, Safeguards should also be excluded in the present investigation, the Authority notes that patented goods and other sub category cannot be excluded from the scope of PUC as long as are technically and commercially substitutable with the domestic like goods and any such exclusion will lead to circumvention. However, some categories of patented premium joints/premium connections/ premium threads have already been excluded from the scope of PUC as prescribed under customs notification no. 12/12012 dated 17th March 2012 at serial number 356.

With regard to bearing tubes, the interested party has also submitted that only ISMT and Jindal Saw produce bearing tubes. Thus, Bearing tube should be taken out from the product under consideration as it is not produced by the domestic industry. Authority notes that the anti-dumping rules does not prescribe that all the grades/types to be produced by all constituents of the domestic industry.

- (i) The authority has proposed imposition of anti-dumping duties only on those product types only for which like article has been offered by the domestic industry. In fact, authority has proposed exclusion of a number of product types which is not the part of the PUC.
- (ii) The authority notes that volume of production by the domestic industry for a particular product type is not relevant in deciding the scope of PUC. However, the authority can consider exclusion of a product type provided the domestic industry has neither produced nor supplied the PUC and not a like article.
- (iii) A number of parties reiterated their submissions regarding inclusion of seconds in PUC. The authority notes that scope of PUC clearly included seconds and defective at the stage of initiation itself. The petition filed by the domestic industry clearly included a number of import transactions pertaining to imports of seconds and defectives. None of interested parties have demonstrated how seconds and defectives do not constitute PUC. Merely because a product has been sold as seconds or defectives, the same does not imply that it does not constitute PUC. It is also noted in this regard that the authority has consistently held that the mere difference in quality is immaterial to decide the scope of PUC. It is also noted that none of the interested parties have provided any reasons why imports of seconds/defectives should be treated as product not under consideration and should be excluded from the scope of the PUC.
- (iv) As regards PCN A-1-4, where the authority has stated "NA", it is clarified that there is no import of this particular product type during the POI. A-1-4 is "Seamless Drill Pipes, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non Alloy, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD and therefore clearly constitutes one of the types of PUC. Seamless Drill Pipes is a kind of seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel. Further, there is import of this particular type over the injury period and this particular type has been produced and supplied by the domestic industry. The authority notes in this regard that only those product

types which have been imported in POI and like article of which have not been offered by the domestic industry can be excluded from the scope of PUC. Product type not imported in the POI cannot be considered for exclusion. A-1-4 has not been imported in the POI and therefore cannot be excluded.

- (v) Some interested parties contended that the scope of PUC has been altered at the stage of preliminary findings. It is, however noted that the scope of PUC at the most has been restricted/reduced in the preliminary findings. The scope of the PUC has not been enhanced after initiation of investigations. Restricting scope of PUC at the stage of preliminary findings in any case does not prevent any party from providing relevant information in the form and manner prescribed. Had a party provided all relevant information to the authority, it was merely a question of eliminating imports of some product types which have been excluded from the scope of PUC at the stage of preliminary findings.
- (vi) The domestic industry has reiterated written submissions with regard to inclusion of high pressure gas cylinders. The authority however notes that it has consistent practice of excluding a product type in case it is established at the particular type has not been produced and supplied by the domestic industry. The authority therefore does not consider it appropriate to include the product type within the scope of PUC and exclude the same from the scope of proposed measures.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions made by the Domestic industry

13. The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. MSL and ISMT jointly represent 63% of the domestic production of the subject goods in India. The petition is supported by Jindal Saw which has a 29% share of the domestic production. Thus, the applicants along with supporters constitute 92% of the domestic production.
- ii. While Quality Group is a manufacturer of stainless steel seamless pipes which are excluded from scope of PUC, the others are processors of seamless pipes and not producers of seamless pipes as such. They procure hot finished seamless pipes and work upon the same.
- iii. None of the alleged domestic producers, except Oil Country Tubular, were considered as eligible bidders in tenders of ONGC and OIL for the PUC. This also shows that these producers are not producing the PUC in India.
- iv. The position of the 10 other alleged domestic producers of the subject goods in India is as follows:

| Company | Status |
|--|--|
| 1. Sainest Tubes Pvt. Ltd. 2. Mahalaxmi Seamless Ltd. 3. Patels Airflow Ltd. | They are cold rolling/cold reducing processors only and not Seamless pipe manufacturers. Their basic input raw material is hot finished seamless mother hollows/ pipes which is the PUC. Hence they cannot be termed as producer of subject goods in India. |
| 4. Quality Group | Quality Group is a manufacturer of Stainless Steel seamless pipes (excluded from PUC). |
| 5. Oil Country Tubular Ltd. | Oil Country Tubular Ltd. is a processor of seamless pipes and not a seamless pipe manufacturer. Their basic input is hot finished seamless mother hollows/ pipes which is the PUC and which they process further into a finished Seamless pipe. Hence cannot be termed as producer of the subject goods in India. |
| 6. Bhatia Steel Tubes | Bhatia Steel tubes is a Manufacturer of ERW pipes with a negligible capacity for cold rolling of seamless pipes. Their basic input material is hot finished seamless/ mother hollows pipes which is the PUC and which they process further into a cold reduced/ Cold finished Seamless pipe. Hence they cannot be termed as producer of subject goods in India www.bhatiatubes.com |
| 7. Shubhalaxmi Metals & Tubes | Shubhalaxmi Metals & Tubes Pvt. Ltd. is a manufacturer of Stainless Steel |

| | |
|-----------------------------------|--|
| Pvt. Ltd. | seamless pipes. The same is excluded from PUC. |
| 8. Shree Sai Tubes Pvt. Ltd. | Shree Sai Tubes Pvt. Ltd. is engaged in the trading of ERW Tubes, Cold Drawn Welded (CDW) Tubes, Pre- Galvanized Tubes, Hot Dip Galvanized Tubes, Air- Pre-heater Tubes, Heat Exchanger, Condenser, and Boiler Tubes and Cold Rolled Open Profiles. These products are not covered under Product under Investigation. Hence they cannot be termed as producer of subject goods in India. |
| 9. Heavy Metal & Tube Ltd. | Heavy Metal & Tube Ltd. is mainly producing cold drawn seamless tubes in alloy steel specs. ASTM/ASME A/SA-213 and ASTM/ ASME A/SA 335. The same are excluded from product under investigation. |
| 10. Ratnamani Metals & Tubes Ltd. | Ratnamani Metals & Tubes Ltd. is producing ERW, SAW and Stainless steel pipes. These products are excluded from scope of investigation. Hence the cannot be termed as producer of subject goods in India |

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

14. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. Petitioners do not have the locus to maintain the present Petition. The petitioners do not qualify as ‘producers as a whole’ in terms of Rule 2 (b) of Anti-dumping Rules as almost ten other producers, as per the list given below, are manufacturing PUC, but not included in the purview of the domestic industry.

| S.No. | Company Name |
|-------|------------------------------------|
| 1 | Sainest Tubes Pvt Ltd |
| 2 | Qualitiy Group |
| 3 | Mahalaxmi Seamless Limited |
| 4 | Oil Country Tubular Limited |
| 5 | Patels Airflow Limited |
| 6 | Bhatia Steel Tubes |
| 7 | Shubhalaxmi Metals & Tubes Pvt Ltd |
| 8 | Shree Sai Tubes Pvt Ltd |
| 9 | Heavy Metal & Tube Limited |
| 10 | Ratnamani Metals & Tubes Limited |

- ii. The petitioners have concealed material facts from the authority and the investigation has been initiated based on incorrect and false information and without proper determination under the provision of Rules 5 (3) with regards to accuracy and adequacy of the evidence presented by the petitioners.
- iii. In the Post hearing submissions it was submitted that MSL is not producer of bearing tubes neither from the customer’s point of view nor from the producer’s point of view.
- iv. The Applicants do not satisfy the requirement of representing a “major proportion” of the domestic industry and therefore have no standing as domestic industry.
15. Opposing interested parties made following additional submissions subsequent to second oral hearing held.
- i]. ISMT and MSL both have imported raw materials in substantial qualities so they should not be treated as DI.

Examination by the Authority

16. The various submissions made by the interested parties with regard to the scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- i. Authority notes that Rule 2(b) provides as follows

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

- ii. The Application has been jointly filed by M/s Maharashtra Seamless Ltd and M/s ISMT Limited on behalf of the domestic industry. The application is supported by Jindal Saw Limited, a producer of subject goods. Bharat Heavy Electrical Limited (BHEL) and Remi Metals Ltd are the other known producers of the subject goods in India. The applicants alone constitute 62% of the total domestic production and along with Jindal Saw Limited, they constitute 92% of the total domestic production.
- iii. As per the Anti-dumping Rules, the Authority is required to examine whether (a) domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty five percent of the total production of the like article by the domestic industry; and (b) the application is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application. The applicants themselves constitute 62% of the total domestic production and further support or opposition by any other eligible domestic producer is immaterial for the present investigation.
- iv. The applicants have also declared that they have neither imported the product under consideration, nor any of their related parties in India have imported the product during the POI. It has been further declared that the applicants are not related to any of the importers of the subject goods in India or exporters of the subject goods from the subject countries.
- v. The other alleged domestic producers, as stated by the domestic industry, are either processors of subject goods or are producers of stainless steel seamless pipes and tubes, which are beyond the purview of the present investigation.
- vi. There is no requirement that each of the constituent of domestic industry should produce each type of the product under consideration for which ADD has been sought. In fact, it is quite common in a situation where a product involves a large number of different product types and a number of different producers are involved, different producers tend to produce different types and it may not be a situation that all the producers produce all the types. Authority notes that ISMT and Jindal Saw produces bearing tubes on which anti-dumping duty has been sought.
- vii. As regards cancellation of API certificate of ISMT, the issue is irrelevant to the authority for the present purposes, as the other petitioning company has produced and supplied the product and there is no claim that their API certificate has also been rejected. It has not been established that other petitioning company’s (MSL) product is not acceptable for the intended application. The authority notes that in a situation where domestic industry comprises of more than one producer, it is not necessary that every constituent of the domestic industry should produce and supply every kind of PUC. In fact, in a situation where there are a large number of producers producing and selling a product produced and sold in a large number of different types or variants, it is quite natural that different producers focus on different types of the product.
- viii. In the light of the detailed examination made above, the Authority holds that M/s Maharashtra Seamless Ltd. and M/s ISMT Ltd. account for a major proportion of the total domestic production of the subject goods during the POI and constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti- dumping Rules.

D. **CONFIDENTIALITY**

Submissions made by the Domestic industry

17. The submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The petitioner has claimed only such information as confidential, confidentiality of which has been permitted under the rules and as per consistent practice of the Authority.

- ii. The petitioner has provided sufficient non confidential version of the application. No interested party has been able to point out any specific instance of information which has been claimed confidential and confidentiality of which is not justified under the rules.
- iii. Information such as gross volume of exports to India, gross volume of sales in domestic market, production, sales, average price for exports to India have not been claimed confidential.
- iv. Most of the exporters have not even provided indexed information even when information is capable of being summarized in an indexed form.
- v. In the Post hearing submissions it was submitted that Excessive confidentiality is claimed by all the interested parties and a lot of information, which is available in public domain, has been treated as confidential.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

18. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:

- I. The Applicant have resorted to excessive claim of confidentiality without offering meaningful non-confidential summaries of the critical information concerning the net selling price, price undercutting, production volume, domestic sales volume, export sales volume etc.
- II. All evidences that the domestic industry has provided to the Designated Authority to demonstrate that they manufacture the range of products should be placed in the public file.
- III. Raw and refined import statistics have not been provided to respondents. The Authority should provide raw and refined import statistics in MS Excel format so that interested parties including the Respondents could examine the correctness of the import data. Further there is no clarity on how the Petitioners have sorted the raw import statistics to arrive at the import volume of the subject goods. Further, Petitioners should clarify how they have determined thickness of subject goods for each transaction and arrived at the import volume.
- IV. Designated Authority should disclose PCN-wise landed value as the same cannot be kept confidential.
- V. The Producer/Exporter's responses have been rejected on the basis of import data filed by Domestic Industry, but the said import data has been treated as confidential and not shared with other interested parties. Information data procured from a private source as IBIS cannot be treated as confidential.
- VI. Non-confidential version of Petition provided to us does not clarify how raw data/information has been classified into PUC & Non-PUC and which are the products excluded from the raw data to arrive at PUC and its classification into various PCN.
- VII. Domestic Industry must provide import data in its raw form sourced from DGCI&S and must explain how Domestic Industry has segregated the import data in respect of the PUC and non PUC from the raw data.
- VIII. The non-confidential information supplied by the respondents during the course of the present investigation is sufficiently detailed to permit understanding of the confidential information filed by them. The Designated Authority has not issued any letter to the Respondents till date stating that the non-confidential information supplied by the Respondents does not meet the legal requirement. Thus, the domestic industry has no locus to question the sufficiency of non-confidential versions of the information supplied by the Respondents.
- IX. Confidential information is defined as information the disclosure of which is likely to have a significantly adverse effect on the supplier or the source of such information. It is implicit in this definition that information will not be confidential if it is in the public domain. It should be noted that the information is defined as confidential by reference to its effect on its supplier or its source and not by reference to its usefulness to other parties.
- X. Petitioners have exercised excessive confidentiality by not providing information in non-confidential format on several parameters. No supporting evidence is also given for adjustments in net export price.
- XI. Petitioners have resorted to a methodology convenient to them and literally restricted the interested parties from gauging the factual position with regard to alleged injury/liability.
- XII. Petitioners claimed costing information as "Business proprietary information not amendable to summarization" and no related information provided. Costing and price information as provided by the domestic industry don't

permit any reasonable understanding of such due to wide range of products in PUC which significantly vary in terms of cost and price.

- XIII. In the Post hearing submissions it was submitted that DI has claimed confidentiality even in the matter which is not business sensitive.

Examination by the Authority

19. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

20. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.

21. As regards claims of confidentiality, the confidentiality claims of all the interested parties were examined by the authority. The authority has considered only such information to be treated as confidential, confidentiality of which has been relevant under the rules and which are being permitted as confidential information as per the practice generally being applied by the authority.

E. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submissions made by the Domestic industry

22. The miscellaneous submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. Comments of National Engineering Industries Ltd. that requisite information in prescribed format has not been furnished by the applicants are factually incorrect. The Applicants have provided complete information in the form and manner as and when sought by the Authority.
- ii. Safeguards duty has been imposed after detailed investigation by DG Safeguards, Government of India. After imposition of Safeguard duty Chinese exporters have reduced their prices to such an extent that the Export Price charged by Chinese Exporters does not even cover the bare cost of raw materials. Therefore, it was necessary for the Petitioners to approach the Government for removal of adverse impact of unfair practice of dumping practiced by Chinese exporters.
- iii. ISMT, as a manufacturer, has the right and the reason to submit bids for whatever it wants based on considerations specific to its business strategy and it cannot and should not be attributed to ‘incapacity’.
- iv. Mertex and the Chinese suppliers have adopted a strategy of supplying ONGC at dumped prices year after year and ensuring that the domestic suppliers cease to qualify for bidding. Resultantly, the domestic industry has failed to bid in the tenders floated by ONGC. It is ironical that after supplying huge quantities in the past, ISMT has ceased to qualify and Mertex claims it is because of lack of experience.
- v. Substantial quantity of the orders was for supplies into Non Petroleum Exploration License/ Mining Lease area where Mertex had to be evaluated with full customs duty (approx 25%). Due to impact of Customs Duty Mertex was not successful in getting the orders. Instead, MSL got these orders, otherwise proving its capacity to supply

P-110 and C-95 casings. MSL, the co-petitioner has qualified for all items in all the tenders indicated by Mertex in its response. The domestic industry is qualifying technical bids of the consumers.

- vi. China is facing slow down, resulting into huge surplus capacities. It is important to mention that countries like USA, EU and Canada etc. have already imposed anti-dumping duty and other measures in respect of exports from China PR to safeguard interests of their domestic industry.
- vii. In the post hearing submission made by the DI that the raw import data sourced from DGCI&S is indeed confidential information. DGCI&S does not publically make available bill of entry wise import data. The DGCI&S only provides month wise, country wise import data at 8 digit level. This is described by DGCI&S as transactions level data. This, however, cannot be construed as bill of entry wise data, which is largely understood by DGAD as transaction wise data. Month wise country wise data and bill of entry wise data are two information which are poles apart. The domestic industry has already made available bill of entry wise import data.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

23. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to miscellaneous issues during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:

- I. There are several deficiencies in the petition filed by the domestic industry. The petition does not satisfy the adequacy and accuracy standards under Rule 5(3)(b) of AD Rules.
- II. The intent of the applicant is to unfairly curb imports and monopolize domestic market.
- III. Applicants are manufacturing substandard products which fail to meet the requirements of ONGC and others. While bidding for tenders floated by ONGC and others, applicants have stood disqualified at certain times.
- IV. During the POI, all the export transactions to India by Mertex were accomplished through Tender Bidding Contract issued through International Competitive Bidding Process (ICB). The consequences of Bidding Sales were obvious that the most competitive prices were selected and therefore such prices cannot be called as dumping.
- V. The price determination for any given product for which tenders / offers are invited through an ICB process is dictated by the logic of competing price bids being offered by suppliers through sealed tenders. The prospective suppliers file their respective price bids on the basis of their own costing and reasonable margins and the authority inviting the tenders accepts the lowest price (called the ‘L1 price’). This is a methodology which is designed to drive prices down by inducing the bidders to quote their lowest price without knowing the prices of the other bidders.
- VI. Thus, the ICB process caters to the interest of the buyer and establishes what may be called a “buyer’s market” in which a buyer like ONGC occupies the position of a monopolistic buyer who is able to extract the lowest/best price from prospective bidders. Thus, ONGC uses the ICB methodology to get the best price and the successful bidder is one who in such a market offers the lowest among the competing price bids. In such a market, the bidders are driven by the buyer to offer the lowest price.
- VII. The supply and export of PUC for consumers like ONGC and the volumes are driven by the demand for the subject goods by ONGC only. While analysing price movement and behaviour in the Indian market, the use of Bidding Contract price has to be taken into account as a base to allege pricing differences.
- VIII. The overseas suppliers and the domestic producers do not really enjoy much discretion to fix their prices in an open competitive system, but are primarily impelled by the buyer to offer low prices independently of any pricing policy that may be pursued by the suppliers in a free market. In a sense, the very logic of the ICB process creates or invites dumping of goods into such a market which ONGC and such monopolistic end-users work to their advantage. Therefore, the supply and export product for consumers like ONGC and the volumes are driven by the demand for the subject goods by ONGC only.
- IX. Designated Authority inappropriately recommended and Central Government imposed provisional anti-dumping duty on reference price basis when the raw material prices for the subject goods are volatile. It is submitted that reference price duty is appropriate only in those cases where the raw material prices are stable or raw material prices do not fluctuate in a volatile manner.

- X. Designated Authority has failed to take into account 20% safeguard duty in the landed value, which has been imposed by the Ministry of Finance on the subject goods vide Notification No. 02 /2014-Customs (SG) dated 13 August 2014. If safeguard duty is taken into account, price undercutting would be almost nil and price underselling would be much lower than what is stated in the preliminary findings. Further, because of imposition of reference price anti-dumping duty, in the presence of safeguard duty, amounts to double protection to the domestic industry.
- XI. Designated Authority has overlooked adjustment for safeguard duty, which is in force on the subject goods, in the recommended reference price duty. As a result of this, the domestic industry is availing double protection.
- XII. There is no locus for the domestic industry to now come before the Designated Authority and request for imposition of anti-dumping duty as well when safeguard duty is already in force. The domestic industry should establish that despite existence of safeguard duty on imports from all sources it is still facing injury due to alleged dumped imports from China PR.
- XIII. Considering that the Authority has excluded certain products from the scope of subject goods, the figures concerning the import volumes from subject country as relied upon in the preliminary findings should have been lower than the import figures as given in the application filed by the Domestic Industry. However, the 2 figures seem to be same and the Authority (despite the exclusion) has used the same import figures as given in the Domestic Industry's application. Hence, the import figures as given in the preliminary findings are to that extent incorrect and accordingly, the much of injury analysis done by the Authority is erroneous and merits revision.
- XIV. Relief may be considered for Power Equipment manufacturers as a whole, as a step towards containing the cost of power generation for development of country's economy.
- XV. There is no history of dumping of subject goods from the subject country as claimed by the domestic industry. Anti-dumping duty was never levied on China PR.
- XVI. PCN system has not been appropriately devised as bearing steel tubes have been wrongly clubbed with line pipes in PCNs A-1-7 and A-1-8. The domestic industry has admitted during the public hearing that bearing steel tubes and line pipes are not comparable items. In view of the same, PCN system should be revised.
- XVII. It is not clear how the Petitioners have determined import volume. Though the Petitioners have clarified that they have used outer diameter as given in an item's description, but the Petitioners have not clarified whether the same item description also mentioned thickness or not. The Petitioners should clarify how they have determined thickness of subject goods for each transaction and arrived at the import volume.
- XVIII. Designated Authority should reduce import volumes after exclusion of secondary pipes, defective, rusted and used pipes. Import volume should further reduce after exclusion of high pressure gas cylinders that have been specifically excluded by the Designated Authority from the product scope. This does not appear to have been done in the PF. Furthermore, import volume should further reduce after exclusion of undumped imports under PCN A-1-5.
- XIX. Due to the inherent difficulties in applying reference price form of anti-dumping duty when safeguard duty on the subject goods is in ad valorem form, the form of duty in the preliminary findings should be changed. Ideally, the form of anti-dumping duty in this case should be changed to ad valorem form since safeguard duty on the subject goods is also in ad valorem form. Further, the Designated Authority should recommend one aggregate duty on the subject goods rather than multiple anti-dumping duties. If this is done, safeguard duty could be easily adjusted in the anti-dumping duty, and the duty so collected would not only be appropriate to address injury to the domestic industry but it would also avoid excessive protection to the domestic industry.
- XX. The petition does not satisfy the adequacy and accuracy standards. Petitioners have either not provided any information on several parameters or have not corroborated the information given in the petition with credible evidence.
- XXI. The methodology adopted by the petitioner for sorting import statistics is unclear. Petitioners should clarify how they have determined thickness of subject goods for each transaction and arrived at the import volume.

- XXII. Petitioners have only provided refined DGCI&S import statistics along with the petition and that too in hard copy. To establish authenticity of the data, it is requested that Petitioners be directed to provide raw and refined import statistics in MS Excel format. DI must explain how import data has been segregated in respect of PUC and non PUC.
- XXIII. The import data is not made available to the exporters claiming confidentiality. But same cannot be treated as confidential because any information available in public domain or can be obtained after paying requisite fee cannot be treated as confidential.
- XXIV. Domestic industry is already protected by safeguard duty till 12 February 2017. Safeguard duty in force is not taken into consideration
- XXV. There is no locus for the domestic industry to request for imposition of anti-dumping duty as well. The domestic industry should establish that despite existence of safeguard duty on imports from all sources it is still facing injury due to alleged dumped imports from China PR.
- XXVI. The Indian market of subject goods is different as the exports to India are taking place due to International competitive bidding process. The prices quoted during the course of bidding are confidential and are not disclosed to other participant. The supply and export products for consumers like ONGC and the volumes are driven by the demand of subject goods by ONGC only.
- XXVII. The imposition of anti-dumping duty on product under consideration specifically meant for use in petroleum operations have been specifically excluded under Oilfields (Regulation and Development) Act, 1948 read with Petroleum and Natural Gas Rules, 1959. Imposition of anti-dumping duty is in contravention to the aforesaid Act and Rules.
- XXVIII. The patented goods are not eligible to anti-dumping duty and are outside the scope of PUC.
- XXIX. In ONGC tenders, ISMT have either not fully participated for the entire range of the products or did not qualify on quality grounds.
- XXX. Imposition of anti-dumping duty on the imports of subject goods will have an inflationary impact on their prices and adversely affect downstream industries.
- XXXI. In post hearing submissions it is submitted by the interested parties that there is no clear distinction between the importers and users. Both have been treated as same.
- XXXII. Imposition of duty on reference price is incorrect because the price of raw material keeps fluctuating.
- XXXIII. The exporter questionnaire of the exporter is rejected on the basis of import data submitted by the DI.
- XXXIV. The first case in 1999 where the duty was not continued in SSR and top of that duty was not imposed on China. The second case in 2009 was filed by the same parties who are before the Authority today; the same was terminated by the Authority citing that the DI failed to provide information on various parameters.
- XXXV. Reliance on safeguard investigation is irrelevant because that is to address sudden, sharp and significant recent import. Same is not the present case. The DI is already protected under such high safeguard duty. So history of the past cases has no relevance for the present case.
- XXXVI. The petition is in contravention of Rule 5 and 6 of the ADD Rules.
- XXXVII. Procurement price of ONGC and OIL is taken out, the DI should disclose the source, and otherwise it will be doubtful information.
- XXXVIII. If comparison has to be done user-wise, the domestic industry should establish how imports from China PR and sales of domestic industry are compared with respect to each user in India.'
- XXXIX. No form of duty should be imposed on PCN A-1-5.

Examination by the Authority

24. Various submissions made by the interested parties with regard to miscellaneous issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- i. The investigation was initiated based on a well documented application and after satisfying *prima facie* the adequacy and accuracy of the information concerning alleged dumping and injury to the domestic industry and causal link between the alleged dumping and injury.
 - ii. As regards the submission that imposition of anti-dumping duty on the imports of subject goods will have an inflationary impact on their prices and adversely affect downstream industries, the Authority notes that the object of anti-dumping duty is to prevent the unfair trade practices and to redress its injurious effect on the domestic industries by providing them a level playing field. Moreover, imposition of anti-dumping duty neither restricts nor prevents imports.
 - iii. The Authority notes that the argument of imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods would accrue undue advantage to domestic Industry is presumptuous and pre-mature. Anti-dumping investigations are based on facts and law to analyze and assess the magnitude of dumping and consequent injurious effect on the domestic industry and to recommend imposition of suitable and adequate antidumping measure to provide a fair and level playing field to the domestic industry vis-à-vis dumping.
 - iv. As regards the methodology of sorting out the imports data by the petitioner, the non-confidential petition made available in the public file, is self explanatory. The Authority further notes that the interested parties have no locus to demand for information in any particular form or manner. What is important under the relevant law is whether the non-confidential information has been made available by the Authority or not.
 - v. The contention that imposition of anti-dumping duty on product under consideration specifically meant for use in petroleum operations have been specifically excluded under Oilfields (Regulation and Development) Act, 1948 read with Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, is not correct. The anti-dumping duty is meant to prevent unfair trade and there cannot be any rule that facilitates dumping.
 - vi. Patenting of a good does not make the good different from the PUC. If anti-dumping duty is imposed on a good, and the patented good is technically and commercially substitutable with the good attracting anti-dumping duty, such patented good cannot be excluded from the purview of the anti-dumping duty. However, taking in to account the technical suitability, commercial availability and substitutability, certain premium threaded joints have been excluded from the purview of the PUC at the stage of initiation itself.
 - vii. As regards the contention that imports in to India are taking place in response to international competitive bidding process by ONGC etc and therefore cannot be said to be dumped, the Authority notes that dumping occurs when goods are exported at a price lesser than their normal value and it is a price correction measure.
 - viii. Some interested parties have contended that the injury to the domestic industry has been determined without including safeguard duty. The argument of the interested parties has been examined with reference to impact of safeguard duty on existence of injury to the domestic industry, causal link and quantum of anti-dumping duties. It is noted that the purpose of safeguard duty and anti-dumping duties is quite different, even when both result in the same situation of increase in the cost of imported product. While safeguard duty is imposed under Section 8B of the Customs Tariff Act, if the Central Government, after an investigation conducted by the Director General of Safeguards, is satisfied that the article is imported into India in such increased quantities and under such conditions so as to cause or threatening to cause serious injury to domestic industry; anti-dumping duties is imposed under Section 9A of the Customs Tariff Act, where the article is exported by an exporter or producer from a country or territory to India at less than its normal value and such dumping causes injury to the domestic industry. While safeguard duty is imposed on imports from all sources at uniform rates, anti-dumping duties can vary for supplier to supplier and be different even for different product types. Further, Section 9B of the Customs Tariff Act lays down a prohibition and provides that no article shall be subjected to both countervailing duty and anti-dumping duty to compensate for the same situation of dumping or export subsidization. Section 9B comes after Section 8B and therefore Central Govt. has created a prohibition only on imposition of countervailing duty and anti-dumping duties at the same time. WTO also has not laid down a restriction on imposition of both safeguard duty and anti-dumping duties at the same time. Thus, it cannot be said that the Central Govt. cannot impose anti-dumping duties because the product is suffering safeguard duty. As far as injury to the domestic industry is concerned, it is noted that the performance of the domestic industry shows deterioration in respect of parameters such as price suppressing significant unutilized capacities, decline in profitability, return on capital employed, cash profits. Profits, return on

capital employed and cash profits marked negative growths in POI. Growth in respect of most of the parameters such as production, sales, capacity utilization, profits, cash profits, return on capital employed, market share & inventory etc shows an adverse impact on the domestic industry. It is also seen that the CIF price of imports from China declined steeply and market share of the Chinese imports has increased whereas that of the domestic industry has declined. The weighted average injury margin in the POI is positive even after adding safeguard duty. It is thus evident that the quantum of safeguard duty was not sufficient to address injury suffered by the domestic industry. It is also noted that imposition of safeguard duty cannot fall in the category of "other factors" under para (v) of the Annexure-I or Article 3.5 of the WTO Agreement.

- ix. Notwithstanding, considering that in any case it is the duty of the designated authority to recommend to the Central Government the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry, after considering the principles laid down in the Annexure III to these rules, the Designated Authority shall consider the safeguard duty appropriately while recommending the quantum of anti-dumping duties. Thus, while Designated Authority decides to recommend imposition of anti-dumping duties, the Designated Authority may recommend that the quantum of anti-dumping duties to be collected shall be adjusted for the quantum of safeguard duty charged on the imports.
- x. It has been contended by interested parties that domestic industry is not in a position to meet the demand of the product in the country. The authority notes that the demand-supply gap of the product cannot be a justification for export of the product at dumped price to such an extent that the same causes injury to the domestic industry in India.
- xi. It has been contended that imposition of anti-dumping duty shall not be in public interest. It is however noted that interested parties have not quantified how imposition of proposed duty shall not be in public interest. Further, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods bringing fair competition in the domestic market.

DUMPING MARGIN

MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

- 25. While the domestic industry submitted that considering China as a non market economy, normal value for China PR should be determined in terms of Para 7 of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules, on the basis of cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and reasonable profit, none of the exporters, importers, users and other interested parties has made any relevant submission in this regard. None of the respondent Chinese producers/exporters in the present investigation have filed Market Economy Treatment questionnaire response and claimed market economy treatment.

G. Determination of Normal Value

Normal Value

- 26. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:-
 - (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
 - (a) *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Provisions relating to Non- Market Economy countries

27. Annexure-I to AD rules states as under:

7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”

Submissions by Domestic Industry

28. Following submissions made by the domestic industry with regard to determination of dumping margin.

- I. China should be considered a non-market economy, in line with the position taken by the Authority in previous cases, and by investigating authorities in other countries. Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
- II. Market economy status cannot be granted unless following conditions are fulfilled:
 - i]. State interference should be completely ruled out.

- ii]. The prices of major inputs should substantially reflect market values
 - iii]. The account books should have been audited in line with International Accounting Standards (IAS)
 - iv]. All the required parameters should be met with to grant the market economy status.
 - v]. The onus/obligations to establish market economy status is onto responding Chinese exporters and not onto the Designated Authority.
 - vi]. The responding company and its group, as a whole, should make the claim.
 - vii]. In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- III. According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:
- i. *the price in a market economy third country,*
 - ii. *constructed value in a market economy third country,*
 - iii. *the price from such a third country to other country, including India.*
 - iv. *the price actually paid in India, adjusted to include a reasonable profit margin.*
 - v. *the price actually payable in India, adjusted to include a reasonable profit margin.*
- IV. The petitioner submitted that according to Section 9A (1) (c), the following can form the basis for determination of normal value in the exporting country.
- i. The price of the like article in the domestic market of the exporting country *in the ordinary course of trade,*
 - ii. Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country,
 - iii. The cost of production of the said article in the country of origin along-with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.
- V. If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
29. In post hearing the DI made following additional submissions
- I. Dumping margin cannot be determined for one PCN alone. It is determined as a whole. If dumping margin of a PCN is negative, that cannot be excluded from calculation of dumping margin.
 - II. Even when the exporter have not exported other PCN, still the duty should be imposed for all PCNs
 - III. The exporter is required to provide information in the form and manner prescribed and in respect of product under consideration. The authority has not made any modifications to the product under consideration, except deleting certain product types for which exclusions were demanded by the interested parties. The authority has not made any other such change in product under consideration which could have created a handicap to the exporter. Evidently, it appears that the parties wanted to file questionnaire response having regard to the petition, which implies that the exporter did not intend filing their information in the form and manner prescribed; but, intended to color it based on information contained in the petition.
 - IV. All products under consideration transactions have been included in the data and transactions of other products have not been included. The argument of the exporter is malafide.
 - V. ISMT continues to be eligible to supply the product. Without prejudice, MSL is also a petitioner and is eligible to produce and supply the product.
 - VI. The reasons for not using the information given by the exporters have already been explained adequately in the preliminary findings. Unless the exporters have responded adequately and provided all information in the form and manner prescribed by the authority, the exporters cannot claim that the authority should determine individual dumping margin.
 - VII. Unless an exporter can establish its case for individual margin of dumping, the authority is not obliged to determine individual dumping margin. Dumping margin is the difference between normal value and export price and unless complete information is available with regard to both normal value and export price, the authority is not obliged to determine individual dumping margin.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

30. Following submissions have been made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties
- i. The imports attributable to a producer or exporter for whom a de-minimise or negative margin of dumping is calculated are not treated as dumped imports or should be treated as un-dumped imports. Such un-dumped imports are not added to the volume of dumped imports to examine injury to the domestic industry from the subject imports. Imposition of anti-dumping duty is permissible only if

injury to the domestic industry is caused due to dumped imports. If it is found that imports from a source are un-dumped, such imports are not to be examined by the Designated Authority for volume and price effects for determination of injury and causal link from dumped imports. In this line, exports of certain cooperating exporters from China PR under the PCN A-1-5 are neither dumped nor causing injury to the domestic industry. Further, as per the Designated Authority's own preliminary findings, both dumping margin and injury margin for the exports of these cooperating exporters from China PR for the PCN A-1-5 are negative. Therefore, it is submitted that such volume of un-dumped imports of these exporters under PCN A-1-5 should be excluded from the import volume from China PR for the purpose of injury analysis.

- ii. Hengyang Group and Xinyegang are producers / exporters of the subject goods. The said companies though are related companies; there is no interference / involvement of Hengyang Group with Xinyegang or vice versa. Hengyang Group and Xinyegang work independently, autonomously and are separate legal entities. Although requested to be treated as separate entities, Authority wrongly treated them as single entity. The Authority has unduly and arbitrarily rejected the data given by Hengyang Group and Xinyegang.
- iii. As regards Authority's observation that major exports of Xinyegang are made through 'trading entities situated at Dubai, Sharjha, etc., who have not filed EQ response in the present investigation.' Xinyegang has no direct or indirect control over the said unaffiliated UAE distributors and therefore cannot force them to file Exporters Questionnaire Responses. Therefore, Xinyegang cannot be penalized if the unaffiliated distributors either do not participate or files a limited response.
- iv. No observation has been made by the Authority with respect to exports made by Hengyang Group and yet the Authority has proceeded to reject its data without any reasonable cause as none exists. None of the entities related to Hengyang Group and Xinyegang have produced / exported the subject goods to India in the POI.
- v. Authority sought response from a trader Baotou International which had been only a disclosed Agent for a portion of the POI and had not itself been a trader exporter of Baotou's PUC in the POI. Having only acted briefly as an Agent and not as an exporter itself a separate Response from Baotou International was not necessary. Solely due to the absence of the said (Agents) response, Bautau's entire response was unlawfully rejected by the authority and it was unlawfully treated as non-cooperating.

31. Following additional submissions have been made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties subsequent to second hearing

- vi. Questionnaire response was rejected wrongly. The data provided by the DI at the time of initiation was different and it was changed without informing the interested parties.
- vii. The goods exported on high price were removed from the list to claim greater dumping margin.
- viii. The information provided by the Exporters has not been used for determination of dumping margin.
- ix. Availability or non-availability of the information of any unrelated entities cannot have a detrimental effect on individual dumping margin for the responding exporter.
- x. Even though the exporters have participated fully they have not been given individual dumping margin.
- xi. Anti Dumping duty should not be levied beyond margin of dumping/margin of injury.

Examination by the Authority

32. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules. The Authority further notes that in the present investigation, none of the Chinese producers/exporters have filed the questionnaire rebutting market economy treatment. Hence all participating producers/exporters from China PR have been treated as operating under non market economy conditions.
33. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country at this stage. In view of the above, the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis.

34. The Authority proceeds to determine the Normal value for China PR on available facts basis in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Anti-dumping Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration has been determined based on constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. Accordingly, the Authority determined the PCN wise normal value for the PUC as mentioned in the dumping margin table.
35. A number of exporters have reiterated their submissions in disclosure comments with regard to rejection of their questionnaire responses by the authority. The authority has examined the information filed by these exporters and claims made by them. The authority considers that individual dumping margin cannot be determined unless export price can be appropriately, adequately and accurately established.
36. While dumping and injury margin for one PCN is negative, the dumping and injury margin for the PUC as a whole is positive. It is thus factually incorrect that the overall dumping margin and injury margin for YCS/JCS is negative. In fact, the overall injury margin and dumping margin for YCS/JCS is positive. The authority considers that it is the dumping margin for the PUC alone which is relevant for the present purposes. Under Section 9A, the margin of dumping is defined as margin of dumping in relation to an "article". The article under investigation is "Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD". The product type identified in the form of PCNs is merely different types of article identified in the present investigation. The product under consideration was categorized into a number of product types only for the purpose of determination of dumping margin and injury margin and to ensure fair comparison between normal value with export price and NIP with landed price. The authority also notes that the WTO decision clearly holds that the margin of dumping means dumping margin for the product under consideration and not the margin of dumping for individual product types. The authority also notes that the question of negative dumping margin or injury margin in a particular product type had earlier arisen in the past in other investigations conducted by the authority. The authority has held that negative margin of dumping in a particular case does not justify exclusion of a particular product type so long as the margin of dumping for the product under consideration as a whole is positive.
37. Some interested parties have contended that information given by responding exporters alone can constitute necessary information for determination of normal value and export price. The authority notes that normal value in case of a Chinese company is required to be determined on the basis of Para 7 Annexure-I in case the company is not able to establish market economy status. A company can be granted market economy status only if it provides necessary information in accordance with Para 8. In the instant case, none of the Chinese companies have established their claim of market economy status in accordance with Para 8 of Annexure-I. Thus, the normal value is determined in accordance with Para 7 which provides that the normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. As regards individual dumping margin, the authority notes that individual dumping margin can be determined only if company has provided sufficient information with regard to export price. As brought out in detail above, none of the Chinese companies have accurately and adequately established the price at which goods have been exported to India. The authority is unable to determine export price in respect of responding exporters. Since individual export price could not be determined, the authority is unable to determine individual dumping margin for the responding exporters, barring Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR & Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd.
38. The entire investigation and determination of dumping, standing, injury and causal link has been carried out with reference to PUC. Various PCNs devised by the authority have merely been considered for the purpose of determining dumping margin by undertaking comparison of normal value and export price on the basis of comparable product types. Various PCNs merely constitute different types of product and do not constitute different articles.

EXPORT PRICE

39. The following producers/exporters filed exporter's questionnaire (EQ) response in the present investigation:
- i.Yangzhou Chengde Steel Pipe Co., Ltd., China PR
 - ii.Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co. Ltd., China PR
 - iii.Shengli Oilfield FREEET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd., China PR
 - iv.Inner Mongolia Baotou Steel Union Co., Ltd, China PR

- v.Hubei Xinyegang Steel Co., Ltd., China PR
- vi.Hubei Xinyegang Special Tube Co., Ltd.
- vii.Tianjin Pipe Manufacturing Co. Ltd., China PR
- viii.Tianjin Pipe International Economic and Trading Corporation, China PR
- ix.Jiangsu Valin-Xigang Special Steel Co. Ltd., China PR
- x.Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd., China PR
- xi.Hengyang Valin MPM Co. Ltd., China PR
- xii.Hengyang Steel Tube Group Int'l Trading Inc. Ltd., China PR
- xiii.Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR
- xiv.Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR
- xv.Changzhou Changbao Precision & Special Steel Tube Co. Ltd. China PR
- xvi.Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Energy Co.Ltd., China PR
- xvii.Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co.Ltd., China PR
- xviii.Yangzhou Lontrin Steel Tube Co. Ltd., China PR
- xix.Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Co., Ltd., China PR
- xx.Mertex UK Limited, UK

Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR (JCS)

40. As per the EQ response, Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR, a producer/exporter of the subject goods, was originally set up as a collective enterprise in 1988. As stated in the EQ response, JCS has two related companies involved in the subject goods – (i) Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd., also exported subject goods to India during POI and filed EQ response in the present investigation, and;(ii) TaizhouChengde Steel Tube Co., Ltd., a producer of subject goods but not exported to India during POI and therefore not filed EQ response in the present investigation.
41. As stated in the EQ response, during POI, JCS sold the subject goods, both in domestic market and Indian market, directly. During the POI, JCS exported *** MT of subject goods to India for the gross value of US\$ ***.

Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd. (YCS)

42. As per the EQ response, Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd (YCS), a producer/exporter of subject goods, is a related company of Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR. As stated in the EQ response, YCS was established as a sino-foreign joint limited liability company on 11 October 2006.
43. As stated in the EQ response, during POI, YCS sold the subject goods, both in domestic and India markets, directly. During the POI, YCS exported *** MT of subject goods to India for the gross value of US\$ ***.
44. The Authority further notes that Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR and Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd., the producers and exporters of subject goods to India during the POI, are related parties. In view of this, the Authority determined PCN wise average net export price for both the related parties as mentioned in the dumping margin table.

Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd., China PR

45. As per the EQ response, Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co. Ltd. is a producer/ exporter of the subject goods. It is stated to have only one production facility in China. One of its related companies i.e. Shengli Oil Field Freet Petroleum Equipment Co., Ltd., is also involved in the subject goods and procures the same from Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd.
46. As stated in the EQ response, during the POI, Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd sold the subject goods in the domestic market, through two channels as given below:
Channel 1: Freet Steel Pipe →domestic trading company's →domestic or international customers.
Channel 2: Freet Steel Pipe →domestic or international customers.
47. In the Indian market, during the POI, Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd is stated to have sold the subject goods directly, without involving any trading entity. In response to the deficiency letter, Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd replied that the trading companies involved in domestic sales did not export the subject goods to India during the POI. It further replied that Shengli Oil Field Freet Petroleum Equipment Co., Ltd., which procures the subject goods from it, did not export the said goods to India during the POI.

48. While examining the EQ response filed by Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd, the Authority notes that the main raw material used by the company in its production process is green pipe and not ingots or billets. They were asked to clarify the position. In response to the deficiency letter, the company replied that it processes green pipes by inspecting, cutting, threading, machining, etc. Such processing activities significantly add values to the exports, which are much more expensive than green pipes. Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd informed that since it is not related to the suppliers of green pipes, under the Chinese law, they are unable to force them to cooperate in the investigation and requested the Authority to treat it as a producer of subject goods instead of pure trading company.
49. From the information available in the EQ response, the Authority notes that during the POI, Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd exported *** MT of subject goods to India for a gross value of US\$ **. However, from the above clarification of the company, it is clear that they are not the producer of seamless pipes, but merely a processor of seamless pipes procured from other producers, who have not cooperated in the present investigation. Further, from the EQ response, the Authority notes that Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd has exported both PUC and non-PUC and did not provide the bifurcated details. In view of the above position, the Authority did not find appropriate to allow individual export price and margins to Shengli Oilfield FREET Petroleum Steel Pipe Co., Ltd, China PR.

Inner Mongolia Baotou Steel Union Co., Ltd, China PR

50. As per the EQ response, Inner Mongolia Baotou Steel Union Co., Ltd, China PR (Steel Union) is producer of subject goods. The company was established in 1999. The principal shareholder of Steel Union is Baotou Iron & Steel (Group) Co., Ltd. As stated in the EQ response, Baotou Steel International Economic and Trading Co., Ltd (Baotou Steel International), a related company of Steel Union, acts as a sales agent for the exportation of products produced by Steel Union to the world markets including India. But, Baotou Steel International is not involved in purchasing the products concerned from Steel Union. During the POI, the product concerned was physically shipped from Steel Union to the ports of destination in India, according to the terms and conditions in sales contract. Baotou Steel International simply acts for purposes of handling Customs formalities for exports. As per the EQ response, during the POI, Steel Union made exports to India through unrelated traders. As per the EQ response, during the POI, Steel Union exported *** MT of subject goods for the gross invoice value of US\$ ** to India through Mertex UK Ltd, UK.
51. Mertex UK Ltd has also filed EQ response in the present investigation and claimed to have exported the subject goods manufactured and supplied by Inner Mongolia Baotou Steel Union Co., Ltd, China PR, apart from Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Co., Ltd., China PR.
52. From the EQ responses filed by Inner Mongolia Baotou Steel Union Co., Ltd, China PR (Steel Union) and Mertex UK Ltd, UK, the Authority notes that the export transactions cover both PUC as well as non-PUC. Despite request, the concerned parties did not furnish bifurcated details in terms of MT. In view of the above position, , the Authority does not allow individual export price and margins to Inner Mongolia Baotou Steel Union Co., Ltd, China PR and Mertex UK Ltd, UK.

Hubei Xinyegang Steel Co., Ltd., China PR

53. As per the EQ response, Hubei Xinyegang Steel Co., Ltd., is a producer/exporter of subject goods. Although Xinyegang has a long history of existence, since 2004, it has been incorporated as a sino-foreign equity joint venture. During the POI, Xinyegang is stated to have exported the subject goods to India entirely through unrelated trading companies in China. In the domestic market, Xinyegang sold subject goods directly and also through traders.
54. In the EQ response, Xinyegang claimed to have exported the subject gods to India during the POI entirely through unrelated traders. From the information given in Appendix 2 of the EQ response, the Authority notes that the names of Chinese and Japanese entities were mentioned as Indian buyers. In response to the deficiency letter issued by the Authority, Xinyegang replied that buyers in Japan and China are traders and the goods bought by them were ultimately exported to India during the investigation period. Xinyegang further explained that these buyers are unrelated and thus it is not possible to persuade them to file EQ response.
55. As further stated in the EQ response, Xinyegang has a related company in China i.e., Hubei Xinyegang Special Tube Co., Ltd. (Special Tube Company), which is also involved in the production of the product concerned, but did not export the product concerned directly to India during the POI. As explained by Xinyegang, Special Tube Company acts as its factory and sells all its products to Xinyegang first, which resells those products in both domestic market and foreign market. A very limited quantity of product concerned produced by Special Tube was exported to India through Xinyegang during the POI.

- ;
56. Although, Xinyegang has claimed to have exported the entire exports to India through traders during the POI, the Authority notes that none of the trading companies have filed EQ response in the present investigation. In view of the above position, the Authority does not allow individual export price and margins to Hubei Xinyegang Steel Co., Ltd.

Hubei Xinyegang Special Tube Co., Ltd, China PR

57. Hubei Xinyegang Special Tube Co., Ltd, China PR is a related producer of Hubei Xinyegang Steel Co., Ltd., producer/exporter of subject goods to India during the POI. Hubei Xinyegang Special Tube Co., Ltd, China PR filed a EQ response, without furnishing non-confidential version. As stated in the EQ response, Hubei Xinyegang Special Tube Co., Ltd, China PR did not export subject goods to India during the POI directly. Further, it is stated to be acting as the factory of Hubei Xinyegang Steel Co., Ltd and exported a small quantity of subject goods to India during the POI through this related company. As per the channel of export to India, as stated in the EQ response, the Company claimed to have exported the entire volume of export through its related Chinese Company i.e. Hubei Xinyegang Steel Co., Ltd, which in turn exported through unrelated trading companies in China. However, the Authority notes that none of such trading companies have filed EQ response in the present investigation. The Authority further notes that from the given information, nothing is evident that Hubei Xinyegang Special Tube Co., Ltd, China PR has actually exported the subject goods to India during POI. In view of the above position, the Authority does not allow individual export price and margins to Hubei Xinyegang Special Tube Co., Ltd, China PR as well.

Tianjin Pipe Manufacturing Co. Ltd., China PR and Tianjin Pipe International Economic and Trading Corporation, China PR

58. As per the EQ response, Tianjin Pipe Manufacturing Co. Ltd., China PR (TPM), 100% owned by Tianjin Pipe (Group) Corporation, China PR is a manufacturer and processor of the subject goods. Tianjin Pipe International Economic and Trading Corporation, China PR (TPINT'L) is a related trading concern of TPM. During the period of investigation, TPM exported the subject goods to India through TPINT'L. TPINT'L was established on January 15th, 1999 and TPM was established on December 10, 2010. As stated in the EQ response, both TPM and TPINT'L are fully Chinese limited liability companies.
59. As stated in the EQ response, the following are the four related companies of TPM and TPINT'L that are involved with the product concerned, but stated to have no exports to India during POI:

- I. Tianjin Pipe (Group) Corporation (TPCO)
- II. Tianjin Pipe Special Steel Co., Ltd. (TPSS)
- III. Tianjin TPCO Steel Development Co., Ltd. (TPSD)
- IV. Tianjin Pipe Iron Manufacturing Co., Ltd.(TPIM)

60. Despite issuing a deficiency letter, TPM did not furnish required information concerning exports to India in Appendix 2. As a result, the linkage between the domestic sales made to TPINT'L and exports made by the later to India cannot be established. Moreover, as per the export flow chart furnished by TPM and TPINT'L, the exports to India are claimed to have been made by TPINT'L as well as through traders. However, the information given by TPINT'L in Appendix 2 of its response does not give details of the customers and neither TPM nor TPINT'L have declared the names of the trading companies involved in their export transactions to India. The Authority notes that none of the traders involved in the exports transactions of TPM through TPINT'L has filed EQ response in the present investigation. Moreover, the respondent companies have not furnished the transaction wise bifurcated details of the PUC and non-PUC exported by them to India during the POI. In view of the above position, the Authority does not allow individual export price and margins to Tianjin Pipe Manufacturing Co. Ltd., China PR and Tianjin Pipe International Economic and Trading Corporation, China PR.,

Jiangsu Valin-Xigang Special Steel Co., Ltd., China PR
Hengyang Valin Steel Tube Co. Ltd.
Hengyang Valin MPM Co., Ltd.
Hengyang Steel Tube Group Int'l Trading Inc. Ltd.

61. As per the EQ responses, all the above stated Chinese companies are related. Jiangsu Valin-Xigang Special Steel Co., Ltd., China PR is a producer/exporter of subject goods. As stated in the EQ response, the other three related companies, Hengyang Valin Steel Tube Co., Ltd. (“HVST”), Hengyang Valin MPM Co, Ltd. (“MPM”) and Hengyang Steel Tube Group Int’l Trading Inc. (“Intl”), are also involved in the production and sale of the product concerned to India during the POI. Although the exporters contended that they are indirectly related and requested

the Authority to treat them as separate companies, the Authority notes that all of them belong to a single group of companies (collectively regarded as one group) and therefore cannot be treated as separate companies.

62. Although the channel of sales have not been provided in the EQ response, from the export information furnished at Appendix 2, the Authority notes that Jiangsu Valin-Xigang Special Steel Co., Ltd has exported majority of the subject goods to India, through trading entities situated at Dubai, Sharjha, etc., who have not filed EQ response in the present investigation. Out of the total *** MT of exports to India during POI, *** MT has been exported through ITECO Oilfield Supply Group, UAE, *** MT through Tubulars International FZE, UAE and *** MT through MASF Speciality Tubes FZC. Despite issuing deficiency letter, the concerned exporters did not file EQ response. Moreover, the related companies exported both PUC and non-PUC to India during the POI, but did not furnish bifurcated transaction wise details.
63. In view of the above position, the Authority does not allow individual export price and margins to Jiangsu Valin-Xigang Special Steel Co., Ltd., China PR and its above stated related companies for the purpose of the final finding.

Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR,
Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR,
Changzhou Changbao Precision & Special Steel Tube Co. Ltd., China PR,
Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Energy Co. Ltd., China PR,
Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Ltd., China PR,

64. As per the EQ response, the above stated companies are related and belong to Changbao group. The details of the respondent companies, as per the EQ responses filed by them are as follows:

Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR,

65. As per the EQ response, Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR is a producer and exporter of subject goods. During the POI, the Company has made domestic sales to both affiliated and non-affiliated companies. As per the information available in the EQ response, the Company has sold *** MT and to non-affiliated parties *** MT during POI. While sales to affiliated parties are from own manufactured subject goods, the sales to non-affiliated parties contained both own products and also subject goods procured from others.
66. As per the information available in the EQ response, during the POI, the Company exported *** MT of subject goods to India for the gross invoice value of US\$ **. The entire volume of export was made through M/s Tubular International FZE, a trading company situated in UAE.

Changzhou Changbao Precision & Special Steel Tube Co., Ltd., China PR

67. As per the EQ response, Changzhou Changbao Precision & Special Steel Tube Co. Ltd., China PR is a producer and exporter of subject goods. During the POI, the Company has made domestic sales to both affiliated and non-affiliated parties. As per the information available in the EQ response, the Company has sold *** MT and to non-affiliated parties *** MT during POI. While sales to affiliated parties are from own manufactured subject goods, the sales to non-affiliated parties contained both own products and also subject goods procured from others.
68. As per the information available in the EQ response, during the POI, the Company exported *** MT of subject goods to India for the gross invoice value of US\$ **. Out of this, *** MT was exported by the Company directly to India and *** MT was exported through M/s Babcock & Wilcox Co., USA, constituting 37.06% of the total exports by the Company.

Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR,

69. As per the EQ response, Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR is a trading company under Changbao group. As per the information available in the EQ response, during the POI, the Company exported *** MT of subject goods to India for the gross invoice value of US\$**. During the POI, the Company has sold the subject goods to India both directly and also through traders. During the POI, the Company has sold *** MT of subject goods for a gross invoice value of US\$** directly to India by procuring from three affiliated producers

namely: Jiangsu Changbao Steel Tube Limited Co., China PR (** MT), Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Energy Co. Ltd., China PR (** MT) and Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Ltd., China PR (** MT).

Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Energy Co. Ltd., China PR,

70. As per the EQ response, Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Energy Co. Ltd., China PR is a producer of the subject goods. During the POI, the Company sold *** MT of subject goods in the domestic market, out of which *** MT were sold to affiliated parties and *** MT were sold to non affiliated parties. As per the EQ response, Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Energy Co. Ltd., China PR has not exported subject goods to India during POI. However, as per the EQ response filed by Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR, its affiliated trading Company, the later had procured *** MT of subject goods from Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Energy Co. Ltd and exported to India.

Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Ltd., China PR,

71. As per the EQ response, Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Ltd., China PR, is a producer of the subject goods. During the POI, the Company sold *** MT of subject goods in the domestic market, out of which *** MT were sold to affiliated parties and *** MT were sold to non affiliated parties. As per the EQ response, Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Ltd., China PR has not exported subject goods to India during POI. However, as per the EQ response filed by Jiangsu Changbao Steel Tubulars Corporation, China PR, its affiliated trading Company, the later had procured *** MT of subject goods from Jiangsu Changbao Precision Steel Tube Co. Ltd and exported to India.
72. The Authority notes that all the above stated Chinese Companies are related and belong to one group. The Authority further notes that significant volume of subject goods exported by these related companies, mainly through trading companies situated in Dubai and USA have not been brought before the Authority by filing EQ response. Moreover, the Authority notes that the related companies exported both PUC and non-PUC to India during the POI, but did not furnish bifurcated transaction wise details. In view of the above position, the Authority does not allow individual export price and margins to the above stated related Chinese Companies.

Yangzhou Lontrin Steel Tube Co., Ltd., China PR

73. As per the EQ response, Yangzhou Lontrin Steel Tube Co., Ltd., China PR is a producer/exporter of subject goods. As per the EQ response, during the POI, the Company sold subject goods to only non-affiliated parties in the domestic market. As regards exports to India, Yangzhou Lontrin Steel Tube Co., Ltd., China PR exported *** MT of subject goods to India during POI for a gross invoice value of US\$ **. As per the information available in the EQ response, the entire exports to India has been made by the Company through two Dubai based companies namely *** and **, both of whom have not filed EQ response in the present investigation. Moreover, the Authority notes that the Company has exported both PUC and non-PUC to India during the POI, but did not furnish bifurcated transaction wise details. In view of the above position, the Authority does not allow individual export price and margin to Yangzhou Lontrin Steel Tube Co., Ltd., China PR.

Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Co., Ltd., China PR

74. As per the EQ response, Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Co., Ltd., China PR is a producer/exporter of subject goods. As stated in the EQ response, during the POI, Pangang Group sold subject goods in the domestic market, both directly and through distributors. However, the Company claimed to have exported to India the subject goods only through distributors. As per the EQ response, during the POI, Pangang Group claimed to have exported to India *** MT of subject goods for a gross value of US\$ *** through Mertex UK Ltd, UK.
75. Mertex UK Ltd. has also filed EQ response in the present investigation and claimed to have exported the subject goods manufactured and supplied by Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Co., Ltd., China PR. In its response, Mertex also claimed to have exported the subject goods manufactured and supplied by another Chinese company namely Seamless Tube Mill Of Baotou Steel Union Co., Ltd. From the EQ responses, the Authority notes that these Companies exported both PUC and non-PUC to India during the POI, but did not furnish the bifurcated transaction wise details in terms of metric ton. In view of the above position, the Authority does not allow individual export price and margins to Pangang Group Chengdu Steel & Vanadium Co., Ltd., China PR and Mertex UK Ltd, UK.

All other Producers/Exporters from China PR

76. In respect of all other exporters from China PR who are treated to be non-cooperative, the Authority determined their PCN wise net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules as mentioned in the dumping margin table.

DUMPING MARGIN

77. Comparing the normal value and export prices, the dumping margin for Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR and Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd., has been determined by the Authority as below:

| Particulars | Unit | A-1-5 | A-1-6 | Total |
|--------------------------|-------------|--------------|--------------|--------------|
| Constructed Normal Value | US\$/Mt | *** | *** | *** |
| Net Export Price | US\$/Mt | *** | *** | *** |
| Dumping Margin | US\$/Mt | *** | *** | *** |
| Dumping Margin | % | *** | *** | *** |
| Dumping Margin | % Range | (Negative) | 20-30 | 20-30 |

78. In respect of all other exporters from China PR, who are treated to be non-cooperative, the Authority determined the dumping margin as below:

| Particulars | Unit | A-1-1 | A-1-2 | A-1-3 | A-1-4 | A-1-5 | A-1-6 | A-1-7 | A-1-8 | Total |
|--------------------------|---------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| Constructed Normal Value | US\$/Mt | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Net Export Price | US\$/Mt | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| Dumping Margin | US\$/Mt | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| Dumping Margin | % | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| Dumping Margin | Range | 20-30 | 15-25 | 40-50 | N/A | 20-30 | 15-25 | 50-60 | 45-55 | 20-30 |

F. INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by domestic industry

79. The following submissions with regard to injury and causal link have been made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:

- The Volume of imports from China PR has increased very significantly in relative terms during the injury period despite a decline in demand. Further, the increase in Imports from China PR is most significant and prominent during the proposed POI. As a result of increase in imports in relation to domestic sales and consumption, share of the domestic industry has declined. Further, there is a steep fall in the market share of the domestic industry. Market share of Domestic Industry has declined by 12%, whereas market share of the imports from China PR has increased by 13% during the POI as compared to the base year. Chinese producers have been able to capture significant market share of domestic industry and other countries.
- During the period of investigation there is a significant increase in imports due to which domestic industry's production reduced by 39% as compared to the base year.
- China is facing slow down, resulting into huge surplus capacities. Countries like USA, EU and Canada etc. have already imposed Anti-dumping and other measures in respect of exports from China PR to safeguard interests of their Domestic Industry. In the absence of any Anti-Dumping duties in India, dumped imports from China PR have impacted adversely the profitability of the Domestic Industry in India and continued dumping can cost hundreds of jobs in near future.

- iv. China is dumping low priced goods into the Indian Market which is resulting into domestic industry losing sales in stable market demand. This in turn resulted in decline in production and capacity utilization. There is a sharp decline in market share of the Domestic Industry as well.
- v. Despite all efforts by the Petitioners to keep plant running it can be seen that its capacity utilization declined significantly during the period of investigation and Petitioners incurred heavy losses due to decline in sales and utilization.
- vi. Indian producers were able to secure only (8%) of the tenders floated by various Public sectors undertakings and oil exploration companies. By dumping low priced imports into India, Chinese exporters got (92%) of the tendered quantities. During the recent periods, 100% tendered quantity in the tenders floated by major national oil PSUs namely BPCL, ONGC and OIL India Ltd. have been captured by Chinese Exporters by quoting very low price which do not even recover the cost of basic raw materials as per prevalent international steel prices.
- vii. Trends of current prices during the POI clearly show that the exporters from China PR have lowered their export prices further to absorb the impact of existing Safeguards duties imposed by Government of India. This intensified dumping has resulted into significant injury to the Domestic Industry.
- viii. Landed value of imports from China PR is significantly below the selling price and hence significantly undercutting the prices of Domestic Industry. Due to which the Petitioners could not increase their prices and were forced to offer lower prices to match the prices offered by the exporters from China PR so as to maintain its domestic sales volumes.
- ix. There exist large unutilized capacities in China PR for subject products. Existence of significant price undercutting and underselling, coupled with very large disposable capacities with the producers in the subject country is a clear evidence of threat of injury to the domestic industry from these dumped imports.
- x. In real US Dollar terms, CIF prices from China have been intentionally reduced from the base year when world over prices have only gone higher in the corresponding period.
- xi. The imports are suppressing the prices of the domestic industry in the market and domestic Industry is suffering an adverse and remarkable impact due to these dumped imports of the subject goods.
- xii. Capacity utilization of the domestic industry has shown a sharp decline. The domestic industry which was operating at 53.50% during the year 2011-12 declined to 32.76% during the period of investigation. The capacity utilization of the Domestic Industry declined by 21%. Balance capacities are un utilized and due to high un utilized capacities, the petitioners are facing severe financial problems.
- xiii. There is a sharp decline in the sales of the domestic industry. Market Share of domestic industry, which was contributing 37.30% in the domestic demand, declined to 32.86% during the period of investigation.
- xiv. Profitability of the domestic industry has gone down drastically during the injury period due to intensified dumping by Chinese Exporters. The domestic industry was earning profits during 2011-12 but witnessed sharp decline in profits during next year. Due to dumped imports, it has incurred huge losses during later years and on account of intensified dumping losses of the Domestic Industry increased manifold.
- xv. Return on capital employed and cash profits were positive during the year 2011-12. However due to intensive dumping the same became negative in later years.
- xvi. Inventory with the domestic industry have increased in absolute term as well as in relation to domestic sales of the domestic industry.
- xvii. Employment in the Domestic Industry has declined by 10% since 2011-12 which is a clear threatening declining trend.
- xviii. Performance of the domestic industry has materially deteriorated in terms of production, capacity utilization, domestic sales values & volume, profits, return on investments, cash flow, inventories and market share. It would be seen that all the parameters, collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.
- xix. Considering the massive capacities of the subject goods in China PR, it is clear that the imports of the subject goods into India shall continue to rise rapidly leading. There is imminent and clear danger of not only material injury but serious injury to the Domestic Industry in India. Hence, the threat of serious injury to the Domestic Industry in India is established.
- xx. The price difference between the imports and the sales of the Domestic Industry is very high and is likely to increase. Thus, the imports of the subject goods from China PR are likely to remain lucrative.
- xxi. The profitability of the Domestic Industry has steeply deteriorated due to increased imports in the recent period and inconsideration of the continued availability of the cheap imports, the profitability of the Domestic Industry is likely to further decline.
- xxii. The market share of the Domestic Industry has been captured by the increased imports of the subject goods from China PR. In light of the unabated imports of the subject goods, a further decline in the market share of the Domestic Industry is likely.

- xxiii. In the absence of immediate protection to the Domestic Industry in the form of an Anti-dumping Duty on the imports of the Product under consideration from China PR, the serious injury suffered by the Domestic Industry is likely to increase manifold and may result into imminent threat of closure of the Indian Domestic Industry.
- xxiv. Jindal Saw is not suffering injury is irrelevant because the applicants alone, makes the Domestic Industry. Also there is no basis to say that Jindal Saw is not suffering injury.
- xxv. MSL is not suffering injury, has no basis. Injury is calculated actual and potential decline in sales, profits, production/output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
- xxvi. The profitability of the DI has deteriorated to INR 80 Crores. Decline in demand would not have impacted the domestic industry in respect of parameters such as profits, cash profits and return on investment.
- xxvii. While imports from subject country declined over the injury period, its share increased significantly by 5% as compared to base year and by 7% as compared to 2012-13. Whereas market share of Chinese imports and domestic industry were quite comparable in base year, the same gap has increased very significantly by the POI (from 2% difference to 12% difference).
- xxviii. DI suffered material injury in terms of price parameters. The prices have declined by as high as 69% over the period.
- xxix. Productivity of the domestic industry, measured in terms of productivity per day as well as per production per employee declined significantly during the POI as compared to base year in line with the decline in production. Growth of the domestic industry in respect of production, capacity utilization, domestic sales, profit/loss, cash profits, market share, ROI, etc was negative.
- xxx. There are no other factors responsible for injury to the DI. Imports from other countries are not causing injury. Either they are de minimus or at higher price. Shares of import have increased despite there is decline in demand due to decline in fresh exploration activities. The performance of domestic industry has not deteriorated due to developments in technology.
- xxxi. The decision of Delhi High Court was for addressing entirely different issue. Every decision has to be seen in the context of the issues arising in the case and facts of the particular case.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

80. The following submissions with regard to injury and causal link have been made by the Exporters, Importers, Users and other Interested Parties and considered relevant by the Authority:

- i. The economic parameters of the Petitioners do not indicate existence of injury due to alleged dumped imports. Further, there exist other known factors than the alleged dumped imports which are causing injury to the domestic industry. There is no injury as well as causal link between alleged dumped imports and injury in this case.
- ii. Demand for the subject goods has consistently come down in India from the base year 2011-12 to the POI. In line with decline in demand, imports from China PR have also come down consistently during the injury analysis period. Thus the actual reason for injury alleged by domestic industry is decline in demand for the subject goods.
- iii. Further, the annual reports of the Petitioners as well as the supporter establish that the demand for the subject goods had declined due to fall in crude oil prices. This was a major factor, due to which exploration and drilling activities reduced during the injury analysis period, leading to a sharp fall in demand for the subject goods. Therefore, any injury due to decline in demand for the subject goods cannot be attributed to imports of the subject goods.
- iv. The domestic industry's capacity is much more than the demand for the subject goods in India. However, in view of decline in demand, the high domestic capacity failed to result in a proportionate increase in production and sales. Increase in capacity by the domestic industry, despite decline in demand, further aggravated the situation. This caused injury to the domestic industry. Further, it is because the domestic industry's exports have drastically declined from 121,324 MT in 2011-12 to 78,667 MT during the POI, it is suffering injury due to this reason as well.

- v. While the domestic industry's market share declined by 5% from 2011-12 to the POI, market share of other Indian producers increased by 5% during the same period. Even though it appears that market share of imports from China PR also increased during the same period, it can be seen that actual imports from China PR had declined consistently during the injury analysis period in line with increase in demand. On the other hand, market share of other Indian producers in demand increased from 9% in 2011-12 to 14% during the POI. Therefore, other Indian producers increased their market share by increasing their sales during the injury analysis period when demand for the subject goods was on the decline. This shows the aggressive nature of inter se price competition between the domestic industry and other Indian producers.
- vi. The domestic industry's own data shows the extent of high interest cost they are burdened with. This is a major reason for injury to the domestic industry. Further, annual reports of M/s ISMT Ltd. also shows very heavy finance costs being incurred by the company during the injury analysis period. The domestic industry is suffering injury due to certain intrinsic factors, such as high fixed costs, depreciation costs and finance costs. Both Maharashtra Seamless Ltd. and Jindal Saw Ltd. have been in profits during the injury analysis period. On the other hand, ISMT Ltd. is making losses. This is because ISMT Ltd. is incurring high finance costs, fixed costs and depreciation costs due to significant increase in its capacities in 2010-11.
- vii. While the employment of the domestic industry declined during the injury analysis period, interestingly, the wages offered by the domestic industry have sharply increased in this period. Further, as per M/s ISMT Ltd.'s Annual Report 2014-15, their losses increased by 29.77% on account of remuneration paid to its Key Managerial Personnel. This is also a major factor of injury to the domestic industry.
- viii. Profitability of the domestic industry has been adversely affected as a direct result of decline in demand for the subject goods. The domestic industry was earning profits during 2011-12 when demand for the subject goods was highest. Imports of the subject goods were also highest during 2011-12. However, as demand declined after 2011-12, profitability of the domestic industry also suffered. Therefore, there is no correlation between profitability of the domestic industry and imports of the subject goods.
- ix. The cost of production of the domestic industry appears to have increased during the injury analysis period as the fixed costs of the domestic industry had dramatically increased owing to significant capacity expansion. Large surplus capacities with the domestic industry have led to increased fixed costs and as a result increase in the cost of production. It is obvious that the domestic industry would not be able to recover such high costs, even though the selling price of the domestic industry has increased consistently during the injury analysis period. Even the landed value of the subject goods has increased since 2012-13. In such a scenario, imports cannot be the cause of injury to the domestic industry.
- x. Applicants have installed capacity in excess of the demand of the domestic market and thus it is but natural that there would be accumulation of inventories.
- xi. Imports of the subject goods are neither depressing nor suppressing the prices of the domestic industry. The domestic industry's selling price increased to 105 indexed points in 2012-13 in comparison to 2011-12, even though the landed value slightly decreased during this period. Further, the domestic industry's selling price declined to 99 indexed points in 2013-14, when the landed value increased in the same period. Thereafter, the domestic industry's selling price significantly increased to 108 indexed points during the POI when the landed value of the subject goods also increased. There is thus no clear link between prices of the domestic industry and the landed value of the subject goods. The domestic industry's prices have moved independently of the landed prices of the subject goods.
- xii. Maharashtra Seamless Ltd., a petitioner company and Jindal Saw Ltd., a supporter to this petition, have performed exceedingly well during the injury analysis period, which is evident from their annual reports. It is not clear why ISMT Ltd., which is the second petitioner, is not able to perform well.
- xiii. Injury alleged by the petitioners is self-inflicted. While the sale of Applicants has declined from 303,737 Mt during 2011-12 to 179,798 Mt during the POI, i.e., January 2014-December 2014, at the same time the sale of PUC by other producers in India has increased from 71,227 Mt during 2011-12 to 74,816 Mt during the POI and there is a rise in market share of these other producers from 8.75% in 2011-12 to 13.67% during the POI. Thus, the decline in sale of PUC by the applicants is on account of their own inefficiencies and there is no causal link between the injury caused to the applicants and the import of PUC from China PR.
- xiv. Despite imposition of safeguard duty, it is difficult to reckon as to how injury is still being caused to the domestic industry, when the sole purpose of safeguard duty is to promote the domestic production of product under consideration and providing an opportunity to the domestic producers to compete in the market.
- xv. The Applicants have alleged injury on account of dumping even with respect to certain grades which are not produced/supplied by the Applicants in the market.

- xvi. During the Tender Bidding Process, Applicants have generally offered prices lower than the Chinese Companies. Therefore, the Applicants cannot allege dumping and injury against the Chinese exporters.
- xvii. Un-dumped imports have increased the volume of dumped articles thereby rendering the entire investigation flawed. Imports of high pressure gas cylinders, which have been specifically excluded from the product scope should be excluded for the purpose of injury analysis. Further, imports of secondary pipes, defective, rusted, used pipes and stock lots, should be excluded from the import volume.
- xviii. Domestic Industry has filed wrong and misleading claims about their installed capacities. Both MSL and ISMT have enhanced their capacities during the injury period and it is this enhancement of capacities beyond the demand in the Country that has, in fact, led to deterioration in the performance of the Domestic Industry. The unwarranted enhancement of capacity is the sole cause of injury to the Domestic Industry and not increase in imports from China PR, as alleged in the petition, or at all.
- xix. From the annual reports of the respective companies and otherwise, it is evident that: injury to the domestic industry is not due to alleged dumped imports but due to known factors other than dumped imports. These known factors are ‘change in demand for the subject goods’ and ‘change in the pattern of consumption of the subject goods’, huge fixed cost, finance cost and depreciation cost.
- xx. Only because of decline in demand for the subject goods, the domestic industry was unable to increase its market share. Further, other Indian producers increased their market share by the same margin the domestic industry’s market share had declined during the injury analysis period. This demonstrates strong inter-se competition which is another reason for injury to the domestic industry.
- xxi. Despite decline in demand, Maharashtra Seamless Ltd. and Jindal Saw Limited have remained profitable during the injury analysis period. The reason for injury to ISMT Ltd. on the other hand is high finance cost, high depreciation cost and high fixed cost that resulted from a bad business decision to expand capacities significantly, that did not translate into increased production and sales due to decline in demand for the subject goods.
- xxii. There is no causal link between alleged dumping and injury. Demand for the subject goods is directly linked with drilling and exploration activities in oil and gas sector. Due to decline in drilling and exploration activities, demand for the subject goods declined in the injury analysis period. In this scenario, the domestic industry took a bad business decision to expand its capacities in anticipation of strong domestic and international demand. However, increase in capacities did not translate into increased production and sales for the domestic industry. The domestic industry was left with huge surplus capacities in light of weak demand for the subject goods.
- xxiii. There is no price suppression or price depression in this case. Prices of the domestic industry have moved independently of the landed value of the subject goods. Both the landed value as well as the domestic industry’s prices had increased during the injury analysis period.
- xxiv. Unutilised capacities with the domestic industry are a direct result of decline in demand for the subject goods. Even though the domestic industry increased its capacities in anticipation of strong domestic and international demand, this step was a bad business decision, because soon after the domestic industry increased its capacity, demand for the subject goods fell. This adversely impacted the profitability and return on capital employed of the domestic industry.
- xxv. Demand for the subject goods is directly linked with drilling and exploration activities in oil and gas sector. Due to decline in drilling and exploration activities, demand for the subject goods declined in the injury analysis period. In this scenario, the domestic industry took a bad business decision to expand its capacities in anticipation of strong domestic and international demand. However, increase in capacities did not translate into increased production and sales for the domestic industry. The domestic industry was left with huge surplus capacities in light of weak demand for the subject goods.
- xxvi. Prices of the domestic industry have moved independently from the landed value of the subject goods. Imports from China PR are not preventing the domestic industry from increasing its prices, which is clear from the present facts. Further, the domestic industry is incurring huge fixed costs, depreciation costs and finance costs, which is adding on to the injury being suffered by the domestic industry.
- xxvii. The domestic industry is faced with huge surplus capacities and if they operate at full capacity, they would not be able to sell their entire production in India as capacity of the domestic industry is way higher than Indian demand;
- xxviii. During the Tender Bidding Process, the Applicants offered prices lower than the Chinese Companies. The price offered by Mertex UK was over and above the price offered by MSL for several grades. Therefore, the Applicants cannot allege dumping and injury against the Chinese exporters.
- xxix. The Applicants even while bidding for Tenders floated by ONGC have stood disqualified at certain times for not being able to meet the requirements as prescribed by the Tenderer. Accumulation of inventories by the Applicants is on account of the fact that developmental orders are being placed and further that the Applicants are manufacturing substandard products which fail to meet the requirements of the Tenderers like ONGC. Further, the Applicants have installed capacity in excess of the demand of the domestic market and thus it is but natural that there would be accumulation of inventories.

- xxx. The injury information as provided in Proforma IVA suggests that the domestic industry has not suffered any injury on account of dumped imports from subject countries. Even after lapse of years since imposition of safeguard duty on PUC, the domestic industry has not taken steps towards capacity building. There are certain high-end equipment included within PUC, which the Applicant does not have the capacity to produce. The Applicant cannot be allowed to take protection by imposition of anti-dumping duty, when alleged injury to the Applicant is self-inflicted and is caused on account of the inefficiencies of the Applicant.
- xxxi. Injury caused to the applicants is on account of the internal price war between the constituents of the domestic industry during the bidding for various tenders floated by companies like ONGC. the allegations levelled that the Applicants are not able to meet the price offered by foreign manufacturers/exporters do not hold good in as much as it has been a trend wherein Jindal Saw has often reduced price to match the price quoted by MSL or ISMT and vice versa. Furthermore, it is interesting to note that during the Tender Bidding Process more often than not it was found that the Applicants and the Domestic Industry offered prices lower than the most of the foreign producers/exporters which negates the claim of injury. Therefore, it is but obvious that injury is self-inflicted.
- xxxii. There has been no negative impact from the allegedly dumped imports from China. Any difficulties experienced by the Indian industry and any resultant variations in profit margins are due to other factors, including stiff competition from many countries other than China. Further, the Applicants have installed capacity in excess of the demand of the domestic market and thus it is but natural that there would be accumulation of inventories. A causal link is clearly lacking between imports from China and the situation of the Indian domestic industry.

81. The following submissions with regard to injury and causal link have been made by the opposite interested parties and considered relevant by the Authority:

- i. For most of the years under review the trend in the level of imports from China has declined over 2011-12 to the POI.
- ii. Petitioners own data shows that the landed value of imports has remained remarkably steady during the years under review and is higher in the latest year (POI) than in the year before (2013-14) and in the earlier year (2012-13). It is unclear from the charts provided in petition by the petitioner whether these data relate to all imports or imports from China only or all countries taken together.
- iii. While inventory levels and the number of days in inventory have increased overall, the trends in these indicators are not steady. The Inventory & debtors levels as on the balance sheet date has increased significantly over corresponding period last year. ISMT's net profit margin has significantly increased during POI while inventory has declined during the same period. Accumulation of inventories is on account of the fact that they are manufacturing substandard products which fail to meet requirements.
- iv. Petitioners have installed capacity in excess over demand of domestic industry. Domestic industry's capacity is much more than the demand for the subject goods in India.
- v. Wages have increased in absolute terms between 2011-12 and the POI, negating any claim of injury. Wages expressed in INR per MT during the POI were 42% higher than the base year 2011-12. As per M/s ISMT Ltd.'s Annual Report 2014-15, their losses increased by 29.77% on account of remuneration paid to its key managerial Personnel. This is a major factor of injury to the domestic industry.
- vi. Petitioners have claimed that Indian domestic industry has reduced its prices in 2013-14 and the POI on the other side landed value of imports has increased overall during the POI.
- vii. One of the key factors to be considered when examining whether domestic industry is truly suffering injury due to dumped imports are the analysis of effect on price, volume and profitability caused by the dumped imports, in addition to examination on consequential impact on other injury related factors as are requested by law.
- viii. Imports of the PUC were essentially made in response to the bidding. It is interesting to note that during Tender Bidding Process more often than not, it was found that the Petitioners offered prices lower than the Chinese Companies. Petitioners have stood disqualified several times while tender of ONGC for not being able to meet requirements as prescribed.
- ix. Any difficulties experienced by the Indian industry and any resultant variations in profit margins are due to other factors, including stiff competition from many countries other than China.
- x. In accordance with the elements above, a causal link can't be established between any alleged injury and allegedly dumped imports from China.

- xi. M/s ISMT Ltd. is burdened with steep finance costs. Its financials are significantly stressed due to weak demand, resulting in unutilized capacities.
 - xii. Power cost of ISMT has increased by 16% during 2014-15 despite decline in per unit electricity rate by 24%.
 - xiii. M/s Maharashtra Seamless Ltd. attributes fall in prices of crude oil, decline in the activities of exploration and production companies in drilling, and slowdown in infrastructure sector to reduction in demand for the subject goods in India.
 - xiv. One of the supporters M/s Jindal Saw Ltd. has also pointed to the same factors as MSL above for decline in demand for the subject goods in India.
 - xv. Domestic industry is suffering injury due to alleged dumped imports, when the actual reason for injury is decline in demand for the subject goods. Demand of the subject good has decreased due to decline in drilling and exploration activities.
 - xvi. Market share of the domestic industry in demand declined during the injury analysis period to the same extent the other Indian producers share increased.
 - xvii. Wages expressed in INR per MT during the POI were 42% higher than the base year 2011-12. As per M/s ISMT Ltd.'s Annual Report 2014-15, their losses increased by 29.77% on account of remuneration paid to its key managerial Personnel. This is a major factor of injury to the domestic industry.
 - xviii. Profitability of the domestic industry has been adversely affected as a direct result of decline in demand for the subject goods. The domestic industry should be directed to explain injury due to other factors and segregate the same from the injury analysis.
 - xix. The domestic Industry has calculated highest price undercutting and Price underselling in the POI, when the landed value was significantly higher than previous two years. The DA has only disclosed PCN wise price underselling, but has not disclosed PCN wise landed value.
 - xx. Injury suffered by the DI is due to other known factors such as fall in prices of crude oil, due to Forex fluctuations and decline in level of exploration is one of the reasons of injury. There are many other intrinsic factors adversely affecting the domestic industry, thereby causing injury to the domestic industry. The annual reports of both petitioners and one of the supporters to demonstrate this aspect. The Domestic industry's own data shows the extent of high interest cost they are burdened with.
 - xxi. In post hearing submissions it was submitted by exporters, users, importers and interested parties that Injury analysis in the Preliminary Finding is *prima facie* incorrect.
 - xxii. PCN A-1-5 is un-dumped and should be excluded from the import volume. Inclusion of all these have increased the import volume of the dumped articles.
 - xxiii. Landed cost of imported bearing tubes is higher than that procured from ISMT. Due to this, dumping cannot be alleged. Import price of Chinese bearing tubes are comparable with bearing tubes of other countries. Bearing producers have a strict vendor selection process and such an overnight change cannot be made, as it requires 2 years. Since there is no reduction in export price of bearing tubes after imposition of safeguard duty, the DA's findings are factually erroneous.
 - xxiv. Market share of the DI has declined during the injury analysis period but at the same time share of other producers have gone up. This shows aggressive nature of inter se price competition between the DI and other Indian producers.
 - xxv. There is no explanation on how come there is huge decline in profitability due to slight decline in sale.
 - xxvi. Revenue of the DI and Supporters has stayed stable or has improved during the injury analysis period.
 - xxvii. The duty is imposed on reference price. So it is providing double protection to the DI because Safeguard duty is already in force for against the subject good regarding the subject country.
 - xxviii. Cost of production of DI has increased during the injury analysis period, because the fixed cost has dramatically increased.
82. The following additional submissions with regard to injury and causal link have been made by the opposite interested parties subsequent to second hearing
- i. Prices offered by Jindal Saw are lower than ISMT.
 - ii. Reference price duty levied is very high. The reference price duty is based on the situation during POI.
 - iii. International prices of steel have steeply fallen after 2014, particularly steel billets.
 - iv. About 40% value addition is done from billet stage to manufacture the subject goods. Considering the value addition, fair price of the subject goods should not be more than USD 510/MT.

- v. In this situation the DI should not face any injury. Such excessive protection is nothing but a de facto ban on imports of the subject goods.
- vi. Bearing tubes cannot be clubbed in A-1-8 because line pipes and bearing tubes are different goods.
- vii. No injury to the DI. Capacity expansion was not commensurate with the market growth. Expansion has resulted into higher finance cost, depreciation cost and energy cost.
- viii. No data furnished for bearing tubes.
- ix. No increase in import or decline in price of bearing tube from the data available.
- x. Price of raw material decreased hence the export price.

Examination of the Authority

83. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:

84. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-dumping Rules.

G. VOLUME EFFECT OF THE DUMPED IMPORTS ON THE DOMESTIC INDUSTRY

Demand and market share

85. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed, which shows a declining trend along with imports from the subject country and other countries, is given in the table below:

| Particulars | Units | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|------------------------------|--------------|----------------|----------------|----------------|-----------------------------|
| Demand | MT | 7,95,915 | 6,73,141 | 6,26,818 | 5,35,264 |
| Indexed | Trend | 100 | 85 | 79 | 67 |
| Imports from Subject Country | MT | 3,02,452 | 2,52,802 | 2,81,931 | 2,30,850 |
| Indexed | Trend | 100 | 84 | 93 | 76 |
| Import from other countries | MT | 1,13,544 | 1,15,823 | 61,802 | 45,416 |

Market Share in Demand

86. Considering imports from various sources and sales of the domestic industry, market share of subject imports in demand in India was examined. The Authority notes that while the market share of domestic industry has declined during the POI as compared to the base year, the market share of the imports from the subject country has increased during the same period.

| Particulars | Units | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|------------------------------|-------|---------|---------|---------|----------------------|
| Imports from subject country | % | 38 | 38 | 45 | 43 |
| Imports from other countries | % | 14 | 17 | 10 | 8 |
| Sale of domestic industry | % | 39 | 34 | 34 | 34 |
| Sale of other producers | % | 9 | 11 | 11 | 14 |

Import volume and market share

87. The volume of imports of the subject goods from the subject country is as under:-

| Particulars | | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|-------------------------|-----------------|------|----------|----------|----------|----------------------|
| Volume | Subject country | MT | 3,02,452 | 2,52,802 | 2,81,931 | 2,30,850 |
| | Other countries | MT | 1,13,544 | 1,15,823 | 61,802 | 45,416 |
| | Total imports | MT | 4,15,996 | 3,68,626 | 3,43,733 | 2,76,266 |
| Market Share in imports | Subject country | % | 73 | 69 | 82 | 84 |
| | Other countries | % | 27 | 31 | 18 | 16 |

88. It is observed from the above table that while imports from subject country declined during the POI as compared to the base year, its market share has increased substantially.

Share of imports in relation to production

89. The Authority notes that the imports from subject country have increased in relation to the production of the domestic industry, as is evident from the following table:

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|--|------|----------|----------|----------|----------------------|
| Import from Subject country | MT | 3,02,452 | 2,52,802 | 2,81,931 | 2,30,850 |
| Production for DI | MT | 4,36,046 | 3,08,992 | 2,68,756 | 2,66,992 |
| Import in relation to Production in DI | % | 69.36 | 81.82 | 104.90 | 86.46 |

90. Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table:-

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|----------------------|------|----------|----------|----------|----------------------|
| Capacity | MT | 8,15,000 | 8,15,000 | 8,15,000 | 8,15,000 |
| Production | MT | 4,36,046 | 3,08,992 | 2,68,756 | 2,66,992 |
| Capacity Utilization | % | 53.50 | 37.91 | 32.98 | 32.76 |

91. It is observed that production and capacity utilization of the domestic industry has declined throughout the injury period and declined significantly during the POI as compared to the base year.

Sales volume

92. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|------------------------------|---------|----------|----------|----------|----------------------|
| Domestic Sales | MT | 3,08,692 | 2,30,365 | 2,11,924 | 1,84,182 |
| Trend | Indexed | 100 | 75 | 69 | 60 |
| Demand | MT | 7,95,915 | 6,73,141 | 6,26,818 | 5,35,264 |
| Trend | Indexed | 100 | 85 | 79 | 67 |
| Market share of DI in demand | % | 38.78 | 34.22 | 33.81 | 34.41 |

93. It is observed from the above table that there is a sharp decline in the sales of the domestic industry.

H. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

94. With regard to the Price effect, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of sales (COS), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the weighted average Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the weighted average landed cost of imports of the subject goods from the subject country.

Price Undercutting

95. The net sales realization has been arrived after deducting outward freight and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty including applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the price undercutting from the subject country is positive during the POI. The Authority has determined the landed value of the subject goods at ex-port level and the net sales realization of the domestic industry at ex-factory level as per its established practice.

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|--------------------------------|---------|----------|----------|----------|----------------------|
| Imports Volume in MT | MT | 3,02,452 | 2,52,802 | 2,81,931 | 2,30,850 |
| Imports Value Assessable Value | Rs. Crs | 1,743.66 | 1,430.34 | 1,594.93 | 1,298.41 |

| | | | | | |
|--|--------|--------|--------|--------|--------|
| Assessable Value | Rs./MT | 58,227 | 57,145 | 57,138 | 56,807 |
| Custom Duty (%) | % | 4.73% | 4.05% | 4.60% | 6.80% |
| Custom Duty Amount | Rs/MT | 2,753 | 2,314 | 2,629 | 3,860 |
| Education Cess | 3% | 82.59 | 69.41 | 78.88 | 115.81 |
| Landed Value | Rs/MT | 61,063 | 59,528 | 59,846 | 60,783 |
| Selling price of DOMESTIC INDUSTRY | Rs/MT | *** | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | Rs/MT | *** | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | (%) | *** | *** | *** | *** |
| Range | | 0-10 | 5-15 | 0-10 | 10-20 |

96. The above table clearly demonstrates that the landed value of imports from China PR is below the selling price of the domestic industry and hence undercutting the prices of the Domestic Industry.

Price Underselling

97. The Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The weighted average NIP and weighted average Landed Value have been worked out and compared. The analysis shows that during the POI the landed value of subject imports were below the non-injurious price of the domestic industry, as can be seen from the table below, demonstrating positive price underselling effect.

| Particulars | Unit | A-1-1 | A-1-2 | A-1-3 | A-1-4 | A-1-5 | A-1-6 | A-1-7 | A-1-8 | Total |
|------------------------|---------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| Non-injurious Price | US\$/Mt | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Landed Value | US\$/Mt | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Underselling | US\$/Mt | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Underselling | % | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Underselling | % Range | 15-25 | 5-15 | 85-95 | | 0-10 | 0-10 | 25-35 | 10-20 | 5-15 |

Price suppression/depression

98. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec. 2014) |
|---------------|--------|---------|---------|---------|--------------------------|
| Cost of Sales | Rs./MT | *** | *** | *** | *** |
| Indexed | Trend | 100 | 111 | 116 | 130 |

| | | | | | |
|------------------------------|--------|--------|--------|--------|--------|
| Selling Price | Rs./MT | *** | *** | *** | *** |
| Indexed | Trend | 100 | 105 | 99 | 108 |
| Landed Price Subject Country | Rs./MT | 61,063 | 59,528 | 59,846 | 60,783 |
| Indexed | Trend | 100.00 | 97.49 | 98.01 | 99.54 |

99. It may be seen from the table above that while the cost of production of domestic industry has increased from 100 to 130 from 2011-12 to POI, their selling price increased only from 100 to 108 during the same period. Thus the domestic industry's prices were suppressed on account of dumped imports, as the domestic industry was not able to increase its prices in proportion to increase in its costs.

I. Economic parameter of the domestic industry Profit/Loss

100. The profitability of the domestic industry is given in the following table;

| Particulars | Units | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan. to Dec., 2014) |
|----------------------------|---------|---------|---------|---------|--------------------------|
| Profit/Loss | Rs. Crs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | (2) | (156) | (187) |
| Profit/Loss | Rs/Mt | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | (2) | (227) | (313) |
| Return on Capital Employed | % | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 11 | (4) | (18) |
| Cash Profit | Rs. Crs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 36 | (54) | (78) |

101. It is seen from the above table that profitability of the domestic industry declined significantly during the POI as compared to the base year.

Cash Flow

102. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table.

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|-------------|---------|---------|---------|---------|----------------------|
| Cash Profit | Rs. Crs | *** | *** | (***) | (***) |
| Trend | Indexed | 100 | 36 | (54) | (78) |

103. It is seen that the cash profits of the domestic industry declined from 2012-13

Inventories

104. Inventories with the domestic industry moved as follows;

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|------------------------------|---------|---------|---------|---------|----------------------|
| Average Stock | MT | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 107 | 99 | 107 |
| Stock as no of days of sales | Nos. | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 148 | 156 | 175 |

105. It is noted that inventories with the domestic industry increased in the POI as compared to the base year as well as the previous year.

Productivity

106. Authority notes that productivity of the domestic industry, productivity per day as well as per employee has declined significantly during the POI as compared to base year.

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|---------------------------|---------|---------|---------|---------|----------------------|
| Productivity per Day | MT | *** | *** | *** | *** |
| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
| Trend | Indexed | 100 | 78 | 76 | 72 |
| Productivity per employee | MT | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 75 | 68 | 70 |

Employment and Wages

107. It is seen from the table below that the employment level has decreased during the POI marginally as compared to the base year.

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|-----------------|---------|---------|---------|---------|----------------------|
| Employment | Nos | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 97 | 93 | 90 |
| Wages (Rs. Crs) | Rs. Crs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 117 | 134 | 147 |

Magnitude of Dumping

108. Magnitude of dumping as an indicator of the extent, to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry, shows that the dumping margins determined in respect of the subject country are above de-minimis.

Growth

109. The Authority notes from the table below that growth of the domestic industry in respect of production, domestic sales, profit/loss, ROI, etc have declined during the POI as compared to the growth achieved in the base year.

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI (Jan - Dec 2014) |
|----------------------------|------|---------|---------|----------|----------------------|
| Production | % | - | -29% | -13% | -1% |
| Domestic sales volume | % | - | -25% | -8% | -13% |
| Cost of sales | % | - | 11% | 5% | 12% |
| Selling Price | % | - | 5% | -6% | 9% |
| Profit/Loss per units | % | - | -102% | -11333% | -37% |
| Return on Capital Employed | % | - | -1.02% | -113.33% | -2.37% |

Ability to raise capital investment

110. It is noted that despite significant demand for the subject goods in the Country, the domestic industry has not been able to optimize its production capacity. Further, the applicant is suffering significant financial losses as a result of dumping of the subject goods from the subject countries. In the prevailing situation, it would not be possible for the domestic industry to make further investment for the production and sale of the subject goods.

Factors Affecting Domestic Prices

111. The examination of the import prices from the subject country and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc shows positive price undercutting and underselling effects. Further, the demand for the subject goods, although showing declining trends, still continues to be significant in the Indian market. Therefore, it cannot be the cause for affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is the landed value of the imports of dumped subject goods from subject countries.

Conclusion on material injury

112. The above injury analysis demonstrates that imports of the subject goods from the subject country are undercutting and underselling the prices of the domestic industry in the market. Further, whereas cost of production kept increasing over the injury period, even though the selling prices also increased, the increase in selling price was not in proportion to the increase in cost of production. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry and preventing the price increase that would have otherwise occurred in the absence of dumped imports. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is found that demand for the product continues to be significant in the Indian market, but the domestic industry's still falls short of optimum level

due to presence of dumped imports. Resultantly, the domestic industry did not appreciate its market share despite increase in capacity and demand, which in turn impacted other performance parameters as well. The domestic industry was faced with significant unutilized capacities in a situation where the demand for the product is quite significant in the market. Profitability of the domestic industry declined. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits marked negative growths in POI. Growth in respect of most of the parameters such as production, sales, capacity utilization, profits, cash profits, return on capital employed, market share & inventory etc shows an adverse impact on the domestic industry. In view of the above, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury on account of the dumped imports of the subject goods from the subject country.

J. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

113. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

- i. **Volume and value of imports from countries other than the subject country**- Imports from countries other than China PR are not significant in volumes as either de-minims or at higher prices. Imports from third countries are not causing any injury to the domestic industry.
- ii. **Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption**- The Authority notes that despite declining but significant demand for the subject goods in the country, the domestic industry suffers from unutilized capacity. Moreover, the market has not demonstrated any change in the pattern of consumption as well. Therefore, decline in the demand and change in the pattern of consumption cannot be construed as the cause for injury to the domestic industry.
- iii. **Development in Technology**- None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.
- iv. **Trade restrictive practices and competition between supply from various sources**- The Authority notes that the subject goods are not subjected to any trade restrictive practices in India. Moreover, apart from the competition that is obvious in any market economy, no inter se competition or competition between supplies from various domestic and international sources exhibit any such impact that could be construed as injurious to the domestic industry.
- v. **Export performance**- Performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of injury to the domestic industry.

114. From the foregoing, the Authority affirms the finding and concludes that there is no evidence of injury being caused to the domestic industry due to other factors.

K. Factors establishing causal link:-

115. All Parameters enumerated above clearly establish that injury to the domestic industry has not been caused by the other factors. Under such a situation, petitioner submits that the following parameters establish that the injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.

- i. Imports from China are being dumped in the domestic market at prices cheaper than domestic industry.
- ii. Decline in the sales volumes has led to decline in production and consequently capacity utilization;

- iii. Imports from China are undercutting and underselling the domestic prices. Consequently, the domestic industry has been prevented from increasing the prices in proportion to the increase in the cost of production;
- iv. Inability of the domestic industry to increase its prices in proportion to the cost led to significant decline in profitability.
- v. Decline in profits as a result of price undercutting/underselling led to decline in return on investment and cash profits to such an extent that both became negative in the period of investigation. Deterioration in these parameters is therefore due to dumping from China PR.
- vi. Market share of the imports increased significantly. As a direct consequence of dumping, the market share of the domestic industry declined.
- vii. Growth of the domestic industry became negative and the Domestic Industry is at the verge of closure due to intensive dumping. Material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.

116. Thus, from the foregoing facts and analysis, the Authority notes for the purpose of the present findings that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

L. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

117. The Authority notes that the PCN wise non-injurious price for the domestic industry has been determined as per the principles laid down under the Annexure III to the Anti-dumping Rules. The non-injurious price so determined has been compared with the PCN wise landed value of imports of Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR & Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd., for determining the weighted average injury margin as below:

| Particulars | Unit | A-1-5 | A-1-6 | Total |
|---------------|---------|------------|-------|-------|
| NIP | US\$/MT | *** | *** | *** |
| Landed Value | US\$/MT | *** | *** | *** |
| Injury Margin | US\$/MT | *** | *** | *** |
| Particulars | Unit | A-1-5 | A-1-6 | Total |
| Injury Margin | % | *** | *** | *** |
| Injury Margin | % Range | (Negative) | 5-15 | 5-15 |

118. In respect of all other exporters from China PR, who are treated to be non-cooperative, the Authority determined the injury margin as below:

| Particulars | Unit | A-1-1 | A-1-2 | A-1-3 | A-1-4 | A-1-5 | A-1-6 | A-1-7 | A-1-8 | Total |
|---------------|---------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| NIP | US\$/MT | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Landed Value | US\$/MT | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| Injury Margin | US\$/MT | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| Injury Margin | % | *** | *** | *** | - | *** | *** | *** | *** | *** |
| Injury Margin | % Range | 15-25 | 5-15 | 85-95 | NA | 0-10 | 0-10 | 25-35 | 10-20 | 5-15 |

M. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES

Submissions by Domestic Industry

119. Submissions by domestic industry
- a. The product under consideration in the present investigation is “Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14” OD”.
 - b. The product under consideration includes boiler pipes or line pipes used in hydrocarbon industry and casing and tubing of a kind used in drilling for oil and gas exploration. Following products have been excluded by the Authority from the scope of product under consideration at the initiation stage:
 - i. Seamless alloy-steel pipes, tubes and hollow profiles of specifications of ASTM A213/ASME SA 213 and ASTM A335/ ASME SA 335 or equivalent BIS/DIN/BS/EN or any other equivalent specifications.
 - ii. Non - API and Premium Joints / Premium Connections / Premium ThreadedTubes& Pipes.
 - iii. All 13 Chromium (13CR) Grade Tubes and Pipes, and
 - iv. Drill Collars.
 - c. Secondary, defective, rusted and used pipes, ASTM A335 Gr. and P-9, cannot be excluded from the import volume as they fall under the scope of PUC.
 - d. Exclusion of High pressure gas cylinder is inappropriate. The Domestic Industry will be forced to file a fresh application in regard of this product once it starts commercial production.
 - e. M/s. Maharashtra Seamless Ltd. and M/s ISMT Ltd. account for a major proportion of the total domestic production of the subject goods and fulfil the requirement of Rule 2 (b).
 - f. Information such as gross volume of exports to India, gross volume of sales in domestic market, production, sales, and average price for exports to India have not been claimed confidential. Whereas excessive confidentiality is claimed by the exporters/importers. Information available on public domain has been treated as confidential.
 - g. Imposition of Anti-dumping duty is not going to impact the downstream industry negatively in contrary it will provide them a level playing field.
 - h. The interest parties have no locus to demand any document in a particular form.
 - i. Patented goods are in no way different than the non patented goods. Patents good is commercially and technically interchangeable.
 - j. Petitioners have not made any application before Safeguard Authority seeking extension of present safeguard duty.
 - k. Mertex and other Chinese exports have been supplying goods to ONGC in dumped prices year after year so that domestic suppliers go out of the list of suppliers for ONGC.
 - l. MSL has qualified for all the items of the tender specified by Mertex in its response. In fact Mertex failed to qualify for supplying substantial quantity of order due to impact of Customs duty and the same was taken by MSL.
 - m. China has surplus capacity because countries like USA, EU Canada etc have already imposed duty on China.
 - n. Import data taken from DGCI&S is indeed confidential information and the same is not available publically.
 - o. Duty should be imposed retrospectively. Earlier such request was made by the domestic industry and the same finds place in initiation notification. The opposite parties have made any argument against the same.
 - p. Anti-dumping duties should be imposed during the interregnum period. The same held valid in **Nitco Tiles Ltd. V/s Designated Authority {2006(193) ELT 17(Tri.-Del.)** Ministry of Law and Justice also has the same stand in this regard. However, the Hon'ble Supreme Court in the matter of **Commissioner of Customs, Bangalore vs. G M Exports and Ors;** held the contrary **and was of opinion that** other signatory countries have taken the same view that no duty can be collected during the gap period. With due respect to the Hon'ble Supreme Court, the Apex Court held that without considering the fact that the time period of 5 years in India is counted from the date of imposition of provisional duties.
 - q. China should be treated as non-market economy.
 - r. Dumping margin is calculated for product as a whole not for a particular product. Just because PCN A-1-5 is negative that cannot be excluded on that basis. Different PCNs are merely different types of one product. Standing of the petitioners and injury analysis has been carried out for the product under consideration as a whole. The injury analysis has not been carried out for individual product types. The same was affirmed by the WTO Appellate Body in the matter of **European Communities – Anti-Dumping Duties on Imports of Cotton-Type Bed Linen** from India.
 - s. Imports have been made under Chapter 98, wherein customs duty payable is nil. A number of exporters have supplied the material under Chapter 98. The sole exporter who has been given individual dumping margin and injury margin has also supplied the material under Chapter 98, accordingly the landed price of import is required to be determined without adding customs duty. Similar view was taken by the Hon'ble Supreme Court In the matter of certain catalysts.

- t. Supreme Court where held that in case product under consideration is classifiable under different customs classifications and customs duties are different under different customs classifications, the Designated Authority shall determine injury margin after considering prevailing customs duties. If customs duty prevailing in Chapter 98 is considered, all the injury margins shall be positive.
- u. The domestic industry has suffered material injury as a result of dumping. It has impacted the demand, market share, production and production capacity of the domestic industry. All the other economic parameters show injury.
- v. The present NIP law itself is against the fundamental right of domestic industry to seek protection against unfair dumped imports. The determination of non-injurious price is grossly inappropriate and is leading to unduly low protection to the domestic industry. The Authority should consider actual raw material and utilities consumption. It would be inappropriate to ignore actual production and adopt any other production basis for determination of non-injurious price.
- w. The form of duty should serve the purpose for which anti-dumping duty is imposed and the duty should be imposed in a manner where it does not become futile. The provisional duty in the present case was imposed on the basis of benchmark duty and same should be adopted while imposing final duty.
- x. The Anti-dumping legislation has been created in consonance and in conformity with the WTO Agreement on Anti-Dumping, which explicitly permit authorities to impose anti-dumping duties in the form and manner requested.
- y. Information has been provided showing clearly the pattern of raw material prices have increased (Coking coal up by 300%, Iron Ore by 100%. Steel prices up by 30-35%) and in future is likely to be high.
- z. Thus, it is not a case where cost of production has declined after the POI, rather , the raw material cost have increased substantially in the most recent period, which is demonstrated by the raw material suppliers from the china pr itself, who are quoting billets prices, at much higher then what was in the Period of investigation.
- aa. Duty should be imposed in terms of Dollars to avoid erosion of the quantum of protection does not take place on account of changes in the exchange rate.
- bb. Product under consideration continues to be exported to India below its normal value resulting in dumping from the subject country.
- cc. Both dumping margin and injury margin in the current period of investigation are significant and positive from the subject country.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- a. Anti-dumping duty should not be levied on the product as it is not indigenously manufactured by any of the local manufacturers.
- b. Bulk of imports is for the variant (Diameter less than 12") that differs from company's requirement (Diameter 12.75").
- c. The two petitioners, Maharashtra Seamless Ltd and ISMT Ltd. are not in a position to meet the corporation's requirement domestically.
- d. Imposition of duty would be against public interest.
- e. There was an error in rejection of information submitted by Mertex UK Ltd in the Exporter's Questionnaire Response and the information should not be rejected on the ground such as Mertex UK has also filed EQ response and claimed to have exported subject goods. Export transactions cover both PUC as well as non-PUC. Concerned parties still did not furnish bifurcated details in terms of MT. Authority does not allow individual export price and margins to Pagong Group, PRC and Mertex UK.
- f. It is not justified that data submitted be rejected on this ground. Amended import data from PUC submitted by DI at a later stage to DGAD contained several entries for secondary and defectives which should have been excluded from the import data of PUC.
- g. A list of such products which had been included by applicants in import data was also enclosed by exporters along with Written Statement filed. Authority ought to reject the application on this ground.
- h. DI is trying to mislead and create prejudice. Applicants ought to furnish correct data. Information submitted along with EQ must be accepted by Authority to be used to calculate individual dumping margin.
- i. "Imports of secondary, defective and rusted pipes cannot be excluded while examining the relied upon import data". This statement by authority is surprising and dismal.
- j. Authority should have clarified its stand regarding correctness of import data and methodology. Only higher priced products were excluded from import data qualifying them as non-PUC. No reasoning was provided by DI at submitting revised import data and excluding certain entries from import data.
- k. ISMT's API certificate has been cancelled and it cannot participate in tenders invited by ONGC.
- l. Learned Authority has failed to consider that Applicants have submitted bids at lower prices than exporters including Mertex in tenders invited by ONGC.
- m. Name of the interested parties must be mentioned in paragraph xiv on page 6 of the disclosure statement and the corresponding paragraph in the final findings.

- n. There is a prohibition on imposing countervailing and anti-dumping duty to compensate for the same situation of export subsidization. It would be wrong to say there is a prohibition to impose countervailing duty and anti-dumping duty at the same time, as observed in the disclosure.
- o. Reference price duty would be inappropriate in this case as according to Rule 13 and Rule 18 of the AD Rules, anti-dumping duty cannot exceed the margin of dumping as determined by the Designated Authority according to Section 9A of the Act and Rule 17 of the AD Rules.
- p. India follows lesser duty rule and anti-dumping duty is collected in excess of what is warranted. The amount of anti-dumping duty collected cannot exceed the margin of dumping calculated for an exporter, as the margin of dumping acts a ceiling for the total amount of anti-dumping duty that could be collected. Supported by United States- Measures Relating to zeroing and Sunset review WT/DS332/AB/R.
- q. Reference price duty is not appropriate and has not been adopted by the Authority in last five years for number of reasons such as prices can be manipulated so that landed value falls above the reference price because of the same reason as a policy the Govt. does not impose reference price because they do not earn revenue from the same, raw material price increase, landed value goes above reference price but dumping still continues, if raw material prices decrease the landed value goes below reference price but reference price duty will still be applicable even if there is no dumping. Reference price duty is appropriate only in those cases where the raw material prices are stable.
- r. Designated Authority has failed to provide any analysis on why reference price duty was adequate in this case and to ensure that the amount of anti-dumping levied does not exceed the maximum ceiling.
- s. The Designated Authority should provide a maximum ceiling beyond which anti-dumping duty could not be collected in a reference price mechanism.
- t. Safeguard duty must be adjusted in the reference price to avoid excessive protection to the domestic industry. The Respondents submit that reference price duty is appropriate only in those cases where the raw material prices are stable or raw material prices do not fluctuate in a volatile manner. Fluctuation in prices of the raw material also impacts the prices of the subject goods. Even when such goods may not be dumped, they may still be subject to anti-dumping duty. Exporters might still dump the subject goods, but may keep their prices above the reference price to avoid anti-dumping duty.
- u. Reference price on the subject goods as per the preliminary findings and provisional customs notification is very high. The reference price is based on the situation during the POI.
- v. The domestic industry has been offered two to three times of protection by putting the reference price from USD 510/MT onwards to above USD 1600/MT. Such excessive protection is nothing but a de facto ban on imports of the subject goods.
- w. The DGAD had treated import data as confidential in the investigation of USB Flash drivers and the final finding was challenged in the appeal and the Delhi High court quashed the final finding.
- x. Such high reference price is hurting the Respondents. Secondary, defective, rusted and used pipes cannot be considered as part of the product scope. The authority should give reasons why these should not be excluded from the scope of product under consideration.
- y. The domestic industry has misconstrued and manipulated the Respondents' argument to state that DGCI&S does not make available bill of entry-wise import data.
- z. The DI has misrepresented before the Designated Authority that DGCI&S data is a confidential data, whereas such statement is not correct factually as well as legally. Failure to provide such information will be violation of natural justice and The Hon'ble Supreme Court has clearly observed in UOI vs. Meghmani Organics Ltd and Ors. that data available with DGCI&S is available to the public and also under the RTI Act.
- aa. Further, to claim the DGCI&S data the Supreme Court has held in the above case that has DGCI&S claimed confidentiality to provide the data to the DGAD, if yes where is the communication regarding this. If there is a communication why that is not put to the public file for the interested parties.
- bb. The DGCI&S has no right to claim import data, raw and refined import data, and methodology to make refine such import data as confidential.
- cc. It is clear that DGCI&S is an uninterested party in an anti-dumping investigation. The information can be obtained through RTI as well. So there is no reason why DGCI&S will claim confidentiality and not provide the data to DGAD. It is illogical that DI's petition is based on DGCI&S data and the same is confidential for the interested parties.
- dd. DI has claimed excessive confidentiality in providing Performa IV-B, process of manufacturing goods, raw material and packaging material consumption, format B, CI & CII, D, E, ROCE, purchase policy, sale policy, quality control of the procedures and source of the exchange rate for the period of investigation.
- ee. Mathematically not possible that after adding safeguard duty, injury margin is positive, as 20% safeguard duty was in force between 13 August 2014 to 12 August 2015 (both days inclusive), while injury margin for the POI is only in the range of 5-15% for the POI. This means that safeguard duty was more than adequate to address the injury to the domestic industry.
- ff. Authority may kindly clarify what is NA which is written against dumping margin of PCN A-1-4. Price underselling of the same PCN is blank. If there's no import of this PCN it should be excluded from the PUC.

- gg. Granting of 22% ROCE in arriving at the non-injurious price for the domestic industry is illegal as the norm is to consider historical rate of return in light of Indian spinner Association Vs Designated Authority 2004 (170) ELT 144 (Tri.-Del).
- hh. Disagree with injury and causal link examination in Annexure 3 of the examination. The Designated Authority has neither recorded the contentions of the Respondents in full nor appreciated the contentions in Annexure 3 of the disclosure statement.
- ii. No duty should be imposed on YCS PCN A-1-5. Designated Authority has determined negative dumping margin and injury margin for YCS' exports under PCN A-1-5 and PCN A-1-6 to India. Overall dumping margin and injury margin for YCS are negative.
- jj. The weighted average dumping margin in the range of 20-30% for PCN A-1-6 for JCS and YCS together and for non-cooperative exporters from China PR, it is in the range of 15-25% for PCN A-1-6, which is lower than weighted average dumping margin for JCS and YCS. This seems to be an error.
- kk. The Designated Authority erred in calculating weighted average injury margin in the range of 5-15% for PCN A-1-6 for JCS and YCS together and for non-cooperative exporters from China PR, it is calculated in the range of 0-10% for PCN A-1-6, which is lower than weighted average injury margin for JCS and YCS.
- ll. No observation on bearing steel tube has been made by the Authority, which is wholly unjustified. Neither the domestic industry nor the supporter can manufacture GCR15 grade and its equivalent grades of bearing steel tubes.
- mm. The Authority has determined dumping margin on the facts available but not on the information provided by the exporters. For the purpose of determining dumping margins, only the information regarding the normal value and export price maintained by the responding exporter can constitute necessary information.
- nn. The Authority has discretion to use the information of unrelated entities to determine dumping margin.
- oo. Valin, MPM, Hengyang and Xigang have already provided its channel of sales to the Authority.
- pp. It has already been clarified to the Authority that they should consider the information provided by the exporters.
- qq. Authority may consider that exports made by the traders are minuscule portion of the total exports of Valin, MPM, Hengyang and Xigang.
- rr. All the transactions reported in the questionnaire response is of PUC only.
- ss. Exporters had provided complete information of PUC alone in Questionnaire Response which was unfairly treated by DA by not pointing out specific entries.
- tt. Exporter's Response had been rejected by DA on the basis of the import data filed by the DI and the same has been claimed confidential, which is unlawful. Disclosure statement does no clarify classified information into PUC & Non-PUC and its classification into various PCN.
- uu. Secondary, defective, rusted pipes are reflected in import data provided in the petition. The domestic industry should provide raw data/information from DGCI&S and the same should be analyzed properly.
- vv. The domestic industry should provide import data and its raw form and should explain how it has segregated it into PUC and Non-PUC and raw data. How can raw import data sourced from DGCI&S are treated as confidential. This implies manipulation.
- ww. High Pressure Gas Cylinder has been excluded by the Designated Authority in the Disclosure statement. But the import data used for determining dumping injury margin, examination of injury, includes imports of high pressure gas cylinder.
- xx. The exporter questionnaire was rejected on the ground that it included both PUC and non-PUC, so the petition ought to be rejected on the same ground.
- yy. Domestic Industry has provided misleading information about the installed capacities. MSL and ISMT have enhanced their installed capacities beyond domestic demand and this has led to deterioration in DI's performance.
- zz. The non-confidential version of the petition does not allow for a reasonable understanding of the allegations therein. Te information is not properly indexed. The other parties could not exercise their right to defend.
- aaa. DI abusively withheld and manipulated information related to allegation of injury and has not furnished any information with regard to utilities consumption statement as per the format the period of investigation and past three years, Depreciation, Details of misc. income earned during the year, details of WIP before and after the investigation period indicating breakup of material costs and overhead., return profit. Petitioner should provide summary of documents and indexed data in non-confidential version of petition.
- bbb. The DI is required to give proper justification for expecting 22% of ROC. Non injurious price by DA is highly inflated and is not based on real situation. DA should adopt actual profit earned by DI during period when there was no allegation of dumping as a basis for calculating reasonable return.
- ccc. The calculation of return by adopting 22% uniformity on both the components of capital employed is totally incorrect and needs to be reviewed.

- ddd. CESTAT has the opinion that it is mandatory for the Designated Authority to look into the inflated ROCE raised by the producer/exporter of the anti-dumping case and give its reasoned finding as to whether 22% is reasonable as per Annexure III to the ADD Rules. Hyosung Corporation vs. Designated Authority.
- eee. EU considers that injury investigation should in principle cover a period of 3-4 years prior to investigation period. Profit margin to be considered for arriving at reasonable return should be based on analysis of profit when there was no dumping and uniform application of 22% margin based on hypothetical considerations is totally illogical and is unreasonable. EFMA v Council (1999) ECR II-3291.
- fff. Individual determination of export price and dumping margin has not been determined for the exporter.
- ggg. It did not claim MET treatment. The Authority as per practice should have determined individual dumping margin. But the same was not done because one of the Agent Baotou International did not file response.
- hhh. Several clarities were given to the Authority regarding Baotou International and was conveyed to the Authority that it is only an Agent of the exporter not any importer or exporter, but the Authority did not ask for any clarification after issuance of preliminary findings.
- iii. The full transaction chain has been submitted and is on record. There was minimal import of the PUC during the Period of investigation and it did not export non PUC to India. It is implied by the act of the Authority that the entire transaction chain is on record.
- jjj. The scope of PUC was changed in the preliminary finding without intimating the exporter, which is unlawful and inadequate. The segregation of PUC and NON PUC was on the basis of earlier defined scope of PUC.
- kkk. It is still not clear to Baotou that if there was any error at their part regarding the scope of PUC as defined in original initiation or as defined in preliminary finding. If there was any error no opportunity was provided to correct that.
- lll. Baotou has exported only for a month and for that individual export price is to be adjusted and the same can be done without spot verification.
- mmm. There's no transparency in determining export price and normal value. Similarly for injury margin.
- nnn. Unified minimum prices for each PCN are incredibly higher than market price. No explanation on how they calculated it.
- ooo. Authority may provide clarification on if there's some discrepancy on the data provided by the Exporter.
- ppp. It is inappropriate for the Authority to apply the duty retrospectively. Also the Authority cannot publish the final finding in this month specially without completing the entire investigation. The Authority should complete the investigation with respect to Baotou also.
- qqq. Individual export price has not been determined for Baotou because it has not segregated the export in PUC and non-PUC, but Baotou has several times clarified to the Authority that it has not exported non-PUC to India.
- rrr. The cooperating UK trader might have exported non-PUC and may not have filtered it but Baotou's should not be punished for the same.
- sss. Injury and causal link analysis is done correctly in the disclosure statement due to the reasons that It is not clear whether imports of high pressure gas cylinders have been excluded from the import volume, Imports of secondary pipes, defective, rusted, used pipes and stock lots have not been excluded from the import volume, PCN A-1-5 have not been excluded from import volume, It is not clear how demand in India has been determined, as production and sales of the supporter M/s. Jindal Saw Ltd. and other Indian producers is not provided in the disclosure statement.
- ttt. In the disclosure statement it was mentioned that imports from the subject country and other countries have reduced in the petition and preliminary finding but demand has increased significantly. This calculation is erroneous and needs to be recalculated.
- uuu. Indian Rules are made in consonance of WTO agreement. As per rule un-dumped imports should be excluded from import volume.
- vvv. Actual reason of injury is decline in demand, decrease in crude oil exploration, excess capacities, and export deterioration. Inter se competition in industry, high interest cost.
- www. Injury to the domestic industry is solely due to the above factors.
- xxx. Landed value of the subject goods has been increasing since 2012-13. Similarly, the selling price of the domestic industry has also increased in the same period. The subject goods are not preventing the domestic industry from increasing their prices.
- yyy. Only one Petitioner ISMT is suffering losses. The other Petitioner MSL and the supporter M/s. Jindal Saw Limited have been profitable during the injury analysis period.
- zzz. It is to be noted that ISMT and Jindal Saw Limited were petitioners in the safeguard investigation, where the DG Safeguards found no serious injury to both the companies from alleged increase in imports of the subject goods. However, in this case, petitioners have switched positions, and MSL has been made petitioner instead of Jindal Saw Limited to show a manipulative picture of material injury. If economic parameters of Jindal Saw Limited are also taken into account, it would be found that these three producers are not suffering any injury at all from imports of the subject goods.

Examination of the Authority

120. The authority notes that most of the submissions are repetitive in nature and were already addressed earlier in the disclosure statement. The findings above ipso facto deals with these arguments of the interested parties. Further, the authority has examined submissions of interested parties herein below,

- a. It has been contended by interested parties that high priced transactions have been excluded from the import data. It is, however, noted that only those import transactions which do constitute PUC have been included in the disclosure statement and the present findings. Merely because some import transactions are at a low price because the same has been described as seconds or defectives, the same does not imply that these import transactions should be excluded from the scope of PUC. The scope of PUC in the present case is Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel and seconds/defectives pipes clearly constitutes Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel. In fact, it is noted from the questionnaire responses of the exporters or importers that it has not been claimed/demonstrated that these imports were meant for applications other than applications specified for the PUC. On the contrary, the petitioners contended that imports of seconds/defectives have been made for similar application for which goods seamless pipes and tubes is bought by a consumer. It is also noted that the authority has included seconds/defectives/downgraded product within the scope of PUC in several investigations.
- b. As regards the contention that the domestic industry has quoted a price lower than foreign suppliers in some tenders, the authority notes that the domestic industry contended that 93% of procurement by Oil India Limited and 99 % procurement by ONGC were met from imports and this contention of domestic industry has not been refuted by the exporters. Further, in a situation where there are a large number of tenders floated by consumers over a period of time, it is quite possible that the domestic producers may have quoted a price lower than imports in some cases. It is quite natural that the domestic industry might have quoted a price considering past history of low prices by Chinese producers.
- c. Some interested parties have contended that reference price system is not appropriate in the present case and same is violative of Rules & WTO decisions. Further, it has been contended that the reference price is not appropriate for a variety of factual reasons. The domestic industry has requested imposition of anti-dumping duty in the form of reference price. The authority notes that the reference price system is well established and accepted form of duty as far as the legality of the same is concerned. The Hon'ble CESTAT has also upheld reference price system in a number of decisions including phenol, polyol etc. As far as the contention of appropriateness of reference price system in those situations where raw material prices are not stable is concerned, the authority notes that reference price has been imposed in past also such as AD cases pertaining to phenol, polyol etc wherein the raw material prices are not stable. As regards the possibility of increase or reduction in raw material costs after the investigation period, the authority notes that the issue is well settled in past several cases. If the cost of production does increase or decline after the POI, the same is a subject-matter of review under Rule 23. However, possible increase/reduction in raw material costs in the post POI period cannot be considered relevant to decide the form of duty. It is also noted that domestic industry has provided significant evidence showing that the raw material prices prevailing at present are in fact higher than the raw material prices that had prevailed during the POI and relevant evidence is suggestive of future increase in raw material costs. Despite this increase in cost of production, the domestic industry has requested imposition of anti-dumping duty on the basis of reference price system, contending intensified dumping and absorption of safeguard duty by the Chinese producers. It is also noted that that information on record shows steep decline in prices over the injury period and particularly after imposition of safeguard duty. The authority also notes that the arguments with regard to inappropriateness of reference price system do not hold any merit.
- d. Some interested parties have contended that DGCI&S transaction wise data should not have been claimed confidential. It is, however, noted that DGCI&S transaction wise data has been made available by the petitioners for placing in the public file. The petitioners made available both the segregated data for PUC alone the data for product considered as well as product not under consideration. Further, the petitioners had provided soft copy in excel file and the same was also made available through public file. In fact, one of the interested parties has even provided a sorted list of seconds and defectives from the soft copy made available by the DA. However, the authority has placed DGCI&S transaction wise data in public file and the same was made available to the interested party through the public file.
- e. As regards granting 22% ROCE, the authority notes that it has been consistent practice of the authority to grant 22% return on capital employed. It is noted in this regard that this 22% return is not on actual cost of production and the same is on normated cost of production determined by the authority. This 22% ROCE thus constituted much lower percentage in terms of actual cost of production of the domestic industry. In fact, the domestic industry has contended consideration of higher ROI in several cases. The authority has however been following consistent policy of allowing 22% ROCE for the purpose of determination of NIP. Moreover, it has not been established how this ROI is not appropriate and is unduly high.

- f. Some interested parties have contended that the domestic industry claimed excessive confidentiality. It is clarified that the domestic industry has provided all this information and the same has been adequately and appropriately considered in the present findings. Since these information constitute business sensitive confidential information of the domestic industry, confidentiality of which is protected under Rule 7, the authority cannot disclose this information to the interested parties. It is noted that the return allowed by the authority is only*** of the cost of production before interest and 22 % of the capital employed.
- g. As regards practice adopted by EU, the authority considers that the same is in any case incomparable to the Indian practice. It is noted that EC determines injury margin after considering actual cost of production, whereas authority follows elaborate NIP law laid down under the law. The practice applied by EU therefore in any case is not relevant for determination of recent profit earned by the authority. In any case, the ROI allowed by the authority on the actual cost of production comes to only***.
- h. As regards retrospective imposition of anti-dumping duty, the authority has considered it appropriate not to recommend imposition of anti-dumping duties on retrospective basis. As regards duty for the interregnium period, the authority notes that the issue is for the Central Government to decide. As regards counting of definitive duty for five years from the date of imposition of definitive duty, the issue is relevant to the Central Government.

N. CONCLUSIONS

121. After examining the issues raised and submissions made view expressed in oral hearing, by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:
- i. The product under consideration has been exported to India from the subject country below its normal value, resulting in dumping.
 - ii. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject country.
 - iii. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject country.

O. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

122. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the downstream products and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

RECOMMENDATIONS

123. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive duty is required to offset dumping and injury. Therefore, Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.
124. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition definitive anti-dumping duty (equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, from the date of notification to be issued in this regard, from date of imposition of provisional duty by the Central Government as the difference between the landed value of the subject goods and the amount indicated in Col 9 of the duty table appended below, after deducting/adjusting safeguard duty payable if any :

Provided the landed value is less than the value indicated in Col 9. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

| Sl. No. | Sub- heading | Description | Country of origin | Country of export | Producer | Exporter | PCN | Amount | Unit | Currenc y | | |
|------------|-----------------|---|---------------------------------|---------------------------------|--|--|-------|---------|---------|--------------|-----|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | | |
| 1 | 7304 | Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non alloy Steel (other than cast iron and Stainless steel), Whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD* | China PR | China PR | Jiangsu Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR | Chengde Steel Tube Share Co., Ltd., China PR | A-1-1 | 1194.60 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-2 | 1075.28 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-3 | 1383.44 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-4 | 1178.73 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-6 | 1193.77 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-7 | 1462.00 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-8 | 1610.67 | MT | USD | | |
| 2 | -do- | -do- | China PR | China PR | Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd. | Yangzhou Chengde Steel Tube Co., Ltd. | A-1-1 | 1194.60 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-2 | 1075.28 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-3 | 1383.44 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-4 | 1178.73 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-6 | 1193.77 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-7 | 1462.00 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-8 | 1610.67 | MT | USD | | |
| 3 | -do- | -do- | China PR | China PR | Any other combination other than SI No. 1 & 2 | | | A-1-1 | 1194.60 | MT | USD | |
| | | | | | | | | A-1-2 | 1075.28 | MT | USD | |
| | | | | | | | | A-1-3 | 1383.44 | MT | USD | |
| | | | | | | | | A-1-4 | 1178.73 | MT | USD | |
| | | | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | USD | |
| | | | | | | | | A-1-6 | 1193.77 | MT | USD | |
| | | | | | | | | A-1-7 | 1462.00 | MT | USD | |
| | | | | | | | | A-1-8 | 1610.67 | MT | USD | |
| 4 | -do- | -do- | Any country other than China PR | China PR | Any | Any | A-1-1 | 1194.60 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-2 | 1075.28 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-3 | 1383.44 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-4 | 1178.73 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-6 | 1193.77 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-7 | 1462.00 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-8 | 1610.67 | MT | USD | | |
| 5 | -do- | -do- | China PR | Any country other than China PR | | | A-1-1 | 1194.60 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-2 | 1075.28 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-3 | 1383.44 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-4 | 1178.73 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-5 | 961.33 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-6 | 1193.77 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-7 | 1462.00 | MT | USD | | |
| | | | | | | | A-1-8 | 1610.67 | MT | USD | | |

* The description of goods does not include the imports of the following:

- i. Seamless Pipes & Tubes made of cast iron and stainless steel.
- ii. Seamless alloy-steel pipes, tubes and hollow profiles of specifications of ASTM A213/ASME SA 213 and ASTM A335/ ASME SA 335 or equivalent BIS/DIN/BS/EN or any other equivalent specifications.
- iii. Non - API and Premium Joints / Premium Connections / Premium Threaded Tubes & Pipes as prescribed under customs notification no. 12/2012 dated 17th March 2012 at serial number 356.

- iv. All 13 Chromium (13CR) Grade Tubes and Pipes.
- v. Drill Collars.
- vi. High pressure seamless steel pipe/tube used for manufacturing gas cylinders by producers approved by the Chief Controller of Explosives, Petroleum and Explosives Safety Organisation, Government of India.

**

| PCN | Description of PUC |
|------------|--|
| A-1-1 | Seamless Tubing, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non Alloy/ Alloy , hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-2 | Seamless Casing, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non Alloy/ Alloy , hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-3 | Seamless Mother Hollows, Coupling stock, blanks/ Pup Joints, Carbon/ Non Alloy/ Alloy , hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-4 | Seamless Drill Pipes, of a kind used in drilling for oil or gas, Carbon/Non Alloy, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-5 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles including Line pipes of Carbon/Non alloy steel, hot finished of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-6 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes of Carbon/Non alloy steel, cold drawn or cold rolled or cold reduced of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-7 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes and Bearing tubes of Alloy steel, hot finished, of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |
| A-1-8 | Seamless Tubes, Pipes and hollow profiles of circular cross section including Line pipes and Bearing tubes of Alloy steel, cold drawn or cold rolled or cold reduced, of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14" OD |

125. Subject to the above, the Authority confirms the Preliminary Findings dated 31st March, 2016.

126. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

Dr. INDER JIT SINGH Addl. Secy. & Designated Authority